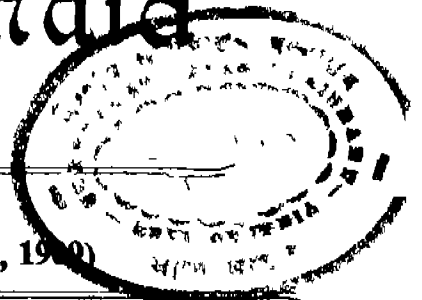




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 27, 1987 (आषाढ़ 6, 1909)
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 27, 1987 (ASADHA 6, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और

भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग १

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मई 1987

सं० ए० 38013/5/86-प्रशा० II—I—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के के० ए० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत अनुभाग अधिकारी श्री एच० सी० शर्मा को कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार, निवर्तन आयु होने पर 30 अप्रैल, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की महर्ष अनुमति प्रदान करने है।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (का० प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

कें० ए० ब्यूरो

का० व प्र० विभाग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 जून 1987

सं० ए० 19014/15/84-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० आर० विश्वास, भा० पु० से० (ए० एण्ड एम० एम० पी० एम०), पुलिस अधीक्षक, के० ए० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, मिल्चर शाखा की सेवाएं दिनांक 30 अप्रैल, 1987 पूर्वाह्न से असम तथा मेघालय सरकार को सौंपी जाती हैं।

धर्मपाल भट्टा,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 मई 1987

सं० 3/4/87-प्रशा०—I—राष्ट्रपति, श्री एस० एच० कुमार बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, राष्ट्रीय विमान पतन प्राधिकरण

को पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (इलेक्ट्रॉनिक्स) के पद पर दिनांक 1-5-87 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति आधार पर तीन वर्ष के लिये नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जून 1987

सं० 3/9/81 प्रशा० I—श्री पी० जे० जोसेफ, आई० पी० एम० (गृहीता 1953) के उड़ीसा राज्य में प्रत्यावर्तन के परिणाम स्वरूप पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली के उपनिदेशक (अधि०) के पद का कार्यभार दिनांक 31 मई, 1987 (अपराह्न) से सौंप दिया है।

सं० 3/32/84-प्रशा० I—श्री वी० जे० के० तम्पी, आई० पी० एम० (एम० टी० 1962) के त्रिपुरा सरकार अग्रतला में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली के उप निदेशक (अनु०) के पद से दिनांक 29 मई, 1987 (पूर्वाह्न) को कार्यभार सौंप दिया है।

आर० एम० सहाय
उप निदेशक (प्रशा०)

अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली-110055, दिनांक 27 मई, 1987

सं० 1/2/87-अविक्सि—राष्ट्रपति, श्रीमती स्नेह लता टण्डन, बक्ता, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली को अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) नई दिल्ली से दिनांक 8-5-1987 पूर्वाह्न से रु० 3000-4500/- के वेतनमान में अगले आदेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर रीडर (समाज शास्त्र) के पद पर नियुक्त करते हैं।

आर० एम० कुलकर्णी
निदेशक

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मई, 1987

सं० ओ० दो० 1396/77-स्था०-1-—सेवा में स्वैच्छिक निवृत्ति होने के फलस्वरूप नियम 43 (3) (ii) के० रि० पु० बल, नियम 1955 के अधीन श्री के० एम० मेहता ने अपने पुलिस उपाधीक्षक/कम्पनी कमाण्डर, 76 बटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 24-5-1987 (अपराह्न) से त्याग दिया।

सं० डी० एफ०-34/83-स्थापना (के० रि० पु० बल)—आसाम पुलिस में रिपैट्रीएशन होने के फलस्वरूप श्री हरदेव सिंह, पुलिस उपाधीक्षक ने दिनांक 30-4-1987 (पूर्वाह्न) से पुलिस उपाधीक्षक, 87 बटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ओ० दो० 1900/84प्रेज—I—राष्ट्रपति, श्री भूपिन्दर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, 13 बटा० के० रि० पु० बल का त्याग पत्र दिनांक 9-4-87 (पूर्वाह्न) से महर्ष स्वीकार करते हैं।

सं० ओ० दो० 1958/84-स्थापना-I—श्री एम० पी० शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, 18 बटा० के० रि० पु० बल का देहान्त दिनांक 9-3-1987 को 0730 बजे हो गया। तदनुसार उन्हें दिनांक 10-3-1987 (पूर्वाह्न) से बल की गणना से निकाल दिया गया है।

सं० ओ० दो० 10/87 स्थापना-I—श्री जे० पी० सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, के० रि० पु० बल की सेवायें आई० वी० (गृह मंत्रालय) को प्रतिनियुक्ति आधार पर दिनांक 5-4-1987 (अपराह्न) से सौंपी जाती हैं।

अशोक राज महीपति
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1987

सं० 10/22/84-प्रशा० I—विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों/अन्वेषकों (सामाजिक अध्ययन) को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद का कार्यभार नियमित आधार पर ग्रहण करने की तारीख, जोकि उनके नामों के सामने दर्शाया जा रहा है, से अगले आदेशों तक प्रोन्नति द्वारा नियमित आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र.सं०	नाम/राष्ट्रक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियुक्ति प्रोन्नति से पूर्व धारित पद	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख	जिस कार्यालय में तैनात किए गए एवं मुख्यालय
1	2	3	4
1	श्री जमजोर सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय राजस्थान, जयपुर

1	2	3	4
2	श्री आनन्द कुमार, अन्वेषक, भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	4-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
3	श्री ए० एल० दाम, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, बिहार	9-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, बिहार, पटना
4	श्री टी० टी० वजानी, अन्वेषक, भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली	4-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
5	श्री के० के० अकोलकर, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र	3-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई
6	श्री आर० एन० पोंगुलेकर, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई
7	श्री एच० एम० मीना, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, बिहार	9-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, बिहार, पटना
8	श्री बाबू लाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय	4-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली ।
9	श्री आर० एम० मीना, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान, जयपुर
10	श्री वी० पी० कटारिया, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली ।	3-12-86 पूर्वाह्न	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
11	श्री के० आर० नारायण, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, कर्नाटक	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, कर्नाटक
12	श्री श्री० पी० ब्राह्मजा, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय	4-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
13	श्री सुभाष गर्ग, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय	3-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
14	श्री एम० विद्यासागर, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, पाण्डिचेरी	4-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, पाण्डिचेरी

1	2	3	4
15.	श्री सी० चक्रवर्ती, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	3-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
16.	श्री ए० के० सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	3-12-86 (पूर्वाह्न)	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
17.	श्री एम० एल० साह, जनजातीय विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर	30-1-87 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
18.	श्रीमती सुमन पराशर, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	6-4-87 पूर्वाह्न	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
19.	श्री ए० जी० भास्करन, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास
20.	श्री के० बी० रोहतगी, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	5-5-87 पूर्वाह्न	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
21.	श्री एम० आर० गर्ग, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	3-4-87 पूर्वाह्न	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
22.	श्री एन० एस० भटनागर, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, गुजरात	3-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, गुजरात अहमदाबाद
23.	श्री एम० बी० राव, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, आन्ध्र प्रदेश	8-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद
24.	श्री एच० के० बी० सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, मणिपुर	8-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, मणिपुर, इम्फाल
25.	श्री बी० गंगाराजन, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास
26.	श्री निर्मल भट्टाचार्य, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, असम	9-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, असम, गाहाटी

1	2	3	4
27.	श्री जी० डी० सिंगल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, हरियाणा	5-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़
28.	श्री आर० एम० सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
29.	श्री करन सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, पंजाब	8-12-86 पूर्वाह्न	जनगणना निदेशालय, पंजाब, चंडीगढ़
30.	श्री बी० बी० एस० शास्त्री, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, आन्ध्र प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद
31.	श्री लखन सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	23-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
32.	श्री ए० के० पाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, अरुणाचल प्रदेश	4-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, अरुणाचल प्रदेश
33.	श्री के० गोपीनाथन, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, केरल	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, केरल, त्रिवेन्द्रम
34.	श्री के० बी० लखन पाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़, संघ राज्य क्षेत्र
35.	श्री जे० एल० मचाडो, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास
36.	श्री आर० नारायण तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास
37.	श्री बी० एल० टिक्कू, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान, जयपुर
38.	श्री जी० डी० अग्रवाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान, जयपुर
39.	श्री एन० के० पुरोहित, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

1	2	3	4
40. श्री टी० डी० अग्रवाल, (रूरल इन्फ्रैस्ट्रक्चर कार्पोरेशन, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर)	8-1-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	
41. श्री जे० पी० बनेवाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	
42. श्री एम० जी० मोहम्मद, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल	
43. श्री एस० एस० निकेत, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	3-2-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई	
44. श्री आर० एस० लाल, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	3-2-87 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई	
45. श्री के० एम० लिगटोह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, मेघालय	17-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, मेघालय, शिलांग	
46. श्री बुध सिंह, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	
47. श्री राम कुशेर राम, तदर्थ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-12-86 (पूर्वाह्न)	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	
48. श्री जसवंत लाल, अन्वेषक, जनगणना, निदेशालय, हरियाणा	13-1-87 (अपराह्न)	जनगणना निदेशालय, संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़, चण्डीगढ़	

बी एस० वर्मा,
भारत के महारजिस्ट्रार

महालेखाकार (लेखा)-1, बिहार का कार्यालय

रांची-2, दिनांक 27 मई 1987

स० प्रशा०-पदोन्नति 339-40 — महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-1, बिहार, रांची के द्वारा श्री अलबिनस मिज, अनुभाग अधिकारी को महुर्पे पदोन्नत कर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-2, बिहार, पटना के कार्यालय में

उनके लेखा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

श्री अलबिनस मिज ने महालेखाकार (लेखा एवं ह०)-2, बिहार, पटना के कार्यालय में लेखा अधिकारी का पदभार दिनांक 6-4-87 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

सं० प्र० पदोन्नति-348-49—प्रशा० महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) 1 बिहार, रांची के द्वारा, श्री मनीश चन्द्र मिन्हा, अनुभाग अधिकारी को सहर्ष पदोन्नति कर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)—2, बिहार, पटना के कार्यालय में उनके लेखा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

श्री मनीश चन्द्र मिन्हा ने महालेखाकार (ले० एवं ह०)—2 बिहार, पटना के कार्यालय में लेखा अधिकारी का पदभार दिनांक 18-3-87 (अपराह्न) को ग्रहण किया।

सं० प्रशा० पदोन्नति 357-58—मा० लेखाकार, (लेखा एवं हकदारी)—I बिहार, रांची के द्वारा, श्री राम रेनु बनर्जी, अनुभाग अधिकारी को सहर्ष पदोन्नति कर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)—1, बिहार, रांची के कार्यालय में उनके लेखा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

श्री राम रेनु बनर्जी ने महालेखाकार (ले० एवं ह०)—1, बिहार, रांची के कार्यालय में लेखा अधिकारी का पदभार दिनांक 17-3-1987 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

ह०/—अपठनीय
उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार (ले० व ह०) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 1 जून, 1987

सं० ले० व ह०/का० स्था० (हक व रोकड़हाक 4-10-3 87-88—भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के निम्नलिखित कर्मचारी अधिवर्षिकी के कारण 30-4-1987 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

श्री पी० जे० चाक्की—वरिष्ठ उप महालेखाकार (केरल राज्य रोड परिवहन निगम में प्रतिनियुक्ति में)।

ह०/—अपठनीय
महालेखाकार

निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कार्यालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 25 मई, 1987

सं० प्रशा० I/सी/रा० प/470/511-12—निदेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय, कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखा-

परीक्षा अधिकारियों को 2375-75-3200-द० गे०—100-3500 रुपये के वेतनमान पर स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (ग्रुप 'ब') के पद पर उनके नामों के साथ दिये गये तारीख से अगला आदेश जारी किये जाने तक निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय कार्यालय के कार्यालय में नियुक्त किये हैं।

क्र सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
		(पूर्वाह्न में)
1	श्री सो० अब्दुल वहाब	26-3-87
2	श्री धीरेन्द्र नाथ बोस	30-3-87

मुनील,
उप नि० ले० परीक्षा प्रशा०

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्युध निर्माणी सेवा

आर्युध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 25 मई, 1987

सं० 10/जी/87—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को आगामी आदेश होने तक उनके नामों के सम्मुख दर्शाई गई तारीख से महायुक्त कार्यशाला प्रबन्धक (परिक्षाधीन) के पद पर नियुक्त करने हैं—

क्रम संख्या	नाम	पदभार की तारीख
	सर्वश्री	
01.	एस० सी० गुप्ता	20-12-85
02.	के० के० पति	20-12-85
03.	ए० के० गुप्ता	10-02-87
04.	एस० के० मिश्र	24-3-86
05.	शैलेन्द्र नाथ	30-04-86
06.	एम० एम० राव	28-05-86
07.	कुमारी डी० आर० डोले	28-03-86
08.	एम० के० महापात्र	25-09-86
09.	आर० आर० झा	05-08-86
10.	डी० वी० राव	29-08-86
11.	वी० रविन्द्रन	04-08-86
12.	आर० एम० झा	05-08-86
13.	संजीव किशोर	28-07-86

क्रम संख्या	नाम	पदभार की तारीख
महेश्वरी		
14.	अनिल कुमार	29-08-86
15.	आर० वर्मा	01-09-86
16.	एम० के० गर्ग,	28-11-87
17.	धनश्याम दास	04-09-86
18.	बी० मधु कृष्णा	16-08-86
19.	प्रदीप गुप्ता	28-11-86
20.	एच० एन० नागरले	26-12-86
21.	पि० नरसिमहन	03-11-86
22.	कैलाश नाथ	31-10-86
23.	ए० सम्भुगम	05-08-86
24.	रजनिश जोहरी	15-12-86
25.	एल० महन्ति	29-09-86
26.	कान्ता प्रसाद	25-07-86
27.	गोविन्द मोहन	01-10-86
28.	एन० शिवनन्वन	12-02-86
29.	ए० के० नायक	16-02-87
30.	जी० सी० गौड	06-02-87
31.	टी० मिमोक्षी	04-02-87
32.	एम० के० मिन्हा	27-01-87
33.	बी० ए० महेश	14-02-87
34.	पि० रामकृष्ण	30-04-86
35.	एस० मिराजुद्दीन	16-01-86
36.	तपन्नत बसु	01-08-85
37.	गोपाल सिंह	29-08-85
38.	सुनिल महाजन	16-02-87
39.	ए० के० मण्डल	12-02-85
40.	महादेव तियारी	31-12-85
41.	आर० एस० सिंह	13-02-86
42.	बी० डी० मिन्हा	11-03-86
43.	एम० के० रामचन्द्रन	24-09-86
44.	जे० जेड० वाक्रे	20-03-86
45.	बी० एन० रामकृष्णन	01-10-86
46.	डी० एस० एम० भांगुली	30-09-86
47.	ए० बोजन	29-09-86
48.	एन० रामलिंगम	01-10-86
49.	अर्जुन प्रसाद	19-12-86
50.	अनन कुमार	21-01-87
51.	डा० आरे० के० नेगी	28-11-86
52.	एन० एम० मेशाद्री	07-11-86
53.	एम० एस० मस्के	03-10-86
54.	एम० चटार्ज्जी	01-04-87
55.	बी० के० मिश्र	30-03-87
56.	के० बाई० बरापात्रे	09-02-87

क्रम संख्या	नाम	पदभार की तारीख
सर्वश्र.		
57.	संजीव कुमार	26-02-87
58.	श्रीमती मीता कुल्ये	02-03-87
59.	सुशील कुमार	05-03-87
60.	कुरियन मोहन जॉकब	16-02-87
61.	एस० सी० माथुर	10-11-87
62.	चनन राम	06-03-87
63.	श्री अतुल गुप्ता	16-01-87
64.	श्री मुकुल गौर	31-03-87
65.	श्री जी० डी० द्विवारी	30-07-85

सं० 11/जी/87—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-
कारियों को आगामी आदेश होने तक उनके नामों के सम्मुख
दर्शाई गई तारीख से सहायक कार्यशाला प्रबन्धक (अस्थायी)
के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	पदभार की तारीख
	सर्वश्री	
01.	आर० भट्टाचार्या	15-12-86
02.	पि० के० गर्ग	30-09-86
03.	आर० गोपालकृष्णा	23-09-86
04.	एच० आर० विक्षित	17-06-87
05.	वाई० एस० पुण्डिर	04-02-87
06.	बी० एस० चौहान	15-09-87
07.	आर० के० बाप्योने	27-08-86
08.	टी० के० घोषाल	29-09-86
09.	एस० के० घोष	27-08-86
10.	एस० मुखोपाध्याय	30-09-86
11.	एस० राय चौधुरी	30-09-86
12.	एम० एस० मुखोपात्राय	30-09-86
13.	पि० एन० बिस्वास	17-09-86
14.	प्रितम सिंह	27-09-86
15.	बी० के० अग्रवाल	29-08-86
16.	प्रो० एम० राठी	29-08-86
17.	अनिमेश देव	30-12-86
18.	एस० के० भट्टाचार्या	08-10-86
19.	एम० पलानिभेनु	29-10-86
20.	पि० के० मिश्रा	29-09-86
21.	एम० के० पल	08-10-86
22.	आर० एन० तिवारी	08-10-86
23.	एम० के० तिवारी	11-09-86

क्रम संख्या	नाम	पदभार की तारीख
सर्वश्री		
24.	ग्रोम प्रकाश अग्रवाल	24-09-86
25.	विनोद कुमार	24-09-86
26.	मोहिन्द्र सिंह	08-09-86
27.	एस० के० रे	30-10-86
28.	जी० एन० सिंह	29-09-86
29.	राम प्रकाश	30-09-86
30.	ए० दामोदरन	08-10-86
31.	गुरदिए सिंह	05-09-86
32.	बी० के० सरकार	01-10-86
33.	के० सुधाकरण	29-11-86
34.	एन० रामाकृष्णन	23-10-86
35.	सि० के० चक्रवर्ती	29-09-86
36.	वी० गजेन्द्रन	24-11-86
37.	टी० मुनिशन्करन	30-09-86
38.	टी० के० मुजुमदार	15-10-86
39.	टी० एन० तिवारी	29-12-86
40.	वी० के० वास्तिन	30-09-86
41.	ए० मुनास्वामी	10-09-86
42.	आर० परसुराम	31-12-86
43.	आर० के० सुरी	25-02-87
44.	बी० वी० राउ	25-2-87
45.	एस० के० देव	26-03-87

एम० ए० अलहन,
संयुक्त निदेशक

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1987

सं० प्र-1/1(700):--राष्ट्रपति ने स्थाई उपनिदेशक पूति और स्थानापन्न पूति निदेशक (भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-1) श्री एस० के० भट्टाचार्य, जो इस समय विश्व बैंक, नई दिल्ली के स्थानीय कार्यालय में प्राण अभियन्ता के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (पैशन) नियमावली के नियम 48-(क) के अन्तर्गत ऐच्छिक सेवा निवृत्ति का दिनांक 2-3-87 का नोटिस स्वीकार कर लिया है और उन्हीं दिनांक 2-6-87 2-126GI/87

के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्ति के लिये अनुमति देते हैं।

एम० पी० बांग्रा,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 जून 1987

सं० 3189 बी/ए-19012(3-एम० एल०)/85-19
बी:--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री मुकुन्द बी० लोखण्डे को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रु० के वेतनमान के वेतन में, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 26-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3203 बी/ए-19012(3-एस० सी०)/85-19
बी:--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्रीमती स्वपना चक्रवर्ती को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रु० के वेतनमान के वेतन में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3217 बी/ए-19012(3-एम० पी० सी०) 19
बी०:--डा० एम० पी० आचरकर ने रक्षा प्रयोगशाला, रतान्डा महल, जोधपुर में अपनी स्थाई नियुक्ति के फलस्वरूप भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में रसायनज्ञ (कनिष्ठ) के पद से 2-1-87 के पूर्वाह्न से त्यागपत्र दे दिया है।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)

भारती खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 1 जून 1987

सं० ए-19011(121) 86-स्था० ए०-- विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री के० एम० राजु, अस्यक प्रसाधन अधिकारी, की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में अधीक्षक अधिकारी (अ० प्र०) के पद पर दिनांक 14-5-1987 के अपराह्न से पदोन्नति प्रवाम की गई।

दिनांक 4 जून 1987

सं० ए० 19011/103/86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री पी० डब्ल्यू० मानकर, उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) की भारतीय खान ब्यूरो में खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थाना-पन्न रूप में दिनांक 25-5-1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की गई।

जी० सी० शर्मा,
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक

अकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1987

सं० 9/3/87-एस-2:—महानिदेशक, अकाशवाणी श्री एस० बानाजा, फार्म रेडियो रिपोर्टर को फार्म रेडियो अधिकारी, अकाशवाणी भद्रावती के पद पर रूप्यें 2000-3500 के वेतनमान में 8-5-87 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० बानाजा ने उसी तारीख को फार्म रेडियो अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

सं० 9/4/87-एस-2:—महानिदेशक, अकाशवाणी श्री नरसिंह दास, फार्म रेडियो रिपोर्टर को, फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर, अकाशवाणी सम्मेलनपुर में रूप्यें 2000-3500 के वेतनमान में 11-5-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री नरसिंह दास ने उसी तारीख को फार्म रेडियो अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

इन्द्र सेन पांडी,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 27 मई 1987

सं० ए० 19012/4/87-ई-1:—श्री एस० एस० भौमिक, वेतन एवं लेखाधिकारी अकाशवाणी, कलकत्ता को दिनांक 5-5-1987 के पूर्वाह्न से दो वर्षों की अवधि के लिये

पूर्व अन्तर्गत नमोदय केंद्र, फिल्म प्रभाग कलकत्ता के लेखाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति किया गया है।

बी. आर. पेंसवानी,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 1 जून 1987

सं० ए० 19011/2/84-प्रशासन :—रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली के कार्यालय में लेखा अधिकारी श्री एम. के. गोस्वामी जो कि भारत के समाचारपत्रों के, पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में परिचालन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, की प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति के परिणामस्वरूप उन्हें दिनांक 31-5-1987 (अपराह्न) से उनके मूल कार्यालय में एतद्द्वारा प्रस्थापित कर दिया जाता है।

कृपा सागर,
भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

खाद्य विभाग, शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1987

सं० ए० 20012/10/70/स्था० खण्ड-II—शर्करा निदेशालय, खाद्य विभाग के निरीक्षण अधिकारी (शर्करा) श्री डी० पी० सक्सेना 31 मई, 1987 (अपराह्न) को बार्धक्य की आयु प्राप्त करके सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

बी० लक्ष्मीरतन,
संयुक्त सचिव (शर्करा)

कृषि मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 16 अप्रैल 1987

सं० ए० 19025/3/85-प्र-3/प्र० I—इस निदेशालय में श्री एस० आर० भीना द्वारा सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद से दिया गया त्याग पत्र दिनांक 1-12-86 (अपराह्न) से स्वीकृत किया गया है।

अनिता चौधरी,
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु उर्जा विभाग

राजस्थान परमाणु बिजलीघर

राजस्थान, दिनांक 11 मई 1987

सं० रा० प० वि० घ/मती/3(2)/87/स्प/308/— राजस्थान परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक इस बिजलीघर के निम्नलिखित कर्मचारियों को दिनांक 1 फरवरी, 1987 पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थाई तौर पर वैज्ञानिक अधिकारी/ग्रेड "एस बी" पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

संख्या	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	जिस पद पर नियुक्त किया
--------	----------------	------------	------------------------

- | | | | |
|----|-----------------------|--------------------|-------------------------------|
| 1. | श्री सी० पी० छेनीवाल | वैज्ञानिक सहायक सी | वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एस बी |
| 2. | श्री जी० आर० जत्सारी | | |
| 3. | श्री चन्द्रेश कपूर | " | " |
| 4. | श्री टी० आर० उपाध्याय | " | " |
| 5. | श्री रतन चटर्जी | " | " |
| 6. | श्री एल० के० शर्मा | वैज्ञानिक सहायक बी | " |

उपरोक्त अधिकारियों ने वैज्ञानिक अधिकारी/ग्रेड एस बी पद का कार्यभार दिनांक 1 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

एस० त्रिभुवननाथ,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

णु उर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762 दिनांक, 27 मई 1987

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/1603/1297:— नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रशासन के उपमुख्य कार्यपालक जी निम्नलिखित अधिकारियों को रु० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में अस्थाई हैसियत से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (एस बी) के रूप में उनके नामों के सम्मुख दर्शाई गई

प्रभावी तिथियों से आगामी आदेशों पर्यन्त नियुक्त कर है:—

क्रमांक	नाम	वर्तमान पद	वै० प्र० (एस बी) के रूप में नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री			
			(पूर्वाह्न)
1.	सी० एच० ;वीर० राघवुलु	वै० स०(सी)	1-2-87
2.	के० लक्ष्मण राव	वै० स०(सी)	1-2-87
3.	जी० वेणुगोपाल राव	वै० स००(बी)	11-4-87

दिनांक 23 मई 1987

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/1281:—प्रशासन एवं लेखा के उपमुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री कलिवडि जगमोहन राजु को रु० 2000/— प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर दिनांक 25-5-1987 से 23-6-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/0703/1282:—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या: ना० ई० स०/का० प्र० भ/0703/501, दिनांक 25 फरवरी, 1987 के क्रम में लेखा सहायक श्री सु० रा० प्रभाकरन की रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 22-8-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/0703/1317:— इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ/0703/559 दिनांक 6 मार्च, 1987 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री ना० भरतन की स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के रूप में नियुक्ति को रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 05-9-1987 पर्यन्त या आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह,
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशास

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1987

सं० ए० 32013/1/86-ई०-1/-राष्ट्रपति, मुख्यालय के श्री एन० नरेश, वरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी को दिनांक 5-5-87 (पूर्वाह्न) से छः (6) माह की अवधि के लिये या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, उपनिदेशक/नियंत्रक उड़नयोग्यता को ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

मुकुल भट्टाचार्य
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

सीमा शुल्क

स्थापना विभाग

मद्रास-1, दिनांक 3 जून 1987

सं० 1/87: एस० 2/1/87-स्थापना विभाग—श्री अर्युध अजीज, पी० श्रीनियामन, पी० तंगमणि और एम० श्रीनिवासन, प्रवेन्टिव आफिसर, सीमा शुल्क भवन, मद्रास, को स्थानापन्न रूप में अधीक्षक पद पर पदोन्नति दी जाती है और उन्हें 10-3-1987, 20-3-87 और 10-4-1987 पूर्वाह्न (क्रमशः) कार्यभार ग्रहण किया है।

आर० जयरामन
समाहर्ता
सीमा शुल्क

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1987

सं० 4/1987—श्री सी० वी० दुर्धया ने, जो पहले सीमा शुल्क मद्रास में सहायक समाहर्ता के पद पर तैनात थे, मंत्रालय के फा० सं० ए०-22012/17/87-प्रशा० 2 द्वारा जारी दिनांक 31-3-87 के आदेश सं० 41/87 के अनुसार कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के रूप में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 11-5-1987 (पूर्वाह्न) में नि० म० नि० सी० शु० तथा के० उ० शु० नई दिल्ली में सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण में दिल्ली स्थित न्यायपीठ में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 5/87—श्री एल० सी० चक्रवर्ती, ने, जो पहले सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण कलकत्ता में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के पद

पर तैनात थे, मंत्रालय के दिनांक 31-3-87 फा सं० ए० 22012/17/87 प्रशासन 2 द्वारा जारी आदेश संख्या 41/87 के अनुसार कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के रूप में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 14-5-87 से (पूर्वाह्न) में नि० म० न० सी० शु० तथा के० उ० शु० नई दिल्ली में दिल्ली स्थित न्यायपीठ में सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय, अधिकरण में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एच. एम. सिंह
महानिदेशक निरीक्षण

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 मई 1987

सं० ए० 19012/1206/86-स्था० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० पी० घोष, कनिष्ठ अभियन्ता को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में दिनांक 8-10-1986 की अपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले ही पूर्ण अवधि तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जून 1987

सं० ए-19012/1/(44)/87-स्था० एक—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों पर श्री नरेन्द्रा सिंह, पर्यवेक्षक (बेंतार) को सहायक इंजीनियर (बेंतार) के पद पर वेतनमान द० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 में स्थापना-पन्न क्षमता में नियमित आधार पर 15 अप्रैल, 1987 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

श्री नरेन्द्रा सिंह 15 अप्रैल, 1987 से दो वर्ष तक परीक्षा पर रहेंगे।

श्री महादेव अय्यर
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 4 जून 1987

सं० 3-803/87-स्था० (मु० जल भू०) श्री बी० उमापति को दिनांक 9.4.1987 (पूर्वाह्न) से पहले

आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू-विज्ञानी, जी० सी० एस० (समूह "ख") (राजपत्रित) पद पर मूल वेतन 2000/- रुपये प्रतिमाह पर परिशोधित वेतनमान रु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय के० भू० ज० बोर्ड, राज्य एकक कार्यालय, रायपुर होगा।

सं० 3-804/87-स्था० (मु० ज० पू०)—श्री अमित सहाय को दिनांक 9-4-87 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू-विज्ञानी जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपत्रित) के पद पर मूल वेतन 2000/- रु० प्रतिमाह पर परिशोधित वेतनमान रु० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय के० भू० ज० बोर्ड, दक्षिण पूर्वी क्षेत्र भुवनेश्वर होगा।

सं० 3-805/87-स्था० (मु० ज० पू०):—श्री गुलाब प्रसाद को दिनांक 18-3-87 (अपराह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भू-विज्ञानी, जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपत्रित) के पद पर मूल वेतन 2000/- रु० प्रति माह पर परिशोधित वेतनमान रु० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय के० भू० जल बोर्ड, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, भुवनेश्वर होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा,
मुख्य जलभू-विज्ञानी एवं सदस्य

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1987

सं० 5/4/82-ई० सी०-1—1983 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवायें परीक्षा के परिणामों के आधार पर राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को जो अस्थाई पदों पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के अधीन केन्द्रीय इंजीनियरी सेवायें समूह "क" में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में परीक्षा पर नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम (सर्वश्री)	नियुक्ति की तारीख
1.	अतुल के० रस्तोगी	25-7-86
2.	रमेश चन्द्र (अनु० जाति)	27-11-86

एस० एम० दास
प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स आभा एक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के विषय में

ग्वालियर-474009, दिनांक 22 मई 1987

सं० 2267/पी० एस०/सी० पी०/540—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में ऐतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स आभा एक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ग्वालियर-474009, दिनांक 22 मई 1987

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सबेरा मार्केटिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल के विषय में

सं० 2182/पी० एस०/सी० पी०/541—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में ऐतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स सबेरा मार्केटिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० करमाकर,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गर्ग एण्ड कम्पनी प्रा० लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 27 मई 1987

सं० नं० जी/स्टैट/969/1491—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में ऐतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से (3) मास के अवसान पर गर्ग एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शाते न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और अन्य कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सत्येन्द्र सिंह,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल, चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और माईका इन्सुलेशन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 24969/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि माईका इन्सुलेशन इण्डस्ट्रीज का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विकास राय प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 22786/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विकास राय प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एनुशिलन एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 19826/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एनुशिलन एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और क्षवकन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 32099/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि क्षवकन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आगाई प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 29185/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि आगाई प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रान्ड पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 36816/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ग्रान्ड पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० दास एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 21615/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि के० दास एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और शिव गौरव प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून, 1987

सं० 28983/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि शिव गौरव प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रत्नजन माईका इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 30387/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि रतन साईका इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रतन डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

कम्पनी अधिनियम 1956 और पि० के० महान्नि इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 27974/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पी० के० महान्नि इंजिनियर्स का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 37303/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रतन डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जी० आर० एस० प्रसेसरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

कम्पनी अधिनियम 1956 और पुष्पर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 26869/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पुष्पर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 36683/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जी० आर० एस० प्रसेसरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रवीण ब्राइट वारस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिन्दुस्तान ड्रम मॉनुफ़ैक्चरिंग कार्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 24605/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान ड्रम मॉनुफ़ैक्चरिंग कार्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 28793/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रवीण ब्राइट वारस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कालकाटा कुरियार सामिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम्पेकटिभ मैनेजमेंट कन्सल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1987

सं० 31771/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कालकाटा कुरियार सामिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 34371/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम्पेकटिभ मैनेजमेंट कन्सल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जैम पाब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून, 1987

सं० 32145/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जैम पाब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वशित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हर लाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय : बम्बई-1

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भवन, महर्षि कर्वे मार्ग,

चर्चगेट (पूर्व) : बम्बई-400,020

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में मैं, सोमनाथ थापा, उप समाहर्ता (का. एवं. स्था.), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1, श्री पद्मलोचन गोपालन, निरीक्षक, मण्डल "एच", केन्द्रीय

उत्पाद शुल्क, बम्बई-1 को एतद् द्वारा यह नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस के तामील किये जाने की तारीख से या यथास्थिति उन्हें नोटिस दिये जाने की तारीख से एक माह की अवधि समाप्त होने पर उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जायेंगी।

सोमनाथ थापा
उप समाहर्ता (का. एवं. स्था.)
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क: बम्बई-1

फा. सं. 11/8 बी-35/85/529

बम्बई, दिनांक 21 अप्रैल, 1987

पंजीकृत डाक से (पावती ब्रेम)

प्रति

श्री पद्मलोचन गोपालन,
निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
द्वारा श्री एस. राजेन्द्रन, नं. 7, 8वीं गली,
डा. सुखारायन नगर, मद्रास-600,024

प्रति प्रेषित : सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मण्डल "एच" बम्बई-1, उनसे अनुरोध है कि श्री पद्मलोचन गोपालन निरीक्षक को यह सूचना भिजवा दें तथा उनकी दिनांकित पावती इस कार्यालय को भिजवाने की व्यवस्था करें। स्थापना अनुभाग/गोपनीय अनुभाग

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० पी० आर० नं० 4452/1—अतः मुझे ए० के०
सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड + मकान
अहमदाबाद में टी० पी० एस० 3 है तथा जो एफ० पी० नं० 251-
52-53 आदर्श सोसायटी बी० नं० 34 1/2 शेर हर एक का
में स्थित है (और इसके उपाखण्ड में अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908)
का 16 के अधीन तारीख 30-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तर्हीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—126GI/87

(1) श्री महेन्द्र भाई कान्तीलाल शाह, 34, आदर्श
सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) भगवती एसोसियेशन, चेयरमैन—श्री रजनी
रान्त कान्तीलाल शाह, 32 रंगधा टावर,
गुजरात कालेज केनजदीक गेलीमब्रीज, अहमदाबाद-6

(अन्तरिती)

(4) भंगुबेन कान्तीलाल नानालाल शाह, मेववाला
कान्तीलाल नानालाल शाह नलीनी महेन्द्र कान्ती
लाल शाह, 34—आदर्श सोसायटी नवरंगपुरा
अहमदाबाद-9

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड मकान उन पर आदर्श
सोसायटी बी नं० 34—1/2 बीन चड्रेजडी कीया शेर हर
एकका टी० पी० एस० 3, एफपी नं० 251-52-53 अहमदाबाद
रजिस्ट्रेशन नं० 15933/30-10-86

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-87

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी० आर० नं० 4453/I—अतः मुझे ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड+ मकान अहमदाबाद टी० पी० एस० 3 है तथा जो एफ० पी० नं० 251-252-253 आदर्श सोसायटी बी० नं० 34 1/2 शेर में स्थित है (और इसके उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुपेक्ष प्रमाणन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद भी कभी करों या उसके बचने में स्थिती के लिए जांच का

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु के पत्रिका में लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम

(1) श्री सिद्धार्थ महेन्द्रभाई शाह, 34—आदर्श सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) भगवती ऐमोसेशियन, चेयरमैन—श्री रजनीकान्त कान्तीलाल शाह, 32 रंगवाला टावर, गुजरात कालेज के नजदीक ऐलीसबीज अहमदाबाद-6

(अन्तरिती)

(4) भंगुवेन कान्तीलाल नानालाल शाह, गोलवाला कान्तीलाल नानालाल शाह, नलीनी महेन्द्र कान्तीलाल शाह, 34 आदर्श सोसायटी नवरंगपुरा अहमदाबाद-9

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में देया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 959 वर्ग यार्ड+ मकान उन पर आदर्श सोसायटी, बी० नं० 34, 1/2 बीन चडेचणी कीया शेर हर एकका, टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 251-252-253 अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 15934/30-10-86

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-87

मोहर :

प्ररूप आह. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 87

निदेश सं० पी० आर० नं० 4454/1—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 705, अहमदा-
बाद में ज न क्षेत्रफल है तथा जो 750 वर्ग याड + पुराना
मकान टी० नं० 29 ए० आउन मीन मंडल सोसायटी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख, 30-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भरी भाई जंगवंतलाल, मानवेन्द्र जशवंतलाल,
29—ए, आउन मीन मंडल सोसायटी पालडी
अहमदाबाद-7

देवांग जंगवंतलाल, 2 अचलायतन सोसायटी नवरंग
पुरा, अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) विपिन चंपकलाल मेहता,
हसमुख चंपकलाल मेहता,
कौलाशबेन नरेन्द्रभाई मेहता,
अ-3 और अ-5.

परमल अथाटमन्ट राजनगर कल्क के नजदीक
आंबावाडी, अहमदाबाद.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी नं० 29 ए आउन मीन मंडल सोसायटी पालडी
अहमदाबाद, जमीन क्षेत्रफल 750 वर्ग याड + मकान टी० पी०
एस-3, एफ० पी० नं० 705, एल० पी० नं० 29 ए० रजिस्ट्रेशन
नं० 19036/4 दिनांक 30-10-86।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 7-5-87

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई 87

निदेश सं० पी० आर० नं० 4455/I—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राफिस एकामोडेशन क्षेत्रफल 1645+
2033+ 1479 वर्गफीट एफ० है तथा जो एफ ब्लॉक ए० और
बी० पार्ट ए० बी० सी० अंजारिया चेम्बर्स जामनगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अवर पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सी० एस० नं० 18, एफ०-1 के कार्यालय
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का
16) अधीन तारीख 18-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा स्वीकृत नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स अंजारिया एस्टेट प्रायवेट लि०, अंजारिया
चेम्बर्स, के० पी० रोड, जामनगर
(अन्तरक)
- (2) श्री संजय सूरजनारायण सन्नवाल, श्रीमती सर्वन
सूरजनारायण सन्नवाल, सूरजनारायण शिवनारायण
आशीर्वाद पार्क कोलोनी, जामनगर
(अन्तरिती)
- (3) सिन्डीकेट बैंक, अंजारिया चेम्बर्स, के० पी०
रोड, जामनगर
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राफिस एकामोडेशन क्षेत्रफल 1645+ 2033+ 1479+
वर्गफीट 5157 वर्गफीट अंजारिया चेम्बर्स नाम से प्रचलित
मकान में के० पी० रोड, जामनगर एफ० ब्लॉक नं० ए०
और बी० हिस्सा ए० बी० और सी० रजिस्ट्रेशन नं० 3233,
3234, और 3410/29-10-86

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-87
मोहर

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी० आर० नं० 4456/1—अतः मुझे,
ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
बिम्बे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अहमदाबाद टी० पी० एम० 6 एफ० पी० नं०
545 पैकी जमीन है तथा जिसका क्षेत्रफल 738 वर्गमीटर
+ मकान अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 23-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनीश रसीकलाल गजरावाला, श्री जयेशल
रसीकलाल गजरावाला श्रीमती नंदाबेन रसीकलाल
गजरावाला 4, लावण्य सोसायटी वासनाबे नजदीक
पालडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) शालिवर्धक अपार्टमेंट मेम्बर्स एसोसिएशन मुख्य
प्रमोटर—जतीन परसोत्तम दाम शाह और अन्य
सी-1, बीनीता अपार्टमेंट, मानेकवाण, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

(3) रघिम पी० शाह, 18 वंसतकुंज न्यू शारदा मंदिर
रोड, अहमदाबाद-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशङ्क :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अहमदाबाद टी० पी० एम० 6, एफ० पी० नं० 545 पैकी
जमीन क्षेत्रफल 738 वर्गमीटर + मकान तीन पार्ट्स में बिक्री किया
हुआ रजिस्ट्रेशन नं० 15662, 15663, 15664 23-10-86

ए० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी आर 4457/I—अतः मुझे ए०

के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 513 वर्ग मीटर + मकान पैकी
नार्थ साईड 181-25 वर्ग मीटर और बेसमेंट 25.645
वर्ग मीटर टी पी एस 3 एफ पी नं० 713 एस पी 30,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) अधीन दिनांक 7-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चर्चाएँ था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जलिताने सुकेनु वी बेरया, समीर सु० वीवेरिया
एच यू एफ गोकुल को० आप० हा० सोसायटी
मानेकवाग हॉलके पीछे एस एम रोड, अहमदाबाद
है (अन्तरक)

(2) मेडीको एसोसिएशन, प्रमुख को हिमाशु शांतिलाल
भार, 14-जैन को० ओ० हा० सोसायटी
ऐसीसमोज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अहमदाबाद टी पी एस 3, एफ पी० नं० 713 एस
पी नं० 30, (परीमल सोसायटी) पैकी जमीन क्षेत्रफल
513 वर्ग मीटर + मकान पैकी नार्थ साईड 181-25 वर्ग
मीटर बेसमेंट 25.645 वर्ग मीटर अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन
नं० 16976/7-10-86

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख . 7-5-87

मोहर :

अर्थ: डा. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० पी आर 4458/I—अतः मुझे ए०
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 513 वर्ग मीटर+मकान
492 वर्ग मीटर है तथा जो अहमदाबाद में टी पी एस 3
एफ पी नं० 723 एस पी नं० 30, में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक
7-10-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अस्तित्व का यह है और मुझे यह विश्वास
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नई
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री क्षेमेन्द्र वीरमीत्र दीवेरीया, श्रीमती सुधाबेन
क्षेमेन्द्र दीवेरीया, श्री मालव क्षेमेन्द्र दीवेरीया
एच० यू० एफ० श्री कुतल क्षेमेन्द्र दीवेरीया
एच० यू० एफ० गोकुल को० ओ० हा०
सोसायटी मानेकबागी कोलफे पीछे, एम एम रोड
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) मेदीको एसोशियेशन, डा० हिमांशु शांतिलाल
शाह, 14 जैन को० ओ० हा० सोमायटी लि०,
ऐलीसबीज अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अहमदाबाद टी पी एस 3, एफ पी नं० 713, एस
पी नं० 30, वंकी जमीन 513 वर्ग मीटर+मकान का हिस्सा
क्षेत्रफल 492 वर्ग मीटर अहमदाबाद हिस्से में बिक्री किया
हुआ रजिस्ट्रेशन नं० 16977, 16978, 16979, 16980
7-10-86

ए० के० सिन्हा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-87

मोहर :

प्रथम भाग, टी. इन्. एल. एल. एल. एल. एल. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई, 87

निदेश सं० 4745/II/87-88—अतः मुझे ए० के०
सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आश्वासन है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43 और 44, बाधमीपुरा, बड़ौदा है तथा
जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

अधीन दिनांक 27-1-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जमीरभाई महेता फ़्री सजीवकल एड
चेरिटेबल ट्रस्ट, ग्रान्ट रोड, बम्बई-400004
(अन्तरक)

(2) मे० सिद्धि स्ट्रक्चर्स प्रा० लि०, 351, अन्दुल
रहमान स्ट्रीट, बम्बई-400003
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में वर्धन के लिए
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यवाही :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

अध्यापक—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में बचा और
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मे० मराराणी शास्त्रादेवी टाकीज के नाम
पर है जिसका सं० नं० 43 और 44 है सब रजिस्ट्रार
बड़ौदा में 735 नं० पर दिनांक 27-1-87 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 8-5-87

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई, 1987

निदेश सं० 4746/1/86-87--अतः. मुझे, ए० के०

सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० जमीन और मकान सं० 984/1/67
है तथा जो संयाजीगंज बडोदा में स्थित है (और इससे
उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बडोदा में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कट्टे देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कट्टे वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री प्रेमीलाबहन जयन्तीलाल पटेल, जी 53
डी० डी० पब्लिक कलेज पोस्ट आफिस के पास
न्यू दिल्ली-110019

(अन्तरक)

(2) श्री सनमुख सीतपलानी 13, संपतराय कालोनी
9, सत्यम अपार्टमेंट, अन्नकापुरी बडोदा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो संयाजीगंज बडोदा में स्थित है
सब रजिस्ट्रार बडोदा में दिनांक 2-1-87 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

4-126GI/87

दिनांक : 8-5-87

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० 4747/II/87-88—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कारखाना सर्वे नं० 428 और 529
है तथा जो माजलपुर बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मफलाल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज लि०, नरीमान
प्लॉट, बम्बई-400021

(अन्तरक)

(2) पेडमार्टस इंजीनियरिंग लि०, विश्वामित्र रोड,
लालसागर पास बड़ीदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कारखाना जो माजलपुर बड़ीदा में स्थित है। जिसका
सर्वे नं० 428 और 589 है सब रजिस्ट्रार बड़ीदा में दिनांक
19-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 8-5-87
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० 4748/II/87-88—अतः मुझे, ए० के०
सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 314, जमीन गोखा, है तथा जो बडौदा
में स्थित है (और इसके उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 23-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनुभाई मोतीभाई पटेल, गोखा, बडौदा
(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष भाई मगनलाल दोशी, भावती टेनामेंट
रिफाईनरी रोड, बडौदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 134 है जो गोखा बडौदा में
स्थित है। सब रजिस्ट्रार बडौदा में 9095 नं० पर दिनांक
23-10-86 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-5-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वंदना ट्रेडर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरीमोहन सिंह सभारवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1987

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 2बी/37ईई/37939/86-87—अतः मुझे,
एम० एस० राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० शाप नं० 4, मंगल स्मृति खार, बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-9-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

"शाप नं० 4, जो मंगल स्मृति चित्रकार धूरंदर रोड़
खार बम्बई-400052 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई/2बी/37ईई/37939/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
2/9/86 को रजिस्टर्ड किया गया।

एम० एस० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-87

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टॉ. एन.एस.-----

(1) वंदना ट्रेडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह सभरवाल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई-37940/86-87-अतः

मुझे, एम० एस० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 3, मंगल स्मृति खार बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 3, जो मंगल स्मृति चित्रकार धूरंदर रोड़ खार बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2बी/37ईई/37940/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-87 को रजिस्टर्ड किया गया।

एम० एस० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 12-5-87

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई-2बी/ 37ईई-38257/86-87—

अतः मुझे, एम० एस० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 61ए, गुलमोहर, खार बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से अभित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायत्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ए० किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स विजय दीप डेवलपमेंट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति एच० मेहता और श्रीमती रसीला
बेन एस० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूने

प्लेट नं० 61ए, गुलमोहर प्लेट नं० 152, अंशान
आफ एस० व्ही रोड, और नववा रोड खार बम्बई-400052
में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2बी/37ईई/38257/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
12-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

तारीख : 12-5-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 अप्रैल, 1987

निदेश सं० के 11/86-87—अतः मुझे वी० के० सिंगल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आरणी नं० 187 है तथा जो राजन्दा नगर
औरैया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय औरैया (इटावा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोतीलाल पुत्र महेश्वर दयाल, मौजा राजन्दा नगर,
फै० अटसू औरैया, इटावा
(अन्तरक)

(2) श्री सेवा राम पुत्र दीन दयाल राजपूत, श्री राम
गोपाल पुत्र चेताराम राजपूत,
श्री जालिम सिंह पुत्र राम दयाल राजपूत
श्री गोपी नाथ पुत्र शिव दयाल राठौर
श्री हरप्रकाश पुत्र मोतीलाल
श्रीमती शार देवी पत्नी श्री शिवप्रकाश नि०
नगला राणा मौजा राजन्दा नगर औरैया इटावा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेत	228	172	285	72
	75	75	75	78

आरणी नं० 187 रकबई
राजन्दा नगर औरैया
इटावा

वी० के० सिंगल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-4-87
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल, 87

निदेश सं० एम 1118/86-87—अतः मुझे वी० के० सिंगल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 514 और 516 है तथा जो तिलपटा करनवास में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीराम फाइवर्स वि० कार्यालय
एक्सप्रेस बिल्डिंग 9/10 बहादुर शाह जफर मार्ग
नई दिल्ली
द्वारा० एम० आर तिलवान।

(अन्तरक)

(2) एस० आर० एफ० निप्योडेन्सो लि० द्वारा श्री अमिताभ
9/10 बहादुर शाह जफर मार्ग, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 514 व 516 तिलपटा करनवास।

वी० के० सिंगल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-4-87

मोहर:

प्रकृष आई.टी.एन.एस - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल, 1987

निदेश सं० एम/1119/86-87—अतः मुझे वी० के०
सिंगल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 5/9-ए है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में और जिसकी सं० खेती भूमि है तथा जो छपरौला (दादरी) में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तम बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—126GI/87

(1) मेसर्स अमृत फूड्स प्रा० लि०, जी० टी० रोड,
गाजियाबाद डायरेक्टर एम० के० भसीन।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स समतल कलर लि० 50-51 कम्युनिटी
सेक्टर, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती भूमि, ग्राम छपरौला त० दादरी, गाजियाबाद।

वी० के० सिंगल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-4-87
मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1987

निदेश सं० एम/1120/86-87—अन मुझे वी० के०

सिगल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० 148-75 है तथा जो हाजीपुर में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम दृश्यमान प्रतिफल का बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में शतविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाँझिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तारीफ मिह, बेडेमिह, दलपत मिह, गनपत मिह, दुलिया मिह मुपुत्र श्री हरकरन मिह नि० तुगलकाबाद, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ महर्षि नगर, गाजियाबाद द्वारा समीर मिह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी में पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

148-75 हाजीपुर
तहसील दादरी,
गाजियाबाद।

वी० के० सिगल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-5-87
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल, 87

निदेश सं० एम 1121/86-87—अनः मुझे वी०
के० सिंगल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 351, 338/2 है तथा जो
गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गाजियाबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और औरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लालचन्द्र एंड सस 13/1 बुलन्दशहर रोड
इन्डस्ट्रियल एरिया गाजियाबाद पार्टनर श्री देवराज
आनन्द व श्री बिमल आनन्द सुपुत्र श्री लालचन्द्र
नि० 128 गांधीनगर गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) महेन्द्रा एण्ड एसोसिएट्स प्रा० लि०, द्वारा
श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री लल्लू सिंह नि० 166
लोहियानगर, गाजियाबाद :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 351 व 338/2
गाजियाबाद

वी० के० सिंगल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 14-5-87

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 87

निदेश सं० एम०/1123/86-87—अतः मुझे वी०
के० सिंगल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 छमरा नं० 40/2 है तथा जो चकमग
रौसा (दादरी) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सहाय पुत्र श्री किशोरी, निवासी—चकमगरीला
मौजाबाद, जिला फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र, राकेश, रिखी पुत्रगण जम्मू, सुरेन्द्र,
राजू नि० ग्राम सालारपुर खादर प०/त० दादरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाता नं०—7

छमरा नं० —40/2

गांव—चकमगरीला

तहसील दादरी।

वी० के० ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-4-87

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 87

निदेश सं० आर ये सी नं० 1/87/88—अतः मुझे

टी० गोरखनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 10-1-125/1 है, जो मासाब टैक हैदराबाद में स्थित है (और मैं इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैराबाद हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) माहाराज करण पिता लेट राजा महबूबकरण मलवार पैलेस चारमीनार इस्ट हैदराबाद-2
- (2) लेफ्टनन करनल (रिटायर्ड) इकबाल करण पिता राजा महबूब करण, घर नं० 10-2-287/1/7, शातिनगर, हैदराबाद ।
- (3) श्री युवराज करण पिता लेट राजा महबूब करण बैंक आफिसर, युनियन बैंक आफ इंडिया बंगारा हील्स हैदराबाद ।
- (4) श्री सरताज करण पिता लेट राजा महबूब करण, रीजनल मैनेजर, बैंक आफ बड़ोदा, मत-वाला पैलेस, चारमीनार इस्ट, हैदराबाद-2 ।
- (5) श्री शिवराज करण पिता लेट राजा महबूब करण मातवाला पैलेस, चारमीनार इस्ट, हैदराबाद
- (6) श्री मती अरुणा गुप्ता पति श्री व्ही गुप्ता कोलाबा, बाम्बे ।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स सूचना रीसोर्ट्स प्रा० लि०, रीप्रजेंटेंड वाइ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एन० रामी रेड्डी घर नं० 10-3-311/12, कस्टल हील्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-1-125/1 मासाब टैक हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत वलेख नं० 2107/86 तारीख 3-9-86 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैराबाद, हैदराबाद ।

टी० गोरखनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-87

मोहर :

प्रकृष्य भाई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 260-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अप्रैल, 1987

निदेश सं० : राज०/महा० आ० अर्जुन/2707—अतः

मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय जयपुर में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी मितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आम्बुषिक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की दायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिनेश चन्द्र अग्रवाल, 41, सी लाजपत मार्ग, अशोकनगर जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आजाद बोडी बिल्डर्स, जोरावरसिंह गेट आमेर रोड़, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निरुक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीनमय निर्माण स्थित जोरावरसिंह गेट, आमेर रोड़
जयपुर

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14 अप्रैल, 1987
मोहर :

प्राकृतिक जाई.टी.एस.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 27 अप्रैल 87

निदेश सं० सी० आर० 62/50229--अनः मुझे आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचन करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो पाचवीं फ़ास मल्लेश्वरम बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलौर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गृह्य है और मुझे यह विवेचन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना दी जाएगी

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नंजम्मा और श्री एच० सी० सूर्यनारायण राव चेट्टिबेल ट्रस्ट नं० 2, बी स्ट्रीट; ईस्ट लिंक रोड, थर्ड फ़ास मल्लेश्वरम, बंगलौर-3 पि० ए० होल्डर्स। एच० एस० नागराज (2) एच एस गुरुनाथ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कोजि होमम प्रा० लि० नं० 4, 12वां फ़ास, आठवीं मैन्, मल्लेश्वरम, बंगलौर-3 (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1939/86-87 ता० 29-9-86)

सब सम्पत्ति जिसका पुराना नं० 13, 14, 15, 27 28 और 29 और नया नं० 3, 4, 5, 63, 64, 65, और नया मुनिसितल नं० 3, पाचवां फ़ास मल्लेश्वरम, बंगलौर में स्थित है जिसकी विस्तार 184.66 स्क्वेयर मी० है और जिस सम्पत्ति का पूरा विवरण क्रय पत्र ता० 29-9-86 में दिखाया गया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बंगलौर

तारीख: 27-4-87

मोहर:

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर दिनांक 18 मार्च 87

निदेश सं० सी० आर० 62/5024/86-87--प्रतः

मुझे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 162 है तथा जो कंडोलिम बारडेंज तालुका गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स उमर हाउसिंग इस्टेट डवलपमेंट प्ररगनाईजेशन प्रा० लि० इंडिया हास नं०-2 केप्स कार्नेर बम्बई-400036 ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कुकि प्याकेजिंग प्रा० लि० मेहता हास I फ्लोर, बम्बई समाचार मार्ग, बम्बई-400023

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 162 उप डिविजन नं० 1 एस० क्रिवेम वाडों कंडोलिम विलेज बारडेंज तालुका गोवा में स्थित है जिसका विस्तीर्ण 3850 वर्ग मीटर है जो सम्पत्ति का पूरा विवरण क्रय पत्र तारीख 6-6-85 के शड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 18-3-87

मोहर : ॥

प्रकृत बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 26 मार्च 1987

निदेश सं० डी० आर० 1787—अतः मुझे आर०
आर० 1787।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/4 है तथा जो बालपाइ सत्तारि ता०
गोवा में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

इतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—126GI/87

(1) मेमर्स सत्तारि क्याण्ड इन्डस्ट्री बालपाइ सत्तारि गोवा।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स जगदेव आर० पगम अण्ड सन्स, मंक्वेलिम
गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1415/ 86-87 ता० 15-9-86

सब 5000 वर्ग मीटर विस्तीर्ण सम्पत्ति में स्ट्रुक्चर्स
बिल्डिंग्स मेशोन्स याई पल्यान्स मोटर्स आदि जो सर्वे ने
25/4 बालपाइ विलेज सत्तारि तालुक गोवा जिला में स्थित
है जिसका पूरा विवरण मेन अग्रीमेंट ता० 28-7-86
का शेड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक :—26-3-87

मोहर :

इसमें आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्माग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० आर० 2345/86-87—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1214 है तथा जो एच० ए० एल० स्टेज एक्स्पोज़िशन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित न करने का कारण है कि यह नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की दरियाई से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० नारायण पै० 2-ए०; क्लोवर अपार्टमेंट्स, 29 कफ पेरेड कोलाब, बाम्बे-400051

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश नाडगिर 'गिरिवर्धन' गिरिनगर बंगलौर (अन्तरिती)

(1) श्रीमती प्रतिभा वि० पै०

(2) श्रीमती वि० एन० पै०

(3) श्री प्रदीप एन० पै०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन को नि कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो : अवधि कम हो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1792/86-87 ता० 2-9-86

सब सम्पत्ति में बिल्डिंग नं० 1214 एच० ए० एल० II स्टेज बंगलौर में स्थित है जिसकी विस्तीर्ण 5400 वर्ग फीट और पूरा विवरण सेल ग्रीमेंट ता० 7-8-86 का शेड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक :—13-3-1987

मोहर :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1987

निदेश सं० आर०-2349/86-87—अत. मुझे, आर० बाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 9-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,000/- रु. से अधिक है

र जिसकी सं० 11/3 है तथा जो अरेकेपनहल्ली, बेगलूर में स्थित है (आर० इससे उपावद्ध अनुसूची में आर० पूर्ण से वर्णित, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 का 16) के तहत, दिनांक 15-9-86

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित विवरण रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इ: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (a) श्री एम० क्षेत्र पाल, सुपुत्र स्व० नागम्मे, न० 16, 9वां 'ए' मैन, 5-ब्लाक, जयनगर, बेगलूर
- (b) श्री एम० तुलसी दाम सुपुत्र स्व० नागम्मे, न० 244, 6वां मैन, 4था ब्लाक, जयनगर, बेगलूर
- (c) श्रीमती एम० पुट्टम, पति सी० आर० नारायणन, नं० 12-टी, 4था "टी" ब्लाक, 33वां फ़ास, 11वां मैन, जयनगर, बेगलूर।
- (d) श्रीमती एम० सुगुण, पति एस० बी० लक्ष्मण देव, न० 11, ईस्ट सर्किल रोड, वि० वि० पुरम, बेगलूर

(e) श्रीमती एम० रमामणि, पति एच० एम० वेकट्ट, स्वा-मण, ई-2, लावल्लि रोड, न्यू टाउन, भद्रावति, शिमोगा, जिला।

(2) श्रीमती एम० बी० नागमणि, न० 68, अशोका पिल्लर मैन रोड, 11 ब्लाक, जयनगर, बेगलूर।

(3) श्रीमती एम० बी० रामानुजम्मा, पति एच० एन० मुनिस्वामी गोंडा, न० 125, 11, मैन, पार-वतिपुरम, वि० वि० पुरम, बेगलूर।

(4) श्री एस० बी० लक्ष्मण देव, न० 11, ईस्ट सर्किल रोड, वि० वि० पुरम, बेगलूर।

(5) श्री एस० बी० गोविन्दराजु, पति लेट एस० वेकट्टप्प, न० 12, अटो हाउस, जन टेपल रोड, वि० वि० पुरम। बेगलूर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सी० गोपालन पुत्र श्री पी० के० पाणिकर न० 508, गजतमन पार्क, आर० बी० रोड, बेगलूर-560004

(2) पी० एम० रामैया सुपुत्र लेट श्री पी० बालकृष्णय्या, न० 3, शेपाद्रि रोड, बेगलूर-560009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1796/86-87 दिनांक 15-9-1986

सत्र सम्पत्ति, जिसकी सर्व सं० 11/3, अरेकेपनहल्ली, कसब होबलि, बेगलूर दक्षिण तालूक, बेगलूर में स्थित है। जिसकी विस्तीर्ण 4 एकर्स आर 12 गुटास आर जिस संपत्ति का पूरा विवरण सेल अग्रिमेट दिनांक 22-8-1986 का शेड्यूल में दिखाया गया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

दिनांक: 13-3-1987

मीहूर.

प्रकृष भाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1987

निदेश शा सं० सी० आर०-62/50227/86-87—प्रतः,

मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 67 है तथा जो जालहल्लि, बंगलूर उत्तर
तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 10-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीं पापण सुपुत्र स्व० रंगप्प (2) श्रीमती सोणम
पत्नि पापण, (3) श्रीमती लक्ष्मम् पुत्री पापण
(4) श्री रामचन्द्र सुपुत्र पापण, (5) श्रीमती
शोरम् पुत्री पापण, (6) श्री गोविन्द राजू
पुत्र पापण (7) श्री रमोशा पुत्र पापण, (8)
श्री अशोका पुत्र पापण नं० 67, जालहल्लि
विलेज, यशवन्तपुर, होबलि, बंगलूर उत्तर तालुका
(अन्तरक)

(2) रिच० फर० म्यालू कीचिरा पुत्र जोसेफ कुरियन,
क्लेरेशियन सेमिनार नं० 28/12, 18वां क्रॉस
रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-560055।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 2287/86-87, दिनांक 10-9-1986)

सब अभिकल्चुरल संपत्ति नं० 67, जालहल्लि विलेज,
यशवन्तपुर होबलि, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है। जिसकी
विस्तीर्ण 3 एकड़ और 35 गुंठाम है। (15,681.51 वर्ग
मीटर्स), जिसकी पूरा विवरण क्रयपत्र ता० 10-9-86 के
गेड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-3-1987

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च, 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/50228/86-87—अतः,

मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 67 है तथा जो जालाहल्लि, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर उत्तर तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-9-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ८ करोड़ की श्रेणी में प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचित श्रेणी में प्रतिफल से, ऐसे श्रेणी में प्रतिफल का अनुपात प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया है कि प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण प्रकट के अन्तर्गत रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनिक अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामण पुत्र स्व० रंगप्प, एस० नं० 67, जालहल्लि विलेज, यशवन्तपुरम, शबलि, बंगलूर उत्तर तालुक।

(अन्तरक)

(2) Rev. Fr. म्यूस किचिरा, पुत्र जोसेफ कुरियन क्लेरेशियन सेमिनरि, नं० 28/12, 18वां क्रॉस रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-55

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्रयवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हिस्से-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंगलूर

(दस्तावेज 2289/86-87 दिनांक 18-9-86।)

सब एग्रीकल्चरल संपत्ति एस० नं० 67, जालहल्लि विलेज, यशवन्तपुर, होबल्लि, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है। जिसका विस्तीर्ण 3 एकड़ और 37 गुंटास (17,021.84 वर्ग मीटर) और जिसका पूरा विवरण क्रय पत्र ता० 18-9-1986 के शैड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक . 13-3-1987
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1987

निर्देश सं० सी० आर०-62/50207—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी 16/2, 17/2, 178/2, 19/2, 19/3 और 29/4 है तथा जो दौडुगुब्बी विलेज होमकोटे तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० सी० नारायण पुत्र स्व० पी० सी० गोविन्दन नं० 169, वसन्तनगर, I-कॉस, बंगलूर-560052

(अन्तरक)

(2) रिच० फर० जेम्स कुट्टि मल्लिक रेक्टर, नारबर्टन सोसायटी नारबर्ट, हाउस, मानतवाडि, केरला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1420/86-87 दिनांक 18-9-86)

सब एग्रिकल्चरल संपत्ति का विस्तीर्ण 9 एकर्स और 23 गुंटाम, सर्वे नं० 16/2, 17/2, 18/2, 19/2, 19/3 29/4 दौडुगुब्बी विलेज, विदरहल्लि होमकोटे तालुक, बंगलूर जिला में स्थित है। जिस संपत्ति का पूरा विवरण क्रम पत्र ता० 1-9-86 का जोड्यूल में दिखाया गया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- बंगलूर

दिनांक : 13-3-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मार्च, 1987

निदेश सं० 1769/86-87—अतः मुझे, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 807, 808, 812/1 है तथा जो 4था
वार्ड के० आर० रोड, दावणगे, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दावणगेरे में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-9-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्गननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बेगम उजराबी पत्नि स्व० जि० काजा
मोहदीन (2) श्री जी० के० अब्दुल रहमान
(3) श्री जी० के० महमद ममिउल्ला, (4)
श्री जी० के० महमद जियाउल्ला, (5) श्री जी०
के० खलीलुल्ला, (6) श्री जी० के० मोहमद तहे-
रुल्ला, सब श्री जी० के० मोहदीन के पुत्र हैं।
डि० नं० 807, के० आर० रोड, दावणगेरे।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वीरास्वामी, प्रो० मेमर्स ईस्वर पिक्चर्स,
गांधीनगर, बंगलूर-560009

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 3474 86-87, दिनांक 24-9-86।

सब सम्पत्ति, जिसकी डि० नं० 807, 808 और
812/1, 4था वार्ड, के० आर० रोड, दावणगेरे में स्थित
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4-3-1987
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० आर०-62/50214/86-87—अतः मुझे,
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/1 (पु० सं० है) तथा जो मिडफोर्ड गार्डन रोड, मिडफोर्ड गार्डन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 '1908 का 16' के अधीन, दिनांक 27-8-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा छूट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(6) (6) श्रीमती चन्वनकुमारी (2) श्रीमती अमृत कुमारी (3) श्रीमती शकुन्तला कुमारी नं० 555, बंगाली बजार रोड, अरन्टूर, मद्रास।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बिहार मर्केन्टाइल यूनियन लिमिटेड (आर० ओ०) नं० 15, ब्रेबोर्न रोड, कलकत्ता-700001 द्वारा 15 चारैक्टर श्री डी० के० हिम्मत मिनका नं० 55, एवेन्यू रोड, बंगलूर-560002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वस्तावेज 1656 86-87, दिनांक 27-8-86)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 2/1 (पुराना नं० 2) मिडफोर्ड गार्डन रोड, मिडफोर्ड गार्डन, मुनिमिपल डिबिजन नं० 60 बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-1-1987

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1987

निदेश सं० सी०आर०-62/50217/86-87—अतः;

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/16 है, तथा जो सेंट मार्क्स रोड, बंगलूर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 26-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---
7-126G1/87

1. (1) बर्ट मेरिनिया रोसरा पिन्तो डियाम ई मिरान्डा
15/16, सेंट मार्क्स रोड, बंगलूर-560001
(2) मारियो डी पी० मिरान्डा 1ए, आन्टमाउन्ट
रोड, मुम्बई-400026

(अन्तरक)

2. मैमर्स प्रस्टेज इस्टेट्स और प्रापर्टीज, द्वारा पीटीआर
श्री ईफन रजाक, नं० 6, कर्मणियल स्ट्रीट, बंगलूर-
560001

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1717 दिनांक 26-9-1986 ।

मब सम्पत्ति है जिसका सं० 15/16, सेंट मार्क्स रोड
कार्पोरेशन डिवाजन नं० 60, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक 4-2-1987

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निवेश सं० सी० आर०-62/50196/86-87—अतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1 है तथा जो रिचमण्ड रोड, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अंतर्हिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सईवा मिर्जा (2) जेयन मिर्जा नं० 15/1, अस्टन
रोड क्रॉस, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स रिचमण्ड टावर्स द्वारा राम० गोपालकृष्णय्या
चेट्टि, नं० 523, गुरुत्मान पार्क, बसवनगुडि,
बंगलूर-560004

(अन्तरिती)

(3) स्टेट बैंक आफ मैसूर (2) हिन्द रैक्टिफायर्स
लिमि०, (3) सुन्दर एण्ड कं० (4) जे० बक्शी
एण्ड कम्पनी (5) इन्डियन कन्टेनर टर्मिनल लिमि-
टेड, (6) जार्ज इम्पोर्ट इण्डिया, 12/1, रिचमण्ड
रोड, बंगलूर-560025

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1384 दिनांक 1-9-1986)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 12/1 रिचमण्ड रोड, बंगलूर
सिटी में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 6-2-1987
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निदेश सं० सी०आर० 62/50197/86-87—अतः, मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 122 है तथा जो बिन्नमगला लेआउट एच० ए० एल० II स्टेज बंगलूर-560038 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रार० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायण प्रसाद 320ई, 46वां स्ट्रीट, अपार्ट-मेट-6ए, न्यूयार्क (यू० एस० ए०) द्वारा मेजर पी० जे० राजन (रिटायर्ड)

(अन्तरक)

(2) शिल्पान इलैक्ट्रानिक्स एण्ड इन्जीनियरिंग (प्रा०) लिमिटेड, 37/10, कन्निगहोम रोड, बंगलूर-560052

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1402, दिनांक 1-9-1986

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 122, बिन्नमगला लेआउट एच० ए० एल० II स्टेज, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 6-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1987

निर्देश सं० डी०आर० 1786/86-87—अन: मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 114 है, तथा जो कंडोलियम, बारडेज, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1986। बंगलूर।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सर्वे वरजिता फ्लोरा अबरेव पररा, बारडेज, गोवा (अन्तरक)

(2) मेसर्स कफोर्ट रीजेन्सी इन्स (प्रा०) लिमिटेड सी/ओ मेसर्स मतीश धूमें एंड को० 209, निजारि भवन, नियर नेपचून होटल, पणजि, गोवा-403001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1414/86-87 तारीख 15-9-86)

सब संपत्ती का नाम 'इयान्डो' अडमेसारींग 12,525 स्को० मोटर्स, सर्वे नं० 114, कंडोलिम, बारडेज तालूक और उप-जिला, गोवा जिला में स्थित है, जिस संपत्ती का पूरा विवरण, अग्रीमेंट तारीख 27-8-86 का शेड्यूल में प्रस्तुत किया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० सी०आर० 62/50219—अतः मुझे,
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो प्रिमरोस रोड बेंगलूर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन शिवाजीनगर बेंगलूर में तारीख
29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा सके
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वि०आर० चलुव कुमार सुब्रह्मण्यम श्री
वी०सी० राजा रतनम, नं० 5/2, रिचमंड रोड,
बेंगलूर-560025।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुमेरा बेगम (2) श्री एम० एच०
निसार अहमद, नं० 187, II फ़ास, 4था मैन
रोड विवेक नगर, बेंगलूर पी०ए० होल्डर श्री
एच० अबदुल हमीद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1733/86.87 तारीख 29-9-86)

सब संपत्ती का मकान 1, कारपोरेशन नं० 60,
प्रिमरोस रोड, बेंगलूर में स्थित है जिसका पूरा विवरण
त्रय पत्र तारीख 29-9-86 के जोड़पूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-3-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० सी०आर० 62/50220—अतः मुझे, आर०
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो प्रिमरोस रोड, बंगलूर में
स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 29-9-86, शिवाजी नगर बंगलूर।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वी०आर० चालुब कुमार एस/ओ लेट वि०
सी० राजा रत्नम्, नं० 5/2, रिचमंड रोड,
बेंगलूर-560025।

(अन्तरक)

(2) श्री महमद इकबाल एस/ओ० श्री हाजी अहमद
अबदुल रहफ (2) श्री अहमद शाहब, एस/ओ०
श्री महमद इकबाल, नं० 15, इनप्यान्ट्री रोड,
बेंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अधिसूची

(दस्तावेज सं० 1734/86.87, तारीख 29-9-86)

सब संपत्ती का नं० 1, कारपोरेशन नं० 60, प्रिमरोस
रोड, बेंगलूर में स्थित है, जिसकी पूरा विवरण क्रय पत्र
तारीख 29-9-86 का शेड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-3-1987

मोहर :

प्रकृष्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 6 मार्च, 1987

निदेश सं० सी०आर० 62/50218—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 से 29 है, तथा जो सेंट मारक्स रोड
बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन शिवाजी नगर, बंगलूर
26-9-86, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती टी०एम० जिसौजा, 29; सेंट मारक्स
रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीसधन जैन भवन, 18/1, आन्डरी रोड,
बंगलूर-560 027।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(दस्तावेज सं० 1720/86-87 तारीख 26-9-86)

स्थिर संपत्ति, जिसकी म्युनिसिपल नं० 23, 24, 25,
26, 27, 28 और 29 और जो सेंट मारक्स
रोड, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-3-1987
मोहर :

प्ररूप आर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० सी०आर०-62/50222—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 90ए है, तथा जो बलूर विलेज मंगलूर में
स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन हेड क्वार्टर्स मंगलूर सिटी में तारीख
17-9-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि, बन्धपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
विवरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधागा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ले० कर्नल जेराल्ड जे० गोमसाल्वस, सुपुत्र
लेट जान सी०ए० गोमसाल्व 3/2, मगरत
रोड, बंगलूर-560025 पी०ए० होलडर श्री
प्याट्रिक इ०जे० पयास सुपुत्र, प्रेडरिक पयाम,
ह्याट इल, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री वरसन प्रमोद व्यास सुपुत्र, प्रेडरिक व्यास,
कोट्टारा क्रास, मंगलूर, 'ब्राड वाटर' 5, होट-
ल्यान्डस, मिर्, व० ब्रिडज केटि 139, मररे,
इंगल्यांड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 974/86त87, तारीख 17-9-86)

स्थिर संपत्ती नं० 90ए, बलूर विलेज, बलूर वाई,
मंगलूर सिटी काप्रोवेशन में स्थित है जिसकी विस्तीर्ण
47 1/2 सेन्टस का आर०एस० नं० 65.3ए, टी० एस०
नं० 1548/3ए है, जिस संपत्ती का पूरा विवरण त्रय पत्र
तारीख 17-9-86 शेड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-3-1987

मोहर :

प्रारूप आर्डर टी.एन.एम.-----

(1) मेसर्स मोरजोरिया प्राइवेट लिमिटेड
नं० 4, बनेरगट रोड, बेगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बेगलूर होसिंग डेवलपमेंट और इन्वेस्टमेंट्स
नं० 85/1, 'शिव शक्ती' के.एच. रोड, बेगलूर
560027। (अन्तरित।)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश स० सी०आर० 62/50213—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी स० 36/2 36/3, आदि है, तथा जो बेरसद्र,
उत्तरहल्ली होवलि बेगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जयनगर, बेगलूर में 29-9-1986,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अन्तर्गत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से इसे दृश्यमान प्रतिकल के
दृश्यमान प्रतिकल से अधिक है और अन्तरण (अंतरकों) और अन्तरण
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
आर/या(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आम्निबो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येक अन्तरण द्वारा अन्तरण के अन्तरण से
या या किया जाना चाहिए था, अन्तर्गत अन्तरण
के अन्तर्गत।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—126 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 1406/86-87, तारीख 29-9-86)

स्थिर संपत्ति जिसकी सर्वे नं० 36/2, 36/3, 37/1,
37/2 (37/2 ए, और 37/2बी) 37/3 और 37/4,
बेरसद्र विलेज, उत्तरहल्ली होवलि, बेगलूर दक्षिण तालूक में
स्थित है।आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-3-1987

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269-ग (1) के अधीन सक्षम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० 2077/86-87--अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41/1, 41/3, 42/2, है, तथा जो उटोरडा सालसिज, गोवा में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-86, 1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 श्री मारकल कारवालहो अलियास मारकल आंटो-नियो शेडानी कारवालहो, 2 श्रीमती इलडा मेरि रेबोल्लो, अरोस्मिम, गोवा, 3 श्रीमती एमक्युएल हेलेना ड० कारवालहो 4 म्यान्युएल मिपलिसियो कारवालहो, पणजि, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स महाराणि गेस्ट होम (यूनिट आफ लघूना रेस्टोरेण्ट) जे-16, हाज-बास, नयी दिल्ली-110016।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरों के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदत्त सब्यों की वृत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 616/86-87, तारीख 29-9-86)

सब अधिकलचरन संपत्ती का नाम "नाम्रो अफोरमेन्टो-डि प्रैचास", विस्तीर्ण 32,725 सक्वा० मीटर्स की सर्वे सं० 41/1, 41/3, 42/2, उटोरडा विलेज, विलेज पंचायत उटोरडा-मजोरडा-अरोस्मिम, तालूक और उप-जिला सालसिड और गोवा जिला में स्थित है जिसका पूरा विवरण त्रय पत्र तारीख 23-9-86 के शेड्यूल में दिखाया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 10-3-1987
मोहर :

प्रमुख भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सड़क

कार्यालय. सहायक आयकर बाबू (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० सी०आर० 62/50202—अतः मुझे, आर०
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55, 56, 58, 59 हैं, तथा जो बेल्लारि
रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बिन्नि लिमिटेड नं० 65; आरमेनियन
स्ट्रीट, मद्रास-600 001 रेप्रेसेंटेड बाई श्री० एच०
आर० कामत पैनाम्स डाईरेक्टर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एस० एच० टी० लिमिटेड नं० 36,
कन्नियाम रोड, बेंगलूर-52, रेप्रेसेंटेड बाई श्री
एन० स्वामिनाथन, डाईरेक्टर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1540/86-87 तारीख 10-9-86)

सब संपत्ति पर जमीन और बिल्डिंग का मुनिसिपल
कारपोरेशन नं० 55, 56 (Part), 58 (Part), 59 और
60 (Part), बेल्लारि रोड, बेंगलूर में स्थित है, जिसकी
मुनिसिपल डिविजन नं० 82 (पुराना डिविजन नं० 86)
और जिस संपत्ति का पूरा विवरण क्रय पत्र तारीख
10-9-86 में पूरा दिखाया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28-4-1987

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एन. : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० सी०आर० 62/50216—अन. मुसे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी संख्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विषय सूचना करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6, 7 और 8 है, तथा जो विक्टोरिया
रोड, बंगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-9-86,

का पूर्वोक्त संगतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गती की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तर्गती (अन्तर्गती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए इस
प्राप्त यथा प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अन्तर्गती में करी करारों या इससे करने में अन्तर्गती
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत
नार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वि० गोता, पत्नी, श्री एम० सुरेंद्र
नं० 1, चर्च स्ट्रीट, बंगलूर-1।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स एरोनाटिकल डेवलपमेंट एजेंसी, ए०
ए० एन० क्याफम, बेलूर; बंगलूर-37 रेप्रेसेंटेड
बाई श्री के० अरवमुदन; टरेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अन्तरक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की जारी के 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाह्यताओं के बाध
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1693/86-87, तारीख 25-9-1986)

शेड्यूल 'ए' संपत्ती—सब संपत्ती कि विस्तीर्ण 380.16
मीटर है और जिसकी कारपोरेशन नं० 6, 7 और 8,
विक्टोरिया रोड, मिथिल स्टेशन, बंगलूर-47 में स्थित
है।

शेड्यूल 'बी' संपत्ती—जिस में 4 प्लॉट्स का बिल्डिंग
कनसिडरिंग आंक 7 प्लॉट्स और बिल्ड एरिया 8865
म.व० फीट है जिस में 4 नंबरों का कार पार्किंग जो है,
और जिसका पूरा विवरण क्रय पत्र तारीख 25-9-86 में
पूरा दिखाया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28-4-1987

मोहर :

प्रारूप आर्द्व. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं. सी०आर० 62/50231—प्रत मुझे, आर०

भारतवाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 84, 84/1 से 84/5 है, तथा जो महात्मागांधी रोड, बंगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-9-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केवल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मेसर्स बार्स्टन मन श्रीर कपनी (प्रा०) लिमिटेड सं. 84, महात्मागांधी रोड, बंगलूर-560001, प्रेमेडेड बाई श्री एम० एम० मेहता, मेनेजिंग डाईरेक्टर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सदन इनवैस्टम सं. 65, मोटिगत रोड, एगमोर, मद्रास-8 प्रेमेडेड बाई पारटनर श्री प्राभान कमल। (अन्तरिती)

(3) 1. मेसर्स ब्रिटिश फीजिकल लैब लिमिटेड 2. मेसर्स जुगाइ एगो केमिकलम लिमिटेड 3. मेसर्स बार्स्टन कोट हाटेल सं. 84, महात्मागांधी रोड, बंगलूर-1।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) 1. श्रीमती एन० तबूचिट्टि
2. श्री राजकुमार तबूचिट्टि

(वह व्यक्ति जिसके द्वारे में अधिभागाधारी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इसे सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभागाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1342/86-87, तारीख 1-9-1986)

सब संपत्ति के बाग का पुरान मुनिसिपल सं. 9, नया सं. 84 में सब कन्स्ट्रक्शन और प्रेमिगस बैरिंग मुनिसिपल सं. 84/1, 84/2, 84/3, 84/4 और 84/5, महात्मागांधी रोड, सिविल स्टेशन, डिविजन सं. 60, बंगलूर में स्थित है, जिस संपत्ति कि पूरा विवरण, असेनमेट डीड तारीख 28-8-86 के जोड्यूल में दिखाया है।

आर० भारतवाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 1-5-1987

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37/ईई/4986 86-87—अतः मुझे, अजनी-
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लेट नं० 16 दूसरा मंजला बिल्डिंग
नं० II 6-ए कैनाल रोड पुणे है तथा जो पूना में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 269
की धारा ए बी के अधीन तारीख 26 दिसम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के लिए किसी काम की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दस्तावेजों में कभी करने का उक्त बचत के दिये
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन का अन्य आशितियों
को, जिन्हें भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) मेसर्स मकवाना ब्रादर्स और कंपनी 441 सोमवार
पेठ पुणे-11।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखवन्तसिंग सहगर और इतर 1170/431
रेवेन्यू कालोनी पुणे-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों कराए गए हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37-ईई/4986/86-87 जो
26-12-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना में दफ्तर में लिखा गया है।

अजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष मार्ग टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० अई-1सी/37ईई-13025/85-86:— अतः,
मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (हिस्ट्री इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, प्रतीक्षा, वर्ली, बम्बई-18 में
(स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
(है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 27-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य.
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाना या या किना जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्काय बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोमल गूल सेतपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों 43
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जा रहा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो प्रतीक्षा, फ्लैट नं० 7ए, मौलाना
अब्दुल गफार रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ईई-10887/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/4189/86-87;—अन: मुझे, अंजनी

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या संपत्ति सं० नं० 642, हिस्सा नं० 642/4 तथा 5 ब्रिबिवाडी, है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, बी के अधीन, तारीख 10 नवम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जनार्दन म० रगादला, चेयरमैन, श्री प्रसन्ना सह गट रचना संस्था लि० द्वारा, उमेशठेलर्स, सेवा सदन बिल्डिंग, पुणे-30।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर सदाशिव, म० पाटील, 13, जेधा नगर, ब्रिबिवाडी पुणे-37।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37-ईई/41'89/86-87 जो 10 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है]

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 9-4-1987
मोहर :

प्रत्यक्ष आह्वान, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37-ईई/4550/86-87—अन: मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि मध्यम सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० सं० नं० 498 तथा सं० सं० नं०
470 शनिवार पेठ, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्री द्वारा अधिगारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज आयकर अधिनियम 1961
की धारा ए, बी के अधीन, तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यम पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
सहित में किसी कर के या उक्त करने में सूचना
की लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मामलों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविष्ट
होने के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

2. उक्त अधिनियम के अधिनियम, अधिनियम

9-126GT/87

(1) श्री श्रीधर विठ्ठल दात, द्वारा प्रावेईट ट्रस्ट, 17
रामचंद्र पं० पंडित, पंत भ० बावडेकर, 'राजप्रसाद'
8/5 ताराबाई पार्क कोल्हापुर 27, प्रसाद पं०
रायरीकर, 470/498 शनिवार पेठ, पुणे-30।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स के०डी० कन्सट्रक्शन्स, 8/2, सदाशिव पेठ,
रवि विल्डिंग, पुणे-30।

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघीय की वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/4550/86-87 जो
28-11-86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 12-4-1987

मोहर :

प्रमुख आर्ट 11 एवं 22 - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) में कही गई बातें

भारत सरकार

आयलैब, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पुना

पुना, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/4731/86-87—अन मुझे, अजनी

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,000/- रु. से अधिक है

7 जिसकी संख्या दुकान नं० 5, अगोरा टावर, 9 मीटि र मार्ग, है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रॉस टमसे बढ़े अनुसूची में ग्रॉस पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री में अधिकांश के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग, की के अधीन, तारीख 7-12-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शरत् प्रगोदर्स, सनि, गॉल, 2 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमन् वि. लाला, श्री० कोहली, शक्ति कुज, 11-बी-6, ब्रो फ्लव मार्ग, पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/4731/86-87 जो 7-12-86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेज, पुणे के दफ्तर में लिया गया है।]

अजनी कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पुना

तारीख 14-4-1987

मोहर :

प्रमुख बाईं टो. एन. एल. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल, 1986

निदेश सं० 37 ईई/8294/86-87--अतः मुझे,

अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 207, गाव यखडा, तह० तवेली,
जिला पूने है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के
अधीन दिनांक नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतराती
(अंतरांतिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण निहित म
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण सं० हूँ किसी आय को बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरोज जे० गांधी,
1-बी, नीलदेह रोड, जमशेदपुर, और
श्रीमती एमी ए० वजाज,
बी-18, महारानी बाग, न्यू दिल्ली।

(अन्तरक)

2. अतुर मंगतानी एण्ड एसो०,
अतुर फाउन्डेशन हाउस,
4 डा० अम्बेडकर रोड, पूने-9

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन रंज के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन रंज के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि राजपत्रांकित क्र० 37 ईई/1274/1617 जो
नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना के दफ्तरी में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक : 3-4-1987
मोहर :

सक्षम बाई.टी.एन.एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 13 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/4686/86-87—अतः मुझे अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्मय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 11, फ० प० नं० 35, ट० प० सं० नं० 1, एरंडवणे, पुणे है, तथा जो पूणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन दिनांक 5-12-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उस धारा वहा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. व० ग० नितसुरे,
34/11, एरंडवणे, पुणे-4

(अन्तरक)

2. मै० सुभा इजीनियरिंग प्राइ० लि०,
93/2ए, एरंडवणे,
पुणे-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रभावी परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपुत्री

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० म० 37ईई/4686/86-87 जो 5-12-86 को सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 13-4-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 37 ईई०/8109/86-87--अतः, मुझे,
अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 209/ए/2(पी०टी०) 209-बी/
2, 210, ए/2, 210/ए/5-7, 206/9, और 20/3.
पंचपागडी, ठाणे, है तथा जो ठाणे में स्थित है (और इसमें
उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन दिनांक 20 दिसम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बोझ एवम् उत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वावज, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एवम् किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
का, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मै० जय ट्रेडिंग, क०
प्लॉट न० 463, टाऊन प्लानिंग, स्कीम,
1 ला पोखरण रोड, ठाणे ।

(अन्तरक)

2. संजय फैमिली ट्रस्ट,
वेम्बर आफ/367 अतुराज 6वा रोड,
चेबुर, बम्बई-79

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/8901/86-87 जो
20 दिसम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-4-1987
मोहर

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पूना, दिनांक 6 अप्रैल 1987

अर्जन रेंज, पूना

निर्देश सं० 37ईई/6614/86-87—अतः, मुझे, अंजनी कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंचान जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओ०पी० नं० 324, फाइनल प्लॉट नं० 2, एम० नं० 479, हि० नं० 4, टी० पी० एस० नं० 1, पंचपाखड़ी, ठाने है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन दिनांक 1 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० सवानी अर्दर्स,
6/7, स्वास्तिक चेम्बर्स, पी० डिमेल्लो रोड,
बम्बई-1

(अन्तरक)

2. मै० उत्पल कन्स्ट्रक्शन कं०
24, आर्कडिया, 195 नगीमन प्लाटो,
बम्बई-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत प्र० सं० 37ईई/6614/86-87 जो 1 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तरे में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 6-4-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/8115/86-87—अंतः, मुझे,

अंजनी कुमार;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 515, घर नं० 1, नया सं० नं०
78, घर नं० 1, मायंदर, थाने है, तथा जो थाने में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जुन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन दिनांक 20-12-1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
द्विगुण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
शास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिलीप कुमार, चिमनलाल मानीर,
सं० नं० 515, घर नं० 21, मायंदर,
थाने ।

(अन्तरक)

2. श्री महेश लीलाप्रसन्न होजकिया,
सं० नं० 515, घर नं० 1,
भायंदर गांव, थाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/8115/86-87 जो
20-12-86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, पुणे, के दफतर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

प्रकाशक का नाम और पता -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/760/86-87—यत, मुझे, अंजनी कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक आयुक्त (निरीक्षण) के रूप में
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गट नं० 59/1 (पार्ट), 59/21,
59/17, 59/28, 59/29, 59/22, 59/24, मितलमार,
मनपाडा, थाने है, तथा जो थाने में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और भी कुछ भाग शामिल हैं) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ, का
के अधीन दिनांक 29-11-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करने के लिए और यहाँ निम्नलिखित
करने के लिए, मैं, अर्जुन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से अपने दृश्यमान प्रतिफल के
एक-द्वितीय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बनाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण
निम्नलिखित में सामाजिक रूप से उत्तम नहीं किया गया है

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
हाजिर में करी करके या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को अपने अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) के अधीन कर देने के अन्तरक
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या कि जिसके अन्तर्गत आय या धन के अन्तरण
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कौमुदी प० कोठारी,
आयुक्त मै० ड. हाइयाभाई एण्ड कं० प्रा० लि०
9, एलोरा शोपिंग सेंटर दफ्तरी मार्ग,
मलाड (इ), बम्बई-97

(अन्तरक)

2. श्री प्रताप राम तदवाल कोठारी,
9, एलोरा शोपिंग सेंटर,
दफ्तरी मार्ग, मलाड (इ)
बम्बई-97 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नत्संबधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 7601/86-87 जो
29-11-1986 को सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 13-4-1987
मोहर :

प्रमुख धारा: टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/7072/86-87—अतः मुझे, अंजनीकुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 86/1, 77/1 में 5, 88/1, 2, 5, 7, 8, 9,
10, 15, 11 और 89/2, 3, 4, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13;
14, एस० नं० 86/2, 3, 4, 5, 6, 8 मिरा व्हीलेज, दहिमर
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज,
सब रजिस्ट्रार, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 26 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित
वस्तुविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने से अन्तरक को
हासिल में कमी करने या उससे बचने में स्वीधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
लगे हुए हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—126GI/87

1. श्री बृजमोहन खभा और इतर,
सं० राजमस पहरचन्द, जाली, भवन नं० 2,
7 न्यु मरिन लाईन्स, बम्बई-20

(अन्तरक)

2. सं० एम० के० डाईंग और प्रिंटिंग वर्क,
9, रसिक निवास, 75, एफ० रोड,
मरीन ड्राइव, बम्बई 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतीति या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतीति उक्त स्थावर सम्पत्ति के दृश्यमान
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बयोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में लिख जा चुके हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/7472/86-87 जो
26 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनीकुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 6-4-1987

मोहर :

प्रकाशनाई. टी. ए. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/334/86-87—अनः मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थान पर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 114/1, शिगवे बहल, देवलादी
कैम्प, ता० और डिस्ट्रिक्ट नासिक है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज/मब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
10 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसंत के० भाटिया,
वृन्दावन, पहला माला,
44, बालासिंह को-आप० हा० सो०
एम० बी० रोड, कादीवली, बम्बई-67
(अन्तरक)

2. श्री लालचन्द टी० गजरिया,
भाटिया आदर्श को-आप० हा० सो० लि०,
मी-6, कादीवली शापिंग सेन्टर,
वतवी रोड, कान्दीवली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिखे जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/335/86-87 जो
10 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक: 6-4-1987
मोहर :

प्ररूप जारी, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/8058/86-87--अतः मुझे श्री अंजनी,
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० सी-36, ठान, पंचपाखडी, ता०
ठाणे है, तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
दिनांक 16 दिसम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ब्रिटानिया इन्डस्ट्रीज, लि०
मेकर टावर, 'ई' 19 वाँ माला,
कफ परेड, बम्बई-5

(अन्तरक)

2. रवि फोक्षन फुड्स प्रा० लि०,
नीलम मेन्शन, लैमिंगटन रोड,
बम्बई-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/8058/86-87 जो
16 दिसम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनीकुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 6-4-1987

मोहर :

परमपूज्य आर्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रकाशित

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/7473/86-87—अन: मुझे, श्री अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 227, गांव पंचगाखरी, जि० ठाने है
तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन दिनांक
25 दिसम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या धन या अन्य वस्तुओं
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठा नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए या, लिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महाबीर ट्रस्ट, एन्ड अवर्स,
यूनाइटेड, इंडिया, बिल्डिंग, दूसरा माला,
सरपी० एम० रोड, बम्बई-1

(अन्तरक)

2. मै० श्रीपाल, कन्सट्रक्शन कं०,
यूनाइटेड इंडिया, बिल्डिंग,
सरपी० एस० रोड, बम्बई-1

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/7473/86-87 जो
25 दिसम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक: 9-4-1987

माहूर :

व्यवस्थापक, टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37 ईई/298/86-87—अतः मुझे, अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 68, सातवली, तह० बमई, थाने है तथा जो थाने में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षात् :—

1. श्रीमती प्रेमा बाई बासन कामत,
सं० नं० 60, सातवली,
तह० बमई, थाने ।

(अन्तरक)

2. मै० तुंगारेश्वर विल्डर्स,
332/34, मुंशी नाथ स्ट्रीट,
बम्बई-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 263/86, जो अक्टूबर, 1986 की दुस्रम निबन्धक, बमई, के दफ्तर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक: 13-4-1987
मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37ईई/3960/86-87—अतः मुझे, अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 132 ए./2ए/2/1, सी० टी० एस० नं० 2687, गा० भाबुर्डा, डितबेली, तह० पूने है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाय अन्वेषण में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन दिनांक 1 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लारा गो० मुत्ता,
102, बालकृष्ण 44, तिलक रोड,
शान्ताक्रुज, (प०), मुम्बई।

(अन्तरक)

2. गणामा होटल्स प्रा० लि०
गणामा, भुवन, बालजी लडना रोड,
मुलूंड (प०), मुम्बई-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/3960/86-87 जो 1 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

प्रकाश संख्या: टी. एच. एच. 1-1987

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 37ईई/4568/86-87—अतः मुझे, श्री अंजनी कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 346, न्यू 251/52, (जून), सिध, को० आप-हा० सो० औंध, पूने है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, सब रजिस्ट्रार, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दे दिया; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सहित्व के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० नारायण प० सहिता, और
डा० कालिदास सी० सहिता
फ्लैट नं० 3 और 7, सुखसागर विल्डिंग,
621, खार पाली रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रंजना भू० गुप्ता, और
श्रीमती शांता देवी एस० गुप्ता,
521, सिध, को-आप० हाउसिंग सो० लि०,
औंध, पूने -7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के बिना कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथावस्थापनी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

तत्पश्चात्करण :—इसके प्रयुक्त सन्धि और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्धारा में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/4568/86-87 जो 29 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक: 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 37ईई/4517/86-87—अतः मुझे, श्री अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-5 आंग्र 5-ए, नायलोर रोड, पूने, सी० टी० एम० न० 4+4/1, है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन दिनांक 28 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) कथित है कि किसी भाव की वास्तविक आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कथित करने या उचित करने के लक्ष्य के लिए; और/या

(ख) किसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक को, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वास्तविक भाव वास्तविक भाव, किन्हीं के द्वारा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री एन० के० पद्मजी,
4, नायलोर रोड,
आफ मंगलदाम रोड, पूने।

(अन्तरक)

2. मै० पूने लैण्ड प्रा० लि०
7, मोनेदिना रोड, क्लोवर सेटर, पूने-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/4515/86-87 जो 28 नवम्बर, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० ए०सी०आई०/एक्यू-रेंज-4/कल०/87-88/08—

अतः मुझे आई० के० गायन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो श्रीरामपुर, हुगली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—126GI/87

1. प्राधुमना स्टील लि०

(अन्तरक)

2. हिन्दुस्तान डेवलपमेंट कं० लि०,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8.92 एकड़ बामुनारि, थाना श्रीरामपुर, जिला हुगली।

दलिल सं० 1986 का 3960।

आई० के० गायन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

दिनांक 10-4-1987

मोहर :

प्रत्येक आई. टी. एन. एन.-----

1. श्री मुल्लान अहमद एवं अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. म० डायमण्ड प्रोपर्टीस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन की लिए
कार्यवाहियां कइता हूँ ।

उक्त सूचना के वर्जन की सूचना में कोई भी बाधा न—

निदेश सं० ए० सी० आई०/रेंज-II/कल०/87-88—अतः मुझे
आई० के० गायेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
आश्वासन है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 2 है, तथा जो सी० आई० टी रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 26-6-1986
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

2, सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता पर 2823 व० फु०
2 मंजिल, मकान परिसर सहित अवस्थित है।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मि० सुरजीत गांगुली

(अन्तरक)

(2) मे० मल्लिकार्जुन टावर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1986

निदेश सं० एहूएवी०/80/आर-11/कल०/86-87--

सेम्र अतः मुझे, आई० के० गायेंन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 राजा है तथा जो सन्तोष रोड कलकत्ता में स्थित है । और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

16 राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता पर 2 बि० 8 का जमीन अवस्थित है ।

आई० के० गायेंन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11,
54, रफाग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता--16

दिनांक : 30-3-87

मोहर :

इसका बाई.टी.ए.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/19

यतः मुझे, आई० के० गायेंन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विधे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकपूर्वक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16, है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सक्षम प्राधिकारी, कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन करने के अन्तरक का
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रतना गांगुली ।

(अन्तरक)

(2) मे० मल्तीराज टावर्स, प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

16, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता पर 2 वि० 4 क०
जमीन अवस्थित है ।

आई० के० गायेंन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
54, रफीअहमद किबदई रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 30-3-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) ब्रिटिश एयरवेज प्रा० लि० को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कनक पैकेजिंग प्रोडक्ट्स प्रा० लि० क०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पब्लिश सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/86-87 अतः

मुझे, आई० के० गायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32ए है तथा जो न्यू रोड कलकत्ता में स्थित
है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण तालुक, बंगलूर
में धारा 269ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/
के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुरूप
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

32, ए, न्यू रोड कलकत्ता पर 1 बि० 5 क० 7 छ० 32
ब० फु० जमीन एवं मकान का 1/4 अंश अवस्थित है।

आई० के० गायन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
54, रफीअहमद कियदई रोड,
कलकत्ता—16

दिनांक : 30-3-87
मोहर :

प्रमुख वाई.डी.एन.एड.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

वर्तमान सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एक्वी० 83/आर-II/कल०/86-87--यतः

मुझे, आई० के० गायें,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32ए है तथा जो न्यू रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
दिनांक 26-6-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
बाधा बना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन इस धर्मे की अनुसूची की
व्यक्ति से कभी कटुर्ष या उक्त उक्त से सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवोचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या कि किसी व्यक्ति या, किसी के अधिनियम
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रिडिया एयरवेज पब्लिक लि० क०

(अन्तरक)

(2) कनक इन्वेस्टमेंट्स लि०

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीमां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सवधी व्यक्तियों
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के या
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

32ए, न्यू रोड कलकत्ता पर 1 बि० 5 क० 7 छ०
32 ब० कु० जमीन एवं मकान का 1/4 अंश अवस्थित है।

आई० के० गायें
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54, रफीअहमद किवर्ही रोड,
कलकत्ता—16

दिनांक : 30-3-87

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एकी० 84/आर-II/कल०/86-87—यतः

मुझे, आई० के० गायेंन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 32ए है तथा जो न्यू रोड कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 26-6-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ब्रिटिश एयरवेज प्रिन्सिपल लि० क०

(अन्तरक)

(2) वर्मानलाल एक्सपोर्ट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रहण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

32ए न्यू रोड कलकत्ता पर 1 बि० 5 क० 7 छ० 32 ब०
कु० जमीन एवं मकान का 1/4 अंश अवस्थित है।

आई० के० गायेंन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

654, रफीग्रहम किराई रोड,

कलकत्ता—16

दिनांक : 30-3-87

ओहर :

प्रकृष माह.टी.एन.एच.-----

(1) स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) दि० आसाम को० (इण्डिया लि०)

(अन्तरिती)

आयुक्त आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एचडी० 85/आर-II/कल०/86-87—यतः

मुझे, आई० के० गायें,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी/8/9 है तथा जो अलिपुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है। और इसमें उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 2-6-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पावा नवा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक
रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए निम्नी भाग की वास्तविक
अधिधियम की वहीच यह होने की अन्तरक के
अधित्व से कभी कभीने वा उक्तके वचने के स्विधा
के लिए; की०/वा

अनुसूची

जी/6/1 अलिपुर रोड; कलकत्ता पर 2500 व०फु०
क्षेत्र अवस्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-3-87

मोहर :

आई० के० गायें
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54, रफीमहमद किवबई रोड,
कलकत्ता—16

अन्वय आहूँ. टी. एन. एस.-----

(1) एलेनजरी प्रोपर्टीज लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग की अधीन सूचना

(2) श्री नारायण प्रसाद कजरिया एवं अन्य ।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करा जाता है।

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद :-

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एक्वी०/86/प्रा-1 कल०/ 86-87—

यतः मुझे, आई० के० गायेंन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक आयुक्तों को, यह निदेशन करने का प्रमाण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 10, है तथा जो वर्तमान रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-6-86,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उक्त बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय अतिप्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधिप्राप्त सम्पत्ति का उक्त बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राप्त पत्रातिप्रफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में स्थिति के लिए; और/वा

अनुसूची

10, वर्तमान रोड कलकत्ता पर 1537 ब० फुव क्षेत्र अवस्थित है ।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूत वा अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिति के लिए;

आई० के० गायेंन
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

54, रफीकहमद किराई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 30-3-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निदेश सं० एक्वी० 87/आर-कल०II/86-87—यतः

मुझे, आई० के० गायें,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 98 एन है तथा जो नलिनी रंजन एवेन्यू में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30-6-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
ऐसा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा :—

- (1) डा० बारीबबरन चटर्जी
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स साक अपार्टमेंट प्रा० लि०
(अन्तरिती)
- (3) डा० रामलाल बी० एल० हीला ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

68 एन० ए० ब्लाक-ई नलिनी रंजन एवेन्यू कलकत्ता
पर 7.44 का जमीन सहित दो मंजिला मकान अवस्थित
है ।

आई० के० गायें
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54, रफी ग्रहमब किंगडॉम रोड,
कलकत्ता—16

दिनांक : 30-3-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निर्देश सं० ए० सी०-88/आर०-II/कल०/36-87 अतः,

मुझे आई० के० गायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए है तथा जो डी० एच० रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय के सक्षम प्राधि-
कारी कार्यालय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 26-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा बोस

(अन्तरक)

2. मे० ए० मि० एस० इन्टरप्राइज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

23 ए० डी० एच रोड, कलकत्ता पर 3 का छ 10
व० पु० जमीन अवस्थित है।

आई० के० गायन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

54, रफी अमहद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 30 मई 1986

मोहर :

प्राकल्प आई.टी.एन.एल.-----

1. बिहार एजेंट्स लि०

(अन्तरक)

(2) युनियन कार्बाईड इंडिया लि०

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

अन्तर्गत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी :—

निर्देश सं० ए०सी०-89/आर०-II/कल/86-87 यतः मुझे
आई० के० गायेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसमें परिवर्तन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 2 है तथा जो राजा सन्तोष रोड़ कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम
प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 26-6-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के
पड़ह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वास्तविक, अथवा
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तरण
में कमी करने या उक्त अन्तरण में परिवर्तन के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
की, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येकधारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8 राजा सन्तोष रोड़ कलकत्ता, पर 226 व० फु०
क्षेत्र अवस्थित है।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
54, रफी अहमद किववाई रोड़,
कलकत्ता-16

तारीख : 30 मार्च 1987
मोहर :

प्रकाशक: श्री. एन. ए. ए. ए.

भारत अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) रैनोक्स कमर्सियल्स लि०

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीशंकर जिव (दियती)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कमर्चाइज, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1987

निर्देश सं० ए० सी० 90/आर०-II कल०/86-87—यत्.

मुझे, आई० के० गायन,

...र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और सिजकी सं० 2 है तथा जो राजा सन्तोस रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर, पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 2-6-91986

...I पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवस्थिति
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवस्थिति प्रतिफल से, ऐसे अवस्थिति प्रतिफल का
परिणाम से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक या एक से अधिक
कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक निश्चित में वास्तविक
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक में हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में करी करने या उससे पहले में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य अस्तित्वों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
वार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
किसी भाव वाणिज्य या डिमाने में सुविधा
के लिए;

यह ध्यान रखते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
...I, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (2)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थ :—

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरितीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

8, राजा सन्तोस रोड, कलकत्ता पर 1981 व० पु०
क्षेत्र/मकान अवस्थित है

आई० के० गायन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

54, रफी अहमद किवबाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 30 मार्च 1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एलेनबारी प्रायर्शज लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती श्यामादेवी कजरिया एंव अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च, 1987

निर्देश सं० 91/आर ०-कोल० 86-87—अतः मुझे, आ०

के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 90 है तथा जो बर्द्धवान रोड, कलकत्ता में स्थित है । (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

90 बर्द्धवान रोड कलकत्ता पर 3990 व० फु० मकान,
कमरा अवस्थित है ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 30-3-1987
मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एफ. -----

भाषण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक सचिव

सहायक भाषण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2457/एसीक्यूकोल/87-88—यतः, मुझे, आई
के० गायन,

भाषण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ² (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो बालीगंज पार्क रोड, कल
स्थित है में और, इससे उपायद्वारा अनुसूची में जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलः
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि न्यायोचित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
संगत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पंथा
पया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक से उक्त अंतरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तविक अवत अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के व्ययत्व में
कमी करने या उससे अधिक में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिबों
को, जिन्हें भारतीय भाषण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रारम्भिक अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एधुरेंट इनवेस्टमेंट को० लि०,
(अन्तरक)
- (2) ए० जे० एन्टारप्राइजेज लि०,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियों शुरू किया है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का अवधिपूर्ण व्यक्तियों एवं
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या ती
अवधि बार में समाप्त होती है, के बीच पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्त द्वारा न्यायोचित अधिकारी के साथ
विवाद में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रकृत धर्मों और धर्मों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं०—3 एन

शेख 3075 य० फु०

डीड नं० I-12299 ता० 30-9-1986

आई० के० गायन

सहायक प्राधिकारी

सहायक भाषण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3

54 रफीग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता—16

तारीख: 10-4-1987

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इसका सम्बन्ध के अर्थों में सम्बन्धों को कोई भी जानने :-

(क) इस सूचना की सफलता में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि से 30 दिन की अवधि, जो ...
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उचित स्वतंत्र संस्थित में जिस-संस्थित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, कथोद्घोषस्थायी वाद निहित में किए जा सकेंगे।

नवीकरणः—इसमें मद्रास राज्यों की वहाँ का, जो समय विधिवत के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है, वहाँ वर्ष होना जो उस अन्तर्गत में दिया गया है।

निर्देश सं० २४५८/एक्यू० ग्रा०-III कल ८७-८८—यतः मुझे,
के० गायन,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17 है तथा जो वालीगंज रोड, कलकत्ता, में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नगद प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धन्यतरण से हुई किसी बात की वास्तविकता उसके अधिनियम के अधीन कर देने के धन्यतरण के वास्तविकता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; और/या

(घ) एंसी किसी बाप या किसी धन या वस्तु आस्तियों को, बिना भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-काल अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने न सुविधा के लिए;

कतः कम, "उक्त अधिनियम की धारा 269-न में, जल्दबाज
नहीं, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनमें :-

फ्लाट नं० 15, क्षेत्र 3750 वर्ग फु० डीए नं० I
1230 ना० 30-9-1986

आई० के० दायम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3
54, रफीमहमद कियवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख 10-4-1987
मोहर :

[सूचना नं० 1 एन. ए. ए. 269-ग (1) के अधीन सूचना]

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

[सूचना नं० 1 एन. ए. ए. 269-ग (1) के अधीन सूचना]

अध्यापक, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश नं० 2459/एक्यू.आर.-III/कल०/86-88—यतः

मुझे, आई० के० गायेन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो बालिगज पाक रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे-दृश्यमान प्रतिफल का बंधु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13—126GI/87

(1) एंजुरेट इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड
(अन्तरक)

(2) आमा हिम्मतमिहका
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने वाली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॉट नं० 1 एन, ट्रो तला, 3075 वर्गफुट, प्रेमिहस
नं० 17, बालिगज पार्क रोड, कलकत्ता।

आई० के० गायेन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 10-4-1987

मोहर :

रजिस्ट्रार जी० एच० गुप्त

(1) ऐक्यूरेट इवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) आशा गुप्त

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज III कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2460/ए० सी०/एक्यू० आर III कोल/86-88—

यतः मुझे, आई० के० गोयन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो बालीगज पार्क रोड, कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलिकाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-86

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवहार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाएगी और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा दी जाएगी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 5 एस, छयनला 3750 बर्गफुट, प्रेमिसेस
न० 17 बालीगज पार्क रोड, कलकत्ता।

आई० के० गोयन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-III
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 10-4-1987
मोहर :

प्रकाशक: टी. एम. एस. एल.

(1) एक्जेट इन्वेस्टमेंट कं० लि०

(अन्तरज)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंजुषा अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 2461/एसी० क्यू० आर०-III/कल/87-88—

यतः मुझे, आर० के० गायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो वालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिनांक 29-9-1986

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 4 क्षेत्र 3075 ब० फु० डीड नं०-I 12077

ता० 29-9-1986 ।

आई० के० गायन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) ऐकुरेट इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बि कोहिनूर दि कम्पनि लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार¹

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 2462/एक्वू०आर-III/कल 87-88— यतः
मुझे आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 17 है तथा जो बलिगंज पार्क रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के
अधीन तारीख 30-9-1986

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

फ्लॉट नं० 45, पांच तन्ला, 3750 वर्गफुट, प्रेमिसेस
नं० 17 बालिगंज पार्क रोड कलकत्ता।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-4-1986

मोहर :

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III-
54 रफीअहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) आदित प्रपाटिम प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) गुडरिक ग्रुप लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० 2463/ए० सी.ई.ए. आर-III/87-88—यतः

'मुझे आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 159-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 80 है तथा जो कल० में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कालीकन पार्क, कलिकाता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसायिक फल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यून प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया है। प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अंतरण विविध में अधिकतम रूप से कांचित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों - यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 बी, छयतल्ला प्रेमिसेस का नं० 8 सी, कुईस पार्क, कलिकाना ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफीग्रहमव किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1987

मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) रविन्द्र नाथ बोस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कामधिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2464/एक्यू० रेज-III/बल०/87-88—यतः
मझे, आई० के० गोयेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 137 है तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आर० न० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के क्षयित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 वि० एन० आपार्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 10 काठा 12 छटाफ 4 वर्गफट, प्रेमिसेस न०
137, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

आई० के० गोयेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफीग्रहमव किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

(1) हिरानाग मिटि एवं अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) को अधीन सूचना

(2) राजेन्द्र कुमार हुगार एवं अगर

(अन्तरिती)

आदेश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 2465/एक्यू०रें०III/कल/87-88— अतः
मुझे; आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/2, है तथा जो चक्रवेरिया रोड (नार्थ)
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है) - जिम्मेदारी अधिकारी के कार्यालय
सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० 1 ए, 2620 बर्गफुट, प्रेमिसेम नं०

7/1, चक्रवेरिया रोड, (नार्थ), कलकत्ता।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख: 10-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) सारिन भट्टाचार्य

(अन्तरक)

(2) कान्ति देवी सराफ

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2466/एक्यू०२-III/कल०/87-88—

यतः मुद्दा आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है जो आयम साइड रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्री पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो तहला बिल्डिंग, प्रेसिडेंसी नं० 3, आयम साइड रोड कलकत्ता ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) बलराम राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नम्रता ट्रेडिंग (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 2467/एक्यूरेज-III/कल०/87-88—यत.

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो लि० रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 30-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

एक तल्ला बिल्डिंग, कमांड एरिया 633.37 वर्गमिटर।
प्रेमिसेस नम्बर 16, लि० रोड, कलकत्ता।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्गमित व्यक्ति, अर्थात् :—

14—126GI/87

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष बाईं.टी.एन.एस.-----

(1) बलराम राय

(अन्तरक)

(2) हेलगर्म डेवलपमेंट एव कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लि०
(अन्तरिनी)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० ए० क्यू० रेंज-III/कल 12468/

1987-88— यतः मुझे, आई० के० गायन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० 18 है तथा जो लि. रोड, कलकत्ता स्थित है।

और इसमें उपाख्य अनुसूची में और, पूर्णरूप में वर्णित है।

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और० ए० कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 30-9-86 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
अभी यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के
बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थापित
नहीं किया गया है :—(ग) अन्तरण में हुई निम्नलिखित का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आगमियों
का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बांध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए
वर्धन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो तल्ला बाड़ी, प्रेमिसेस नम्बर-18 लि० रोड, कलकत्ता।
692.78 वर्गमीटर।आई० के० गायन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-15

दिनांक 10 अप्रैल 1987
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

साक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० रेंज III कल० 11469 1987

88--अतः सबे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो डोमार पार्क, कलकत्ता में स्थित है। और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गढ़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) केरिट मारेन एव कोमार्नि प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) केरिट प्रापरटिज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस नामवार-5 डोमार पार्क, कलकत्ता-जमीन 17 कट्टा 11 छटांक एवं 20 वर्गफुट।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता-16

दिनांक 10 अप्रैल 1987
मोहर :

अध्यक्ष, सी. टी. एस. एस. ए. एस. एस.

(1) आर० पी० प्रापर्टीज प्रा० लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भगवती प्रसाद केडीया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/एचयू रेंज III कल/2470/1987-

88—यतः, मसौ, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो कुडुन्त पार्क कलकत्ता स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-86 को का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक नया नया अधि-भूत निष्कर्षित उपकरणों के उचित अन्तरण विहित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्य है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) कलकत्ता के मुख्य निजी बाजार का बाजार उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जारी/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किन्हीं राष्ट्रीय बाजार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योगधर्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता बावजूद या, जिसे में सुविधा गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० —1ए

डीड नं० —I 11648 ता० 17-9-86

अनुसूची

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

दिनांक: 10 अप्रैल 1987

मोहर :

सूचना क्र. 11/1987

(1) आर० पी० प्रापर्टीज प्रा० लि०

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ओम प्रकाश साहूरिया

(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—कलकत्ता

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

कलकत्ता दिनांक 10 अप्रैल 1987

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

निर्देश सं० ए० पी० रेंज III कल० 12471-1987-88—अतः, मुझे, आई० के० गायेन
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8सी है तथा जो कुइन्स पार्क, कलकत्ता में स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाधक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बाधक में कमी करने या उससे बचने सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य बाधकों को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

प्लॉट नं० 4 बी

क्षेत्र—138.66 वर्ग मीटर

डीड नं०—I 11541 ता० 12-9-86

सूचना



आर० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—III कलकत्ता-16

दिनांक: 10 अप्रैल 1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रतन लाल मोरे

(अन्तरक)

(2) मेसर्स तिरुपति प्राजेक्ट्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/एक्यू० रेज III/कल/2472/1987-

88—अतः, मुझे, आर० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिस की म० 8/5ए है तथा जो लीला राय सारणी, कलकत्ता
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप में वर्णित है।

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1938 का 16) के अधिनियम, तारीख
28-9-76

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या जिन्हें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—6 कठ्ठा 11 छटाक 19 वर्ग फु०
डीड न०— I 12111 ता० 28-9-86

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 कलकत्ता-16

दिनांक . 10 अप्रैल 1987
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नरेन चन्द्र सुचान्ति और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी बिलानी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 111 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० रेज III कल/2473-1887-88-अत
मुझे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 111 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गेट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबध अनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

दो तल्ला मकान और जमीन कुल 18 कदठा 12 छटांक
16 ब० फुट

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 10 अप्रैल 1987

सीहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री गोपीनाथ सरकार

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री सम्पीत कुमार मुनमुनवाला

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज III कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० रेंज III कल/1987-88—यतः, मुझे,
आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो बाराको लेन, कलकत्ता में स्थित है।
और हमने उपाबद्ध अनुपुत्री में और, पूर्णरूप से वर्णित है।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुपुत्री

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक की दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

दो तल्ला मकान और अर्जान 7 कट्ठा, 12 छटाक 35 ब० फुट

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता 16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10 अप्रैल 1987

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री प्रह्लाद राई खेतवान

(अन्तरक)

(2) आरिजिमा ट्रेडिंग कं० लि०

(अन्तरिती)

बायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

किसी सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० पी०/रेंज-III/कल 1987-88—यतः,
मुझे, आई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19ए है तथा जो भारत बोम रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० आ० आ० निरीक्षण
अर्जन रेंज-3 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 30-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल को
संबंध प्रविष्ट से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 2 ए

क्षेत्र—3400

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या, विधानों में सुविधा
के लिए।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—126GI/87

दिनांक : 10 अप्रैल 1987

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.ए.-----

(1) कुमारी सुभरा दत्त और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मनोज मीहन घोष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/रज III/कल/1987-88—यतः,

मुझे, आई० के० गायन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
, 00,000/- रु से अधिक है

और जिस की सं० 90 है तथा जो राजावमन्त राय रोड, कलकत्ता,
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आत्मनिर्दिष्ट रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन तल्ला मकान और जमीन

डीड नं० I 12085 ता० 29-9-86

आई० के० गायन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 कलकत्ता-16

दिनांक : 10 अप्रैल 1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/रेंज-III/कल०/87-88—यतः

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 70डी है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ए० 2 ए, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वनाथ पाल एवं अन्य।

(अन्तरक)

(2) इयेसामि टावर्स (प्रा०) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पर्यन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

670 वर्गफुट जमीन, 70डी, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

धरम बाई, टी. एन. एस. ---

(1) श्रीमती ममिता सिन्हा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सूर्यकान्त महेश ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/रेंज- /कल०/87-88—यतः

मुझे, आई० के० गायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिनकी सं० 48/1बी है तथा जो लीलांगाय सरणी, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 30 मितम्बर 1986

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

कुल जमीन—11 कठठा, 4 छटांक, 6 वर्ग फुट

डीड नं०—I 122 32 ता० 30-9-1986 ।

आई० के० गायन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन. १९८७

(1) मिगमा ।

(अन्तरक)

(2) बी० एल० सन्स ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2479/एक्यू० आर-III/कन०/87-88—यतः
मुझे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 201 है तथा जो आणुतोष चन्द्र एवेन्य में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० आ० आ०
निरीक्षण अर्जन रेंज-3 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् हस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21

क्षेत्र—2100 वर्ग फुट ।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 10-4-87

मोहर :

रूप बाह्य. टी. एन. एस. -----

(1) सामन डेवलेपमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) अरावली होल्डिंग्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2480/एक्यू० आर-III/कल०/87-88-यतः

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 2/5 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986 से

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नम्बर ए, अगरतला, प्रीमिसेस नम्बर—2/5 सरत बोस रोड, कलकत्ता।

आई० के० गायेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

(1) श्री अनिमो सेन गुप्त ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स अरविंद टावर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में संबंध में कोई भी बाधक—

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

निर्देश सं० 2481/एक्यू० आर- II/कल०/87-88-अतः,
मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है ।

और जिसकी सं० 67 है तथा जो यतीन दास रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
13 सितम्बर 1986 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पत्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने का उससे वर्णन में सुविधा के लिए;
और/या

तीन तल्ला पक्का मकान ।

क्षेत्र—7 कठ्ठा 5 छटांक 29 वर्ग फीट ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एम.-----

(1) राज कामगियल और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) ज्ञानेश्वर प्रसाद अग्रवाल और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2482/एक्यू० आर-III/कल०/87-88—यन.

मुझे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जोली रोड, कलकत्ता में स्थित है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० आ०
आ० निरीक्षण अर्जन रेंज-3 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 मितम्बर 1986 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्त्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

फ्लैट नं० जीए ।

क्षेत्र—42 5 6 व० फु०

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार,
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

इसका आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2483/एक्यू० आर-II/कल०/87-86—अतः
मुझे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो बालीगंज सरकुलर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 30 सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
अन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, ज्ञात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रयुक्त
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या कि जिसका बाह्य रूप से प्रकट करने में निष्ठा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
16—126GI/87

(1) एकुरेट इन्वेस्ट लिमिटेड लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) बागारिया अपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गए हैं।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 35, चार तल्ला, 3750 वर्गफुट, प्रीमिसेस
नम्बर 17, बालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता।

आई० के० गायेन,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

श्रावण भाई. डी. एन. एस.

(1) एक्जुटेड इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) इंडियन स्टेट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्जान के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति को बर्जान के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2484/एक्य० आर-III/कल०/87-88—यतः

मुझे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1 00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो बालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30 सितम्बर 1986।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नम्बर 2, एन० तीनतल्ला, 3075 वर्गफुट, प्रिन्सिपेस
नम्बर 17 बालीगंज पार्क रोड, कलकत्ता।

आई० के० गायेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एच.एच.-----

(1) के० एन० प्रापटीज प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री. हरजिद्र सिंह नाडना।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादों ५—

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निर्देश सं० 2485/एक्यू० आर-III/कल०/87-88—यतः
मुझे, आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11ए है तथा जो पाम एवेन्यू, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक
प्राप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/वा

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 5डी, छ:तल्ला, 1927 वर्गफुट, प्रेमिसेस नम्बर
11ए, पाम एवेन्यू, कलकत्ता।

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा
के लिए;

आई० के० गायेन,
सक्षम-प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) लामटार्डन प्रापर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र सेनियाया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2486/एक्यू० आर-III/कल०/87-88—यत

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्हहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 2/6 है तथा जो शरत बास रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय सक्षम प्राधि-
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संगत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

बेम नम्बर 6, तीन तला, 1564 वर्गफुट, प्रीमिसेस नम्बर,
2/6, सरत बोस रोड, कलकत्ता।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आई० के० गायन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 10-4-1987
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एड.-----

(1) मै० लान्सटाईन प्रापर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) दीपकलाल दोषी एवं अन्य।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश नं० 2487/7.1.87 प्रा०-III/कल०/87-88—यत्
मुख्य, आई० के० गायेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें नं० 2/6 है तथा जो सरत बॉस रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-
कारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
बांधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूप
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र नम्बर--8, तीन तल्ला, 1458 वर्गफुट, प्रेमिसेस नम्बर
2/6 सरत बोस रोड, कलकत्ता।

आई० के० गायेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्रथम भाग, टी. ए. ए. ए.-----

(1) नृपेन्द्र नाथ गांगुली और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) संदीप कुमार अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 2488/एक्यू० आर-III/कल०/87-88--यतः
मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 89 है तथा जो डा० मेघनाथ साहा सरणी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 11 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन--15 कठ्ठा, 15 छटांक, 3 बर्ष फुट ।

डीड नं०--I-11526 ता० 11-9-86 ।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख 10-4-87 .

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) ब्रह्मनाथ पाल एवं अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) इयेसमि टानयाल (प्रा०) लिमिटेड) ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी०/रेंज/कलकत्ता I /1987-88---यतः,

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 70 डी है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1890 का 16)
के अधीन, तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

जन्मसूची

670 वर्ग फुट, दोतला, प्रेमिसेस नम्बर 70-डी०; हिन्दुस्तान
पार्क, कलकत्ता ।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० ए० पी० 2490III/अर्जन रेंज-III/87-88:—

अतः मुझे, आई० के० गायेन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है,
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 70 डी है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए० ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी छाय या धन या अन्य वास्तविकों
को, जिसमें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922-
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विष्णुनाथ पाल एवं अन्य ।

(अन्तरक)

(2) ईवेसमि तावयारस (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पा
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में नि-
गदा है।

अनुसूची

670 वर्ग फुट जमीन, दोनल्ला, प्रेमिसेम नम्बर-70डी,
हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता ।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 10-4-1987.

मोहर :

प्रमुख भाग-डी एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

मद्रास-17, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० 11/सितम्बर/86:—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 29/1, 29/2ए, 29/2, 29/4, 30, 31, 33, 34 और 35 है तथा सोमानकुप्पम गांव, कडालूर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडालूर दस्त सं० 1929 तक 1932, 1934 और 1939/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के सम्मानिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उचित बचन में सुविधा के लिए; और/या

1. 1961 का अधिनियम 43 की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्यादेश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु के लिए

(1) श्री एन० गणेशमूर्ति और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पेराक्सिडेस इन्डिया लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्या. 20-क में परिभाषित हैं वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—एस० सं० 29/1, 29/2ए, 29/2, 29/4, 30, 31, 32, 34, 35, सोमानकुप्पम गांव, कडालूर । (कडालूर दस्त सं० 1929 तक 1932, 1934 और 1939/86) ।

ए० आर० रेड्डी,

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षण सहायक आयकर (आयुक्त),

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) 17—126GI/87

तारीख : 6-5-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

मद्रास-17, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० 33/सितम्बर/86---अतः मुझे, ए० आर०
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवक्षित करने
का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 267, तथा जो है आम्बस्टवरि माउन्ट
रोड, मद्रास में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास मेन्ट्रल
दस सं० 1309/86 में भांगनीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और आरक (अंतर्गत) और अंतर्गती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबिल में
कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या विधानों में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित बातों, अधिनियम

(1) श्री मत्या साई सेन्ट्रल ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स वालाजी कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पत्रावन सम्पत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चस के संबंध में कोई भी बाधक,--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--सं० 267, "आम्बस्टवरि माउन्ट रोड,
मद्रास (मद्रास मेन्ट्रल-दस सं० 109/86)।

ए० आर० रेड्डी,
सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जयन्ती ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जानकी रामाचन्द्रन ।

(अन्तरिका)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई, 1987

निदेश सं० 1/सितम्बर/86.—अनः मुझे, ए० आर०
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/139, साउथ स्ट्रीट वेस्ट चि० ए० टी०
नगर है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौदापेट
दस० सं० 3000/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में हुई किसी आय को बाहर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान—सं० 4/139, साउथ स्ट्रीट वेस्ट चि०
ए० टी० नगर, मद्रास । सौदापेट—दस० सं० 3000/86 ।

ए० आर० रेड्डी,

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस. -----

(1) श्री मेसर्स शिवराज मोटार्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के. ए. सुलैमान।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

मद्रास-17, दिनांक 30 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 9/सितम्बर/86:—अतः मझे, ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का, या निरीक्षण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 477 और 482, मउण्ड रोड, नन्डनम, मद्रास 32 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, साउथ दस-सं० 3015/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लक्ष्य नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर बन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधानी के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाबद्धा शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में म किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—सं० 477 और 482, मउण्ड रोड, नन्डनम, मद्रास। (मद्रास साउथ—दस० सं० 3015/86)।

ए० आर० रेड्डी
सहायक आयकर आयुक्त,
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

तारीख : 30-6-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० वी० कमलाकुमार और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स युरथान्स इण्डिया लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० : 12/सितम्बर/86:—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 35, 37 तक 40/2, और 47/2,
सोमान कुप्पम गांव, है, जो कडलूर तालुक, साउथ आरकाट जिला
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध में और पूर्ण रूप वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडलूर दस० सं०
1935 और 1936 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 17) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

का पश्चात् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल में, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि—एस० सं० 35, 37 तक 40/2, और 47/2,
सोमान कुप्पम गांव, कडलूर तालुक, साउथ आरकाट जिला ।
(कडलूर—दस० सं० 1935 और 1936/86) ।

ए० आर० रेड्डी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास-2

तारीख : 1-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) शिवराज मोटार्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) एन० एम० असिना।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास-17

मद्रास-17, दिनांक 30 अप्रैल, 1987

निदेश सं० : 28/मिन्सवर/1986:—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'नक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 477 और 482 मउन्ड रोड, नन्डनम, मद्रास-35 है तथा जो मे स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, साउथ—दस० सं० 3016/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मिन्सवर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य प्रतिलिपि व लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अमान्य प्रतिलिपि से, ऐसे अमान्य प्रतिलिपि का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिलिपि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—सं. 477 और 482, मउन्ड रोड, नन्डनम मद्रास (दस० सं० 3016/86)।

ए० आर० रेड्डी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-11, मद्रास-17

एन० एम० असिना अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
म, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-4-1987.

मोहर :

प्रारूप आर्क.टी.एन.एस.-----

(1) हुकमाबाई लोगनाइन और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० आर० कंस्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-17

कलकत्ता, दिनांक 30 मई, 1987

निदेश सं० : 16/मिनस्वर/86—अतः मुझे, ए०

आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6, फर्स्ट स्ट्रीट, विजयरागावा रोड, टी० नगर,
है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसका उदाहरण अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
टी० नगर, दम सं० 1382/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भु-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—सं० 6, फर्स्ट स्ट्रीट, विजयरागावा
रोड, टी० नगर, मद्रास-17 ।

ए० आर० रेड्डी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

तारीख : 30-4-1987.
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) अक्षर फातिमा बेगम और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैमर्न स्टालिंग ऐलाक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-12

मद्रास-17, दिनांक 30 अप्रैल, 1987

निदेश सं० : 31/मिनम्बर/1986:—अतः मुझे, ए० आर०
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिगकी सं० 19, कथिडल गार्डन रोड, मद्रास-6 में तथा
जो मे स्थित है (और इसके अनुबन्ध में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मद्रास सेंट्रल—दस सं० 1288/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मिनम्बर
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुबन्ध

भूमि और मकान—सं० 19, कथिडल गार्डन रोड, मद्रास-6
मद्रास सेंट्रल दस—सं० 1288/86)।

ए० आर० रेड्डी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-4-1987.
[मोहर :

इसका भाग 3 की धारा 2 में

(1) श्री ए० जे० जलालुद्दीन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) ए० कोंडण्डरामा रेड्डी प्रांर अग्र्य।

(अन्तरिती)

नियुक्त अधिकारी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवाए हों।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1987

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

निर्देश सं० 32/सितम्बर/86 —अतः मुझे आर० रेड्डी।

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रूप किसी व्यक्ति द्वारा। जहाँ-जहाँ के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 501, मउण्ड रोड, मद्रास में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास मन्दल दस० सं० 1166/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1986।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आधिकारिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना के लिए; और/वा

सूचि सं० 501, मउण्ड रोड, मद्रास (मद्रास सेन्दल दस० सं० 1166/86)

(ख) इसी किसी बात या किसी धन का अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दस्तावेज प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-17

कहा: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक :—30-4-1987

मोहर :—

प्रथम भाग, टी.एन.ए.ए.

(1) मत्या साई ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) महेन्द्र चन्द्र और अन्यो।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं० 34/मिन्स्वर/86—अतः मुझे, ए० आर०
रेड्डी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 बोर्डम रोड, मद्रास है जो मद्रास
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकारी अधिकारी के कार्यालय
मद्रास सेंट्रल दस० सं० में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसा अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायिक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ध० म० उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 16 बोर्डम रोड, मद्रास (मद्रास
सेंट्रल दस० सं० 1338/86)

ए० आर० रेड्डी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 1-5-1987
मोहर :

प्रकट नाम: टी.एन.एल.-----

(1) कुम कुम पटेल।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अमिला एन. शा और अन्य।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन से संबंध में कोई भी बाधक ---

अर्जेंट रज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं. 35/सितम्बर/86--अतः मुझे, ए० आर०
रेड्डी।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की सभ्य सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 109 सं० थि थिरुमलै।
पिल्लै रोड, टी० नगर, है जो मद्रास में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर, दस० सं०
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1986।

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

भूमि और मकान ब्लाक सं० 109 सं० 8 थिरुमलै
पिल्लै रोड, टी० नगर मद्रास -17
(टी० नगर दस० सं० 1590/86)

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भावकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ए० आर० रेड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रज-2, मद्रास

नोट: उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक :- 1-5-1987

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० 36/सितम्बर/84—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जमकी सं० 83 जी० एन० छोटी रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर दम० सं० 1520 और 1521/86 में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) राजकुमारी जग्गा।

(अन्तरक)

(2) अडण्मोहि और अन्य।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 83 जी० एन० छोटी रोड मद्रास-17 (थाउजन्डलिस दम० सं० 1521/86)।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :—

प्रथम भाग, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 38/सितम्बर/86—प्रतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 636, माउण्ड रोड, और सं० 6 है तथा जो अजिज मूलक 5वीं गली थाउजण्डलहम, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाउजण्डलहम दस सं० 497/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बराबर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एम० मोहदीन

(अन्तरक)

(2) श्री हबीब मोहम्मद सतिग और अन्य ।

(अन्तरिती)

(3) श्री सैयद अब्दुल हग और अन्य ।

(वह व्यक्ति जो संपत्ति का अधिभोग कर रहा हो) —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 636, अण्णा सालै और सं० 6, अजिज मूलक 5वीं गली, थाउजण्डलहम, मद्रास, थाउजण्डलहम दस सं० 497/86)

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 30-4-1987

मोहर :

प्रकाशक, टी. ए. एस. 3-3-1987

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई, 1987

निदेश सं० 40/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर०

रैड्डी

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 155 फोडाम्बाकम हद्द रोड, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थाउजन्डलइस-थस सं० 468/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986 में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित हो किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रजिया नजिर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हसन और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख

45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नगोहस्ताक्षरी के वास्तविक में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बंधाव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 155, फोडाम्बाकम हद्द रोड, मद्रास (थाउजन्डलइस-थस सं० 468/86)

ए० आर० रैड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, मद्रास

दिनांक : 1-5-1987

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई, 1987

निर्देश सं० 41/मितम्बर/86—अन. मुझे, ए० आर०

रैड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, फर्स्ट स्ट्रीट, डाक्टर थिरुमूर्ति नगर,
मद्रास-34 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
थाउजण्डलइस-दस सं० 472/86 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
(1908 (1908 का 16) के अर्जी दिनांक 15.12.86 18
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती रहमत अलिया और सनिहा ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) जयाम ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 14, सैकण्ड स्ट्रीट, डाक्टर थिरु-
मूर्ति नगर, मद्रास (थाउजण्डलइस-दस सं० 472/86)

ए० आर० रैड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, मद्रास-17

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-5-1987

सहृदय

प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

(1) श्रीमती के० परमानन्दी बाई ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सभ्रक हमीद थाका और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई, 1987

निदेश सं० 42/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर०
रैड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभ्रक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 वाल्स गार्डन फर्स्ट स्ट्रीट, नुंगम्मबाक्कम,
है तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय थाउजण्डलइस-दस सं० 475/86 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 16, वाल्स गार्डन फर्स्ट स्ट्रीट,
नुंगम्मबाक्कम, मद्रास (थाउजण्डलइस-दस सं० 475/86)

ए० आर० रैड्डी

सभ्रक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2; मद्रास-17

दिनांक 1-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एल० के० एस० गति।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० एस० मरवाह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० 43/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर०
रैड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 2936/5 तिरुवल्ली केणि हड
रोड, है तथा जो मद्रास-5 में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, तिरुवल्ली केणि-दस सं० 891/86 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पट्टा गया
प्रतिफल, निम्नीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नीकृत
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
गौर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नीकृत व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—126GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 5, असुद्दीन खान बहादुर स्ट्रीट,
तिरुवल्ली केणि, मद्रास-5 (तिरुवल्लि केणि दस सं० 891/
86)

ए० आर० रैड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्रकरण आइ. टी. एन. एस. -----

अन्तर्गत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास-1, दिनांक 1 मई 1987

निदेश सं० 44/सितम्बर/86—अतः सुझे, ए० आर०
 रैड्डी,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसमें पक्षपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो कादर नवाज खान रोड,
 मद्रास में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 थाउजण्डलइस-दस सं० 81/87 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
 सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितीयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण निश्चित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाव की वास्तव, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के संयुक्त के
 कार्यालय में काली कटने या उससे काले में सुविधा
 के-लिख; बाहि/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य जाँचियों
 को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रकीर्णार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 या जाँचिया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
 ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित ... अध्यांक ५

(1) डाक्टर ई० सोमाशखर

(अन्तरक)

(2) 'सर्स चैतन्य बिल्डर्स और लीजिं प्राइवेट लि०
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
 कार्यवाही करत है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाद है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थायी के बाव
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 12, कादर नवाज खान रोड
 मद्रास (थाउजण्डलइस-दस सं० 81/87)

ए० आर० रैड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-17

दिनांक: 1-5-1987

मोहर:

प्रमाण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० 2/सितम्बर/86—अतः मुझे ए० आर० रैड्डी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 15 टी० एस० सं० 6 और 7
(पार्ट) है तथा जो वेलचेरी गांव, मद्रास में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट-बस सं० 1068/86 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ए० जी० कुरणन और सूरुजा चि० कुरप ।
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स भूपति इन्वेस्टमेंट्स और फाइनेन्स प्राईवेट
लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान ब्लाक सं० 15, वेलचेरी गांव, मद्रास
(सैदापेट-बस सं० 1068/86)

ए० आर० रैड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास-17

दिनांक : 28-4-1987
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पी० सी० गजपति और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० मोहना सन्धानम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 18/सितम्बर/86—अतः सुझे, ए० आर० रैड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, पञ्चनाभन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर—दस सं० 1476/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के वा. लिखित में किया जा सकेगा।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 9, पञ्चनाभन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17।

(टी० नगर—दस सं० 1479/86)

ए० आर० रैड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 22-4-1987

होदर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एम. -----

(1) श्रीमती बी० राजेश्वरी अम्मा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अजय बाई

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1987

निदेश सं० 19/सितम्बर/86—अन मुझे, ए० आर० रैड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना पानिनागी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 14, 15/1, है तथा जो साउथ वेस्ट बाग रोड, टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, वस सं० 1303 और 1304/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीगणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 14, 15/1, साउथ वेस्ट बाग रोड, टी० नगर, मद्रास-17
(टी० नगर-दम सं० 1303 और 1304/86)

ए० आर० रैड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास-17

दिनांक : 28-4-1978
मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निवेश सं० 20/सितम्बर/86—अतः मझे ए० आर०
रैड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है तथा जो उण्णामलै ग्राम्माल, स्ट्रीट
टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपानद्ध में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
टी० नगर-दस सं० 1344/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पूरा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए ठर पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक निश्चित से वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कभी या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० आर० कृष्णाम्मा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्देश्य के कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

अन्वयिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 32, उण्णामलै ग्राम्माल स्ट्रीट,
टी० नगर, मद्रास-17
(टी० नगर-दस सं० 1344/86)

ए० आर० रैड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, मद्रास-17

दिनांक: 28-4-1987
मोहर:

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० अलताफ अहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० ए० एफ० कूल्हो और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 23/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 75 है तथा जो लाइड्स रोड, रायापेट्टा,
मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर-
दस सं० 1579/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वाचित्व ने 'कमी करने या उससे बचने में' सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य वास्तविकों
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान -75, लाइड्स रोड, रायापेट्टा, मद्रास-

14

(मैलापुर-दस सं० 1579/86)

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

दिनांक : 28-4-1987

मोहर २

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्रीमती ए० लक्ष्मी अम्माला (अन्तरक)
(2) श्रीमती भानुमति सुन्दरामन (अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 25/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है तथा जो अभिरामापुरम-III स्ट्रीट, मद्रास
18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर
दस सं० 16/8/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित सन्दर्भ से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 25, अभिरामापुरम III-स्ट्रीट,
मद्रास-18

(मैलापुर-दस सं० 1618/86) °

ए० आर० रेड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास-17

दिनांक : 22.4.1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती जानकी अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शैख जाफर और अन्य।

(अन्तरितीमे)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 27/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो थिरुविथी अम्मन स्ट्रीट, रामा-
कृष्णा नगर, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मैलापुर-दस सं० 1521/86 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण के लिए है और यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तरण के लिए है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए;
और/या

(ख) उसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—126GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व.
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 8, थिरुविथी अम्मन स्ट्रीट, रामा-
कृष्णा नगर, मद्रास-4

ए० आर० रेड्डी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

दिनांक: 22-4-1987

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

(1) श्री पी० के० रामन और के० जी० वेकटेश्वरन
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती मुन्दरी परमानामन
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 29/वि० तम्बर/86—अन्तः मुद्रा, ए० आर०

रैड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 457 (डब्ल्यू०) इन्द्रा नगर है तथा जो तिरुवान्मिपुर, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (आउथ-डि० सं० 3160/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसूची

भूमि और मकान—प्लॉट सं० 457 (डब्ल्यू०) इन्द्रा नगर, तिरुवान्मिपुर गांव, मद्रास।

(मद्रास आउथ-डि० सं० 3168/86)

ए० आर० रैड्डी

क्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास-17

दिनांक : 22-4-1987

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती एच० शान्ताकुमारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एम० रवि प्रकाश

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 30/11/नवम्बर/86--अतः मुझे ए० आर० रैड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 19 और 20 है तथा जो तिरु-वान्मिपुर गांव मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, तालुक-द. सं० 3259/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से रोकने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गम्य में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पर्याप्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लेख्यताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्बी

भूमि सं० 140 (प्लॉट सं० 19 और 20), तिरु-वान्मिपुर, मद्रास।

ए० आर० रैड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

दिनांक : 28-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइर हरचन्द

अभ्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37-जी/9-86/192-

अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० 545 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) यह सूचना है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कोई कटौत या उद्देश्य बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर एम० एम० मुन्दी अत्यान मेजर सर्वण गांधि सेहोरा
तहसील बिलापपुर जिला रामपुर यू० पी०
वर्तमान एम० 545, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा
अटारनी हरचन्द सिंह।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सुरजोत कौर पुत्री सरदार गजजन सिंह
और कुमारी निमरत मुन्दी सुपुत्री हरचन्द सिंह
निवासी मेहरा तहसील बिलापपुर, रामपुर,
यू० पी०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40
दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड प्रापटी न. एम-545, ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली।

तादादी 570 वर्ग गज पूर्ण क्षेत्र 1800 वर्ग फिट।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-1987

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन०-7/37-जी/9-86/
166:—अतः सूचे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-62, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वाजिदसम एक्सपोर्ट लिमि० द्वारा डायरेक्टर
श्री अब्दुल कादिर सुपुत्र श्री अब्दुल वाजिद, डी-8,
कालिदा कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल किशोर जैन 2 रीता जैन 3 मिसेज कविता
जैन 4. डेज जैन 1490, कूचा सेठ, दरीबाकला,
चांदनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० एस-62, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48
तादादी 300 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 11-5-87.
सोहर :

सूचना क्र. डी. एन. एन. 11-5-87

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन०-7/37-जी/9-86/
190 ---अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-189, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गम्भीर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरि (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गम्भीर रूप में उचित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के बावजूद भी कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

1.24

- (ख) एही किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स गेबरील गार्मेट्स (प्रा०) लिमि० एस-14, ग्रेटर कैलाश-2, द्वारा डायरेक्टर डबलू एन० साहली सुपुल आर० डी० साहली नई दिल्ली। (अन्तरक)

- (2) श्री जय नारायण गुप्ता, 2985, कूचा मई दाम बाजार, सीताराम, दिल्ली। (अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे या सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्क

एक फ्लेट बिल्डिंग का भाग प्लॉट न० 189, ब्लॉक एस० कुल तादाद 300 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-87.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/

157:—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस 474, ग्रेटर-कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थान में सुविधा के लिए.

- (1) श्री इन्दरजीत सिंह द्वारा जनरल एटोरनी शिवप्रसाद मित्तल, डब्लू-106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री गणपति एक्सपोर्ट लिमि० द्वारा एम० घोष मसजिद मोट, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपवाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतिसूची

एस-474, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-5-1987.
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/7-37-जी/9-86/

157:—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या-515, ग्रेटर कैलाश-2, है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज चट्टा पत्नी जय राम चट्टा, केशर सर्विस स्टेशन जी टो रोड, जालधर पंजाब हाईवे ग्रुवनी कुमार ।

(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी पुरी पत्नी प्रमोद पुरी 36, शेख मंगल, नई दिल्ली-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रियर प्रोग्राम नल खंड प्रापटी नं० एम-515, तादादां 550 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110 002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस्.-----

बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/
159:—अतः सबे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-515, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गद्यापवर्क सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गन्तविक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी अन्य या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

(1) श्रीमती सरोज चड्ढा पत्नी श्री जयराम चड्ढा
निवासी—केसर सविस स्टेशन जालंधर द्वारा
अटारनी श्री अश्वनी खुराना।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दरप्रकाश भाटिया, निवासी-41, शैलिस
लिंग रोड, सान्ताक्रुज, वेस्ट बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पार निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमोदी

तल खण्ड सामने का भाग प्रौ० नं० एस-515, तादादी
550 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—126GI/87

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०-7/37-जी/9-86/

158:—अन: मझे, वं० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-

अधिक है

और जिसकी सं० एस-515, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मरोज चड्ढा पत्नी श्री जायराम चड्ढा केशर सर्विस स्टेशन जी टी रोड़, जालंधर द्वारा एटोर्नी अशबनी खुराना।

(अन्तरक)

(2) मिसेज अल्का पाठक पत्नी श्री केशव पाठक श्री केशव पाठक सुपुत्र श्री लै० कं० महानंद पाठक (रिटायर्ड) 14, मिरीफोर्ट रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

रियर प्रोरेशन प्रथम खंड, प्रापटी नं० एस-515, ताबादी 550 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) से

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आई टी. एस. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/-7/37-जी/9-86/193.—यतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-515, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली सामने का भाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज चट्टा, केशव सर्विस स्टेशन जी टी रोड, जालधर द्वारा एटोर्नी अश्वनी खुराना।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव पाठक, 14, सिरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपील

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सामने का भाग, दूसरा खंड, प्रापटी न० एस-515, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

इस्य भाग, टी. एम. एच. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर, सहायक आयकर बाबत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/

164:—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम्-250, ग्रैटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त वसतण निम्नलिखित में सामयिक रूप में अधिनियम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अन्तरक के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूपिन्दर कोरा ए-902, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला नय्यर, 4, सरदार पटेल मार्ग, कटोनमेंट लखनऊ-226002।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड यूनिट प्रापर्टी नं० एम्-250 ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख . 11-5-1987.

मोहर :

इसका नाम टी. ए. ए. —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/

134:—अतः सुमे, वी० के० मंगोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-46 2, ग्रेटर कैलाश-2,
है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण
प्रोत्फल के लिए अन्तरित की गई और
युम्मे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सहित में करी करण या उक्त करने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मल्लिका राय बोधरी, एस-462, ग्रेटर
कैलाश -2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश बहल और मिसेज अनू बहल 32, हमजुट
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधारी के
पाल सिद्धि में किए जा सकेंगे।

संकेतकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पटी नं० एस-462, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली प्लॉट
550 वर्ग गज पूर्ण क्षेत्र 3250.38 वर्ग फीट।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०-7/37-जी/9-86/

160:—अतः मुझे, बी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो एस-464, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मल्हन बिल्डरम, ई-588, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष भाटिया, एस-254, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कमरा तादादी 10'×15' प्रथम खंड और खुला
ट्रेस बिल्डिंग नं० एस-464, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला,
सक्षम (अधिकारी),
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 11-5-1987
मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/
202:—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस पर धारा 269-घ के अधीन सखम प्राधिकारी को यह विरवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एस-175, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के ज्ञानान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अभी यह विवाद करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके ज्ञानान प्रतिफल से, ऐसे ज्ञानान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच इसके अन्तरक के लिए एक बाधा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शब्दिक रूप से अभिव्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ कि कोई आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी नन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में अभिव्यक्त के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसंरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. कृष्णावर्मा पत्नी स्वर्गीय हरबंसलाल वर्मा, 26, स्टानफोर्ट एवेन्यु, बृड ग्रीन लन्दन एन-22, 2. राजीव वर्मा, 3. सुनीलवर्मा, 4. मिसेज सीमा मेहता।

(अन्तरक)

(2) कल्पना प्रोपर्टीस एंड फाइनेंस प्रा० लि० ई-316, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस-175, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। तादादी 300 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा,
सखम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

सकल माह.टी.एन.एन.-----

**भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/

129:—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एम-171, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली प्रथम खंड में स्थित है (और इसने उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाषा की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मास्टर अमन नागराज द्वारा जनरल एटोरनी सतीश गंठ जी-1/16, दरियागंज, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) सपन स्टेट प्रा० लिमि० के-4, ग्रीन पार्स एक्सटेंशन नई दिल्ली द्वारा एटोरनी आर० के० मंगन मुपुव श्री आर० एन० मंगन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड प्रापटी नं० एम-171, तादादी 298 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्राख्य आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-7/37-जी/9-86/

174:—अतः मुझे, वी० के० मंगोजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है—

और जिसकी सं० एम-315 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारोख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री हरिहर लाल मेठ, निवासी-एस-315, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कपूर, निवासी-डब्ल्यू-112, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

गोपनीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस-315, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, ब्लाक
'एम' तावादी-1620 वर्ग फिट।

वी० के० मंगोजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
22—126GI/87

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/
132:—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-89 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्ति के सभी करों वा उसके बचने के सुविधा के लिए, जी०/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्री मोहिन्द्रा पाल खन्ना और श्रीमती नीलम खन्ना,
निवासी-एम-89, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री संजय प्रसाद, निवासी-51, फ्रैंड्स कॉलोनी,
ईस्ट, मथुरा रोड, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तादादी 300 वर्ग गज, 3 कमरे साथ में, 2 बाथरूम, 1 ड्राईंग-रूम-डार्निंग रूम, 1 किचन, 1 स्टोर, ड्राईवे कार पाकिंग सामान लान और पीछे कोर्ट यार्ड, बना हुआ है। 1 बेड रूम, मैजातिन फ्लोर, 1 ड्राईंग-रूम-ड्राइंग रूम, 1 स्पेयर स्टेयकेशन प्रथम खण्ड, एक कमरा, 1 खुला बाथ, डब्ल्यू-सी एन्ड प्रथम खण्ड ।

वी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/

128:—अन: मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-189 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गबरिल गारमेन्टस (प्रा०) लि०, एम-14, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन कुमारी जैन पत्नी स्व० श्री सीतल प्रसाद जैन, निवासी-ए-3/89, पंचशील इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची

पहली मजिस्त्र, प्रो० न० एम-189, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर

अन्वय भाषा टी. एन. एन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/
161:—अतः मुझे, वी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट न० 511-ब्लाक एम ग्रेटर
कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
पाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1986
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब थावा यथा
इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओमप्रकाश हांडा, ई-319, ईटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) वीणा गुप्ता, 2 मधु गुप्ता, 57, दरियागंज, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 511, ब्लाक एस तादादी 550 वर्ग गज अवासीय
कालोनी ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्रथम भाग.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/
165:—अतः मुझे, वी० के० मगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० एस- 571, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे लिखित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया अंतर कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक एवं अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या जिसका पता पालिका या डिप्लोम में सूचित नहीं है, के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राकेश कपूर और मैसर्स नरिंद कपूर (एच यू एफ) द्वारा नरिन्द्र कपूर 163, गोल्फ लिंक नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० एन० जगो और श्रीमति नीलम सरणा निवासी—लाल मण्डी, श्रीनगर।

(अन्तरिणी)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस-571, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मगोत्रा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/एक्यू०-7/37-जी/9-86/
206:—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो दूसरा खंड एस-148, तादादी
306 वर्ग गज है तथा जो ग्रेटर कैलाश में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है। और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच एंग अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप में कांभत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्नेह दत्त एस-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) गुरुप्रीत सिंह, 89, आनंदलोक, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूसरा खंड प्रापटी न० एम-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली। तादादी 306 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987

मोहर :

प्रमुख बाबू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं. आर्डी. एं. सी०/एक्यू०-87/37-जी/9-86/

189—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-148, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाबू की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने से वास्तविक में
वास्तव में कभी करने या करने बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य वास्तविक
के जिनके भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाँहिए था, जिसने
सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माह दत्त पत्नी रवर्गीय श्री ए० के० दत्त
एम-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमिन्दर सिंह सुपुत्र स्वर्गीय एम० दुर्नव सिंह
89, आनंद लोक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रभुताशरीर में
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिए
गये हैं।

अनुसूची

एम-148, ग्रेटर कैलाश-2 (प्रथम खंड) नई दिल्ली।
तादावी 306 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-5-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/

221:—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1004, 13, टालस्टाय मार्ग, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), तक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 घ के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण इ इहं किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उक्त करने से सुविधा के लिए और/वा

(ब) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य दायित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तर्गत से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्व श्री अजीत सिंह दुग्गल, परमजीत सिंह दुग्गल और इन्दरजीत सिंह पुद्गल धी-15, महारानीबाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनजीत सिंह, 11-मथुरा रोड, नई दिल्ली-110014

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्लेट नं० 1004, तावादी 696 वर्ग फीट 10वां खंड मोहन देव बिल्डिंग 143, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा,

तक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्रमाण ब्राह्म. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86

—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है

और गिराकी सं० 117 है तथा जो 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, तारीख मिनम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी वाप की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—126GI/87

(1) असल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115
अंगल भाग, 16-के जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी स्वीता असल यू/जी गोपाल असल 587-
जोर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 117, 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.
मोहर :

प्रत्यक्ष आर्थिक. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/

211—अन: मूझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

आर जिसकी सं० शाप नं० 138, नं० 5, भीकाजी
कामा पलेस, नई दिल्ली क्षेत्र 336 वर्ग फीट (प्रारंभ में उपाय
अनुसूची संशोधन पूर्ण रूप से वर्णित है), मक्षम अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन, तारीख मिनट, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोमदत्त बिल्डिंग्स प्रा० लिमि०, 56, कम्प्यूनिटी
सेक्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० डालमिया मीमेट (भारत) लिमि० 11 वा खंड
15, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितगर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 138, प्रथम खंड नं० 5, भीकाजी कामा पलेस,
नई दिल्ली क्षेत्र 336 वर्ग फीट।

वी० के० मंगोत्रा,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 11-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/

213.—अन मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो शाप नं० 137
बी, प्रथम खंड, 5-भीकाजी कामा प्लेस में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 ग, ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मोनदत्त बिन्डरस प्रा० लिमि० 50-रम्सूनिट
सेक्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डालमिया सीमेंट (भारत) लिमि०, 11वा खंड
15 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में आया पाया
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 137 बी, प्रथम खंड, 5, भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली। क्षेत्र 191 वर्ग फीट।

वी० के० मंगोत्रा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987.

मोहर :

प्रकरण आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

वास्तविक धन

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/-7/37ईई/9-86/
216:—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो शाप नं० 137ए
5, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली में स्थित है (अंर इसमें उपाब
अनुसूची में अंर पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोमदन बिल्डिंग्स प्रा० लिमि०, 56, कम्यूनिटी
सेक्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक),

(2) डार्लिमा सीमेंट भारत लिमि०, 11वा खंड, 15
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

शाप नं० 137ए, प्रथम खंड, 5, भीकाजी कामा प्लेस
नई दिल्ली क्षेत्र 236 वर्ग फीट लगभग।

वी० के० मंगोत्रा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-5-1987.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/
215—अतः सुझे, श्री० के० संगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पड़नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० शाप सं० 137, 5, है तथा जो भीम काजी
कामा पलेस दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-घ के अधीन दिनांक मितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
प्रश्नोत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सोमदत्त विल्डिंस प्रा० लि०
56, कम्युनिटी मेटर्, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डालमिया सीमेन्ट (भारत) लिमि०
11वा खण्ड, 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप सं० 137 प्रथम खण्ड सं० 5, भीमकाजी कामा पलेस,
नई दिल्ली । क्षेत्र 130 वर्ग फीट ।

श्री० के० संगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86
217—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप सं० 136ए, है तथा जो प्रथम खण्ड, 5, भीकाजीकामा पलेस दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक नितम्बर 1986

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोमदत्त बिल्डिंग्स प्रा० लि०
56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कैनाश,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डालमिया सीमेंट (भारत) लिमि०
11वा खण्ड, 15, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वाराधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप सं० 136ए प्रथम खण्ड 5, भीकाजी कामा पलेस,
नई दिल्ली । क्षेत्र 118 वर्ग फीट ।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-5-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/

210—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप सं० 136, है तथा जो प्रथम खण्ड 5, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोमवत्त विलिडरम प्रा० लि०

56, कम्युनिटी सेंटर ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली, 1 (अन्तरक)

(2) शलमिया सीमेंट (भारत) लिमि०

11वां खण्ड, 15, वाशाखम्बा रोड, नई दिल्ली 1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

नगदारी

शाप सं० 136, प्रथम खण्ड, सं० 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 163 वर्ग फीट लगभग।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-87

मोहः :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/9-86/37ईई--

अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी शाप सं० 139 है तथा जो प्रथम खण्ड सं० 5, भीकाजीकामा पलेस, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्रोत यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जे० बी० मार्टिनेज ए-1/230 सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डालमिया सीमेंट भारत लिमि०
11वां खण्ड, 15, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 139, प्रथमखंड 5, भीकाजी कामा पलेस नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली -110002

दिनांक : 11-5-87

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-7/37ईई/10-86/
287—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू० जी० एफ-8, नं० 4, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक अक्तूबर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
24—126GI/87

(1) राजधानी बिल्डर्स प्रो० मेहता लिमि०, 13-14 खण्ड, आत्माराम हाउस-1, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) नील इण्टरनेशनल सूट बी-300, 309, सोमवत चेम्बर-1, 5, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

श्री यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जहां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शप सं० यू० जी० एफ-8, सं० 4, भी काजी कामा पलेस, नई दिल्ली ।

क्षेत्र 352 वर्ग फीट ।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-5-87

मोहर .

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/10-
86/259—अतः मुझे, श्री० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 208, प्लॉट सं० 4, है तथा जो
भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन दिनांक अक्टूबर 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) पारवती ममटानी

बी-5/131, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) एम० एण्ड एम० एसोसिएट्स

फ्लैट सं० 208, प्लॉट सं० 4, भीकाजी कामा
पलेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 208, प्लॉट सं० 4, भीकाजी कामा पलेस, नई
दिल्ली ।

श्री० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक 11-5-87

मोहर :

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सक्षम
 भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/
 224-अतः मुझे, बी० के० मंगोदा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 5,00,000/- रु से अधिक है
 और जिसकी शाप सं० 113, प्रथम खण्ड प्लॉट सं० 4,
 है तथा जो भीकाजी कामा पलेस में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के
 कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
 269 कख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986,
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए बिक्री के लिए है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि बहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य एक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक निम्नलिखित
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुआ किसी भाव की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
 अंतरक से कमी करने या उचित रूप से बचत
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 या 1957 का अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 निमित्त के लिए;

- (1) राजधानी बिल्डर्स प्राप० मेहता इण्डस्ट्रीज लिमि०,
 आत्माराम हाउस, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली
 (अन्तरक)
 (2) डालमिया सीमेंट (भारत) लिमि० 11 व 12वां
 खण्ड हंसार, 15, बागखम्बा रोड, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

सहायक आयकर अधिकारी के कार्यालय में नई दिल्ली—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि में
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपित :—इसमें प्रकृत सूचनाओं और पत्रों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

शाप सं० 113, प्रथम खण्ड, प्लॉट सं० 4, भीकाजी कामा
 पलेस, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोदा
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-5-87
 मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निदेश सं० आइ० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/

223—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप सं० अर्प्पर ग्राउण्ड-14, प्लॉट सं० 4,
है तथा जो भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली-66 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) वैसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजधानी बिल्डर्स, प्रो० मोहता इण्डस्ट्रीज लिमि०
आत्मा हाउस, 1, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) डालमिया सीमेंट (भारत) लिमि०
11 और 12 खण्ड हंसालय, 15, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायदाबद्ध करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप सं० अर्प्पर ग्राउण्ड-14, प्लॉट सं० 4, भीकाजी
कामा पलेस, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-5-87
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आर्.टी.एन.सी./एक्यू-7/37ईई/9-86/225:--

अतः मुझे, बी० के० मंगोसा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सोफ नं० 114 है तथा जो प्रथम खण्ड 4, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यदि यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. राजधानी बिल्डर्स प्रो० मेहता इण्डस्ट्रीज लि०,
आत्मा राम हाउस,
1, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. डालमिया सिमेंट (भारत) लि०,
11 व 12 खण्ड, इन्शालय,
15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोफ नं० 114, प्रथम खण्ड, प्लॉट नं० 4, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी 438 वर्ग फिट।

बी० के० मंगोसा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-7, दिल्ली

दिनांक : 11-3-1987

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-7/37ईई/9-86/234:--

अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-210 है, तथा जो बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. सम्युक्ता भारत हाउसिंग डिवेलपमेंट कारपो०
(प्रा०) लि०,
553, जोशी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मद्रास सिमेंट्स लि०,
सोफ 'सी' अगला भाग,
सागर एपार्टमेंट्स, 6 तिलक मार्ग,
नई दिल्ली-110001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दि गया है।

अनुसूची

कमशियल प्लेट नं० ए-210, अगस्त चेम्बर-1,
3, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-1987
मोहर :

आक्षेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निवेदन सं० आई०ए० सी०/एक्यू-7/37 ईई/9/86/235

अतः मुझे, श्री० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए 206, और 208 है तथा जो असन्न चैम्बर, भोका जी प्लेस, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में तात्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उलट कर देने के सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तिकी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयेण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. समर्थता भारत हाउसिंग फाइनेन्स करा प्रा० लि०,
553 जोसी राम,
नई दिल्ली-110005।

वेप

(अन्तरक)

2. मद्राम सीमेंट लिमि०

शाप सी फ्रंट पोरमन मागर अपार्टमेंट,

6, तिलक मार्ग,

नई दिल्ली-110001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमिशनल फ्लैट्स नं० ए-206 एण्ड 208 असन्न चैम्बरसे -1, , भोकाजी कोमा प्लेस, नई दिल्ली।

श्री० के० मंगोला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-87

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू-7/37ईई/9-36/227:-

अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका संख्या एस-553, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लिविंगपार्क कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
सुट न० वसिष्ठेश्वर 10,
हेली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. द्वारा प्रो० मिस्टर उदय सिंह
मिमेज निरू गुप्ता,
309, प्रकाश स्ट्रीट,
तेलीवाड़ा दिल्ली-6,
हर जनरल पावर आफ एटोरन।
राम कुमर गर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 शेयर प्रापर्टी क्षेत्र न० एस०-553, ग्रेटर कैलाश
2, तादादी 1001 वर्ग गज जी० एफ० प्लॉट और लान।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-7/37ईई/10-86/
260—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम०-322, ग्रेटर कैलाश-2, दूसरा
खण्ड, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और
इसका उल्लेख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क ख के अधीन तारीख अक्टूबर,
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
को कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य क्रियाओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अतिरिक्त, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

*2-126GI/87

1. श्री भूपग कुमार उपाधि,
डी-64, पंडरी एनकेव,
नई दिल्ली-17।

(अन्तरक)

2. जार इन्टरनेशनल प्रा० लि०।
1/171, दक्षिणपुरी एक्मटेशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सप्ताहवर्षी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तकर्ता के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरा खण्ड, भकान नं० एम०-322, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली-110048।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

म० आई० ए० सी०/एक्यू-7/17ई/10-86/238--

अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अथ जिसकी मूल्यांकन एम० 118 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतवर्ष आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, मंजूर/न

(क) मंजूर किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाए में सविधा के लिए,

1 श्री स्नेह दत्त,
एम-140, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री गुरुप्रीत सिंह सुपुत्र एम० हरमिन्दर सिंह
89, ग्रान्दलोह, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 गेजर प्राधर्मी न० एम 148, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली। दूसरा खण्ड 1 बरमाती फ्लोर।

बी० के० मंगोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, दिल्ली

अतः कि उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जन

दिनांक 11-5-1987
सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी /एक्यू/2/37ईई/9-86/19 ---

अतः मूँ, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी मठवा हाई स्टोरी हाउस न० ए-67, एन०
डी० एम ई-1 है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित
है और इसमें उदात्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रोज-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सन्दर्भ प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धित :—

1. श्री नरान्तम सिंह नारंग
12/8, डबल्यू २० ए, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक राज नाथ
डी-834, न्यू फ्रेंड बानाना, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

आज्ञाकरण :— इसमें उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 10 के अन्तर्गत
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में बिना
किया है।

अनुसूची

हाई स्टोरी हाउस न० ए-67, एन० सी० एम० ई-1,
नई दिल्ली, तादारी 51 अग रोज में बना।

अशोक कक्कड़,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987
माहूर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/9-86/51:—

अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-3, महारानी बाग, है तथा जो
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज 2, दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्विप्रति
से अधिक है और अन्तर (अन्तर) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरों के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरण की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कैप्टन सोनाल्ड साहनी,
डी-108, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्वेरक)

2. श्री गुरिन्दर कुमार जैन और
श्रीमती पूनम जैन
ए-13, फ्रेडम कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी-3, अग बी-5, महारानी बाग, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

मं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/9-86/52:--

अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट सी०-11, ब्लाक सी आजकल बी-30, महारानी बाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मिनम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भर्ना लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री दलजीत सिंह और
श्रीमती अमरजीत कौर
मकान नं० 127, सेक्टर 9 बी,
चण्डीगढ़।

-(अन्तरक)

2 श्री हरबंस लाल मल्होत्रा,
बी-30, महारानी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी-11, ब्लाक (सी) आजकल बी-30,
तादादी 785 वर्ग गज, महारानी बाग, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1987

सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/9-36/54.---

अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो दूसरा खण्ड,
प्रताप भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्ध प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुधीर गर्ग और
श्रीमती सुमिता गर्ग
27, अबूलफजल रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. मसर्स चमनलाल एच० यू० एफ०,
204, सर्वप्रिय अपार्टमेंट्स, सर्वप्रिय बिहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

500 वर्ग फिट दूसरा खण्ड प्रोजेक्ट बिल्डिंग प्रताप
भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़,
सहज अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/9-86/67:—

अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
3 पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० 312
न्यू फ़ेडम कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
पाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मन्त्र अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्च
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एम्भी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती शान्ती देवी,
ए-1/102, ए० एल० आई० जी० प्लैट
लारेन्स रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती कुमुद जैन,
बी-6, ब्लाक बी न्यू फ़ेडम कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अधिक
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी को पास
लिखित में विग्रा जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 512, ब्लाक बी न्यू फ़ेडम कालोनी, नई
दिल्ली, 510 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़,
मन्त्र अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० आई० ए० सी 2/एक्यू/2/37ईई/10-86/72---

अतः मुझे, अशोक कक्काड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ई-9, मस्जिद मोठ आवासीय स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की वास्तव में कही करने या उक्त वर्णन में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री भगवतदयाल अग्रवाल,
140 सेक्टर 36 ए,
चण्डीगढ़ 160036।

(अन्तरक)

2 श्री दिनोद कुमार बजाज एण्ड कामिनी बजाज
ई-91, ग्रेटर कैलाश एनक्लेव -1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई-9, मस्जिद मोठ, आवासीय स्कीम, नई दिल्ली। 180 वर्ग मीटर।

अशोक कक्काड,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/10-86/
73—अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-227, है तथा जो ईस्ट आफ कैलाश
नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक
अक्टूबर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
के म उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—126GI/87

(1) श्री श्याम सुन्दर गोयल
63, खान मार्केट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्दर कुमार सिधवी
श्रीमती अमिला सिधवी एम-29, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कानूनी भीजाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी बिल्डिंग । ई-227, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली 500 वर्ग गज ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/10-86/

74—अत. मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बी-91, है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-1
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अक्टूबर 1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्कू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/बा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विधानों में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
य, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० आर० बम्बराल एण्ड एण्ड सन्स
(एच० यू० एफ०), द्वारा एयर कमाण्डर रणवीर
सिंह बम्बराल
एस-124, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० बोंम एण्ड सुजीता बोंम
17ए/31, डब्ल्यू० ई० ए०, करौलबाग, नई दिल्ली-5
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
उत्पाद की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल यूनिट हाउस प्लॉट-91, लीज होल्ड डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली। ताबादी 325 वर्ग गज । ड्राइंग डाइनिंग,
3 ब्रेड रूम्स एक गैररज एक चपरासी क्वार्टर 1 प्लॉट एलाटिड
21-5-59 बनी 1960 ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्री इन्दरजीत मेहरा ।

ई-20, कालिदी कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री महावीर प्रसाद एच० यू० एफ०

डी-1021, न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-87/

76—अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिनकी सं० ई-20, है तथा जो कालिदी कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर
1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अशोक

प्रोपोज़र ट्रांसफर आफ प्रापर्टी ई-20, कालिदी कालोनी नई
दिल्ली ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-87

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-3/
9-86/65—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्रापटी सं० डी-42, एन० एस० ई०-1
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची पूर्व
रूप से वर्णित है) रस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पदों
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजन्ता शिल्पिया प्रा० लिमि०
ए-6, रिग रोड, एन० डी० एम० ई०—,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(7) मेसर्स म्यूर फाइनेंस लिमि०
बी-192, ओखला इण्डस्ट्रियल क्षेत्र फेस-1,
नई दिल्ली द्वारा श्री एम० पी० अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रूपित में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेसेमेट ग्राफ प्रापटी सं० डी-42, तादादी 1080 वर्ग
फीट, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-3/
9-86/66—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मैजानिन फ्लोर प्रापर्टी सं० डी-42, एन०
डी० एम०ई० 1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध]
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) तः नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय
पथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्त्रियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजन्ता शिल्पया प्रा० लिमि०
ए-6, रिग रोड, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली
द्वारा डायरेक्टर श्री भूषण कुमार उप्पल ।
(अन्तरक)

(2) मयूर फाइनेंस लिमि०
बी-192, ग्रीष्मला इण्डस्ट्रीयल क्षेत्र फेस-1,
नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री एम० पी० अग्रवाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मैजानिन फ्लोर प्रापर्टी सं० डी-42, तादादी 1090
वर्ग फीट, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली । प्लॉट क्षेत्र
143 वर्ग गज ।

अशोक कक्कड़
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली ।

दिनांक : 15-5-87
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एस्० 2 एस० आर-3 9-
86 67—अत. मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रथम खण्ड प्रापटी सं० डी-42, एन०
डी० एस० ई-1, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आब या धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजन्ता शिल्पया प्रा० लिमि०
ए-6, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली
द्वारा डायरेक्टर भूषण कुमार उप्पर ।
(अन्तरक)

(2) वेंकटेश्वरा मचेरीस प्रा० लिमि०
1797, कोठलामुबारकपुर,
नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड प्रापटी सं० डी-42, तादावी 1315 वर्ग
फीट एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-87

मोह :

प्रत्यक्ष बाई.टी.एच.एच. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-3/
9-86/71—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रथम खण्ड कवर क्षेत्र 1845 वर्ग फीट है
तथा जो आवासीय बिल्डिंग ए-1 कालिंदी कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) श्रीमती मनमोहन कौर
ई-1/139, लाजपत नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलमीत खुशाल सिंह
डी-1048, न्यू फ़ैडस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

यों यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भाषकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड कवर क्षेत्र 1845 वर्ग फीट आवासीय
बिल्डिंग ए-1, कालिंदी कालोनी, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-1987
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर-3

9-86/72—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनमें सं० ग्राउण्ड फ्लोर फ्लैट आवासीय बिल्डिंग ए-1,
है तथा जो कालिदा कालोनी में स्थित है (और इनके उचित
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तवियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ढकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनमोहन कौर
ई-1 139, लाजपत नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर बीर पत्नी श्री जमबीर सिंहबीर
डी-1025, न्यू फ्रैंड्स कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्रंट ग्राउण्ड फ्लोर फ्लैट आवासीय बिल्डिंग ए-1, क
कालिदा कालोनी, नई दिल्ली कवर एरिया 1659 वर्ग
फीट कोर्ट यार्ड क्षेत्र 74 वर्ग फीट 1830 वर्ग फीट लान
बरांडा ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-5-87

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-3/9-86/

73—अन० मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी बियरिंग नं० पी०-16 है तथा जो
नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन-2, में स्थित है (और इसमें
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पड़्ड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27—126GI/87

(1) जेनेवि इतरप्राइमिस प्रा० लिमि० पी-16 एन०
डी० एम० ई-2, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर
के० एल० वर्मा सुपुत्र श्री जी० सी० वर्मा
(अन्तरक)

(2) श्री बज्र कुमार गायल सुपुत्र स्वर्गीय पी० आर०
गोयल और श्रीमती सत्यागोयल पत्नि
श्री बी० के० गोयल, 50-वीं पाकिट ए-10, कालका-
जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी बियरिंग नं० पी०-16, नई दिल्ली साउथ एक्स-
टेंशन भाग-2, नई दिल्ली तलाशी 200 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्राकृत आर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-3/9-86/

74—धन: सुझे, श्री अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राउण्ड फ्लोर ए-74 है तथा जो एन०डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली 200 वर्ग गज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मिनस्वर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह भल्ला सुपुत्र श्री राला राम भल्ला भल्ला गिावसी बी-62, एन० डी० एम० ई०-2, द्वारा एटार्नी श्री सतीश मेठ सुपुत्र श्री आर० सी० मेठ गिावसी-1/16, दरियागंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री अवीण कुमार वालिया पुत्र के० के० वालिया और श्रीमती रूपा वालिया पत्नि श्री पी० के० वालिया एम-15, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर ए-74ए, एन० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली
सादादी 200 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम अधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली-10002

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-3/9-86/
75—अतः मझे, श्री अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रूपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में उचित है

और जिसकी सं० 6 है फ्रेड्स कालोनी वेस्ट, तथा जो नई दिल्ली नथूराम फ्रेड्स कालोनी, मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है है (अधेर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मिनम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-उक्त निम्नलिखित ज्ञवस्व से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा में लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी भाव या किसी पत्र या अन्य वास्तिकता, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री/श्रीमती ए.एन.बाबू

(2) श्रीमती उन्दू

(3) श्रीमती प्रभा टिक्कू 6, फ्रेड्स कालोनी (वेस्ट), नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जसकिरम दसवानी (2) रमेश दसवानी, 71 गोल्फ कि नई दिल्ली

एण्ड एन० ए० एल्कमपोर्टे प्रा० निमि० बी-52, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेम-1, नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी धारा 5—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची6, फ्रेड्स कालोनी (वेस्ट), नई दिल्ली इन नथूराम फ्रेड्स कालोनी, मथुरा रोड, दिल्ली।
3396 वर्ग गजअग्रणक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्लीदिनांक . 15-5-87
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-3/9-96/

76—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस बियरिंग नं० 7ए तथा जो कालोनी वेस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिवार्यता द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मला देवी पति श्री लेख राज अरनेजा एन-51, पंचशाल पार्क, नई दिल्ली और श्री अजीत सुपुत्र श्री लेखराज अरनेजा एन-51, पंचशाल पार्क, नई दिल्ली द्वारा जनरल स्टोर एटार्नी श्री ब्रह्म अरनेजा

(अन्तरक)

(2) श्री नीरजनयन श्रीवास्तव सुपुत्र के० एन० श्रीवास्तव और श्रीमती रीतू श्रीवास्तव पति नीरजनयन श्रीवास्तव बी-5/119, सफदरजग एक्सप्रेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस बियरिंग नं० 7ए/2, फ्रीडम कालोनी (वेस्ट) नई दिल्ली। तादादी 470 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मोहर:

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस. . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2 एस० आर०-3/9
86/78—अतः मुझे, अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ग्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं० डी-42, एन० डी०
एस० ई०-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
'कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण के लिए है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की प्रवृत्ति
है, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंजतग्रास शिल्पालय प्रा० लिमि० ए-6, रिग रोड,
एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर
बी० के० उन्पल।

(अन्तरक)

(2) मयूर फाइनैस लिमि० बी-192, ओखला औद्यो-
गिक क्षेत्र फेस-1, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर
एम० पी० अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोह्यताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं० डी-42, एन० डी० एस० ई०-1
नई दिल्ली प्लॉट क्षेत्र 143 वर्ग गज 6215 वर्ग फीट।

अशोक कक्कड़

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रमुख कार्य : टी.एन.एस.

(1) राजकुमारी रूपिन्दर कुमारी एफ-18, होज खास, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वासुदेव कानोरिया (2) मिसेज पुष्पा देवी कानोरिया (3) श्री हर्ष वर्धन, 1, स्ट्रेडन रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

माखन साहसकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त "आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन १ ज-२, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश स० आई० ए० सी० एक्व०/2 एग० प्रा० 3/9-

86/80—अत. मुंगे, अशोक ककड

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 क' 45) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्घात बाजार मूल्य 5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० ए-3, है तथा जो महारानी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 47 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

प्रतिफल के बिना अन्तारत को गुप्त है और मूल्य यह विश्वास
वस्तु का कारण है

कि यथापूर्वकन सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, प्रत्येक सम्पत्ति पर प्रतिफल से, एन्से सम्पत्ति पर तिफर को पद्धति प्रत्येक सम्पत्ति के अन्तर्गत और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एन्से अन्तरक की तुल्य गणना किया जाता है, जिससे प्रत्येक उद्देश्य से उचित मूल्य की तुल्य गणना किया जाता है, जिससे प्रत्येक उद्देश्य से उचित मूल्य की तुल्य गणना किया जाता है।

को यह सूचना जारी करके युवागत सभ्यता के अजर्न के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) यन्त्रण में हुई किसी आय का वावय, उसका अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरगत के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) एसी किसी आश या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जो हैं + ... का नाम म, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 के अधिनियम 107 (1922 का 27), के अन्वये कार्य करने वाले व्यक्ति को, जिसके पास था या रहता था या हो सकता है या हो सकता है या हो सकता है

ए-3 महारानी बाग, नई दिल्ली।

अणोकि कक्कड

सक्षम अधिकारी

गृहगयक आयकग आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

दिनांक 15-5-1987

मोहर :

प्रथम भाग की पुनर्पुन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-3/9-

86/III/—अन० मुझे, अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्देश करने का
कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बी-6 है तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से लिए अंतरित की गई है और भूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है 40.

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक से कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा
न मिले; अर्थात्/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—

(1) श्री० आर० टावर्य लिमि० ए०-18, कैलाश कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री यशवन्त मन्दार अरोडा सुपुत्र स्वर्गीय श्री गोविन्द
अरोडा 10/99, रीता कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(2) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1 10 अविभाज्य शेरर प्लॉट क्षेत्र कुल 523.6 वर्ग
गज बी-6, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली तब खड, प्लॉट
नं० 101, 4 बीड रूप, एक ड्राइंग कम डाइनिंग, एक किचन,
करेंट पाई लाइन और तालत ड्राइंग बे—रॉण एरिया 1900
वर्ग फीट।

अशोक कक्कड़

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एच०/2/एम० आर०-3/9-

86/112—अतः मुझे अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल-27 है तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प० भूपिन्दर लाल सुपुत्र प० अर्जुन दाम एल-27 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैक्स टाइम इंटरप्राइसिस डी-78, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली पार्टनर मनजीत सिंह सी-593, न्यू फैंड्स कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एल-27, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली तादादी 199.8/10 वर्ग गज दो बैड रूम, ड्राइंग कम डाइनिंग, किचन और एक बाथरूम।

अशोक कक्कड़

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रकरण आर्द.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हिल्स

4/14 आसफअला रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 मई, 1987

निवेश सं० आर्द० ए० सी०/एक्यू०-2/एम० आर०-3/
9-86/113--अन मुन्ने, अशोक कक्कड,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 502 तथा है डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (में स्थिति है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्त से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
28-126GI/87

(1) श्रीमता राज खन्ना पत्नी स्वर्गीय ले० क० ओ० पी० खन्ना, सी-502, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री परपोतम सिंह चट्टा सुपुत्र

श्री एस० मुखचन सिंह चट्टा,

2, अडरहिल रोड,

मिथिल लाइन, दिल्ली-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आज्ञा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तमम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तमम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी बियरिंग न० सी-502, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली या तादादी 325 वर्ग गज।

अशोक कक्कड

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1987

मोहर :

प्रथम भाई: टी. एन. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अग्रवाल हाऊस, 4/14 ए

आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-3/

9-86/114—अतः मुक्त, अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तादावी 333 वर्ग गज है तथा जो डी-1, डिफेंस
कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
इससे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में वर्धित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन का अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर जनरल एस० के० तलवार, सुपुत्र ए० आर०
तलवार, निवासी बी-58, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरक

(2) श्रीमती सुमन रतडा पत्नी श्री विनोद रतडा ईडी-91,
टैगोर गार्डन, नई दिल्ली और श्रीमती निशी सेठी
पत्नी नरेन्द्र सेठी निवासी 10/20, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा अथवा अथवा के साथ
जोड़ित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्ण होना, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रापटी नियंत्रण नं० डी-1, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
तादावी 333 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; 2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-86

मोहर :

प्रकाशित की गई टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 87

निदेश सं० आई ए सी/एक्यू/2/एस आर-3/9-86/115

प्रतः मुझे अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो डी-340, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त वचन में सुविधा
के लिए; यदि/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ट :—

(1) श्री विरेन्द्र खन्नेका, श्रीमती मनजोरिनी खन्नेका
बी-12, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव जैन, डी-340, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डी-340, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-87

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 87

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-3/

9-86/116—अतः मुझे अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट डी-252 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली 325 वर्ग गज में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम 1908 (1908 गा 16) के अधीन तारीख सितम्बर 86

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जगज्जन कौर पत्नी श्री एस० सुग्जीत सिंह डी-252, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सिप्पी समीर एमोसिएट्स प्रा० लि०, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली द्वारा श्री बलदेव राज कपूर, डायरेक्टर और श्रीमति मुशिला सोबल पत्नी श्री नरेन्द्र सोबल डी-342, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

कॉ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसके प्रकट करने के बाद, यह उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, रही बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी-252, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली तादादी 325 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-86
मोहरहः

महो. भाई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ०, नई दिल्ली

1 नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 87

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस आर-3/

9-86/118—अतः मुझे अशोक कक्कड़

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए०-22, कैलाश कालोनी है तथा जो नई दिल्ली-48 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तविकता की पूर्णता करने या उसके करने में स्थिती के लिए; और/या

(ख) एस किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिती के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) मेजर जी एस सेनो सुपूत्र श्री मसा सिंह ए-22, कैलाश कालोनी नई दिल्ली-48

(अन्तरक)

(2) एसल प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज (ए युनिट आफ गमा एसोसिएटम प्रा० लि०) बी-10, लारस रोड, औद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए बंध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए-22, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख . 15-5-87

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 87

निदेश सं० आई ए सी/एक्यू/2/एस आर-3/9-86/
119--अतः मुझे अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तादादी 325 बी-86 है तथा जो
डिफेंस कालोनी नई दिल्ली, वर्ग गज में स्थित (और
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 8

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; जोड़/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर (निवृत्त) रामवंत सिंह हसनवालिया सुपुत्र
एस इशर सिंह बी-86, डिफेंस कालोनी, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार सहगल सुपुत्र श्री संतराम
सहगल, 47/6, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थायी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी विवरण नं० 86, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,
तादादी 325 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-87
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 87

निदेश सं० आई ए सी/एक्यू/एम आर-3/9-86/120

अतः मुझे अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-6, है तथा जो कैलाश कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बी० आर० टावरसलि०, ए-18, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिसेज सावित्री मल्होत्रा पत्नी श्री आर० सो०
मल्होत्रा, जी-6, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तलखंड पोरशन कम्पराइसिंग दो कमरे दो बाथरूम एक
ड्राईंग कम डार्निंग, एक किचन और बैंक कोर्ट याडें, प्रथम
खंड रियर पोरशन कम्पराइसिंग दो कमरे ड्राइंग कम
डार्निंग और एक किचन और साईड बालकोनी फ्लैट बी-6
कैलाश कालोनी नई दिल्ली पूर्ण प्लॉट क्षेत्र 523.6 वर्ग
गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-87

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 87

निदेश सं० आई ए सी/एक्यू/2/एस आर-3/9-86/
121—अतः मुझे अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्रार्थिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23, तादादी 400 वर्ग गज
है तथा जो 3 मस्जिद मोट, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन यतारीख सितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[क] प्रत्यक्ष से हुई किसी अन्य की वास्तविक
अधिनिधायन की वर्षीय कर देने की अन्तरक की
कार्यलय में कभी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी के पाल, 2 आर के पाल, द्वारा एटोरी
बी के पाल वार्ड जी पी ए रजिस्टर्ड नं०
917, अन्तिरिक्त वृत्त नं० 4, बोलभूम नं० 1197
पेज 31 से 33 तक तिथि 25-2-86 एन
के पाल, 4 रंजन के पाल सुपुत्र स्व० आर० के पाल
निवासी सी-148, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली
उमा पाल पत्नी स्व० एन एम पाल, 6 स्निग्धा
पाल पत्नी स्व० गुगल के पाल, मास्टर अनुपम
पाल सुपुत्र स्व० जुगल के पाल सी-148;
ग्रेटर कलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्द्र सहगल सुपुत्र श्री जीता राम सहगल
ए-1/149, इन्द्र पुरी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराई गई है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन का बर्बाद या सप्ताहबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 23, तादादी 400 वर्ग गज मस्जिद मोट
नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-87
मोहर :

सूचना जारी की गयी

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ्यू०/2/एस आर-3]

9-86/124—अतः मुझे अशोक कक्कड़,

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तथा जो फ्लैट न० 34, कैलाश अपार्टमेंट लाजपतराय रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने के उद्देश्य के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

19-126GI/87

(1) श्रीमती रखा गार्हन पत्नी रमेश मोहन निवामी राकी विला, मोहन मैकिन रोड, बलीगज, लखनऊ (अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा गर्ग, पत्नी रविन्द्र गर्ग, निवामी किशोर हाउस, आनन्द रोड, पानीपत वर्तमान, पता, 14 कैलाश अपार्टमेंट, लाला लाजपत राय रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा, —

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 34 तादादी 1730 वर्ग फीट कैलाश अपार्टमेंट, लाला लाजपत राय रोड, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक 15-5-87

मोहर

प्रकरण आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

(1) प्रमत्तनाल क्रमावस नि०।

(अन्तरक)

(2) मेमर्य आकृति।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ईई/41228/85-86-अन:

मुझे, जी० पी० गुजराती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब (1) के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, टी पी एस 3, माहीम बम्बई में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, धिक्काने के सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लॉट नं० 397, टी पी एस नं० 3, सी एस नं० 764, शीतला देवी टेम्पल रोड, माहीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई/1सी/37ईई-41228/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-87

मोहर :

अर्थ.टी.एन.ए.स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० अई-1सी/7ईई/10893/85-86—अतः

मुझे, जी० पी० गुजराती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, गैरेज नं० 3, हमस हाऊस 3, बर्ल, बम्बई में स्थित है) और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यून प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरि (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीयक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश साजनलाल चोक्सी और श्रीमती वनमाला प्रकाश चोक्सी।

(अन्तरक)

(2) श्री युसुफ अब्दुल पटेल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में 'हिनबत' किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो तीसरी मंजिल, गैरेज नं० 3 के साथ हमस हाऊस, 3, 7 7बी, अब्दुल गफार खान मार्ग, बर्ली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1सी/37ईई/10884 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी०पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-1 सी, बम्बई

तारीख : 5-6-87
मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निदेश सं० [अई-1सी/37ईई/13049/85-86—अतः

मुझे, जी० पी० गुजराती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, सी ग्लोम्पस वर्ली बम्बई 18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और निम्नका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-10-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला देवी सी शाह और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० एन० जयसिंह, श्रीमति मानवी जी० जयसिंह और श्रीमती विद्या एन० जयसिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो दूसरी मंजिल, सी ग्लोम्पस वर्ली हिल रोड, अब्दुल गफार खान रोड, वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1सी/37ईई 10896 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी०पी० गुजराती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-87

मोहर :

प्रथम भाग में दी गई सूची

(1) मैसर्स मनसन्त प्रोटो इंटरनेशनल।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कनकधारा स्टील प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) की अधीन सूचना

आगत सहायक

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट गेज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37ईई-13038/85-86—अतः

मुझे, जी० पी० गुजराती,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल गाला जी-4, नीलम सेंटर, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कगारनामा मायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरात का गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एही किसी भाग या किसी भू या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अन्तरण

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त कंपनी के बर्चन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“इण्डस्ट्रियल गाला जो जी-4, नीलम सेंटर, हिव मायकल रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37 ईई-10892/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट गेज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987.

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) मेसर्स काजी होम विल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महमद मीद अब्दुल मजीद खान और श्री अब्दुल मजीद अब्दुल गफूर खान।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० अई-1सी/37 ईई-391/63ए/85-86.—अतः

मुझे, जी० पी० गुजराती,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी शेष :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत इसमें प्रस्तावित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्णय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, है तथा जोड़ी लूना अपार्टमेंट माहीम बम्बई-16 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्राह्य पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ग, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जो कि 5,00,000/- रु. से अधिक है, और यथास्थित स्थिति का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतः 15 (अंतरवर्ग) और अन्तरिती (अन्तरिती) के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के माध्यम से कर देने या उसमें अर्जन में सूचना के लिए, सं०/धा

"फ्लैट नं० 11, जो पाचवीं मजिल, डी लूना अपार्टमेंट, प्लोट नं० 604, 612, लेडी जमशेदजी रोड, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ईई-39136 ए 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रमिका के लिए;

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, गैर उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 5-6-1987.
मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रमाका वामा चह्वाण और श्री भवानी
शकर वामा चह्वाण।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कल्याण जी मोहरेदार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० अई-1/मी/37ईई-डी-5/85-86—अत.

मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 733, दादर, बम्बई
में स्थित है और उसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा
269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में मसाला होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लॉट नं० 733,
टी० पी० एस० 4, सी० एस० नं० 1/347 (पार्ट), ग्रेन लेन,
गोखले रोड, दादर, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/मी/37ईई-40473/
85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी ने पट्टा नं० दांग दिनांक
24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1मी, बम्बई

दिनांक : 5-6-1987

मोहर :

प्रकृष नाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती गाखिनी हूवी आत्माराम मारवा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री इममुख शंतीलाल शाह, श्री इंद्रकुमार शंतीलाल शाह, और श्रीमती लक्ष्मीबाई शंतीलाल शाह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० आई०-1सी/37ईई/13020/85-

8 6:—अतः मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान पर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, है तथा जो रामनिवास, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो दूसरी संजिल, राम निवास, इमारत नं० 1, प्लोट नं० 226, सायन (पु०), बम्बई-400022 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37 ईई/10862ए/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) काम्यूटोनिक्स इजिप्ता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुनीता मीधाल ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37 ईई-13042/85-86:--

अतः मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट गं० 109 (डूप्लेक्स), समुद्र महल, वर्ली, बम्बई-18, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण तब हुआ किसी भाव का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

30-126GI/87

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 109 (डूप्लेक्स) में 30 प्रतिशत हिस्सा, जो नववी और दसवीं मंजिल, समुद्र महल, डा० एनी बेसेंट रोड वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37 ईई-10894/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987-

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बाजारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37ईई-13019/85-86—अन
मुझे, जी० पी० गुजराती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, गुरुदेव सोसायटी प्रभादेवी,
बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 ब, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-10-1986
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरे
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
किया/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री अमृतलाल भीखाभाई शाह और श्रीमती चन्दनबेन
अमृतलाल शाह ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विना महेन्द्र शाह और श्रीमती नीता
राजेन्द्र शाह ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

"फ्लेट सं० 1, जो बिल्डिंग नं० 2, गुरुदेव को आप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रभादेवी, बम्बई-400025
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई-10871/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेज-1सी, बम्बई

तारीख 5-6-1987
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश सं० आई०-1सी/37ईई-13044/85-86:---अतः

मूझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० के-2, फेमिली हाउस, दादर, बम्बई-

14 में स्थित है/और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रमेश विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रस्तम बी देसाई और श्रीमती नर्गिस रस्तम देसाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लट नं० के-2, जो फेमिली हाउस, 793/794, पार्सी कोलोनी, दादर, बम्बई-400014 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-1सी/37ईई-10895/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987.

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून, 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37ईई-12969/85-86:—अतः मुझे,

जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
(1) के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 401, 404, नेस्टले-1, पांडुरंग
बूधकर मार्ग, बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-ब, ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
अपने कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए छूट
गया तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की दायरता के
लिए उक्त आय को उक्त अधिनियम के अधिनियम
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
का वह किसी नामा बाटिए जा, छिपाने के उद्देश्य
के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्काल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड और दी बोम्बे डायी
एण्ड मेन्यूफैक्चरिंग को लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) गुजरात को०-आप० मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन,
लिमिटेड।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में उदात्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं० 401, और 404, पार्किंग स्पेस नं० पी-6,
और पी के साथ, जो नेस्टले-1, पांडुरंग बूधकर मार्ग, बम्बई-
400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई-10853/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
13-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजराती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1मी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987.

मोहर :

अन्तर्गत अधिनियम की धारा 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० अई-1सी/37ईई-40811/85-86—यतः,

मुझे, जी० पी० गुजराती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4-सी प्लॉट नं० 189-ए, माह० बम्बई-16 में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 30-10-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बीता नक्षत्र रेड्डी ।

(अन्तरक)

(2) आग्नीमाम केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4-सी, जो प्लॉट नं० 189-ए केडेल रोड, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है । 1/16 अविभाजित प्लॉट का हिस्सा ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ईई-40819/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० पी० गुजराती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 सी, बम्बई

तारीख : 5-6-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37ईई-13024/85-86—यतः,

मुझे, जी० पी० गुजरानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, प्रतीक्षा, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करगणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्काय-बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा खूबचंद सेतपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 601, जो प्रतीक्षा, प्लॉट नं० 7ए, मौलाना अब्दुल गफार रोड, वर्ली, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई-10886/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० पी० गुजरानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

तारीख : 5.6.1987.

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37-जी/22/86-87—यतः मुझे, जी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृनया अनुसूची देखिए है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 मिनम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तराली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण के अधीन, निम्नलिखित व्यवक्तियों, अर्थात् —

(1) नटवरलाल द्वारकादास श्राफ, जो अविभक्त हिन्दू परिवार का मैनेजर और कर्ता है और जिसमें (अ) दिलीपकुमार नटवरलाल श्राफ (पुत्र) (ब) मीना दिलीपकुमार श्राफ, दिलीप की पत्नी (क) विभा दिलीप कुमार श्राफ (पोती) (ड) कौशल दिलीप कुमार श्राफ (पोता) जिसमें आखरी तीन नाबालिग हैं और जिनका प्रतिनिधित्व नटवरलाल द्वारकादास श्राफ कर रहे हैं और जो 27-4-1981 के बम्बई हाईकोर्ट की आर्डर के मुताबिक पालक नियुक्त किया गया और एक नंबर का व्यक्ति मोनकमल बालकेश्वर में स्थित है।

(2) भगवानदास द्वारकादास श्राफ जो हिन्दू अविभक्त कुटुंब का मैनेजर और कर्ता है, और जिसमें सुरेशा अनील श्राफ (मृत अनील की पत्नी), (ब) नुषार अनील, मायनर (पोता) (क) देवांद अनील श्राफ, मायनर (पोता), (ड) नितीन भगवानदास श्राफ (पुत्र), (इ) निता नितीन श्राफ (नितीन की पत्नी), (उ) प्रेमल नितीन श्राफ (मायनर नितीन का पुत्र), (उ) योशिता नितीन श्राफ (मायनर नितीन की पुत्री) (नुषार, देवांद, प्रेमल और योशिता पार्टीज), ब, क, ई और उ नाबालिग हैं और जिनका प्रतिनिधित्व भगवानदास द्वारकादास श्राफ कर रहे हैं और जो 3-4-1981 के बम्बई हाईकोर्ट की आर्डर के मुताबिक पालक नियुक्त किया गया (ज्युडिकेचर श्राफ बाम्बे इन मिमिलिनियम पी० नं० 131 आफ 1981) और दो नंबर का व्यक्ति 220, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

(3) ए-माधवदास द्वारकादास श्राफ और 3(बी) श्रीमती कुसुमबेन माधवदास श्राफ (माधवदास की पत्नी) जो तीन नंबर का व्यक्ति निगवान, 95/डी, ओमर पार्क, मुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है।

(4) ए-नटवरलाल द्वारकादास श्राफ और 4(बी)-दिलीप कुमार नटवरलाल श्राफ जो आखरी विल के एक्सीक्यूटर्स और ट्रस्टीज हैं। तथा मृत मोनाबाई द्वारकादास श्राफ के स्टेटमेंट है। (नटवरलालकी मां), जो 4थी

व्यक्ति मोन कमल, बालकेश्वर, बम्बई-400 006 में स्थित है।

(5) दिलीप नटवरलाल श्राफ जो पांचवी व्यक्ति मोन कमल, बालकेश्वर, बम्बई-400 006 में स्थित है। (अन्तरक)

(2) 1. जेटालाल लघुराम मणियार,
2. रघिन्द्र जेटालाल मणियार और
3. प्रकाश जेटालाल मणियार।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइड 1^म अध्याय —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हों।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिए गया हैं।

अनुसूची

उत्तर दिशा के ऊपर या तरफ: सरदार बल्लभभाई पटेल रोड और कुछ हिस्सा विठ्ठलभाई पटेल रोड पर।

दक्षिण दिशा के ऊपर या तरफ: जो सम्पत्ति राय पी० बी० जोशी की, जिसका सी० एम० नं० 1352 है।

पूर्व दिशा के ऊपर या तरफ:— बेनहाम लेन पर, और

पश्चिम दिशा के ऊपर या तरफ: कुछ हिस्से की सम्पत्ति रणछोड़-वास भवन, जिसका सी० एस० नं० 1354 और कुछ सम्पत्ति यशवंत रामचन्द्र नायक, जिसका सी० एम० नं० 1355।

सी० एस० नं० 1353, गिरगाव डिविजन,

क्षेत्रफल 2145 चौरस मीटर।

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० बाम-66/83 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,

यक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1वी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर:

प्रथम भाग: टी. एन. ए. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्देश सं० अई-1बी/37-जी/19/86-87—यतः मुझे,

पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपया अनुसूची देखिए है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस से व्यवसाय प्रतिकूल है, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पत्र प्रतिकूल से अधिका है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) १ बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्ना जमा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

- (1) 1. जीवनजी हुसेनभाई,
2. ताहेरभाई अब्बासभाई करीमजी,
3. श्रीमती सैनाब जीवनजी मोरीसवाला और श्रीमती रक्षिया ताहेर कुरीमजी । (नूरभाई जीवनजी मोरीसवाला खरीदनेवाला ट्रस्ट के ट्रस्टीज) ।

(अन्तरक)

- (2) 1. फखलहुसैन हुसैनजी,
2. अब्दीअली सफदारअली,
3. झाकीर कासम अली
4. नझरअली अहमदअली,
5. बकीरअली अहमदअली,
6. इमरान इसोफअली और
7. मुयादाई आई० लोखंडवाला । (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वादवादा

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिन्नित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जोकि बम्बई शहर के भंडारी स्ट्रीट के दक्षिण में स्थित है और रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई शहर में जिसका कुल क्षेत्रफल एक हजार पांच सौ एकतालीस चौरस याई या 1288.46 चौरस मीटर है । और जिसके उत्तर में भंडारी स्ट्रीट, पूर्व में नरमी बाधा स्ट्रीट और दक्षिण में बम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की जमीन है जोकि मर्विस पेसेज है । और पश्चिम में काशी सैयद स्ट्रीट है और जोकि प्लॉट नं० 15, 16 और 17, माडवी कोलीवाडा इस्टेट, बम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और जिसका निर्धारण कलेक्टर आफ लैंड रेवेन्यू सर्वे नं० 2395, 2396, 2397 और 2347 और कंडेस्ट्रल सर्वे नं० 216 माडवी डिवीजन है और जोकि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के बो-वाडें नं० 1981, 1920, 1251, 1255-57, 1921-1923 और 1972-1975 स्ट्रीट नं० 27-35, 155, 163 से निर्धारित होता है ।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम-792/86 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बंसल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 6-5-1987

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. ए. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्देश सं० अई-1बी/37-जी/12/86-87—यतः मुझे,

पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपया अनुसूची देखिए है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक 25 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के निम्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक २. हुई किन्तु आय की धारा २६९, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव में कभी करने या उसमें बचत करने की अनुमति नहीं है, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थ में :—

(1) रविन्द्र मुलराज और अन्य, (रविन्द्र मुलराज ट्रस्ट के ट्रस्टीज। (अन्तरक)

(2) मेसर्स कमल एंड कंपनी (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ क्रिया को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहला (उस सम्पत्ति का विवरण जो लेसर हुसेन एलियास रसिद अली बेग और श्री एम० इशाक ने एसायनरके

पूर्वजोंको जोकि दिनांक 16-10-1947 लिज डीड के मुताबिक नामकी)

वे सब खाली फोरम जमीन का हिस्सा जो डिलाईल रोड अब तुलसी पाईप लाईन रोड से पहुंचानी जाती है और बम्बई के उप-रजिस्ट्रेशन जिला में पड़ती है और जिसका क्षेत्रफल 13237 चौरस यार्ड है तथा 10895 चौरस मीटर्स के बराबर है। जोकि लैण्ड रेवेन्यू कलेक्टर के यहा नंबर 11931, 1 1957 और 11994, या सर्वे नं० 1/2641 और 2/2642 (अंश), और कंडस्ट्रेल सर्वे नं० 833, लोअर परेल डिविजन के यहा दर्ज है और महा नगर पालिका रेट्स एण्ड टैक्सेस के असेसट और कलेक्टर के यहा जी-वार्ड नं० 2521 (2) 252 (2ए), 252 (2ए) और 2526 (2) और स्ट्रीट नं० 33ए-38ए, 38ए और 33एच में कर निर्धारण होता है और जिसकी पूरब की तरफ अंश के लेसरकी सम्पत्ति और अंशी तुलसी पाईप रोड पड़ती है और पश्चिम में आर० एम० डी० चंबागवाला सम्पत्ति-पड़ती है। दक्षिण में हाजी मोहमद हाजी अहमद और दूसरों की सम्पत्ति पड़ती है और उत्तर में बगर पालीका की जमीन और नाला।

धूसरा उस सम्पत्ति का विवरण जोकि एसायनर के पूर्वजोंने एसायनर की तारीख 8, अगस्त, 1950 को दस्तावेज के जरिए दी है।

वे खाली फारेम जमीन का हिस्सा जोकि डिलाईल रोड अब तुलसी पाईप लाईन रोड है। सब रजिस्ट्रेशन जिला, बम्बई में स्थित है। और जिमका क्षेत्रफल 8246 चौरस यार्ड के करीब है और जो बढ़कर अब 11013 चौरस यार्ड बराबर है तथा 9064 चौरस मीटर्स है और जो पूरी जमीन जिसका क्षेत्रफल 13237 चौरस यार्ड उसका हिस्सा है। और जो कलेक्टर आफ लैण्ड रेवेन्यू के यह नंबर तथा 11931, 11957 और 11994, तथा सर्वे नं० 1/2641 और 2/2642 (अंश), और कंडस्ट्रेल सर्वे नं० 833 आफ लोअर परेल में दर्ज है और असेसट एक्ट कलेक्टर, नगर पालिका रेट्स एण्ड टैक्सेस के यहा कर निर्धारण है जी-वार्ड नं० 252 (2), 2521 (2ए), 2521 (2ए) और 2526 (2) और स्ट्रीट (गली) नं० 33ए, 38ए, 38एए, और 33एच में होता है, और जिसके पूरब में आशिक महा नगर पालिका की जमीन, अंशीक हुसेन एलियास और अन्य की जमीन, और अंशीक तुलसी पाईप लाईन रोड में पड़ती है। पश्चिम में आर० एम० डी० चंबागवाला की सम्पत्ति पड़ती है। दक्षिण में हुसेन एलियास और अन्य की जमीन जोकि एसायनर की लीज पर दी है। पड़ती है और उत्तर में नगरपालिका का जमीन और नामा और अंशीक हुसेन एलियास और अन्य की जमीन जोकि एसायनर को दी है पड़ती है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम-951/82 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1वी, बम्बई

दिनांक : 6-5-1987

मोहर :

सं० एफ० 7/2/87 प० 1(ख) —राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना और वायु सेना स्कंधों के लिए जुलाई, 1988 में शुरू होने वाले 80वें पाठ्यक्रम हेतु और नौ सेना अकादमी के द्वितीय पाठ्यक्रम 10+2 (कार्यपालक शाखा) में प्रवेश हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 13 दिसम्बर, 1987 को एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या 360 होगी (जिसमें थल सेना के लिए 195, नौ सेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) और नौ सेना अकादमी की कार्यपालक शाखा के लिए यह संख्या 60 होगी।

विशेष ध्यान : उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 10 में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किस सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी बतलाना पड़ेगी कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्ति हेतु विचार किया जायेगा जिनके लिए वे अपनी वरीयता व्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा अपने प्रपत्र में पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/परिवर्तन के अनुरोध को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्से में प्रवेश दिया जाएगा (क) परीक्षा की प्रणाली, और पाठ्यक्रमों, (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण और (घ) आवेदनपत्र भरने के लिए मार्गदर्शक संकेत के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट 1, 2, 3 और 4 में विस्तार से समझाया गया है।

2. परीक्षा के केन्द्र :

अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेंद्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तरीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे तब भी आयोग परिस्थितिबल किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इन परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें भ्रमण राशनी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। [नीचे पैरा 3 (II) देखिए]।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उप केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसे उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताने हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा। किन्तु 13 नवम्बर, 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की शर्तें :—

(क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार या तो—

1. भारत का नागरिक हो, या
2. भूटान की प्रजा हो; या
3. नेपाल की प्रजा हो; या वह
4. भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ सिब्बती शरणार्थी हो; या
5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगाण्डा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीवार); जाम्बिया, मलावी जैसे तथा इथोपिया और यिथतनाम से प्रजनन कर आया हो। परन्तु उपर्युक्त वर्ग 2, 3, 4 और 5 के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो। पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

(ख) आयु सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति :— वन के ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई 1969, से पहले का तथा पहली जनवरी, 1972 के बाद का न हो।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्ट्रो में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। मूल प्रमाणपत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे। अनुदेशों के इस भाग से आगे हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उम्मीद तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसे परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनको द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश देने के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उससे बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका द्वारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए बुना नहीं जाएगा। चाहे वह उस परीक्षा में या अगले किसी परीक्षा में भले ही सफल हो, जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :

(1) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना और वायु सेना स्कन्धों के लिए :—

किसी राज्य शिक्षा बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्कूली शिक्षा प्रणाली 10+2 की 12वीं कक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष।

(ii) नौ सेना अकादमी की कार्यपालक शाखा 10+2 के लिए किसी राज्य शिक्षा बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भौतिकी, रसायन और गणित सहित स्कूली शिक्षा प्रणाली 10+2 की 12वीं कक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष।

जो उम्मीदवार स्कूली शिक्षा प्रणाली 10+2 के अधीन 12वीं कक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा में बैठ रहे हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

मेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 3 जुलाई, 1988 तक अपने मैट्रिकुलेशन एवं 10+2 या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप में सेना-मुख्यालय रिश्रूटिंग 6 (एम्. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लॉक, 3 आर०कं० पुरम्, नई दिल्ली-110022 को तथा नौसेना अकादमी के उम्मीदवारों को नौसेना मुख्यालय, आर० एन्ड आर० सैक्शन, 206 सी० बिग सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहाँ बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा, दिये गए मूल-प्रमाण-पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित कृत्य प्रतिलिपियाँ/फोटो स्टेट, प्रतियाँ स्वीकार नहीं की जायेंगी।

अपवाद की परिस्थितियों से आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएँ हो आयोग के विचार से जिनका स्तर, उम्र इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहरता हो।

टिप्पणी 1 : वे उम्मीदवार जिन्हें 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में अभी तक अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें, कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय, परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से संबंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी 2 : जो उम्मीदवार रक्षा भवालय द्वारा रक्षा मेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे, अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. शुल्क :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु० 28.00 (अठ्ठाईस रुपये) का शुल्क का भुगतान करना होगा जो कि पश्चिम, संघ लोक सेवा आयोग को नयी दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या बैंक ऑफ, संघ लोक सेवा आयोग को नयी दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर अथवा केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों के रूप में हो।

टिप्पणी (I) : केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों (डाक टिकटों नहीं) डाकघर से प्राप्त करें और आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर इसके लिए निर्धारित स्थान पर चिपका दें। जारी करने वाले डाकघर से उन डाकघर की तारीख की मोहर सहित उन टिकटों को इस तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की मोहर की छाप आंशिक रूप से आवेदन-पत्र पर भी अपने आप आ जाए।

रद्द किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके। “केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों” के स्थान पर किसी भी हालत में डाक टिकटों स्वीकार नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी (II) : उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के हिस्से पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, ‘पोस्टल ऑर्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल ऑर्डर के पिछली ओर इस प्रकार प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह “051—लोक सेवा आयोग परीक्षा-शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाये और आवेदन-पत्र के साथ उनको रसीद लगा कर भेजनी चाहिए। जिन आवेदन पत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी। उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जायेगा यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो नीचे के पैरा के आधार पर निर्धारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों को शुल्क नहीं देना होगा।

(III) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रव्रजन कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रव्रजन कर चुका था या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(IV) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भूतपूर्व नानकमीशण्ड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्न-लिखित शर्तें पूरी कर देते हैं, अर्थात् :—

- (क) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के नाम से ज्ञात)/सैनिक स्कूल, सोभायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ख) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिन्सिपल द्वारा, इस अनुशंसा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30% अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी : मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा, अग्रेषित आवेदनपत्रों की सवीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जायेगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त गोटिंग पैरा 4 (III) के अन्तर्गत शुल्क से छूट के हकदार हैं। किन्तु मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल विद्यार्थियों के आवेदनपत्र आयोग को अग्रेषित करने के पहले

संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कृतारतों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। आवेदन के साथ आयोग की श्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता है और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है।

- (V) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (पन्ध्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परंतु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

- (VI) जो उम्मीदवार दिसम्बर, 1986 अथवा मई 1987 में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए उसका नाम अनुशासित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अट्ठाईस रुपये) का शुल्क वापस किया जा सकता है। पर वह जरूरी है कि दिसम्बर 1987 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी 1988 या उससे पहले पहुंच जाए।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

5. आवेदन कैसे करें :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को दिनांक 27 जून, 1987 के समाचार पत्रों तथा रोजगार समाचार में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचार पत्रों या "रोजगार समाचार" में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र का मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन से

भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्केप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन प्रपत्र और उपस्थिति पत्रक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों में उपलब्ध छपे हुए आवेदन प्रपत्र तथा उपस्थिति-पत्रक को प्रयोग में ला सकते हैं। बशर्त कि दिनांक 27 जून, 1987 के समाचार पत्रों तथा रोजगार समाचार में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हो। उम्मीदवार इस बात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र में आवेदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी नौसेना अकादमी परीक्षा के सभी प्रश्न-पत्रों के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र और एक ही अनुक्रमांक से परीक्षा दे चाहे उन्हें आयोग से एक से अधिक प्रवेश प्रमाणपत्र क्यों न प्राप्त हुए हों।

जिस लिफाफे में आवेदनपत्र भेजा जाए, उस पर मोटे अक्षरों में 'राष्ट्रीय रक्षा अकादमी/नौसेना अकादमी', परीक्षा, दिसम्बर 1987 लिखा जाए।

(क) उम्मीदवार को अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए।

(I) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/ भारतीय पोस्टल ऑर्डर/ केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें या भारतीय मिशन की रसीद (शुल्क माफी हेतु दावे के मामलों को छोड़कर) (II) फुलस्केप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (दिनांक 27 जून, 1987 के समाचारपत्रों तथा रोजगार समाचार में प्रकाशित) (III) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सेमी० x 7 सेमी०) के फोटों की दो एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हो। (IV) एक पोस्टकार्ड अपने हूटे के साथ (V) 11.5 सेमी० x 27.5 सेमी० आकार के बिना टिकट लगे हुए तीन लिफाफे अपने पते के साथ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदनप्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अंतरराष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या समकक्ष प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि जो आवेदनप्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय "अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप" में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरते कि आवेदनप्रपत्र में गतिशील प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती हैं या भ्रामक हैं तो उनके निर्यचन में होने वाली भ्रान्ति या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिये अर्थात् किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदनपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह सच लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो आवेदनपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवान्वित है। उनको यह परिचयन (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने में सम्बद्ध अनुमति रोकते हुये कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदनपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवान्वित हैं उन्हें अपने आवेदनपत्र अपने कमांडिंग अधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए जिन्हें वह आयोग को अग्रप्रेषित करेंगे।

भारतीय नौसेना में नौसैनिकों (बाल एवं परिशिल्पी शिक्षार्थियों सहित) के आवेदनपत्रों को यदि उनके कमांडिंग अधिकारियों द्वारा विधिवत अनुशासित किए जाने हैं तो केवल उन्हें ही स्वीकार किया जाएगा।

राष्ट्रीय भारतीय मिलिटरी कालेज (जो पहले सैनिक स्कूल कहा जाता था) देहादून मिलिटरी स्कूलों (जिन्हें पहले किंग जार्ज स्कूल कहा जाता था) और सैनिक स्कूलों की सोसायटी द्वारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों के छात्रों को अपने आवेदनपत्र संबद्ध कालेज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए।

टिप्पणी जिन आवेदनपत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा 4 के अन्तर्गत शुल्क माफी के दावे को छोड़कर) या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एक वम अस्वीकृत कर दिया जायगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के सबंध में अभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्रों के साथ आयु तथा शैक्षिक योग्यता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और शुल्क में छूट आदि का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा। इसलिए वे इस बात का सुनिश्चित करें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों की पूरी करते हैं या नहीं। प्रत्येक परीक्षा में उनका प्रवेश ही पूर्णतः अनन्तिम होगा। यदि किसी बाद की तारीख को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी

शर्तें पूरी नहीं करने हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे उक्त परीक्षा के लिखित भाग का परिणाम घोषित होने के बाद सेना मुख्यालय को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित प्रलेख तैयार रखें।

परिणाम मार्च मास, 1988 में घोषित होने की सम्भावना है।

1. आयु का प्रमाणपत्र,
2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण।
3. जहाँ लागू हो, वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र।

4. जहाँ लागू हो, वहाँ शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र। परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के घोषित हो जाने के तुरन्त बाद सेना मुख्यालय द्वारा सफलता प्राप्त उम्मीदवारों में कुछ अतिरिक्त सूचना को भेजने के लिए कहा जाएगा। उपर्युक्त प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतियाँ सेना मुख्यालय, ए०जी० आर०आर०टी०जी०, 6 (एम०पी०) (ए०) पश्चिम ब्लॉक 3, विंग 1, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को उस समय तत्काल भेजने होंगे। साक्षात्कार के लिए बुलाए गये सभी उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड (एम०एम०बी०) के समक्ष मैट्रिक परीक्षा का मूल प्रमाण पत्र अथवा समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। जिन उम्मीदवारों के पास अपेक्षित प्रमाण पत्र नहीं होंगे उनका सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार नहीं लिया जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हताप्राप्त कर लेंगे उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाद मूल प्रमाणपत्रों को प्रस्तुत करना होगा। यदि उनका कोई भी दावा असत्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा पैरा 6 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

5. उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि वे आवेदनपत्र, नियमावली, पाठ्यक्रम आदि के लिए सच लोक सेवा आयोग को न लिखें। ऊपर समझाए अनुसार इस विज्ञापन के साथ छापे गए आवेदनपत्र का प्रयोग किया जाए।

6. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है —

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या

- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अशुद्ध आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाना, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (12) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदा-चार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त:—

- (क) आयोग की परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

- (ख) (1) आयोग द्वारा कम्पनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए
- (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए और
- (3) स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है।
- (ग) किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक —
- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।

7. आवेदन प्रपत्र लेने की अंतिम तारीख :

भग्न हुआ आवेदनपत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को

10 अगस्त, 1987 से पहले किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 24 अगस्त, 1987 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर जमा करा दिया जाए। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 10 अगस्त, 1987, से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी : (1) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदनपत्र के संगत कालम में अपने पते में अतिरिक्त समय के हकदार इनके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए, अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी : (2) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउन्टर पर स्वयं जमा कराएं या 'जिस्टर्ड डाक' द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन पत्र के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

8. आयोग सेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित मामलों को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

- (1) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदनपत्र जिसमें देर से प्राप्त आवेदन पत्र भी सम्मिलित हैं, की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र

की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती है। इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गयी है, अपने आप यह मत-पाव नहीं है कि आवेदनपत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा में संबंधित आवेदनपत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

- (2) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदनपत्र का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में सच लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में बिचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- (3) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनको अनुक्रमांक निर्दिष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाण पत्र जारी कर दिया जायेगा और उसमें निर्दिष्ट अनुक्रमांक वही होगा जो उम्मीदवारों की पावती काई द्वारा पहले सूचित आवेदन पंजीकरण संख्या है। किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश तब तक नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्र नहीं है।
- (4) किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण पत्र नहीं है।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप में ठीक मान ली गई है या उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारंभिक परीक्षा के आवेदनपत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखे कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाना है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से

उम्मीदवार की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अन्तिम नहीं होगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं, इस बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

- (5) उम्मीदवार ध्यान रखे कि प्रवेश प्रमाण पत्र में कही-कही नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।
- (6) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था संव्यवहार लेनी चाहिए कि उसके आवेदनपत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग का उसकी सूचना यथा शीघ्र दी जानी चाहिए। ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण : आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए।

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का वर्ष और महीना
3. आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नंबर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नंबर नहीं मिला हो)।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
5. पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

विशेष ध्यान : (1) जिन पत्रों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

- (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जायेगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनु-सूचित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के दिन आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने की अगला नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्लाक रिटिंग 6 (एम पी) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1 रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनु-सूचितों का पात्र नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार

के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार कि जाने के दायरे से संबंधित हो जाएगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुशंसित है उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवार को भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुंचना है। साक्षात्कार को स्थगित करने से संबंध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अन्तिम योग्यता सूची में है यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय ए०, जी० ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ए०), वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्य भार सम्भालने के अनुरोध उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुरोधों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

9. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :

अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार अन्तिम परिणामों की घोषणा और अन्तिम रूप से अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश : संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे। जहाँ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना और नौ सेना अकादमी की 10—2 कार्यपालक शाखा के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायु सेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के हक्कवार नहीं होंगे चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

32—126GI/87

स्वीकृति हेतु थल सेना/नौ सेना और नौ सेना अकादमी के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तथा (2) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे और वायुसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा (2) अधिकारी क्षमता परीक्षण, (3) पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जायेंगे। इन शर्तों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अन्तिम क्रम में तीन अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौ सेना के लिए और दूसरी वायु सेना के लिए और तीसरी नौ सेना अकादमी कोर्स के लिए रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा के सभी अंगों के लिए और नौ सेना अकादमी के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौ सेना के विंगों में प्रवेश के लिए अन्तिम चयन थल सेना तथा नौ सेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जायेगा और सेना विंग में प्रवेश के लिए अन्तिम चयन सेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा, और नौ सेना अकादमी की कार्यपालक शाखा में प्रवेश के लिए अन्तिम चयन नौ सेना की योग्यता सूची में रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम में किया जाएगा जो शारिरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम तीनों योग्यता सूचियों में है उन पर तीनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अन्तिम रूप से चुन लिए जाने पर शेष सूचियों से उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

विशेष ध्यान: वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायु सेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायु सेना विंग या जनरल ड्यूटी (पायलट) ब्रांच या नेवल एयर आर्म में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० अकादमी कोर्स में पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायु सेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात के निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा।

उम्मीदवार की नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

10. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अनर्हताएं :

जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी अथवा नौ सेना अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी सुलभ विशेषताओं के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गये थे उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी नौ सेना अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

11. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समुच्चय पुस्तिका छापी है इस का यह उद्देश्य है कि इससे सं० लो० से० आ० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

उक्त पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहां से सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता है। यह पुस्तिका केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिक्वेली सिनमा के समाने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लॉक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 पर प्रकाशन शाखा के डिप्टी कान्ट्रोलर और (3) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती है। उक्त मैनुअल (विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तसिल गृहों में स्थित एजेंटों के पास भी उपलब्ध है।

12. उम्मीदवार को अपना आवेदनपत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० के० कृष्णन

उप सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

परिशिष्ट-1

(परीक्षा की योजना और पाठ्यक्रम विवरण)

(क) परीक्षा की योजना :

महत्वपूर्ण टिप्पणी :-

1. संघ लोक सेवा आयोग ने रक्षा मंत्रालय से परामर्श करके दिसम्बर, 1987 में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय रक्षा

अकादमी परीक्षा में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की योजना के अधीन नौ सेना अकादमी में नौ सेना अकादमी की कार्यपालक शाखा के 10+2 पाठ्यक्रम के माध्यम से भर्ती शुरू की है। नौ सेना अकादमी की कार्यपालक शाखा के लिए योजना उसी प्रकार की ही होगी जैसी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना और वायु सेना स्कन्धों की होती है किन्तु शैक्षिक योग्यताओं के मामले में किसी भी उम्मीदवार को भौतिकी, रसायन-शास्त्र और गणित सहित 10+2 पैटर्न की 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

2. संघ लोक सेवा आयोग ने रक्षा मंत्रालय के साथ परामर्श करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की पिछली योजना को सरल कर दिया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की पिछली योजना में पांच प्रश्न-पत्र थे गणित के 2, सामान्य ज्ञान के 2 और अंग्रेजी का 1। प्रत्येक प्रश्न-पत्र 2 घण्टे की अवधि का था और तीन दिनों में पूरा होता था। प्रस्तुत परिशोधित योजना भरलीकृत है जिसमें दो प्रश्न-पत्र हैं (1) गणित की पिछली योजना में से गणित i और गणित ii तथा (2) पिछली योजना के सामान्य ज्ञान तथा अंग्रेजी में से सामान्य योग्यता परीक्षण i, ब्योरा निम्नलिखित है :

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे।

विषय	समय	अधिकतम अंक
गणित	3 घण्टे	300
सामान्य योग्यता परीक्षण	3 घण्टे	600
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे, प्रश्न पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएं) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्रों के साथ उम्मीदवार को सूचना विवरणिका दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्न-पत्रों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षणों का ब्योरा सम्मिलित होगा।

3. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।

5. परीक्षा के एक अथवा सभी विषयों के ग्रहक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर रहेगा।

6. उम्मीदवारों को वस्तुपूरक प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पुस्तिकाओं) के उत्तर लिखने के लिए केलकुलेटर अथवा गणितीय अथवा लघुगुणीय सारणियां प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः उन्हें ये वस्तुएं परीक्षा भवन में नहीं लानी चाहिए।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

प्रश्न-पत्र—1 गणित—अधिकतम अंक 300।

अंक गणित :

संख्या पद्धति—धनपूर्ण संख्यांक। पूर्णांक परिमेय और वास्तविक संख्याएँ मूल संक्रिया जोड़, घटाना, गुणा और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि : समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता-साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारंभिक संख्याएं सिद्धान्त : विभाजन की कल विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएं 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण, अपवर्त्य और गुणन, गुणन खण्ड, प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य तथा लघु यूक्लिड की दशमलव पद्धति।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम।

विस्तार कर्क अथवा क्षेत्रमिति :

वर्गों, आयतों, समानान्तर चतुर्भुज, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल उः आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्र बाही)। घासी का बाहरी क्षेत्रफल तथा आयतन। लम्ब, वृत्तीय शंकाओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयत गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

बीज गणित :

आधारभूत प्रक्रियाएँ—साधारण गुणन खण्ड, क्षेत्रफल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम और लघुतम समापवर्त्य। द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युग्मत समीकरण-विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल/प्रायोगिक प्रश्न जिन्हें दो चरों में दो युग्मत रेखिक समीकरण बनते हैं या एक बार में द्विघात समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम।

ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति, निम्नलिखित पर प्रमेय :—

1. किसी बिन्दु पर कोणों के गुणधर्म।
2. समानान्तर रेखाएँ।
3. किसी त्रिभुज की भुजाएँ और कोण।
4. त्रिभुज की सर्वांग समता।
5. समरूप त्रिभुज।

6. माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन।

7. समानान्तर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म।

8. वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं।

9. स्थानिक संघक।

त्रिकोण मिति :

ज्या \times कोटिज्या \times स्पर्श रेखा \times जब $-0^\circ \leq \times \leq 90^\circ$

ज्या \times कोटिज्या \times स्पर्श रेखा का मान क्योंकि $\times -0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ और 90° ।

सरल त्रिकोणमितीय तत्समक। त्रिकोणमिति सारणियों का प्रयोग। उंचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

सांख्यिकी :

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रहक तथा सारणीकरण। आलेखी प्रस्तुतीकरण—बारम्बारता बहुभुज, आयत चित्र, गलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि अपरिष्कृत और सामूहिक आंकड़ों का परिकल्पना माध्य।

प्रश्न पत्र II—सामान्य योग्यता परीक्षण :

अधिकतम अंक—600

भाग (क) अंग्रेजी (अधिकतम अंक 200)

अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार का होगा जिसमें उम्मीदवार की अंग्रेजी की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण और प्रयोग, विधि शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेतु विस्तारित परिच्छेद की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

भाग (ख) सामान्य ज्ञान

(अधिकतम अंक 400)

सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों में मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक विषय आयेंगे।

इस प्रश्न पत्र में शामिल किए गए विषयों का क्षेत्र निम्न पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयों को सर्वांग पूर्ण नहीं मान लेना चाहिए। तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका इस पाठ्य विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवार के उत्तरों में विषयों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

भाग-क (भौतिकी) :

द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियाँ, संरुति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण, आर्कमिडिज का सिद्धान्त, दबाव, आयुदाब मापी।

बिम्ब की गति, वेग और त्वरण, न्यूटन के गति नियम, बल और संवेगों, बल समान्तर चतुर्भुज, पिण्ड का स्थायित्व और संतुलन, गुरुत्वाकर्षण, कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

उष्मा का प्रभाव, तापमान का माप और ऊष्मा, स्थिति परिवर्तन और गुप्त उष्मा। उष्मा अभिगमन की विधियाँ।

ध्वनि तरंग और उनके गुण-धर्म, सरल बाद्य यन्त्र। प्रकाश का श्रुतुरेखीय चरण। परावर्तन और अपवर्तन। गोलीय दर्पण और लेन्सेज। मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक। चुम्बक के गुण धर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में। स्थैतिक तथा धारा विद्युत। चालक और अचालक ओहम नियम, साधारण विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। वैद्युत शक्ति के माप प्राथमिक और गौण-सेल। एम्सरे के उपयोग। निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धान्त :—

सरल लोलक, सरल ध्वनि, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पंप, हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मल फ्लास्क, ग्रामोफोन-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाइक डिक्सूचक तणित, चालक। सुरक्षा प्यूज।

भाग-ख (रसायन शास्त्र)।

भौतिकी तथा रासायनिक परिवर्तन। तत्व, मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीक सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु तथा जल के रासायनिक गुण-धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन तथा कार्बन डाई-आक्साइड की रचना और गुण-धर्म। आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल क्षारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

ऊर्बरक—प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच, स्याही कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई और गन-पाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए आवश्यक सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

भाग-ग (सामान्य विज्ञान) :

जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव और उत्सकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और उसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान।

सामान्य महामारियाँ और उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य-मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य के अवयव संतुलित आहार।

मीर परिवार, उल्का और धूमकेतु, ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ।

भाग-घ (इतिहास, स्वतन्त्रता आन्दोलन आदि) :

भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत में स्वतन्त्रता आन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन। भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियाँ और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी। भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल-उपदेश।

आधुनिक विश्व निर्माण करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमेरिका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति और रूसी क्रांति। समाज पर विज्ञान और औद्योगिकी का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, राष्ट्र, पंचशील, लोकतन्त्र, समाजवाद तथा साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

भाग-ङ (भूगोल) :

पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार। अक्षांश और रेखांश; समय संकल्पना, अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा, पृथ्वी की गतियाँ और उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण, अपक्षय-यांत्रिक और रासायनिक, भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर, धाराएं और ज्वारभाटे।

वायुमण्डल और इसका संगठन, तापमान और वायुमण्डलीय दाब।

भूमण्डलीय पवन, चक्रवात और प्रति चक्रवात, आर्द्रता, व्रक्ष्यण और वर्षण।

जलवायु के प्रकार विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल-जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति संसाधन। कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

भारत के महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, मुख्य समुद्री भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मदे।

भाग-च (सामयिक घटनाएँ) :

हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी।

सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय; इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र के भाग (ख) में नियत अधिकतम अंकों में सामान्यतः भाग क, ख, ग, घ, ङ तथा च प्रश्नों के क्रमशः 25%, 15%, 10%, 20 20%, तथा 10%, अंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण :

उम्मीदवार की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जायेंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट-2

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाव में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणशाला में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बहा दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए सारणी रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।

(क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी अशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/वैहिक दोष या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० (नौसेना के लिए 157 सें० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें० मी०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कुमायूँ के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17-18 वर्ष
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.5	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसतन वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 कि० ग्रा० कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जायेगा। किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे-चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1 :—ऐसे मामलों में जहाँ चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कद में 2.5 सें० मी० की छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2:—वायुसेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई, जंघा की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की न्यूनतम माप निम्न प्रकार होगी :—

	न्यूनतम	अधिकतम
टांग की लम्बाई	99.00	12.00 सें० मी०
जंघा की लम्बाई	—	64.00 सें० मी०
बैठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें० मी०

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उम्मीदवार की कम उम्र के कारण 5.0 सें० मी० तक ऊंचाई में 2.5 सें० मी० (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में और 1.0 सें० मी० (न्यूनतम) तक बैठे हुए ऊंचाई में गुंजाइश दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बढ़ोत्तरी हो सकती है और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक यह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

(घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा कर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने चूचक से लगा रहे और फीते का ऊपर का भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोण (लोअर एंगल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती को कोई रोग तो नहीं।

(ङ) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। उम्मीदवार की रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा। किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषज्ञ की सलाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

वायुसेना के लिए मेरुदण्ड की हालत :

(च) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत्त वायु सेना के लिए अयोग्य ठहराने वाला है :

(1) मेरुदण्ड या तिरछे जोड़ों की ऐसी बीमारी चाहे उसके वास्तविक लक्षण हों या न हों—जिसकी वजह से उम्मीदवार शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन सफलता पूर्वक न बिता सकता हो।

(2) प्रोलैप्स अंतराक शेरक बिब तथा उस अवस्था के लिए शल्य चिकित्सा।

(छ) मेरुदण्ड की पूरी नैदानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी आकृति, स्थानिक कोमलता, यदि कोई है, मेरुदण्ड की हरकत आदि शामिल है। केवल हवाई कर्मी के कार्य के वास्ते

उम्मीदवारों के लिए किटविक केशरक का एक्स-रे (ए० पी०) तथा पार्श्विक दृश्यता किया जाना है।

(ज) हनका काइफोसिस या लोडोसिस जहां बिरूपता मुष्किल से दिखाई देती है जहां दर्द की यह हरकत में रुकावट की शिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।

(झ) दिखाई पड़ने वाले स्कोलिओसिस के या अन्य किसी तरह की असामान्यता या मेरुदण्ड की बिरूपता का जो मामूली से अधिक हो—संदेह होने पर मेरुदण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है और परीक्षार्थी को विशेषज्ञ की सलाह हेतु प्रस्तुत करना है।

(ञ) एक्स-रे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित अवस्थायें वायु सेना में प्रवेश हेतु अयोग्यता का कारण मानी जायेंगी :—

1. मेरुदण्ड की ग्रैन्यलोमेट्स बीमारी
2. आर्थराइटिस/स्पीन्डिलोसिस
3. कावपद्धति में यथामापित स्कोलियोसिस जो 15, से अधिक हो।
4. मामूली से ज्यादा काइफोसिस/लोडोसिस।
5. स्पेण्डिलोसथेसिस/स्पेण्डिलिसिस।
6. हरनिएटिड (न्यूक्लिअलपोसिस)।
7. केशरक का संपीडन विभंग।
8. श्वैरमेन की बीमारी।
9. प्रवर्णनीय तंत्रकीय या परिसंचारी अंश के साथ ग्रेव पार्शुका।
10. मेरुदण्ड सम्बन्धी अन्य असामान्यता यदि विशेषज्ञ का ऐसा मत हो।

(ट) उम्मीदवार मानकिस विकृति या दीरे पड़ने का पिछला रोगी नहीं होना चाहिए।

(ठ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक काम से 610 सें० मी० की दूरी पर जोर की कानाफूमी सुन सके। कर्णनासिका की पिछला या अबकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

वायु सेवा के लिए श्रव्यतामिक्त परीक्षण किये जायेंगे, 250 ए० जेड० 400 ए० जेड० के बीच की आलियो में श्रव्यतामिक्त कमी—10 डेसिबल से अधिक नहीं हो।

(ड) हृदय या रक्त वाहिकों के सम्बन्ध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

(ढ) उबरं पेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ग) यदि किसी उम्मीदवार को हर्निया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हर्निया की शल्य चिकित्सा हो गई हो और वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जरम भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।

(त) हाइड्रोमिल, बेरिकोसिल या पाइरस का रोग नहीं होना चाहिए।

(थ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमानता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(द) अशक्तता लाने या आकृति बिगाड़ने वाले चर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया जाएगा।

(घ) उम्मीदवार को दूरदृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना नौसेना के लिए ऐनक बिना 6/6, 6/9, और वायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 डी० तथा हायपरमेट्रोपिया 3.5 डी० (एस्टिमेटिज्म सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा और बलमेस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण की दृष्टि का मानक सी० पी० स्थल सेना के लिए सी० पी० 111 होगा। उम्मीदवार में भाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदवारों के लिए एम० एल० टी० द्वारा सी० पी० तथा रात्रि दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस आशय का प्रमाण देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रतौधी आने का रोग नहीं हुआ है।

नौ सेना के उम्मीदवारों का दृष्टि मानक :-

दूर की दृष्टि—6/6, 6/6 तथा शोध्य 6/9,

पास की दृष्टि—प्रत्येक आंख एन०-5,

वर्ण दृष्टि—एम० एल० टी० द्वारा सी० पी० 1

अपेक्षाकृत अच्छी आंख में मायोपिया 0.5 डायोप्ट्रेस से बड़े नहीं और हायपरमेट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत खराब आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

दृष्टि सम्बन्धी पेशी संतुलन—मेडीकल रोड टेस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्न से अधिक बिल्कुल न हो :-

(1) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस, एसोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस, हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।

(2) 33 सें० मी० पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस, एसोफोरिया 6 प्रिज्म, हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।

वायु सेना के लिए निम्नलिखित मानवण्ड है :-

दूर की दृष्टि	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि	प्रत्येक आंख की एन०-1
वर्ण दृष्टि	सी० पी० (एम० टी० एल०)
मनोफेस्ट हायपरमेट्रोपिया	2.00 डी० से अधिक नहीं
मायोपिया	000 कुछ नहीं
एस्टिमेटिज्म	00+0.75 डी०
पेशी :	

मेडीकल रोड टेस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित में अधिक हों :

(1) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरमेट्रोपिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(2) 33 सें० मी० पर
एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हायपरमेट्रोपिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(3) द्विनेत्री दृष्टि अच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है (फ्यूजन तथा स्टैर-योप्सिस) तथा साथ में अच्छा आयास व गहनता।

(न) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं।

उम्मीदवार को तीव्र पायोफोरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(प) वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए स्टीन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में होने जरूरी हैं।

परिक्षण-3

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे :

(क) इस आशय का प्रमाणपत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सज्जकल आपरेशन या सवेदना-हरक दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का वैध पत्र कि यदि किसी ऐसी कारण से जो उसके नियंत्रण में सम्मिलित जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या आत्मशिक्षण अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, सोज

पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोडिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 75.00 रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए ६० 75.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए ६० 80.00 और थल सेना/नौ/वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे वशिष्ट के प्रशिक्षण ६० 90.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय ६० 500.00 या इससे अधिक हो वे इससे वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियां और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक सरकार से किसी प्रकार वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में, प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा संहिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, पुणे (411023) के कमांडेंट को अग्रेषित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, उम्मीदवारों को अपने पर कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

	र०	पै०
(क) प्रतिमास 75.00-६० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	375.00	
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की भदों के लिए	650.00	
(ग) 1 सेमिस्टर के दौरान प्रासंगिक व्यय	150.00	
योग	1175.00	

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी:—

	र०	पै०
(क) 75.00 ६० प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	375.00	
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की भदों के लिए लगभग	475.00	

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध है:

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से ६० 350.00 तथा ६० 500.00 के बीच हों। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए यह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसकी माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी—

(2) कर्नल केडिल फ्रेंक मेमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कोर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति :—दो छात्रवृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 ६० प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा वायु सेना फ्लाईंग कालिचे तथा नौसेना अकादमी, कोचीन में वेहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 ६० प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिए बिना प्रदान की जाएगी जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 ६० प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी जिन कैडेटों को तीन छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिए 480 ६० की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा० अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिए केरल राज्य द्वारा उस कैडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और

जो रा० र० अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं० लो० सं० आ० प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल में उत्तीर्ण की हो ऐसा करते समय कैंडेट के पिता संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंडाकिनी पुरस्कार :—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है, आवेदन प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :—तीन छात्रवृत्तियां—एक थल सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैंडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिमाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैंडेट को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैंडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएंगी जिनके मात-पिता या अभिभावक की आय रु० 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैंडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं :—

(क) वर्ग 1 :—ये छात्रवृत्तियां—(थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रति वर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी के तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संख्या में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रु० तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति यह उन कैंडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपये प्रति वर्ष एक मुश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पाइलट अफसर गुरमीत सिंह बेदी मेमोरियल छात्रवृत्ति :—रु० 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैंडेटों के चौथे मत्र के अंत में योग्यता में सर्वोत्तम होगा यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। पांचवे और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेलीगंड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़कर चला गया हो जो कैंडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—हिमाचल प्रदेश के कैंडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कैंडेटों को मिलेगी

जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रति मास से कम होगी जो कैंडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति :—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स रु० 30 प्रति मास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में रु० 400 सज्जा भत्ता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैंडेट को दिया जायेगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय रु० 500 से अधिक न हो। पात्र कैंडेट अपना आवेदन कमांडेंट राष्ट्रीय अकादमी वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियां :—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियां—9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए कर्नाटक राज्य के उन कैंडेटों को दी है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, देहरादून में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राशि 480.00 रुपये प्रति वर्ष है।

रु० 480.00 प्रति वर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तियां (दो प्रतिशत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, देहरादून के अलावा अन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय अकादमी में आते हैं।

(14) एलबर्ट एक्का छात्रवृत्ति :—बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रु० 50—प्रतिमास की 25 योग्यता छात्रवृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छः समयविधियों के पूरे समय के वास्ते एक—बार और रु० 650 वस्त्र तथा उपस्कर के वास्ते देना शुरू किया है जिस कैंडेट को उपयुक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमांडेंट की आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़क-वामला, पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।

(क) अंग्रेजी

(ख) गणित

(ग) विज्ञान

(घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्व-विद्यालय या हायर सेकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेण्डरी

बरीका के स्तर से ऊंचा नहीं होगा (घ) पर लिखित विषय की बरीका में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए उपासीन न हो जाएं।

प्रशिक्षण :

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्व-विद्यालय, दिल्ली द्वारा बी० एस० सी०/बी० ए० डिग्री प्रदान की जायेगी।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून, में नौ सेना कैडेट/कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट, ई० एफ० एस० बिहार जायेंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टल-मेन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इंग्लैंड के सप भूमिओं का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेंटलमेन कैडेटों को उनके शेप (SHAPE) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेक्रेण्ड लेफ्टिनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना का कार्यपालक इंजीनियरों, विजली और सांख्यिकों के लिए चुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिए कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैंक में पब्लिश किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पब्लिश किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अन्तिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहृत कर दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

थल सेना अधिकारी :

(1) वेतन :

रैंक	वेतनमान
सेकंड लेफ्टिनेन्ट से ब्रिगेडियर	2300-100-3900-150-4200-ई० बी०-150-5100 रु०
मेजर जनरल	5900-200-6700 रु०
लेफ्टिनेन्ट जनरल	7300-100-7600 रु०
बी० सी०ओ० ए०एस०/थल सेना कमांडर	8000 रु० (नियत)
थल सेनाध्यक्ष	9000 रु० (नियत)

वेतन के अतिरिक्त रैंक वेतन भी निम्न प्रकार से दिया जाएगा :-

कैप्टन	200 रु०
मेजर	600 रु०
लेफ्टिनेन्ट	800 रु०
कर्नल	1,000 रु०
ब्रिगेडियर	1,200 रु०

(2) योग्यता वेतन तथा अनुदान :

लेफ्टिनेन्ट कर्नल रैंक और उससे नीचे के अधिकारियों के पास यदि कतिपय निर्धारित योग्यता हैं तो उस योग्यता के आधार पर वे 2,000-3,000-5,625/- अथवा 7500/- रु० के एक युक्त अनुदान राशि के हकदार होंगे। (श्रेणी "ख") के फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर 70 रु० प्रति माह की दर से योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

(3) भत्ते :

इस समय एक अधिकारी वेतन के अलावा निम्नलिखित भत्ते प्राप्त करता है।

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता तथा मंहगाई भत्ता सिविल राजपत्रित अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होने वाली संभावित दरों से और जहाँ शर्तों के अधीन स्वीकार्य होगा।
- (ख) 100/- रुपये प्रति माह की दर से किट अनुकरण भत्ता।
- (ग) प्रवास भत्ता भारत से बाहर सेवास्थ होने पर स्वीकार्य होगा, यह विशेष भत्ते की एकल दर के तदनुसार 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक भिन्न-भिन्न होगा।
- (घ) विद्योन्नत भत्ता—विकाशित अधिकारियों की नियुक्ति यदि ऐसे स्टेशन पर हुई है जहाँ परिवार नहीं जा सकते तो वे 140 रुपये प्रति माह की दर से विद्योन्नत भत्ता पाने के हकदार होंगे।
- (ङ) परिधान भत्ता—प्रारम्भिक परिधान भत्ता 3000 रु० तथा प्रत्येक सात वर्ष की प्रभावी सेवा के बाद नवीकरण परिधान भत्ता 3000/- रुपये है।

(ब) सभी अधिकारियों को निःशुल्क राशन दिया जायेगा।

(छ) अपनी सेवा संस्था में कमीशन प्राप्त करने से पहले प्रशिक्षण के अन्तिम 6 महीनों के दौरान प्रशिक्षणा-धियों को 1500/- रुपये प्रति माह की नियत राशि दी जायेगी।

(4) तैनाती :

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(5) पदोन्नतियां :

(क) स्थायी पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

(i) समय वेतनमान से	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफ्टिनेंट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो।	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

(ii) चयन द्वारा	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफ्टिनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट कर्नल जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कोई प्रतिबन्ध नहीं	

(ख) कार्यकारी पदोन्नति :

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर अफसर, उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि निम्नलिखित उपलब्ध हों।

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेंट कर्नल	6½ वर्ष
कर्नल	8½ वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

12 नौ सेना अधिकारी :

(i) वेतन :

रैंक	वेतनमान
कार्यकारी सब लेफ्टिनेंट से कमांडर	2300/- रु० से 5100/- रु०
रियल ऐडमिरल	5900/- रु० 200/- 6700/- रु०
उप ऐडमिरल	7300/- रु० 100/- 7600/- रु०
वी० सी० एन० एस०	8000/- रु० (नियत)
सी-इन-सी	
ऐडमिरल	9000/- रु० (नियत)
(नौ सेनाध्यक्ष)	

वेतन के अतिरिक्त रैंक वेतन भी निम्न प्रकार से दिया जाएगा।

लेफ्टिनेंट	200/- रु०
लेफ्टिनेंट कमाण्डर	600/- रु०
कमाण्डर	800/- रु०
कैप्टन	1000/- रु०
कमांडो	1200/- रु०

निम्नलिखित की योग्यता वेतन अनुदान भी इस प्रकार स्थापित है :—

सी० डी० आर० और इससे नीचे के अधिकारियों के पास यदि कतपि निर्धारित योग्यता है तो उस योग्यता के आधार पर के 2000/- रु० 3000/- रु० 5625/- रु० अथवा 7500/- रु० के एक मुश्त अनुदान के हकदार होंगे। “क” “ख” श्रेणी के फ्लाईंग नीचालक इन्स्ट्रक्टर फमशः 100/- रु० और 70/- रु० प्रति माह की दर से योग्यता वेतन पाने के अधिकारी होंगे।

(ii) भत्ते :

(क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता, मंहगाई भत्ता और और अंतरिम राहत सिविल राजपत्रित अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होने वाली समान दरों से और उन्हीं शर्तों के अधीन स्वीकार्य होगा।

(ख) 100/- रु० प्रति माह की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) प्रवास भत्ता, भारत से बाहर समुद्र तट पर अथवा विशेष देशान्तरीय और अक्षांशीय सीमाओं से बाहर समुद्र में कार्यरत होने पर स्वीकार्य होगा। विभिन्न रैंकों के अनुसार ये दरें 50/- रु० प्रति माह से 250/- रु० प्रति माह तक भिन्न-भिन्न होंगी।

(घ) समुद्र में कार्यरत विवाहित अधिकारियों को उस अवधि के दौरान जबकि उनका जहाज अपने आधार बन्दरगाह से दूर रहा हो।

140/- रु० प्रति माह की दर से वियोजन भत्ता स्वीकार्य होगा।

- (क) परिधान भत्ता 3500/- रु०
(प्रारम्भिक)
(नवीकरण) 3500/- रु०
7 वर्ष की सेवा के बाद

(ख) तकनीकी वेतन 75/- रु० से 350/- रु० प्रति माह।

(छ) फ्लाइट वेतन 1200/- रु० प्रति माह
(यदि फ्लाइट कार्य के लिए चुने जाएं)।

(ज) पनडुब्बी वेतन 1200/- रु० प्रति माह
(यदि पनडुब्बी अंग के लिए चुने जाएं)।

(झ) सभी अधिकारियों को निःशुल्क राशन दिया जायेगा।

(ञ) सेवा निवर्तन पर 30 दिन प्रति वर्ष की दर से अधिकतम 180 दिन तक की न ली हुई वार्षिक छुट्टियों का नकद भुगतान।

3. पदोन्नति :

(क) मूल पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियों के लिए निम्न-लिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

सब लेफ्टिनेन्ट	1 वर्ष
लेफ्टिनेन्ट	2 वर्ष (वरिष्ठता लाभ प्राप्त के अधीन)
लेफ्टिनेन्ट कमांडर	लेफ्टिनेन्ट के रूप में आठ वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)

चयन द्वारा :

कमांडर कार्यपालक शाखा	लेफ्टिनेन्ट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर इंजीनियर शाखा	लेफ्टिनेन्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर विद्युत शाखा	कमांडेन्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कैप्टन	कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
बाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति :

लेफ्टिनेन्ट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिए किसी अफसर को लेफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना अधिकारी :

(1) वेतन :

रैंक	वेतनमान
फ्लाइट अफसर से एयर कमांडोर	2300 रु० से 5100/- रु०—
एयर बाइस मार्शल	5900-200-6700/- रु०.
एयर मार्शल	7300-100-7600/- रु०
एयर मार्शल	8000/- रु० (नियत)
(बी० सी० ए०एस०, ए०ओ० कमांडिंग इन-चीफ-कमांड)	
एयर चीफ मार्शल	9000/- रु० (नियत)
(वायु सेनाध्यक्ष)	

वेतन के अतिरिक्त रैंक वेतन भी निम्न प्रकार से दिया जायेगा :—

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट	200/- रु०
स्क्वाड्रन लीडर	600/- रु०
विंग कमांडर	800/- रु०
ग्रुप कैप्टन	1000/- रु०
एयर कमांडोर	1200/- रु०

योग्यता वेतन/अनुदान फ्लाइट ब्रांच के अधिकारियों को कतिपय निर्धारित योग्यता के आधार पर निम्न दर से स्वीकार्य होगा।

योग्यता वेतन	100/- रु० प्रतिमाह अथवा 70/- रु० प्रतिमाह
योग्यता अनुदान	7500/- रु०
	5625/- रु०
	3000/- रु०
	2000/- रु०

(2) भत्ते :

(क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता, मंहगाई भत्ता और अंतरिम राहत सिविल राज पत्रित अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होने वाली समान दरों से और उन्ही शर्तों के अधीन स्वीकार्य होगा।

(ख) 100/- रु० प्रति माह की दर से अनुरक्षण भत्ता।

(ग) अविवाहित अधिकारी को विदेश भत्ते के 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के अन्दर (उनके रैंक के आधार पर) प्रवास भत्ता स्वीकार्य होगा जिस देश में भारतीय वायु सेना के अधिकारियों को अपने सैन्यबल के

साथ जाना आवश्यक हो और जहां तृतीय सचिव/द्वितीय सचिव/प्रथम सचिव/काउंसलर कार्यरत हो।

(घ) वियोजन भत्ता—जहां परिवार को अपने साथ रखने की अनुमति नहीं है सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे परिवार रहित स्टेशन क्षेत्रों पर स्थित यूनिटों/मोर्बा पर तैनात एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर के रैंक के विवाहित अधिकारियों को 140/- रु० प्रति माह का वियोजन भत्ता दिया जाएगा।

(ङ) परिधान भत्ता—प्रारम्भिक परिधान भत्ता 3,000/- रु०, प्रत्येक सात वर्ष की प्रभावी सेवा के बाद नवीकरण परिधान भत्ता 3000/- रु० है।

(च) फ्लाईंग वेतन :

(i) ग्रुप कैप्टन तक 1200/- रु० प्रति माह

(ii) ग्रुप कैप्टन से ऊपर 900/- रु० प्रति माह

(छ) परीक्षण पायलट भत्ता—फ्लाईंग वेतन के एक तिहाई के बराबर अतिरिक्त राशि।

(ज) सभी अधिकारियों को निःशुल्क राशन दिया जायेगा।

(झ) अपनी सेवा संस्था में कमीशन प्राप्त करने से पहले प्रशिक्षण के अन्तिम 6 महीनों के दौरान प्रशिक्षणाधियों को 1500/- रु० प्रतिमाह की नियत राशि दी जायेगी।

3. पदोन्नतियां :

(क) मूल पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा :

फ्लाईंग अफसर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
फ्लाईंग अफसर	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाड्रन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

चयन द्वारा :

विंग कमांडर	18 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।
ग्रुप कैप्टन	22 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जायेगी।
एयर कमांडर	24 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।
एयर वाइस मार्शल	26 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।
एयर मार्शल	28 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी। *

(6) कार्यकारी पदोन्नति :

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

फ्लाईंग लैफ्टनेन्ट	2 वर्ष
स्क्वाड्रन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्क्वाड्रन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)
एयर कोमोडोर	11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)
एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कोमोडोर के रैंकों में 5 वर्ष* की सेवा के बाद)
एयर मार्शल	23 वर्ष

*खंडित अवधियों को शामिल करके।

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेंशन, उपदान और ग्रेजुटी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे

15 छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार होगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 1st May 1987

No. A. 38013/15/86-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri H. C. Sharma, a permanent Assistant and officiating Section Officer in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th April, 1987 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests. (A) dated the 24th November, 1973.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 4th June 1987

No. A-19014/15/84-Ad. V.—The services of Sh. R. Biswas, IPS (A&M-SPS) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Silchar Branch, on repatriation, are placed at the disposal of Govt. of Assam & Meghalaya with effect from the forenoon of 30th April, 1987.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 11th May 1987

No. 3/4/87-Adm. I.—The President is pleased to appoint Shri S. H. Kumar, Sr. Technical Officer of National Airports Authority, as Senior Scientific Officer (Electronics) Bureau of Police Research & Development, New Delhi on deputation w.e.f. 1-5-87 (F.N.) for a period of three years.

The 4th June 1987

No. 3/9/84-Adm. I.—Consequent upon his repatriation to the Govt. of Orissa, Shri P. J. Joseph, IPS (Orissa : 1953) has relinquished the charge of the post of Deputy Director Trg., Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the afternoon of 31st May, 1987.

No. 3/32/84-Adm. I.—Consequent upon his repatriation to the Govt. of Tripura, Agartala, Shri B. I. K. Tampi, IPS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 26th May 1987

No. 10/22/84-Ad. I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint the following Investigators/Investigators (SS) to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) by promotion on a regular basis in a temporary capacity with effect from the date(s) they have taken over charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis as mentioned against their names in col. 3, until further orders:—

S. No.	Name/Post held prior to regular promotion as Asstt. Director of Census Operations (Technical)	Date of assuming Charge	Office to which posted and	Headquarter
1	2	3	4	
1.	Sh. Shamsher Singh, Asstt. Director of Census Operations (Technical) ADCO (T) Adhoc, Directorate of Census Operations (DCO), Rajasthan.	8-12-86 (Forenoon)	Directorate of Census Operations (DCO) Rajasthan, Jaipur.	

(MT : 1962) relinquished the charge of the post of Deputy Director (R) Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the forenoon of 29th May, 1987.

R. S. SAHAYE
Dy. Director (Adm.)

INSTITUTE OF CRIMINOLOGY & FORENSIC SCIENCE

New Delhi-110055, the 27th May 1987

No. 1-2/87-ICFS.—The President is pleased to appoint Smt. S. L. Tandon, Lecturer, National Institute of Social Defence, New Delhi as Reader (Sociology) in the Institute of Criminology and Forensic Science (MHA), New Delhi on deputation in the pay scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500/- w.e.f. the forenoon of 8th May 1987 until further orders.

R. S. KULKARNI
Director

DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110003, the 27th May 1987

No. O. II-1396/77-Estt. I.—Consequent on his voluntary retirement from service under rule 43 (d) (iii) of CRPF Rules, 1955, Shri K. S. Mehta relinquished his charge of Dy. S. P./Company Commander, 76th Bn. CRPF with effect from the afternoon of 24th May, 1987.

No. D. I-34/83-Estt. (CRPF).—Consequent on repatriation from Assam Police, Shri Hardev Singh, Dy. S.P. took over charge of the post of Dy. S.P. in 87 Bn. CRPF in the forenoon of 30-4-87.

No. O. II-1900/84-Estt. I.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Bhupinder Singh, Dy. S.P. of 13th Bn. CRPF with effect from 9-4-87 forenoon.

No. O. II-1958/84-Estt. I.—Shri S. P. Sharma, Dy. S.P., 18th Bn. CRPF expired on 9-3-1987 at 0730 hrs. He is accordingly struck off the strength from the forenoon of 10-3-1987.

No. D. I-10/87-Estt. I.—The services of Shri J. P. Singh, Dy. S.P., CRPF are placed at the disposal of I.B. (MHA) on deputation with effect from 5-4-1987 (A.N.).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

1	2	3	4
2.	Sh. Anand Kumar, Investigator, Office of the Registrar General, India (RGI).	4-12-86 (Forenoon)	Office of the Registrar General New Delhi
3.	Sh. A.L. Das, ADCO (T) Adhoc, D.C.O. Bihar	9-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Bihar, Patna.
4.	Sh. T.C. Vanjani, Investigator, R.G.I.'s Office.	4-12-86 (Forenoon)	O/o R.G. I. New Delhi
5.	Sh. K.K. Akolkar, ADCO(T) Adhoc, D.C.O. Maharashtra	3-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Maharashtra Bombay
6.	Sh. R.N. Pongurlekar, ADCO(T) Adhoc, D.C.O. Maharashtra	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Maharashtra, Bombay
7.	Sh. H.S. Meena, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Bihar.	9-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Bihar, Patna
8.	Sh. Babu Lal, ADCO(T), Adhoc, RGI's Office.	4-12-86 (Forenoon)	O/o R.G.I. New Delhi
9.	Sh. R.S. Meena, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Rajasthan.	4-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur.
10.	Sh. V.P. Kataria, ADCO(T), Adhoc, R.G.I.'s Office.	3-12-86 (Forenoon)	O/o R.G. I., New Delhi.
11.	Sh. K.R. Narayana, ADCO(T), Adhoc, D.C.O., Karnataka.	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Karnataka
12.	Sh. O.P. Ahuja, ADCO(T), Adhoc O/o R.G.I.	4-12-86 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi.
13.	Sh. Subhash Garg, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	3-12-86 (Forenoon)	D/o R.G.I., New Delhi.
14.	Sh. M. Vidyasagar, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Pondicherry.	4-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Pondicherry
15.	Sh. C. Chakravorty, ADCO(T) Adhoc, O/o R.G.I.	3-12-86 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi.
16.	Shr. A.K. Singh, ADCO(T), ad hoc, O/o R.G.I.	3-12-86 (Forenoon)	O/o R. G.I., New Delhi.
17.	Sh. M.L. Sah, On deputation to Tribal Deptt. Division, Ministry of Home Affairs, New Delhi.	30-1-78 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh
18.	Shrimati Surman Prashar, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I. New Delhi.	6-4-87 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi
19.	Sh. A.G. Bhaskaran, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Tamil Nadu	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras
20.	Sh. K.B. Rohtagi, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	5-5-87 (Forenoon)	O/o R. G. I., New Delhi.
21.	Sh. S.R. Garg, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	3-4-87 (Forenoon)	O/o R.G.I., New Delhi
22.	Sh. N.S. Bhatnagar, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Gujarat	3-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Gujarat, Ahmedabad
23.	Sh. M.V. Rao, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Andhra Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Andhra Pradesh, Hyderabad
24.	Sh. H.K.B. Singh, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Manipur	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Manipur, Imphal
25.	Sh. V. Gangarajan, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Tamil Nadu	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras.
26.	Sh. Niraman Bhattacharjee, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Assam	9-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Assam, Guwahati
27.	Sh. G.D. Singla, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Haryana.	5-12-85 (Forenoon)	D.C.O. Haryana, Chandigarh
28.	Sh. R.M. Singha, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Uttar Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow

1	2	3	4
29.	Sh. Karna Singh, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Punjab.	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Punjab, Chandigarh
30.	Sh. V.V.S. Shastri, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Andhra Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Andhra Pradesh, Hyderabad
31.	Sh. Lakhman Singh, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Uttar Pradesh	23-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
32.	Sh. A.K. Paul, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Arunachal Pradesh	4-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Arunachal Pradesh
33.	Sh. K. Gopinathan-I, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Kerala	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O., Kozhikode, Trivendrum
34.	Sh. K.B. Lakhman Pal, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Chandigarh, U.T.	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Chandigarh, U.T.
35.	Sh. J. L. Machado, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Tamil Nadu	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras.
36.	Sh. R. Narayanan, ADCO(T), Adhoc D.C.O. Tamil Nadu	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Tamil Nadu, Madras.
37.	Sh. B.L. Tikku, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Rajasthan	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur
38.	Sh. G.D. Agarwal, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Rajasthan	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur
39.	Sh. N.K. Purohit, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Rajasthan	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Rajasthan, Jaipur
40.	Sh. T.D. Agarwal, On deputation to Rural Electrification Corporation, Lucknow	8-1-87 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
41.	Sh. J.P. Baranwal, ADCO(T), Adhoc D.C.O. Uttar Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
42.	Sh. M.G. Mohril, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Madhya Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Madhya Pradesh, Bhopal
43.	Sh. S.S. Niket, ADCO(T), Adhoc, RGI's Office	3-2-87 (Forenoon)	D.C.O. Maharashtra, Bombay
44.	Sh. R.S. Lal, ADCO(T), Adhoc, O/o R.G.I.	3-2-87 (Forenoon)	D.C.O. Maharashtra, Bombay
45.	Sh. K.S. Lyngdoh, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Meghalaya	17-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Meghalaya, Shillong
46.	Sh. Budh Singh, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Uttar Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
47.	Sh. Ram Kuber Ram, ADCO(T), Adhoc, D.C.O. Uttar Pradesh	8-12-86 (Forenoon)	D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow
48.	Sh. Jaswant Lal, Investigator D.C.O. Haryana	13-1-87 (Forenoon)	D.C.O. Union Territory of Chandigarh, Chandigarh

V. S. VERMA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A/CS) I BIHAR

Ranchi, the 27th May 1987

No. Admn-Promo-339-40.—The Accountant General (A/CS) I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Albinus Minz Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts Officer in the office of the Accountant General (A&E) II, Bihar, Patna till further orders.

Shri Albinus Minz assumed charge as Accounts Officer on 6-4-1987 (FN).

No. Admn-Promo-348-49.—The Accountant General (A/CS) I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Satish

Chandra Sinha, Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts Officer in the office of the Accountant General (A&E) II, Bihar, Patna till further orders.

Shri Satish Chandra Sinha assumed charge as Accounts Officer on 18-3-1987 (AN).

No. Admn-Promo-357-58.—The Accountant General (A/CS) I, Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Ram Renu Banerjee Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts Officer in the office of the Accountant General (A&E) I, Bihar, Ranchi till further orders.

Shri Ram Renu Banerjee assumed charge as Accounts Officer on 17-3-1987 (FN).

G. L. GAUBA
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),
KERALA

Trivandrum, the 1st June 1987

No. A&E/OE (E&C)/EIV/10-3/87-88.—The following official of the I.A.A.D. retired on superannuation from the afternoon of 30-4-1987.

Shri P. J. Chacko—Senior Deputy Accountant General (on deputation to the Kerala State Road Transport Corporation).

Sd./- ILLEGIBLE
Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta, the 25 May 1987

No. Admn-I/6/GO/470/511-12—The Director of Audit, Central, has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer (Group—'B') in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 p.m. from the date noted against each in the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

Name	Date of assumption of charge.
1	2
1. Md. Abdul Wahab	26-3-1987(F/N)
2. Shri Dharendra Nath Bose	30-3-1987(F/N)

S. K. BAHRI
Dy. Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 25th May 1987

No. 10/G/87—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Works Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them until further orders:—

Sl No.	Name	Date of Joining
1	2	3
S/Shri		
1.	S.C. Gupta	20-12-85
2.	K.K. Pati	20-12-85
3.	A.K. Gupta	10-2-87
4.	S.K. Mishra	24-3-86
5.	Shallendra Nath.	30-4-86
6.	M.S. Rao	28-5-86
7.	Km. D.R. Doley	28-3-86
8.	M.K. Mahapatra	25-9-86
9.	R.R. Jha	5-8-86
10.	D. V. Rao	29-8-86
11.	V. Ravindran	4-8-86
12.	R.S. Jha	5-8-86
13.	Sanjeev Kishore	28-7-86
14.	Anil Kumar	29-8-86
15.	R. Verma	1-9-86

34—126GI/87

1	2	3
16.	M.K. Garg	28-11-86
17.	Ghansham Dass.	4-9-86
18.	V. Muthu Krishana	16-8-86
19.	Pradeep Gupta	28-11-86
20.	H.N. Nagrale	26-12-86
21.	P. Narasimhan	3-11-86
22.	Kailash Nath	31-10-86
23.	A. Shanmugam	5-8-86
24.	Rajnish Jauhari	15-12-86
25.	L. Mahanty	29-9-86
26.	Kanta Prasad	25-7-86
27.	Govind Mohan	1-10-86
28.	N. Sivanand	12-2-87
29.	A.K. Nayak	16-2-87
30.	G.C. Rout	6-2-87
31.	T. Meimozhi	4-2-87
32.	S.K. Sinha	27-1-87
33.	B.A. Mahesh	14-2-87
34.	P. Rama Krishna	30-4-86
35.	M. Sirajuddin	16-1-86
36.	Tapabrata Basu	1-8-85
37.	Gopal Singh	29-8-85
38.	Sunil Mahajan	16-2-87
39.	A.K. Mandal	12-2-85
40.	Mahadeo Tiwari	31-12-85
41.	R.S. Singh	13-2-86
42.	B.B. Sindha	11-3-86
43.	M.K. Ramachandran	24-9-86
44.	J. Z. Warkade	20-3-86
45.	B.N. Ramakrishnan	1-10-86
46.	D.S.S. Ganguly	30-9-86
47.	A. Bojan	29-9-86
48.	N. Ramalingam	1-10-86
49.	Arjun Prasad	19-12-86
50.	Arun Kumar	21-1-87
51.	Dr. R.K. Negi	28-11-86
52.	N.M. Seshadri	7-11-86
53.	M.S. Maske	3-10-86
54.	S. Chatterjee	1-4-87
55.	B.K. Mishra	30-3-87
56.	K. Y. Barapatre	9-2-87
57.	Sanjiv Kumar	26-2-87
58.	Smt. Meeta Khulbe	2-3-87
59.	Sushil Kumar	5-3-87
60.	Kurlan Mohan Jacob	16-2-87
61.	S.C. Mathur	10-11-87
62.	Chanan Ram	6-3-87
63.	Atul Gupta	16-1-87
64.	Mukul Gaur	31-3-87
65.	G.D. Tewari	30-7-85

No 11/G/87—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Temporary Assistant Works Manager with effect from the dates shown against them until further orders:—

Sl No.	Name	Date of Joining
1	2	3
S/Shri		
1.	R. Bhattacharya	15-12-86
2.	P.K. Garg	30-9-86

Bank at New Delhi and to permit him to retire from the Govt. service w.e.f. the afternoon of 2-6-1987.

M. P. BANGA
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st June 1987

No. 3189B/A-19012 (3-ML)/85-19B.—Shri Mukund B. Lokhande, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26-3-87, until further orders.

No. 3203B/A-19012 (3-SC)/85-19B.—Smt. Swapna Chakraborty, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G. GSI to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27-3-87, until further orders.

No. 3217B/A-19012 (3-MPC)/19B.—On his being permanently absorbed in the Defence Lab, Ratnada Palace, Jodhpur, Dr. M. P. Characharker resigned from the post of Chemist (Jr.) afternoon of 2-1-87.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st June 1987

No. A-19011 (121)/86-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri K. S. Raju, Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Superintending Officer (Ore Dressing) in the Indian Bureau of Mines Nagpur w.e.f. 14-5-1987 (A/N).

The 4th June 1987

No. A-19011/103/86-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri P. W. Mankar, Dy. Mineral Economist (Int.), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Mineral Economist (Int.) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur w.e.f. 25-5-1987 (F/N).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

M. A. ALAHAN
Joint. Director/G

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 3rd June 1987

No. A-11/7(700).—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement dated 2-3-87 under Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, given by Shri S. K. Bhattacharya, a permanent Deputy Director of Supplies and officiating Director (Gr. I of Indian Supply Service) at present on deputation as Procurement Engineer in local office of the World

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd June 1987

No. 9/3/87-S. II.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Banajia, Farm Radio Reporter to the post of Farm Radio Officer, AIR, Bhadravati in the scale of pay of Rs. 2000-3500 with effect from the forenoon of 8-5-87 until further order.

2. Shri S. Banajia assumed charge as Farm Radio Officer on the same date.

No. 9/4/87-S. II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Narasinha Das, Farm Radio Reporter to the post of Farm Radio Officer, AIR, Sambalpur

in the scale of pay of Rs. 2000-3500 with effect from the forenoon of 11-5-87 until further order.

2. Shri Narasinha Das assumed charge as Farm Radio Officer on the same date.

I. S. PANDHI
Dy. Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 27th May 1986

No. A-19012/4/87-Est. I.—Shri S. S. Bhowmik, Pay and Accounts Officer, All India Radio, Calcutta has been appointed as Accounts Officer in the Eastern Regional Production Centre, Films, Division, Calcutta, on deputation basis for a period of two years with effect from 5-5-1987 (FN).

V. R. PESWANI
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

OFFICE OF THE REGISTRAR OF NEWSPAPERS FOR INDIA

New Delhi-66, the 1st June 1987

No. A-19011/2/84-Admn.—Consequent upon completion of the deputation period, Shri M. K. Goswami, Accounts Officer of the Office of Controller General of Defence Accounts, New Delhi, on deputation as Circulation Officer in the Office of Registrar of Newspapers for India, New Delhi is hereby repatriated to his parent department w.e.f. 31-5-1987 (A.N.).

KIRPA SAGAR
Registrar of Newspapers for India

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi, the 3rd June 1987

No. A-20012/10/70/Estt. Vol. II.—On attaining the age of superannuation, Shri D. P. Saxena, Inspecting Officer (Sugar), in the Directorate of Sugar, Department of Food, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1987.

V. LAKSHMI RATAN
Jt. Secy. (Sugar)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 16th April 1987

No. A-19025/3/85-A. III.—The resignation tendered by Shri S. R. Meena from the post of Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate has been accepted with effect from 1-12-1986 (After Noon).

ANITA CHAUDHARY
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323302 the 11 May 1987

No. RAPS/Rectt/3(2)/87/S—Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station, heroby appoints the undermentioned employees to the post of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the same station in a temporary capacity with effect from 1st February, 1987 until further orders.

Sl No.	Name	Present designation	Post to which appointed.
1	2	3	4
S/Shri			
1.	R. Chatterjee	SAC	SO/SB
2.	C.P. Chhaniwal	SAC	SO/SB
3.	G.R. Jansari	SAC	SO/SB
4.	T.R. Upadhyay	SAC	SO/SB
5.	C.Kapoor	SAC	SO/SB
6.	L.K. Sharma	SAB	SO/SB

The above employees have assumed charge of their post in the grade of Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' on the forenoon of the 1st Feb. 1987.

S. THRIAMBAKNATH
Administrative Officer (Estt.)

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 27th May 1987

No. NFC/PAR/1603/1297—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints the following officials to officiate as Scientific Officer (SB) in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the dates shown against their names in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity until further orders:—

Sl No.	Name	Present post	Date of appointment as SO (SB)
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Ch. Veera Raghavulu	SAC	1-2-87 FN
2.	K. Laxuman Rao	SAC	1-2-87 FN
3.	G. Venugopala Rao	SAB	11-4-87 FN

The 28th May 1987

No. NFC/PAR/0703/1281.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri K. J. M. Raju, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an initial pay of Rs. 2000/- p.m. in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad-hoc basis with effect from 25-5-1987 to 23-6-1987 or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0703/1282.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/501 dated 25-2-1987, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 22-8-1987 or until further orders, whichever is earlier.

The 28th May 1987

No. NFC/PAR/0703/1317.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/559 dated March 6, 1987, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 5-9-1987 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH
Manager, Personnel & Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th May 1987

No. A. 32013/1/86-EI.—The President is pleased to appoint Shri N. Ramesh, Senior Airworthiness Officer of the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness at Headquarters on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 5-5-1987 (F/N) or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 3rd June 1987

No. 1/87.—S/Shri Abdul Azeez, P. Srinivasan, P. Thangamani and S. Srinivasan, Preventive Officers, Custom House, Madras, are promoted to officiate as Superintendent of Customs (Preventive) with effect from 10-3-1987 FN, 20-3-1987 FN, 20-3-1987 AN and 10-4-87 FN respectively.

R. JAYARAMAN
Collector of Customs

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 26th May 1987

No. 4/87.—Shri C. V. Durghayya lately posted as Assistant Collector of Customs, Madras, on his transfer as Junior Departmental Representative vide Ministry's Order No. 41/87 dated 31-3-87 issued vide F. No. A-22012/17/87-Ad. II assumed charge of the post Junior Departmental Representative, Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal for Delhi Benches in the DGICCE, New Delhi on 11-5-87 (FN).

No. 5/87.—Shri L. C. Chakrabarti lately posted as Junior Departmental Representative, Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Calcutta, on his transfer as J.D.R. vide Ministry's Order No. 41/87 dated 31-3-87 issued vide F. No. A-22012/17/87-Ad. II assumed charge of the post of J.D.R. Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal for Delhi Benches in the D.G.I.C.C.E., New Delhi on 14-5-87 (FN).

H. M. SINGH
Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd June 1987

No. A-19012/1/(44)/87-Estt. I.—On the recommendations of the D.P.C. Gr. (B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Narendra Singh, Supervisor (Wireless) to the grade of Asstt. Engineer (Wireless) in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in an officiating capacity on regular basis with effect from 15-4-1987.

Shri Narendra Singh will be on probation for a period of two years w.e.f. 15-4-1987.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.
for Chairman C.W.C.

New Delhi-110066, the 27th May 1987

No. A-19012/1206/86-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. P. Ghosh, Jr. Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the afternoon of 8-10-86.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 4th June 1987

No. 3-803/87-CH (Estt).—Shri B. Umapathi is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Ground Water Board, State Unit Office, Raipur w.e.f. 9-3-1987 (FN) till further orders.

No. 3-304/87-CH (Estt).—Shri Amit Sahai is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000 p.m. in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at CGWB, South Eastern Region, Bhubaneswar w.e.f. 9-4-87 (FN) till further orders.

No. 3-805/87-CH (Estt).—Shri Gulab Prasad is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000 P.M./- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at CGWB, South Eastern Region, Bhubaneswar w.e.f. 18-3-87 (AN) till further orders.

B. P. C. SINHA
Chief Hydrogeologist & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 2nd June 1987

No. 5/4/82-ECI.—On the basis of the results of the Combined Engineering Services Examination, held in 1983, the President is pleased to appoint the following persons on probation against temporary posts of Assistant Executive Engineer (Civil) under the Central Engineering Services, Group "A" in the Central Public Works Department with effect from the dates mentioned against their names: —

Sl. No. Name and Date of appointment

S/Shri

1. Atul K. Rastogi—25-07-1986
2. Ramesh Chandra (SC)—27-11-1986

S. M. DAS
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Abra Explosives Private Limited, Indore*

Gwalior-474009, the 22nd May 1987

No. 2267/PS/CP/540.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Abra Explosives Private Limited, Indore has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Savera Marketing Company Private Limited, Bhopal
(M.P.)*

Gwalior-474009, the 22nd May 1987

No. 2182/PS/CP/941.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Savera Marketing Company Private Limited, Bhopal has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Garg & Company Private Limited*

Jalandhar, the 27th May 1987

No. G/Stat/560/560/969/1491.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Garg & Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

SATYENDRA SINGH
Registrar of Companies
Punjab, H. P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mica Insulation Industries Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 24969/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mica Insulation Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bikash Roy Production Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 22786/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bikas oy Production Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Anushilan Agency Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 19826/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Anushilan Agency Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Fabcon Chemicals Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 32099/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Fabcon Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Agai Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 29185/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Agai Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Grant Publication Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 36816/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of the Grant Publication Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
K. Das & Company Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 21615/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of K. Das & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sheogauran Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 28983/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sheogauran Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ranjan Mica Industries Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 30387/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ranjan Mica Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
P.K. Mohanty Engineers Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 27974/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P.K. Mohanty Engineers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Puthighar Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 26869/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Puthighar Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Hindusthan Drum Manufacturers Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 24605/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hindusthan Drum Manufacturers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Calcutta Courier Service Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 31771/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Calcutta Courier Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, and of
Ranjan Development Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 37303/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ranjan Development Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, and of
G.R.S. Processors Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 36683/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the G.R.S. Processors Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, and of
Praveen Bright Wires Private Limited*

Calcutta-20, the 1st June 1987

No. 28793/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Praveen Bright Wires Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, and of
Effective Management Consultants Private Limited*

Calcutta, the 1st June 1987

No. 34371/560(3).—Notice is hereby given pursuant Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Effective Management Consultants Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, and of
Gem Publishers Private Limited*

Calcutta, the 1st June 1987

No. 32145/560(3).—Notice is hereby given pursuant Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gem Publishers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

HAR LAI
Add. Registrar of Companies
West Bengal

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Bombay-400 020, the 21st April 1987

*Notice of termination of service issued under Rule 5(1)
Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965*

F. No. II/8B-35/85/529.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I, S. N. Thapa, Deputy Collector (P & T) Central Excise, Bombay-I Collectorate hereby give notice to Shri Padmalochan Gopalan, Inspector, Dn. 'H', Central Excise, Bombay-I that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of the period of one month from the date on which this notice is served on or the case may be tendered to him.

S. N. THAPA
Deputy Collector (P & T)
Central Excise, Bombay

F. No. II/8B-35/85/529
Bombay, the 21st April 1987.

BY REGD. POST A.D.

TO,

Shri Padmalochan Gopalan,
Inspector, Central Excise,
C/o S. Rajendran, No. 7, 8th Street,
Dr. Subbarayan Nagar,
Madras : 600 024.

Copy to : Assistant Collector, Central Excise, Dn. 'H' Bombay-I. He is requested to deliver the said Notice to Shri Padmalochan Gopalan, Inspector and send his dated acknowledgement to this office.
: Estt. Section/Confidential Section.

FORM ITNS

(1) Chinta Nakshatra Readdy.

(Transferor)

(2) Agrimas Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 225
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/M-69/85-86.—Whereas, I,
P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 9B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing at No. 4-C in the Bldg. on Plot No. 189-A, Cadell Road, Mahim, Bombay-400 016, together with 1/16th undivided share in the said plot of land,

situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-C in the building on P Plot No. 189 A, Cadell Road Mahim Bombay 16 together with 1/16th undivided share in the said plot of land.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/40819/85-86 dated 30-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date : 5-6-1987
Seal: .

FORM ITNS—

(1) Mr./Mrs. Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr./Mrs. Usha Khubchand Setpal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/W. 145/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601 "Pratiksha" Builtup area : 1700 SF** Plot No. 7A, Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10886/27-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601 'Pratiksha' Plot No. 7A, Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10886/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4452/I/Acq. 23/87-88.—Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Land Adm. 959 Sq. y + Building thereon at Ahmedabad TPS 3 (Varied) F.P. No. 251-52-53 Adarsh Society, B. No. 34 $\frac{1}{2}$ undivided share in it, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—126 GI/87

(1) Mahendrabhai Kantilal Shah,
34, Adarsh Society,
Navrangpura,
Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Bhagwati Association,
Chairman : Shri Rajnikant Kantilal Shah,
32, Rangwala Tower,
Near Gujarat College,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferee)

(4) Manguben Kantilal Nanalal Shah,
Sail Bala Kantilal Nanalal Shah,
Nalini Mahendra Kantilal Shah,
34, Adarsh Society, Navrangpura,
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 959 Sq. Y. + Building thereon, Adarsh Society, B. No. 34, $\frac{1}{2}$ undivided Share in it. TPS 3 F.P. No. 251-252-253, Ahmedabad. (Varied).

R. No. 15933 dated 30-10-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad
Ahmedabad

Date : 7-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4453/1/Acq. 23/87-88.—Whereas, I,
ARVIND K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Adm 959 Sq. y. + Building thereon at Ahmedabad TPS
3 (Veried) F.P. No. 251-52-53 Adarsh Society, B. No. 34
½ undivided share in it, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at Ahmedabad on 30-10-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act,
1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mahendrabhai Kantilal Shah,
34, Adarsh Society,
Navrangpura,
Ahmedabad-380 009. (Transferor)
- (2) Bhagwati Association,
Chairman : Shri Rajnikant Kantilal Shah,
32, Rangwala Tower,
Near Gujarat College,
Ellisbridge,
Ahmedabad. (Transferee)
- (4) Manguben Kantilal Nanalal Shah,
Sail Bala Kantilal Nanalal Shah,
Malini Mahendra Kantilal Shah,
34, Adarsh Society, Navrangpura,
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 959 Sq. Y. + Building thereon, Adarsh Society,
B. No. 34, ½ undivided Share in it. TPS 3 F.P. No. 251-252-
B. No. 34, ½ undivided Share in it. TPS 3 (veried) F.P.
No. 251-252-253, Ahmedabad.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4454/1/Acq. 23/87-88.—Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS 3 F.P. No. 705 etc. at Ahmedabad Land Adm. 750 Sq. Y. + Old Building T. No. 29A, Brahman Mitra Mandal Society, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :—

- (1) 1. Shri Bharatbhai Jashwantlal,
2. Shri Manvendra Jashwantlal,
29-A, Brahman Mitra Mandal Society,
Paldi, Ahmedabad-380 007.
3. Dewang Jashwantlal,
2, Achlayatan Society,
Navrangpura,
Ahmedabad-9.

(Transferor)

- (2) Bipin Champaklal Mehta,
Hasmukh Champaklal Mehta,
Kailashben Narendrabhai Mehta,
A-3 & A-5,
Parimal Apartment,
Near Raj Nagar Club,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B. No. 29A, Brahman Mitra Mandal Society, Paldi, Ahmedabad Land Adm 750 Sq Y. + Building thereon TPS 3 FP No. 705 etc. SP No. 29A.

R. No. 1903614 dated 30-10-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 7-5-1987
Seal :

FORM ITS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref No PR No 4455/Acq 23 I—Whereas, I, ARVIND K SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No 71 situated at Park Street, Calcutta Office accommodation adm 1645 + 2033 plus 1479 sq ft FF Block A & B Part ABC of Anjaria Chamber CS No 18 F 1 Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 18-10-1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Anjaria Estate Pvt Ltd
Anjaria Chambers,
K V Road,
Jamnagar (Transferor)
- (2) Shri Sunjay Suraj Narayan Sabrawal
Smt Sarvona Suraj Narayan Sabrawal,
Shri Suraj Narayan Shiv Narayan,
'Ashwad' Park Colony,
Jamnagar (Transferee)
- (3) Syndicate Bank,
Anjaria Chambers,
K V Road,
Jamnagar (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office accommodation Adm 1645 + 2033 + 1479 sq ft = 5157 sq ft in Building known as 'Anjaria' chambers, K V. Road, Jamnagar FF Block No A & B Part A B & C

R No 3233, 3234 & 3410 dated 29-10-1986

A K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 7-5 1987
beal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4456/Acq. 23-I.—Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Ahmedabad. TPS 6 FP No. 545 Paiki Land Adm. 738 sqm+Bdl. thereon Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 23-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Monish Rasiklal Gujrawala,
Shri Jayesh Aasiklal Gujrawala
Smt. Nandaben Rasiklal Gujrawala,
4 Lavanya Society,
Near Vasna,
Paldi, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shanti Vardhak Apartment Members Owners Association,
Main Promotor : Jatin Parshottamdas Shah & Others,
C-1, Binita Apartment,
Manek bag, Ahmedabad-15. (Transferee)
- (3) Rashmi P. Shah,
18 Vasant Kunj,
Near Sharda Mandir Road,
Ahmedabad-7. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 6 FP No. 545 Paiki Land Adm. 738 sqm+Bld thereon sold in 3 parts.

R. No. 15662, 15663, 15664 dated 23-10-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad
Ahmedabad

Date : 18-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 0009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4457/Acq/23-I.—Whereas, I, ARVIND K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm 5/3 sqm+Bld Paiki of North side Adm. 181-25 sqm and Basement Adm. 25.645 sqm of TPS 3 FP No. 713 SP No. 30 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Latikaben Suketu Divetia,
Samir Suketu Divetia HUF,
Gokul Co-op Housing Society,
S. R. Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Medico Association,
President : Mr. Himansu Shantilal Shah,
14, Jain Co-op. Housing Society,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS-3 FP No. 713 SP. No. 30 (Parimal Society) Paiki Land Adm 513+Bld Paiki North Side 181.25 sqm and R. No. 16976 dated 7-10-1986 .

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 0009, the 7th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4458/Acq./23-I.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 513 sqm.+Bld. Adm. 492 sqm. at Ahmedabad TPS 3 FP No. 713 SP No. 30 Paiki, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khsemendra Virmitra Divetia,
Smt. Sudhaben Khsemendra Divetia,
Shri Malav Khsemendra Divetia HUF,
Shri Kuntal Khsemendra Divetia HUF,
Gokul Co-op. Housing Society,
Behind Manek baug Hall,
S. M. Road,
Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Medico Association,
Dr. Himansu Shantilal Shah,
14 Jain Co-op. Housing Society, Ltd.,
Ellisbridge,
Ahmedabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad TPS 3 FP No. 713 SP. No. 30 Paiki Land 513 sqm.+Part of Bld. Adm. 492 sqm. Ahmedabad sold in parts
R. No. 16977, 16978, 16980 dated 7-10-1987.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-5-1997
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4745/Acq.23/II/8788.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 43 and 44 of C.S. Baroda, Babjipura, Vadodara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Baroda on 27-1-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jabirbhai Mehta Free Surgical Aid,
Charitable Trust,
C/o Alfred Talkies,
Corner of Grant Road,
Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) M/s Siddhi Structure Pvt. Ltd.,
351, Abdul Rehman Street,
Bombay-400 003.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property in the name of Maharani Shantadevi Talkies bearing C.S. No. 43 and 44 of C.S. Baroda (Babjipura vibhag) Reg. No. 735/87.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 8-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4746/Acq. 23/1/87-88.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land and building bearing R.S. No. 984/1/67 Sayagi-ganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at SR Baroda on 2-1-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—126 GI/87

(1) Pramilaben Jayantilal Patel,
Q-53, D D Flat,
Nr. College P.O.
New Delhi-110 018.

(Transferor)

(2) Shri Sanmukh Sitlani,
13, Sampatrao Colony,
9, Satyam Aptt.,
Alupuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building bearing R.S. No. 984/1/67 of Sayagi-ganj Baroda.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 8-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4747/Acq.23/II/87-88.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Factory premises of Hirabaug bearing S. No. 428, and 589 of Manjalpur Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Baroda on 19-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Pafatlal Engineering Industries Limited.
8th Floor, Mafatlal Centre,
Nariman Point,
Bombay-400 021. (Transferor)
- (2) M/s Padmatex Engineering Ltd.,
Vishwamitri Roa. Near Lalbaug,
Baroda.
Reg. Office : 143 Mittal Court,
'A' Wing, Nariman Point,
Bombay-400 021. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory premises at Hirabaug bearing S. No. 428 and 589 of Manjalpur, Baroda.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 8-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1987

Ref. No. P.R. No. 4748/Acq 23/II/87-88 —Whereas, 1,
A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land bearing S. o. 314 of the village Gorva, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at S.R. Baroda on 23-10-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
the consideration for such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Manubhai Motibhai Patel,
and Others,
Gorva, Baroda. (Transferor)
- (2) M/s Co-operative Housing Society,
President :
Shri Subhashbhai Maganlal Doshi,
Bhavti Tenament,
Reginery Road, Baroda. (Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 134 of the village Gorva
Baroda Reg No. 9695/86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 8-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Vandana Traders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harmohan Singh Sabharwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE,
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 12th May 1987

Ref. No. A.R.-II B/37EE/37939/86-87.—Whereas, I,
M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,000,000/- and bearing No
Shop No 4, Mangal Smriti, Chitrakar Dhurandhar Road,
Khar, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-
tent Authority at
Bombay on 2-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the applicant consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration of such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Mangal Smriti, Chitrakar Dhurandhar Road,
Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No AR II B/37EE/37939/86-87
on 2-9-86.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIB
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 12-5-1987
Seal .

FORM ITNS

- (1) Vandana Tradeis (Transferor)
 (2) Shri Harpal Singh Shbharwal (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
 ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
 AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD,
 BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 12th May 1987

Ret. No. AR.IIB/37EE/37940/86-87.—Whereas, I, M. S. RAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Mangal Smruti, Chitrakar Dhurandhar Road, Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Mangal Smruti, Chitrakar Dhurandhar Road, Khar, Bombay-400 052 (Including open space of 300 sq. ft.).

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37940/86-87 on 2-9-86.

M. S. RAJ
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IIB
 Bombay

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Vijay Deep Developments (Transferor)
 (2) Smt. Jyoti H. Mehta & Smt. Rasilaben S. Mehta (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
 AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD,
 BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. AR.IIB/37EE/38257/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 61A, "Gulmohar" Plot No. 152, situated at S. V. Road, & 9th Road Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 61A, "Gulmohar" Plot No. 152 Jn. of S. V. Road & 9th Road Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/38257/86-87 on 12-9-86.

M. S. RAI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IIB
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. K 11/86-87.—Whereas, I,
V. K. SINGHAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Araji No. 187 situated Rajandan Nagar, Auraiya
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Auraiya (Etawa) under registration No. 2631 date 22-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Moti Lal
S/o Maneshwar Dayal,
R/o Rajandan Nagar,
P.O. Alseo, Auraiya, Etawa. (Transferor)
- (2) Shri Sewa Ram S/o Dindayal Rajput
Shri Ram Gopal S/o Chet Ram Rajput
Shri Lalim Singh S/o Ram Dayal Rajput
Shri Gopi Nath S/o Shiv Daval Rathor
Shri Hari Prakash S/o Moti Lal
Smt. Gyan Devi W/o Shri Shiv Prakash
R/o Nagala Rajpur, Rajandan Nagar,
Auraiya. (Etawa). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 228/75, 172/75, 285/75, 72/75 Araji No. 187 Rakbai
Rajandan Nagar, Auraiya, Etawa.

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 14-5-1987
Seal

FORM NO. ITND - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
106/282 KANCHAN BHAYAN,
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur 208 012 dt. 14th May 1987

No. M.1118/8 87—Whereas, I,
V. K. SINGHAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 514, 516 situated at Tibata, Karanyas

(and more fully described in the scheduled below),
Dadri under registration No. 6248 dt. 4 9 86has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on
of 1908) in the office of the registering officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property is
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said in-
strument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Ram Fybars Ltd Office Express Building,
9/10 Bahadurshah Zafar Marg,
New Delhi.
Through S. R. Tilval Secretary
(Transferor)

(2) M. L. L. Nippodenco Ltd.

(Transferee)

(3) M. L. L. Nippodenco Ltd.

(4) M. L. L. Nippodenco Ltd. (the property)

(5) M. L. L. Nippodenco Ltd.

(6) M. L. L. Nippodenco Ltd.

and the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

14-5-1987
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106 282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. JANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. M-1119 86-87—Whereas, I,
V. K. SINGHAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Ag land situated at Chhapraula (Dadari)
Dadari under registration No. 6739 to 41 date 23-4-87,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 8-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than 15% of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1)
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely

37—126 GI/87

- (1) M/s Amrit Foods Pvt. Ltd.
G. T. Road, Ghaziabad
through Director Shri S. K. Bhasin (Transferor)
- (2) M. Samtel Color Ltd.
50-51 Community Centre,
New Friends Colony,
New Delhi. (Transferee)
- (3) —Do—
- (4) —Do—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as give
in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture land, Village Chhapraula T-h Dadari
(Ghaziabad).

V. K. SINGHAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 14-5-1987
Sent

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. M-1120/86-87.—Whereas, I,
V. K. SINGHAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingNo. 148-75 situated at Hazipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dadari under registration No. 6422 date 18-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Tarif Singh,
Bere Singh,
Dalpat Singh,
Ganpat Singh,
Hulia Singh
S/o Harkaran Singh
R/o Tugalkabad, Delhi.

(Transferor)

(2) Maharish Ved Vijayan
Vidyapith Maharish Nagar,
Ghaziabad,
Through Samir Sinha

(Transferee)

(3) Maharish Ved Vijayan
Vidyapith Maharish Nagar,
Ghaziabad,
Through Samir Sinha.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Maharish Ved Vijayan
Vidyapith Maharish Nagar,
Ghaziabad,
Through Samir Sinha.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

148-75 Hazipur, Teh. Dadari (DADARI), Ghaziabad

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 14-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106 282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. M.1121/86-87.--Whereas, I,
V. K. SINGHAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 351, 338/2 situated at Ghaziabad
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Ghaziabad under registration No. 32882-83-84 Date 17-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Lal Chand & Sons,
13 1 Buland Sahar Road,
Industrial Area Ghaziabad,
Partner Shri Deo Raj Anand &
Shri Vimal Anand
S/o Lal Chand
R/o 128, Ghandhi Nagar,
Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Mahendra & Associates Pvt. Ltd.
Through Shri Mahendra Singh
S/o Lallo Singh,
R/o 166, Lohiya Nagar,
Ghaziabad.

(Transferee)

- (3) Mahendra & Associates Pvt. Ltd.
Through Shri Mahendra Singh
S/o Lallo Singh,
R/o 166, Lohiya Nagar,
Ghaziabad.

- (4) Mahendra & Associates Pvt. Ltd.
Through Shri Mahendra Singh
S/o Lallo Singh,
R/o 166, Lohiya Nagar,
Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Khastha No. 351 or 338/2, Ghaziabad.

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 14-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106 282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 14th May 1987

No. M.1123 86-87.—Whereas, I,
V. K. SINGHAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 719 No. 40/2 situated at Chakmagraula (Dadari)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dadari under registration No. 6800 date Sept. 86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

(1) Sarupa S/o
Shri Kishori
R/o Chakmagraula Matujavabad,
Distt. Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Virendra,
Rikhi,
S/o Jaggo, Rajoo & Surendra
R/o Village Salarpur Khadar,
Dadari.

(3) Virendra,
Rikhi,
Rakesh
S/o Jaggi, Rajoo & Surendra,
R/o Village Salarpur Khadar,
Dadari.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Virendra,
Rikhi,
Rakesh
S/o Jaggi, Rajoo & Surendra,
R/o Village Salarpur Khadar,
Dadari.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 7, Khastia No. A40/2, Village Chakmagraula,
Teh. Dadari.

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 14-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th May 1987

Ref. No. 1/1987-88.—Whereas, I,
T. GORAKNATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
H No. 10-1-125/1 situated at Masab Tank, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Khairatabad, Hyderabad on 3-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) 1. Shri Maharaj Karan, S/o late Raja Mahboob
Karan, Ro Malwara Palace, Charminar East,
Hyderabad-2.
2. Lt. Col (Retd.) Iqbal Karan,
S/o late Raja Mahboob Karan,
R/o H. No. 10-2-287/1/7, Shanti Nagar,
Hyderabad.
3. Shri Yuvaraj Karan,
S/o late Raja Mahboob Karan,
Bank Officer, Union Bank of India,
Banjara Hills, Hyderabad.
4. Shri Sartaj Karan,
S/o late Raja Mahboob Karan,
Regional Manager, Bank of Baroda,
R/o Malwala Palace,
Charminar East, Hyderabad-2.
5. Shri Shivraj Karan,
S/o late Raja Mahboob Karan,
R/o Malwala Palace,
Charminar East, Hyderabad.
6. Smt. Aruna Gupta,
W/o Shri V. Gupta,
R/o Colaba, Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. Sujana Resorts (P) Ltd.,
represented by Managing Director,
Shri N. Rami Reddy,
R/o H. No. 10-3-311/12, Castle Hills,
Hyderabad-457.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 10-1-125/1, Masab Tank, Hyderabad, registered
before the Sub Registrar, Khairatabad, Hyderabad vide Docu-
ment No. 2107/1986 dated 3-9-1986.

T. GORAKNATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 4-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th April 1987

Ref No Raj/IAC(Acq)/2707—Whereas I, SUDHIR CHANDARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land situated at Jorawarsing Gate, Jaipur (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Dinesh Chandra Agarwal,
41, C-Lajpat Marg,
Ashok Nagar,
Jaipur

(Transferor)

(2) M/s Ajad Body Builders,
Jorawar Singh Gate,
Aamer Road,
Jaipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A piece of land situated at Jorawar Singh Gate, Aamer Rd Jaipur and more fully described in the Sale-Deed registered by the Sub Registrar, Jaipur vide Registration No dated 6th September, 1986

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jaipur

Date 14-4 87
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 27th April 1987

C. R. No. 62/50229/87-88/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 /- and bearing
No. 3, situated at 5th Cross Road, Malleswaram, Bangalore-
560003
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been registered with the competent authority under Section
269AB, in his office at
Gandhi Nagar, Bangalore on 29-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Nanjamma and Sri H. C. Suryanarayana Rao
Charitable Trust
No. 2, 'B' Street, East Link Road,
3rd Cross, Malleswaram
Bangalore-560030 .
P.A. Holders 1. Sri H. S. Nagaraja
2. Sri H. S. Gurunath.

(Transferor)

(2) M/s Cozy Homes (Pvt. Ltd.,
No. 4, 12th Cross, 8th Main,
Malleswaram,
Bangalore-560003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1939

dated 29-9-86).

Properties bearing Old Nos. 13, 14, 15, 27, 28 and 29 and
New Nos. 3, 4, 5, 63, 64 and 65 Presently bearing Municipal
No. 3, situated on the 5th Cross Road, Malleswaram, Banga-
lore-560003 measuring about 120 from East to West and
about 122 from North to South together 19th Coconut trees
and Old Structures tele roofed buildings, a well, A.C. sheet
buildings in all measuring about 184.66 sq. mtrs. and more-
fully described in the Schedule to sale deed dated 29-9-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-4-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 18th March 1987

C. R. No. 62/50201/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing S. No. 162, Sub Division No. 1 situated at Escravaes vado of Candolim Village of Bardez Taluka, Goa District (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bombay on 4-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Omer Housing Estates Development Organisation Pvt. Ltd., India House, No. 2, Kemps Corner, Bombay-400036.

(Transferor)

- (2) Khukri Packaging Pvt. Ltd., Mehta House, 1 Floor, Bombay Samachar Marg, Bombay-400023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1834/86-87 Dated 4-9-1986)

All that piece or parcel of land comprising S. No. 162, Sub-division No. 1 of Escravaes vado of Candolim Village of Bardez Taluka, District Goa is containing an area of 3850 sq. mtis and morefully described in the schedule to the sale deed dated 6-6-85.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 18-3-87
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 26th March 1987

No. DR. 1787/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Survey No. 25/4, situated at Valpol village, Taluka Sattari, District Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore on 15-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—126 GI/87

(1) M/s. Sattari Cashew Industries,
Valpol,
Sattari, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Jagdev R. Pangam and Sons,
Sanquelim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1415/86-87 Dated 15-9-86).

All that 5,000 sq. mts. land with buildings, structures Machines, yard, plants, Motors and other accessories, situated at Valpol village, Taluka Sattari, District Goa, comprised of survey No. 25/4 and more fully described in the schedule to agreement of sale dated 28-7-86.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-3-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1987

No. R.2345/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 1214, situated at H.A.I. II Stage Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore on 2-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Narayana Pai,
2-A, Clover Apartments,
29, Cuffe Parade,
Colaba, Bombay-400 005. (Transferor)
- (2) Shri Suresh Nadgir,
'Giridarshan',
Girinagar, Bangalore. (Transferee)
- (3) 1. Smt. Pratibha V. Pai.
2. Smt. V. N. Pai.
3. Sri. Pradip N. Pai.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1792/86-87 Dated 2-9-86)

All that piece and parcel of property being land and building No. 1214, situated in H.A.I. II Stage, Bangalore, measuring 5,400 sq. ft. and more fully described in the schedule to agreement to sell dated 7-8-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-87
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560100, the 13th March 1987

No. R.2349/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 11/3, situated at Arekempna Halli, Kasiba Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore on 15-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (a) Sri M. Kshetra Pal,
S/o late Nagamma,
No. 16, 9th 'A' Main,
V Block, Jayanagar,
Bangalore.
- (b) Sri M. Tulasidas,
S/o late Nagamma,
No. 244, 6th Main,
IV Block, Jayanagar,
Bangalore.
- (c) Smt. M. Puttamma,
W/o C. R. Narayanappa,
No. 12-1, IV 'T' Block,
33rd Cross, 11th Main,
Jayanagar, Bangalore.
- (d) Smt. M. Suguna,
W/o S. V. Laxman Dev,
No. 11, East Circle Road,
V. V. Puram, Bangalore.
- (e) Smt. M. Ramamani,
W/o H. M. Venkataswamappa,
E-2, Lakkavalli Road,
New Town, Bhadravathi,
Shimoga Dist.
- (2) Smt. S. V. Nagamma,
No. 68, Ashoka Pillar Main Road,
II Block, Jayanagar,
Bangalore.
- (3) Smt. S. V. Ramanujamma,
W/o H. N. Muniswamy Gowda,
No. 125 II Main,
Parvathipuram,
V. V. Puram, Bangalore.
- (4) Sri S. V. Laxman Dev,
S/o late S. V. Venkatappa,
No. 11, East Circle Road,
V. V. Puram, Bangalore.
- (5) Sri S. V. Govindaraju,
S/o late S. Venkatappa,
No. 12, Out House,
Jain Temple Road,
V. V. Puram, Bangalore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri C. Gopalan S/o Sri P. K. Panicker,
No. 508, Garuthman Park,
R. V. Road, Bangalore-560 004.
2. S. Ramaiah, S/o late Sri P. Bala Krishnaiah,
No. 3, Sheshadri Road,
Bangalore-560 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1796/86-87 dated 15-9-86).
All that property bearing survey No. 11/3, situated at Arekempna Halli Y, Kasaba Hobli, Bangalore South Taluk, Bangalore measuring 4 acres and 12 guntas and more fully described in the schedule to agreement of sale dated 22-8-86.

R. BHARDWAJ

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-87

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1987

C. R. No. 62/50227/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 67 situated at Jalahalli Village, Yeshvanthapura Hobli, Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore North Taluk on 10-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri. Papanna S/o Late Rangappa,
2. Smt. Sonamma W/o Sri Papanna,
3. Smt. Lakshamma D/o Sri Papanna,
4. Sri Ramachandra S/o Sri Papanna,
5. Smt. Gowramma D/o Sri Papanna,
6. Sri Govinda Raju S/o Sri Papanna,
7. Sri Ramesha S/o Sri Papanna,
8. Sri Ashoka S/o Sri Papanna,
All residing at No. 67, Jalahalli Village,
Ejeshvanthapur Hobli,
Bangalore North Taluk.

(Transferor)

- (2) Rev. Ir. Mathew Keechira,
S/o Joseph Kurian, Claretian Seminary,
No. 28/12, 18th Cross Road,
Malleswaram,
Bangalore-560055.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2287/86-87 dated 10-9-1986).

All that piece and parcel of dry agricultural land situated in S. No. 67, Jalahalli Village, Yeshvanthapura Hobli, Bangalore North Taluk, measuring 3 acres and 35 guntas (15,681.51 sq. mtrs.) and more fully described in the schedule to the sale deed dated 10-9-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-87
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th March 1987

(1) Shri Shamanna
S/o Late Sri Rangappa,
S. No. 67, Jalahalli Village,
Yeshvanthapur Hobli,
Bangalore North Taluk.

(Transferor)

(2) Rev. Fr. Mathew Keechira,
S/o Joseph Kuriev, Claretian Saminary,
No. 28/12, 18th Cross Road,
Malleswaram,
Bangalore-560055.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

C. R. No. 62/50228/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. S. No. 67, situated at Jalahalli Village, Yeshvanthapura Hobli Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (1908 of 16) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2289/86-87 dated 18-9-1986).

All that piece and parcel of dry agricultural land situated in S. No. 67, Jalahalli Village, Yeshvanthapura Hobli Bangalore North Taluk measuring 3 acres and 37 guntas or 17021.84 Sq. mtrs. in extent and more fully described in the Schedule to the Sale deed dated 18-9-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-87
Seal :

FORM IT.N.3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th March 1987

Ref. No. 62/50207/86-87/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. Nos. 16/2, 17/2, 18/2, 19/2, 19/3 and 29/4 situated at Doddagubbi Village, Bidara Halli, Hoskote Taluk, Bangalore District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Hoskote on 18/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. C. Narayan,
S/o Late P. C. Govindan,
No. 169, Vasantha Nagar,
I Cross, Bangalore-560052. (Transferor)
- (2) Rev. Fr. James Kutti Makkal
Rector, Norberfine Society,
Norbert House, Manathavady
Kerala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1420/86-87 dated 18-9-86)

All that piece and parcel of agricultural land together with structures, fixtures, fittings, bore well and other rights appurtenant thereto and measuring in extent 9 acres, 23 guntas less karab of 22 guntas comprised in S. Nos. 16/2, 17/2, 18/2, 19/2, 19/3 and 29/4, Doddagubbi Village, Bidarahally, Hoskote Taluk, Bangalore District and more fully described in the schedule to the sale deed dt. 13-9-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th March 1987

- (1) 1. Smt. Begum Hajrabi,
W/o late G. Khaja Mohiddin,
2. Sri G. K. Abdul Rehman,
3. Sri G. K. Mohd. Samiulla,
4. Sri G. K. Mohd. Ziaulla,
5. Sri G. K. Khalechulla,
6. Sri G. K. Mohd. Taherulla,
all sons of Sri G. K. Mohiddin,
D. No. 807, K. R. Road, Davangere. (Transferor)
- (2) Shri N. Veera Swamy,
Prop. M/s. Eswari Pictures,
Gandhinagar,
Bangalore-560 009. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1769/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
D. Nos. 807, 808 and 812/1, situated at 4th Ward, K. R.
Road, Davangere.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office at
Davangere on 24/9/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3424/86-87 dated 24-9-1986).

All that property bearing D. Nos. 807, 808 and 812/1,
situated at 4th Ward, K. R. Road, Davangere.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 4-3-1987
Seal :

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 30th January 1987

Ref. No. 62/50214/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
2/1 (Old No. 2) situated at Midford Garden Road, Midford
Gardens, Bangalore-560 025
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office at
Shivajinagar on 27/8/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Chaneechal Kumari
2. Smt. Amrit Kumari
3. Smt. Shakuntala Kumari
No. 555, Bengali Bazaar Road,
Alandur, Madras-600016.
(Transferor)
- (2) M. s. Bihar Mercantile Union Ltd.,
Regd. office No. 15, Biabonsre Road,
Calcutta-700001.
Rep. by its Director Sri D. K. Himat Singka,
No. 55, Avenue Road, Bangalore-560002.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1656/86-87 dated 27-8-86).

All that piece and parcel of land together with buildin
constructed thereon with its fittings and fixtures and bearing
Municipal No. 2/1, (Old No. 2) situated at Midford Garde
Road, Midford Garden Municipal Division No. 60, Bangalore
measuring on the east 49' 9", on the west—50' 6" on the
North—95' and on the South—95' & more fully described
in the schedule to the Sale deed,
dated 27/8/86.

R. BHARDWA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 30/1/1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1987

Ref. No. 62/50217/86-87 ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/16 situated at St. Mark's Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair value, I believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 20% and that the parties have not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Berta Maritia Rosaura
Pinto dias C. Miranda,
15 & 16, St. Mark's Road
Bangalore-560 005.
2. Mario de P. Miranda
S/o Late Dr. A. C. Miranda
1A, Altamont Road,
Bombay-400 026.

(Transferor)

- (2) M/s. Prestige Estates and Properties
Rep by its P/r Mr. Irfan Ratzack,
No. 6, Commercial Street,
Bangalore-560 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1717 dated 26-9-1986)

All that piece and parcel of land together with the existing building thereon including fixtures and fittings bearing municipal No. 15/16, St. Mark's Road, in corporation Division No. 60, Bangalore and measuring on the North —42'-3" + 22'-4" + 41'-9" + 28'-9" South 212' East 94'-6" 6'-10" 5'-6" and west : 95'-5" & more fully described in the Schedule to the Sale deed dt. 26-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 4-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th February 1987

Ref. No. .8/50196/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 121, situated at Richmond Road, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Syeda Mirza
2. Sri Zeyn Mirza
Both at 15/1, Brunton Road Cross,
Bangalore. (Transferor)
- (2) M/s. Richmond Towers
Rep. by Sri S. Gopalakrishnaiah Chetty
No. 523, Garuthman Part Basavanagudi,
Bangalore-560 004. (Transferee)
- (3) 1. State Bank of Mysore
2. Hind Rectifiers Ltd.
3. Sunder & Co.
4. J. Bani & Co.
5. Indian Container Terminal Ltd.
6. George Import India
All at 12/1, Richmond Road,
Bangalore-560 025.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1384/86-87 dated 1-9-1986)

All that piece and parcel of the Property bearing number 12/1, Richmond Road, Bangalore City and measuring in all 4,260 sq. ft. & more fully described in the Schedule to the Sale deed dt. 1-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th February 1987

C.R. No. 62/50197/86-87, ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 122 situated at Binnamangala Layout, HAL II Stage,
Bangalore-560038
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Shivajinagar at 1-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Sh. Narayan Prasad
320E, 46th Street
Apartment 6A, New York (USA)
Rep. by Maj. P. J. Rajan (Retd.). (Transferor)
(2) Shiltron Electronics & Engineering Pvt. Ltd.
37/10, Cunningham Road,
Bangalore-560052. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Piece and Parcel of vacant site bearing site No.
122, Binnamangala Layout, HAL II Stage, Bangalore mea-
suring on the east 100ft. on the North 70-II on the West; 100ft
on the South; 70ft & more fully described in the schedule to
the Sale deed dt. 1-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-2-1987
Seal :

FORM 11NB-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 10th February 1987

C.R. No. 62/DR.1786/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 114 situated at Candolim, Bardez, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 15-9-1986 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Virginia Flora Abreu,
Parra, Bardez, Goa. (Transferor)
- (2) M/s. Comfort Regency Inn (P) Ltd.
C/o M/s. Satish Dhume & Co.
No. 209, Nizari Bhawan,
Near Neptune Hotel,
Panaji, Goa-430 001 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that part & parcel of the property known as 'Dando' admeasuring 12-525 Sq. fts. situated at Candolim, Taluk & Sub-District of Bardez, District of Goa, Surveyed under No. 114 and more fully described in the schedule to the agreement dated 27-8-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50219/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 situated at Prime Rose Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) V. R. Chaluva Kumar
S/o Late Sri V. C. Rajarathnam
No. 5/2, Richmond Road,
Bangalore-560 025.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Humera Begum
W/o Sri M. H. Nissar Ahmed
2. Sri M. H. Nissar Ahmed
Both residing at No. 187 II Cross,
4th Main Road Vivek Nagar,
Bangalore.
By G.P.A. R/o H. Abdul Hameed alias Faiyaz
residing at Same Address.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1733/86-87 dated 29-9-1986)

All that piece and parcel of the portion of the property No. 1, Prime Rose Road, Bangalore, Corporation No. 60, and more fully described in the schedule to the sale deed 29-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-3-1987
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50220/86-S7/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1, situated at Prime Rose Road, Corporation No. 60
Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Shivaji Nagar, Bangalore on 29-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) V. R. Chaluva Kumar
S/o Late V. C. RajaRathnam
No. 5/2, Richmond Road,
Bangalore-560 025.
(Transferor)

- (2) 1. Mohammed Iqbal
S/o Hajee Mohammed Abdul Rawoof
2. Mr. Mohammed Shoib,
S/o Mohammed Iqbal
Both R/o No. 15, Infantry Road,
Bangalore-1.
Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1734/86-87 dated 29-9-1986)

All that piece and parcel of the portion of property bear-
ing No. 1, in Prime Rose Road, Bangalore, Corporation
Division No. 60 and more fully described in the Schedule
to the Sale deed dated 29-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-3-1987
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50218/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Nos. 23, 24, 25, 26, 27, 28 and 29 situated at
St. Mark's Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Shivaji Nagar Bangalore on 26-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. T. M. D'Souza
29, St. Mark's Road,
Bangalore.
(Transferor)
- (2) M/s. Shree Sadan
'Jain Bhawan' 18/1, Andree Road,
Bangalore-560 027.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1720/86-87 dated 26-9-1986)

Immovable property bearing Municipal Nos. 23, 24, 25,
26, 72, 28 and 29 St. Mark's Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-3-1987
Sent :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C.R. No. 62/50222/86-E7/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90A, R.S. 65-3A, TS 1548/3A situated at Boloor Village of Boloor Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Head Quarters, Mangalore City on 17-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. General J. Gonsalves
S/o Late John C.A. Gonsalves
3/2, Magrath Road,
Bangalore-560 025.
P.A. Holder Mr. Patrick E. J. Pais
S/o Late Frederick Pais,
Hat Hill Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Vernon Promod Vas
S/o Frederick Vas
Koitara Cross, Mangalore
Now residing at 'Broad Water'
5, Oatlands, Mere, Weigh Bridge
KT 139 Survey, England.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 974/86-87 dated 17-9-1986)

Immovable property situated in 90-A Boloor Village of Boloor Ward with in city Corporation of Mangalore City, bearing R.S. No. 65-3A TS No. 1548/3A measuring 47½ Cents and more fully described in the schedule to the sale deed dated 17-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th March 1987

C R. No. 62/50213/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 36/2, 36/3, 37/1, 37/2 (37/2A 37/2B), 37/3 & 37/4 situated at Byrasandra Village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 29-9-1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

0—126 GI/87

(1) M/s. Morzoria Products Pvt. Ltd.,
No. 4, Banneraghatta Road,
Bangalore,
Represented by Sri C. G. Morzoria. (Transferor)

(2) M/s. Bangalore Housing Development and Investments
85 J, 'Shiva Shakti'
K.H. Road Bangalore-560 027
By partners, Sri P. Dayananda Pai and
Sri M. Ramdas Pai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1406/86-87 dated 29-9-1986)

Immovable property Survey Nos. 36/2, 36/3, 37/1, 37/2 (37/2A & 37/2B), 37/3 and 37/4 of Byrasandra Village, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Taluk

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-3-1987
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001. the 10th March 1987

No. 2077/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
y. No. 41/1, 41/3, 42/2, situated at
Utorda Village, Salcete, Goa
and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Office at
Salcete, Goa on 29-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Marcal Carvalho alias
Marcal Antonio Cactano Carvalho
2. Smt. Ildamary Rebello
Both residing at Arossim, Goa.
3. Smt. Esequiel Helena F. Carvalho
4. Sri Manuel Simplicio Carvalho,
Both residing at Panaji Goa. (Transferor)
- (2) M/S. MAHARANI GUEST HOUSE,
(Unit of Laguna Restaurant)
J-16 Hauz-Khas, New Delhi-110016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 616/86-87 dated 29-9-1986)

All that landed agricultural property known as 'Novo
Aforamento De Praias' admeasuring 32,725 sq. mts. surveyed
under Nos. 41/1, 41/3 & 42/2, situated at village Utorda,
Village Panchayat of Utorda-Majorda-Arossim, Taluka and
Sub-District of Salcete & District of Goa and more fully des-
cribed in the schedule to sale deed dated 23-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 10-3-1987
Scnl:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th April 1987

C.R. No. 62/50202/87-88/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 55, 56 (Part) 58 (part), 59 and 60 (part) situated at Bellary Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhi Nagar, Bangalore on 10-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Binny Limited
No. 65, Armenian Street
Rep. by Sri H. R. Kamath
Finance Director.
- (2) M/s. HMT Limited.
No. 36, Cunningham Road,
Bangalore-560 052
Rep. By Sri N. Swaminathan
Director (Finance).

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1540/86-87 dated 10-9-1986)
All that piece and parcel of Property being land and buildings and other structures thereon bearing Municipal Corporation Nos. 55, 56 (part), 58 (part), 59 and 60 (part), Bellary Road, Bangalore in Municipal Division No. 82 (old Division No. 86) and more fully described in the schedule to the said deed dated 10-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date : 28-3-1987
Scri:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th April 1987

C.R. No. 62/50216/87-88/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Nos. 6, 7 & 8 situated at Victoria Road, Bangalore-560 047 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivaji Nagar, Bangalore on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. V. Geetha
W/o Sri S. Surendra
No. 1, Church Street,
Bangalore-560 001.

(Transferor)

- (2) M/s. Aeronautical Development Agency
Nal Campus, Belur,
Bangalore-560 037
Rep. by Sri K. Aravamudan,
Director (Administration Finance and Contracts).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1693/86-87 dated 25-9-1986)

Schedule 'A' Property : All that piece and parcel of land measuring 380.16 Mts. together with the construction standing thereon premises bearing Corporation Nos. 6, 7 and Victoria Road, Civil Station, Bangalore-560 047.

Schedule 'B' Property : The building comprising of 4 floor (Ground Plus three floors) consisting of 7 flats with a total super-built area of 8865 sq. ft. and car parking space for numbers and more fully described in the schedule to the said deed dated 25-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 28-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st May 1987

C.R. No. 62/50231/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 84, 84/1, 84/2, 84/3, 84/4 and 84/5 situated at Mahatma Gandhi Road, Civil Station Division No. 60, Bangalore-560 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivaji Nagar, Bangalore on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair being the Competent Authority under Section 269B of than fifteen per cent of such apparent consideration and said exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between believe that the fair market value of the property as afore-the parties has not been truly stated in the said instrument the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Barton, Son & Company (P) Ltd.
No. 84, Mahatma Gandhi Road,
Bangalore-560 001
Rep. by Mr. M. S. Mehta, Managing Director.
(Transferor)
- (2) M/s. Southern Investments
No. 65 Monteth Road,
Egmore, Madras-8.
Rep. by its partner Mr. Prabhat Kamal.
(Transferee)
- (3) 1. M/s. British Physical Lab. Ltd.
2. M/s. Zurai Agro Chemical Ltd.
3. M/s. Barton Court Hotel,
No. 84 Mahatma Gandhi Road,
Bangalore-560 001.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) 1. Mrs. N. Jhamboo Chetty,
2. Mr. Raj Kumar Jhamboo Chetty,
[Person(s) whom the undersigned known
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1342/86-87 dated 1-9-1986)
Portion of all that premises and property bearing old Municipal No. 9 present No. 84, together with all constructions now existing thereon and premises bearing Municipal Nos. 84/1, 84/2, 84/3, 84/4 and 84/5 all situate in Mahatma Gandhi Road, Civil Station Division No. 60, Bangalore-560 001 and more fully described in the schedule to the assignment deed dated 28-8-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 1-5-1987.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, PUNE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT,
PUNE

Pune, the 10th April 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/4986/1986-87.—Whereas,
I, ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 16, 2nd floor, Building II, 6A Connaught Road,
Pune situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act
in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn.
Range, Pune on 26th Dec. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Makwana Bros. & Co.
H. No. 441, Somwar Peth,
Pune-11.

(Transferor)

(2) Mr. Sukhwant Singh Sachher and
Mrs. Patwant Kaur Sukhwant Singh Sachhar,
1170/31, Revenue Colony,
Pune-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 37EF/4986/1986-87 in the month of 26th
Dec. 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
proceedings for the acquisition of the aforesaid property by
the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D
of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Komal Gul Setpal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR. III/37EF/W. 146/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701 "Pratiksha" Built up area : 1700 SF Plot No. 7A, Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10887/27-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 701 'Pratiksha', Built Up Area 1700 Sf. Plot No. 7A Maulana Abdul Gaffar Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10887/85-86 dated 27-10-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT,
PUNE

Pune, the 10th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4189/1986 87.—Whereas,
J. ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property bearing S. No. 642, Hissa No. 642/4 & 5 Bibawewadi
Pune situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act
in the office of the Competent Authority at IAC Acqn.
Range, Pune on 10th November, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Janardan S. Rangadal,
Chairman
Shri Prasanna Sah. Grihrachana Sanstha Ltd.
C/o Umesh Tailors, Sevasadan Building,
Pune-30. (Transferor)
- (2) Manohar Sadashiv Namagare Patil,
13 Jadhengar, Bibwewadi,
Pune-37. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 37EE/4189/1986-87 in the month of 10th
November 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT,
PUNE

Pune, the 10th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4550/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. City Survey No. 498 & City Survey No. 470, Shaniwar Peth, Pune situate at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 28th Nov. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

41—126 GI/87

- (1) Shridhar Vithal Datya, Property Trust,
A Private Trust through its Trustees
(1) Shri Ramchandra Paishuram Pandit,
Pant Amtya Bawadekar,
'Raj Prasad' 8/5 Tarabai Park,
Kolhapur.
(2) Shri Prasad Padmakar Rayarikar, R/o
470/498, Shaniwar Peth, Pune-30. (Transferor)
- (2) K. D. Constructions,
8/2, Sadashiv Peth,
Ravi Building, Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/4550/1986-87 in the month of 28th Nov. 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date : 10-4-1987
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KUMAR ESTATE, NEAR DHORI GHAT,
PUNE

Pune, the 14th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4731/1986-87.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5 on ground floor in Aurora Towers 9, Moledina Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 7-12-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sharat Promoters,
Manick Hall,
2, East Street,
Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. Vijaymala D Kohli,
Shakti-Kunj,
14B-6 Boat Club Road,
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37EE/4731/1986-87 in the month of 7th Dec. 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 14-4-1987
Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT,
PUNE

Pune, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4294/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 207, Village Yerwada, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Yerwada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on November, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Sarosh J Gandhi,
1-B Nildaih Road, Jamshedpur
and
Mrs. Aimee A Bajaj,
B-18, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Atur Sangtani & Associates,
Atur Foundation House,
4 Dr. Ambedkar Road,
Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37FE/4294/1986-87 in the month of 7th Dec. 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date : 3-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBHI GHAT,
PUNE

Pune, the 13th April 1987

Ret. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4686/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub Plot No. 11, F.P. No. 35 of T.P.S. No. 1 Erandwana Pune, alongwith structures thereon situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 7-12-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Y. C. Nitsure,
34/11 Erandwana,
Pune-4.

(Transferor)

(2) M/s Suma Engineering P. Ltd.
93/2A Erandwana,
Puna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/4686/1986-87 in the month of November, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date : 13-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Jai Trading Co.,
Plot No. 463,
Town Planning Scheme
1st Pokharan Road,
Thane.

(Transferor)

- (2) Sanjay Family Trust,
C/o 365, Reetu Raj, 6th Road, Chembur,
Bombay-71.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT,
PUNE-1

Pune, the 9th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8109/86-87,—Whereas,
I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. Nos. 209-A/2 (pt) 209-B/2 (pt) 210-A/2, 210-A/5-7 206/1 & 206/3 and New Plot No. 463 of T.P.S.I. Panchpakhadi, 1st Pokharan Rd., situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 7-12-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 37EE/8109/86-87 dt. 20-12-1986)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6614/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing O. P. No. 324, Final Plot No. 2, situated on S. No. 479, Hissa No. 4 of TPS 1, Behind Savani, Transport, Panch-pakhadi, Thane, Final Plot No. 302, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acq. Range on 1st Nov 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Savani Brothers,
6/7, Sastik Chambers, P.O. mello Road,
Bombay-400 001.
(Transferee)

(2) M/s. Utpal Construction Co.
24, Arcada, 2nd Floor, 195, Nariman Point,
Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/6614/86-87 dt. 1st Nov 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 6/4/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/8115/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 515, H. No. 1, New S. No. 78, H. No. 1, at Village Bhayandar Tal & Dist. Thane situated at Bhayandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/S 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acq. Range, on Pune on 20/12/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Dilipkumar Chimanlal Manir & 3 others
all resident of Bombay.
C/o S. No. 515, H. No. 1, village Bhayandar, Tal. and Dist. Thane.
- (2) Mahesh Liladhar Dholakia & Others
all resident of Bombay.
C/o S. No. 515, H. No. 1, village Bhayandar, Tal & Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document N o. 37EE/8115/86-87 dt. 20/12/1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona

Date : 6/4/1987
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/7601/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Gut Nos. 59/1(pt), 59/21, 59/17, 59/28, 59/29, 59/22 & 59/24 at Chitalsar, Manpada, Thane, situated at Chitlasar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/S 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acq. Range, on 29/11/1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Kaumudi P. Kothari,
Director of M/s. D. Dayabhai & Co. Pvt. Ltd.,
9, Ellora Shopping Centre, Daftary Road, Malad,
(E), Bombay-97.
- (2) Mr. Prataprai Nandlal Kothari,
9, Ellora Shopping Centre, Daftary Road, Malad (1)
Bombay-97.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 7601/86-87 dt. 29-11-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 6/4/1987
Seal :

FORM INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/7472/86-87.—Whereas, I,
ANJANI KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNos. 86/1, 87/1 to 5, 88/1, 2, 5, 7, 8, 9, 10, 5 & 11, 89/2,
3, 4, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, S. No. 86/2, 3, 4, 5, 6 &
8 of the Mira village, Near situated at Dahisar Check Naka,
Dist. Thane.(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred and registered U/s 269AB of the said
Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acq.
Range, Pune on 26-11-86for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

42—126 GI/87

- (1) Sri Brijmohan Khanna & 3 others,
Partners of M/s. Shiv Silk Mills and Sri Brijmohan
Khanna and others of M/s. Rajmal Paharchand
Jolly Bhawan No. 2, 7 Now Marine Lines, Bombay-
20.

(Transferee)

- (2) Es-kay Dyeing & Printing Works.
(Prop. Gul Mohur Silk Mills, Pvt. Ltd.)
9, Rasik Niwas, 2nd floor, 75 'F' Road, Marine
Drive, Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is regis-
tered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under
document No. 37EE/7472/86-87 dt. 26/11/1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 6/4/1987
Seal :

FORM I.T.N.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/335/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12B situated at Lord Sinha Road, Calcutta S. No. 1141, Shingwe Bahulla, Deolali Camp Tal & Dist. Nasik situated at Deolali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC/Acq. Range Pune on 10/11/1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Vasant K. Bhatia,
Vrindawan, 1st Floor, 44, Balasiner CHS., S. V.
Road, Khandivli, Bombay-67.
(Transferee)

(1) Mr. Lalchand T. Gajria,
Chief Promotor of the proposed.
Bhatia Adarsh CHS Ltd., C-6, Khandivli Shopping
Centre, Delfi Road, Khandivli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under registration No. 37EE/335/86-87 dt. 10/11/1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 6/4/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/8058/86-87 —

Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. C-36 in the Thane Industrial Area within the village limits of Panchpakhadi, Tal Thane situated at Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Pune on 16-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Britannia Industries Ltd.
Maker Tower 'E', 19th Floor,
Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(Transferor)

- (2) Ravi Frozen Foods Pvt. Ltd.,
Nilum Mansion, Lemington Road, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/8058/86-87 dt. 16-12-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 6-4-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 9th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/7473/86-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Final plot No. 227, village Panchpakhadi, Dist. Thane situated at Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 25-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mahavir Trust & Others,
United India Bldg., 2nd Floor, Sir P. M. Road,
Bombay-1. (Transferor)
- (2) M/s. Shreepal Construction Co.
United India Bldg., 2nd Floor Sir P. M. Road,
Bombay-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/7473/86-87 dt. 25-12-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/298/86-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 68, at Satavali, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Satavali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. at S. R. Vasai, in October 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Premabai Waman Kamat & Others,
S. No. 60, Satavali, Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Transferor)
- (2) Tungreshwar Builders,
332/34, Marathi Nath Street, Bombay-9.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 263/86 in the month of Oct. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/107, Koregaon Park, Poona.

Date : 13/4/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT
PUNE

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3960/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with buildings at S. No. 132-A/2A/2/1 CTS. No. 2687 Revenue Village Bhamburda, Sub Dist. Haveli Dist. Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 1st November 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Tara Gopalji Bhuta,
102 Balkrishna, 44 Tilak Road,
Santacruz (W) Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Ganatra Hotels Pvt. Ltd.
Ganatra Bhuvan, Walji Ladna Road,
Mulund (W) Bombay-400 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/3960/1986-87 in the month of 1st Nov. 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 3/4/1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHORI GHAT
PUNE

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/4568/86-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 346, New 251/52 (Old) in Sindh Co-operative Housing Society, Aundh, Pune, situated at Aundh, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 29th Nov 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Narayan Punjooal Sabeta,
and Dr. Kalidas G. Sabetya,
Flat No. 3 & 7, Sukhsagar Building,
621 Khar Pali Road, Khar, Bombay. (Transferor)
- (2) Mrs. Ranjana Bhushan Gupta,
and Mrs. Shanti Devi S. Gupta,
521 Sind Co-operative Housing Society Ltd.,
Aundh, Pune-7. (Transferee)

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/4568/1986-87 in the month of 29th Nov. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 6/4/1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT
PUNE

Pune, the 6th April 1987

FC No IAC ACQ/CA-5/37EF/4517/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 4-1/1 and in the Registration District and Sub District at Pune situated at Naylor Road, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn Range, Pune on 28th Nov 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) N K Pudumjee
4 Naylor Road,
Off Mangaldas Road, Pune.

(Transferor)

- (2) M. s. Pune Land Pvt. Ltd.
7 Moledina Road, Clover,
Centric, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 37EF/4517/1986-87 in the month of 28th Nov 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Puna

Date : 6/4/1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Pradyumna Steels Ltd.,

(Transferor)

(2) M. S. Hindusthan Development Corporation Ltd.,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. AC-1/Acq. R-IV/Cal-87-88.08.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. situated at Mouza Bamunari, P.S. Serampore, Hooghly New Delhi in October 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Serampore, on 29/9/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land : 8.92 Acres with structures.
Address : Mouza—Bamuhari, P.S. Serampore, Dist. Hooghly.
Deed No : 3960 of 29-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—126 GI/87

Date : 10-4-1987
Date :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta-16, the 8th April 1987

Ref. No. AC-1/R-II/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-and bearing No. 2 situated at C.I.T. Rd., Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and reistered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at R.A. Cal. under Registration No. I-12136/86 on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sultan Ahmed & Ors.

(Transferor)

(2) Diamond Properties.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2823 sq. ft. on the 2nd floor of premises No. 2, C.I.T. Rd., scheme no. LVII(S) Cal. More particularly described in deed no. I.12136/86 registered by the R.A., Cal. on 29-9-86.

I. K. GAYEN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. AC-80 R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
No. 16 situated at Raja Santosh Road, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Competent Authority under Registration No.
3711-144 R-II cal/86-87 dated 26-9-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitatin the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mr. Surajit Ganguly,

(Transferor)

(2) M/s Multirise Towers Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bigha, 4 Cottah. (more or less) situated at 16 Raja
Santosh Rd., Calcutta. More particularly described in deed
No. 37EE/144/R/II cal/86-87 Registered by the Competent
Authority on 26/9/1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta-700 016

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. Acq. 81/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 16 situated at Raja Santosh Road, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed herto),
has been transferred and the agreement is registered under
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
at Calcutta on 26/9/1986.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- | | |
|------------------------------------|--------------|
| (1) Miss. Ratna Ganguly. | (Transferor) |
| (2) M/s Multirise Towers Pvt. Ltd. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2B.4K. (more or less) situated at 16, Raja Santosh Road,
Calcutta. More particularly described in deed no. 37EE/
145/R-II/cal/86-87 Registered by the Competent Authority
on 26-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 30/9/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) British Airways Public Ltd. Co.

(Transferor)

(2) Kanak Packaging Products Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th March 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immove-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette

Ref. No. AC-82 R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing
No. 32A, situated at New Road Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering
Officer at Competent Authority under Registration
No. 37J-1 150 R-II/Cal/86-87 dated 26-9-86,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1th share in land and building measuring an
area 1B,5K. 7 ch. 32 sft. situated at 32A, New Road, Cal-
cutta. More particularly described in deed No. 37EE/150/
R-II/cal/86-87 registered by the Competent Authority on
26-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) British Airways Public Ltd. Co. (Transferor)
 (2) Kanak Investments Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. AC-83/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,

J. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 32A, situated at New Road Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EE/149/R-II/Cal/86-87 dated 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share in land and building measuring an area 1B.5K.7ch. 32 aft. situated at 32A, New Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/149/R-II/cal/86-87 registered by the Competent Authority on 26-9-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-16

Date : 30-3-1987
 Seal :

FORM ITNS.—

(1) British Airways Public Ltd. Co.

(Transferor)

(2) Darshankal Exports Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th March 1987

Ref. No. AC-84 R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the competent authority Under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. No. 32A, New Road Calcutta situated at New Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EE/148, R-II/cal/86-87 dated 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1th share in land and building measuring an area of 1B.5K.7ch. 32 sft. situated at 32A, New Road, Cal. More particularly described in deed No. 37EE/148/R-II/Cal 86-87 registered by the Competent Authority on 26th September 1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS— —

(1) M/s. Standard Chartered Bank.

(Transferor)

(2) M s. The Assam Company (India) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-85/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
G/6/1 situated at Alipur Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No.
I-11121 dated 2-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2500 sft. situated at G/6/1 Alipur Road, Calcutta. More
particularly described in Deed No. I-11121 of 1986 Regis-
tered by the R.A. Calcutta on 2-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—

Date : 30-3-1987
Seal

FORM NO. I.T.N.S. _____

(1) M/s. Ellenbarrie Properties Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Narayan Prasad Kajaria & Or.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. Ac-86 R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,

I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.

10 situated at Burdwan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No.
37EE/115/II/Cal/86-87 dated 2-9-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1537 sft. premises No. 10, Burdwan Road, Calcutta. More
particularly described in Deed No. 37EE/115/R-II/Cal/86-
87 registered by the Competent Authority on 2-9-1986.

I. K. GAYEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

44—126 GI/87

Date : 30-3-1987

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-87/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 98/NA, Block 'E' situated at Nalini Ranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. I-12272 dated 30-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Barid Baran Chatterjee. (Transferor)
- (2) M/s. S.A.C. Apartments Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Dr. Ramlal B. Lhila,
Ground floor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7.44 cottah with two storeyed building at 98/NA, Block 'E', Nalini Ranjan Avenue, Calcutta. More particularly described in Deed No. I-12272/86 registered by the R.A. Calcutta on 30-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS.———

(1) Smt. Pushpa Bose.

(Transferor)

(2) M/s. A.V.S. Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Recd. No. AC-88/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property bearing No. 23A situated at D.H. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. 37EE/147/R-II/Cal/86-87 dated 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 3K 8Ch. 10Sft. Plot No. 574 Block 'N' (previously known as 23A, D.H. Road, New Alipur. More particularly described in Deed No. 37EE/147/R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authority on 26-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Bihar Agents Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Union Carbide India Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-89/R-II/Cal/86-87 —Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed below), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. Deed No. 37EE/151/R-II/Cal/86-87 dated 26-9-1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

2294 sq. ft. on the 2nd floor of premises No. 8, Raja Santosh Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. 37EE/151/R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authority on 26-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Rel. No. AC-90/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 5,00,000/- and bearing No. 8, situated at Raja santosh Rd. Cal. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in Competent Authority under Registration No. 37EE/142/R-II/Cal/86-87 dated 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Renox Commercial Ltd. (Transferor)
(2) Sri Sri Sankar Jew (Diety). (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1981 sft. on the 6th floor of premises no. 8 Raja santosh Rd, Cal. more particularly described in deed no. 37EE/142/R-II/Cal/86-87 registered by the competent Authority on 26-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal.-16.

Date : 30-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Ellenbarrie Properties Ltd. (Transferor)
 (2) Smt. Shyama Devi Kajaria & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1987

Ref. No. AC-91/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 10, situated at Burdwan Rd, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EE/116/R-II/Cal/86-87 dated 2-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3110 sq. ft. on the second floor of premises No. 10, Burdwan Rd, Cal. More particularly described in deed No. 37EE/116/R-II/Cal/86-87 registered by the Competent Authority on 2-9-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal.-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Accurate Investment Company Ltd. (Transferor)
 (2) A. J. Enterprises Limited. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. CA-88/87-88/Sl.1320/J.A.C./Acqn.R-I/Cal.—
 I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) 17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3N on 3rd floor admeasuring 3075 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I 12299 dated 30-9-86.

J. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 34, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Accurate Investment Company Ltd. (Transferor)
 (2) Kedarnath Saharia. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-III,
 CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2458/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1S on 1st floor measuring 3750 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19. Registered before S.R.A., Calcutta., vide Deed No. I 1230 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Accurate Investment Company Ltd. (Transferor)
 (2) Smt. Abha Himatsingka. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2459/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A. Calcutta on 27-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1N on 1st floor measuring 3075 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road., Cal-19. Registered before R. A., Cal., vide No. I 12078 dated 29-9-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45—126 GI/87

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITN8

(1) Accurate Investment Company Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA,

Calcutta, the 10th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2460/Acqn R-III/Cal/87-88.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
17, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta-19,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
R.A. Calcutta, on 29-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5S of northern side, 5th floor admeasuring 3750
Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta. Registered
before R.A. Calcutta, vide Deed No. I 12076 dated 29-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Accurate Investment Company Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Manjusha Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2461/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A., Calcutta on 29-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4N on 4th floor measuring 3075 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. 112077 dated 29-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2462/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------------------|--------------|
| (1) Accurate Investment Company Ltd. | (Transferor) |
| (2) The Kohinoor Tea Company Ltd. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4S on the southern side, 4th floor(admeasuring 3750 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12298 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87

Seal :

FORM 11N

(1) M/s Arpee Properties Private Limited
(Transferor)(2) M/s Goodrick Group Limited
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2463/Acq R III/Cal/87-88—Whereas, I,
I K GAYEN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred
to as the said Act, have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
8C situated at Queens Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
R A Calcutta on 13-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the transferor(s) and transferee(s) has not been
truly stated in the said instrument of transfer with object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that super structure flat No 5B on 5th floor at 8C,
Queens Park Calcutta Registered before R A Calcutta,
vide Deed No I 11596 dated 13-9-86

I K GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date 10-4-87
Seal

FORM I.T.N.S.

(1) Rabindra Nath Bose,

(Transferor)

(2) B. N. Apartments Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2464 / Acq. R-III / Cal / 87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 137 situated at Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at R.A., Calcutta on 30-9-86 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that the premises No 137, Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta. Area 10 Cottaks 12 Chittaks 4 Sq. ft. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12266 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2465/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/1 situated at Chakraberia Road (North) Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Acqn. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-I/384 on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mr. Hiralal Minni,
2. Mrs. Bimala Minni,
3. Mr. Sanjay Minni

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Rajendra Kr. Duggar,
2. Mrs. Manjula Duggar
3. Mrs. Gunwati Devi Dugar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A, measuring 2620 Sq. ft. at 7/1, Chakraberia Road, (North), Calcutta Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/384 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87
Sd/-

FORM ITNS

(1) Smt. Bharati Bhattacharjee.

(Transferor)

(2) Smt. Kanti Devi Saraff.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2466/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, J. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 situated at Ironside Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at R.A. Calcutta, on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed building with servant's & Durwan's quarter at 3, Ironside Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 12236 dated 30-9-86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87

Seal

FORM ITNS—

(1) Balaram Roy.

(Transferor)

(2) Namrata Trading (P.) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2467, Acqn. R-III/Cal/87-88. —Whereas, I I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16 situated at Lee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at R.A., Calcutta, on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

s—126 GI/87

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single storeyed building, covered area (633.37 Sq. mtr. & total area 2003.9 Sq. mtr.) at 16, Lee Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 12291 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Balaram Roy

(Transferor)

(2) Heilgers Development & Construction Company Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No. 2468/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I,

I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 18 situated at Lee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at R.A., Calcutta on 30-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storeyed dwelling house at 18, Lee Road, Calcutta. Area 692.78 Sq. mtr. in both the floors. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. 112290 dated 30.9.86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-87
Seal:

FORM ITNS—

(1) Carrit Moran & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Carrit Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 2469 / Acqn. R-III / Cal / 87-88.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
5 situated at Dover Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
R.A., Calcutta, on 16-9-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that premises No. 5, Dover Park, Calcutta. Area 17
Cottahs 11 Chittaks 20 Sq. ft. Registered before R.A., Cal-
cutta vide Deed No. 1 11620 dated 16-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-4-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2470/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8C situated at Queens Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 17-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Arpee Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bhagwati Prasad Kedia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A on 1st floor at 8C, Queens Park, Calcutta Regd. before R.A. Cal. vide deed No. I 11648 dt. 17-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) Alpee Properties Private Limited.

(Transferor)

(2) Om Prakash Saharaia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2471/Acq. R-III/Cal/87-88.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

8C situated at Queens Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at R.A., Calcutta on 12-9-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property, as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4B on 4th floor measuring covered area 138.66 Sq.
mtr., at 8C Queens Park, Calcutta. Registered before R.A.,
Calcutta, vide Deed No. I 11541 dt. 12-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2472 Acq R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 85A situated at Leela Roy Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 28-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ratanlal More.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Tirupati Projects Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Cottahs 11 Chittaks 19 Sq. ft. being portion of premises No. 8/5A, Leela Roy Sarani, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I 12111 dt. 28-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 10-4-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Naren Chand Suchauti & Ors.,

(Transferor)

(2) Bimala Devi Bihani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2473/Acq.n.R-III/, Cal/87-88.—Whereas I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 111 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Two storeyed building at 111, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta. Area 18 Cottahs 12 Chittaks 16 Sft.
Address : Registered before R.A. Cal. vide Deed No. 111664 dated 17-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-4-1987
Sd/-

FORM ITNS

(1) Sri Gopinath Sarkar.

(Transferor)

(2) Sri Sandeep Kumar Jhunjhunwalla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. 2474/Acq'n R-III/Cal/87-88.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

2 situated at Baratto Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on
22-9-86for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storeyed building together with land containing an area
of 7 Cottahs 12 Chittaks 35 Sq. ft. at 2, Baratto Lane,
Calcutta Registered before R.A. Cal. vide Deed No. I
11883 dated 22-9-86.I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, CalcuttaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Dated : 10-4-1987
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2475/Acq R III/Cal/87-88 —Whereas, I, I K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 19A situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at RA Calcutta, on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
47—126 GI/87

- (1) Pahlald Rat Khetawat (Transferor)
(2) Original Trading Co Ltd (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 24 Area 3400 Sq ft at 19A, Sarat Bose Road, Calcutta Registered before I A C, Acq R III, Calcutta, vide 37EF/R III/371 dated 30-9-86

I K GAYEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss. Subhra Dutt & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Manoi Mohan Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2476 Acqn.R-III/Cal/87-88.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90 situated at Raja Basanta Roy Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with three storeyed building at 90, Raja Basanta Roy Road, Calcutta. Registered before R.A., Calcutta, vide Deed No. I 12085 dated 29-9-86

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcut

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-4-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Biswanath Pall & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

(2) M/s. Yeshasvi Towers (P) Ltd.

(Transferee)

Ref. No. 2477/Acq.R-III/Cal/87-88.—Whereas I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70D situated at Hindustan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A. Calcutta, on 29-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area 670 Sq. ft. of land and 2004.78 Sq. ft. super built area of southern side on 2nd floor at 70D, Hindustan Park, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. 1 12168 dated 29-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2478 Acqn R-III/Cal/86 87 —Whereas, I, I K GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing 48/1B situated at Leela Roy Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R A Calcutta on 30 9 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs Samita Singh
(Transferor)
- (2) Surya Kantu Mchra
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that premises No 48/1B, Leela Roy Sarani, Calcutta Land measuring 11 Cottaks 4 Chittaks 6 Sq Ft Registered before R A Cal vide Deed No I 12232 dated 30 9 86

I K GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Calcutta

Dated 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Migma.

(Transferor)

(2) B. L. Sons Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2479/Acqn.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20/1 situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. R-III on 30-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor measuring 2100 Sq. ft. at 20/1, Ashutosh Chowdhury Avenue Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, Cal., vide 37EE/Acqn.R-III/366 dated 30-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafii Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Samsen Developments Private Limited.
(Transferor)
(2) M/s. Aravali Holdings Private Limited.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No. 2480/Acq.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A on 10th floor at 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., 37EE/R III/336 dated 13-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Anima Sengupta.

(Transferor)

(2) M/s. Orbit Towers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2481/Acq.N.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. 67 situated at Jatin Das Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.N.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that three storeyed brick built dwelling house at 67, Jatin Das Road, Calcutta. Area—7 Cottahs 5 Chittaks 29 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq.N.R-III, vide 37EE/R-III/335 dated 13-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Author,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10/4/1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1 Raj Commercial Co.
2, Lee Road Properties Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Gyaneshwar Prasad Agarwal & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2482/Acq.R-III/Cal/86-87.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 situated at Lee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III on 22-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GA on Ground floor at 4, Lee Road, measuring 4256 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal. vide 37EF/Acq.R-II/285 dated 22-9-1986.

L. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Accurate Investment Company Ltd. (Transferor)
 (2) Bagaria Apartments Private Limited. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2483/Acq.n.R-III/Cal/87-88. —

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 30-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3S of northern side, third floor, admeasuring 3750 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19, Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-12300 dated 30-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
48-126 GI/87

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Accurate Investment Company Ltd. (Transferor)
 (2) Ethelwold Estate Private Limited. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2484/Acq.N.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17 situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 30.9.1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2N on the northern side, 2nd floor admeasuring 3,075 Sq. ft. at 17, Ballygunge Park Road, Calcutta-19. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I-12235 dated 30-9-1986.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) K. N. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Ashvinder Singh Sadana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2485/Acqn.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11A situated at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5D on 5th floor measuring 1927 Sq. ft. of multistoreyed building at 11A, Palm Avenue, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, Cal., vide 37EE/Acqn. R-III/340 dated 13-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Lansdown Properties Ltd. (Transferor)
 (2) Rajendra Sethia (H.U.F.). (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
 CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2486/Acq.R-III/Cal/87-88 ---

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 on 2nd floor measuring 1564 Sq. ft. together with one car parking space at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/339 dated 13-9-1986.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-700 016

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Lansdown Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Rasiklal S. Doshi
 2. Smt. Sarojini R. Doshi
 3. Sri Dilip R. Doshi
 4. Smt. Kalindi D. Doshi
 5. Sri Parimal R. Doshi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2487/Acq.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proceeding having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 13-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Space No 8 on 2nd floor measuring 1458 Sq. ft. at 2/6 Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/337 dated 13-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-700 016

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ret. No, 2488/Acqn.R-III/Cal/87-88,—

Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 89 situated at Dr. Meghnath Saha Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nripendra Nath Ganguly & Ors. (Transferor)
- (2) 1. Shri Sandeep Kumar Jhunjhunwalla,
2. Shri Suresh Kumar Agarwal,
3. Shri Binod Kumar Jalan,
4. Smt. Binola Devi Agarwal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land containing an area 15 Cottahs 15 Chittaks 3 Sq. ft. together with single storeyed building at 89, Dr. Meghnath Saha Sarani, Calcutta, Registered at 89, Meghnath Saha Sarani, Calcutta Registered 11-9-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Biswanath Pall & Ors

(Transferor)

(2) M/s Yeshasvi Towers (P) Ltd

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref No 2489/Acq R-III/Cal/87-88 —

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 70D situated at Hindustan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Cal on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 670 Sq ft & super built area 2004.78 Sq. ft. of southern side on 1st floor at 70D, Hindustan Park, Cal. Registered before S.R.A., Cal, vide Deed No I-12169 dated 29-9-1986

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS
NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Biswanath Pall & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Yeshasvi Towers (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. 2490/Acq.n.R-III/Cal/87-88.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70D situated at Hindusthan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 670 Sq. ft. of land & 2004.78 Sq. ft. super built area of Northern side on 1st floor at 70D, Hindusthan Park, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-12170 dated 29-9-1986.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETLY ROAD, T. NAGAR
MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 11/Sep.86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

S. Nos. 29/1, 29/2A, 29/2, 29/4, 30, 31, 33, 34 and 35, situated at Sommaguppan village Cuddalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore Doc Nos. 1929 to 1932, 1934 & 1939 in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—126 GI/87

(1) Sri N. Ganesamurthy & Others,
Poondiankuppam,
Cuddalore Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Peroxides India Ltd.,
8, Cathedral Road,
Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in S. Nos. 29/1, 29/2A, 29/2, 29/4, 30, 31, 33, 34 & 35 Sommaguppan village Cuddalore.

(Cuddalore Doc Nos. 1929 to 1932, 1934 & 1939/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Madras-600 006

Date : 6-5-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR
MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 33/Sep/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 267 "ABBOTSURY" Mount Road Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 1309/86 on September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transf with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Sathya Sai Central Trust,
Prasanthi Nilayam,
Ananthapur District (A.P.)
515134.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Constructions Private Ltd.,
9, Bazullah Road,
T. Nagar
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 267, "ABBOTSBURY" Mount Road, Madras.
(Madras Central Doc No. 1309/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR
MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 1/Sep/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4/139, South Street West C.I.T. Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc No. 3000/86 of September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jayanthi,
72, 145th Main Road,
2nd Stage 2 phase west of Chord Road,
Bangalore-86,

(Transferee)

- (2) Smt. Janaki Ramachandran,
M.G.R. Gardens Ramavaram,
Madras-89.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4/139, South Street West C.I.T. Nagar, Madras
(Saidapet Doc No. 3000/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR
MADRAS-17

Madras-17, the 6th May 1987

Ref. No. 9/Scp/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.477 & 482 Mount Road, Nandanam Madras-32 situated at
Madras(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1961 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras South Doc No. 3015/86 on September, 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) M/s. Khivaraj Motors Ltd.
rep. by its Director
Sri Devaraj Chordia,
623, Anna Salai,
Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri K. A. Sulaiman,
10, 1st Avenue,
Indira Nagar,
Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 477 & 482 Mount Road,
Nandanam, Madras.
(Madras South Doc No. 3015/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. V. Kamalakumar & another,
Poonding Kuppam.

(Transferor)

(2) M/s. Urothanes India Ltd.,
8, Cathedral Road,
Madras-86.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 12, Sept.86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. Nos 35, 37 to 40/2 and 47/2 Sommanguppam

situated at Village Cuddalore Taluk South Arcot District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddalore Doc. No. 1935 & 1936 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. Nos. 35, 37 to 40/2 and 47/2 Sommanguppam Village Cuddalore Taluk South Arcot Dist. (Cuddalore Doc. Nos. 1935 & 1936/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 16/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, First Street, Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1382/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rukmabai Loganathan & 4 others,
23, Thirumalai Road, II Street, T. Nagar,
Madras-17.

(Transferor)

- (2) M/s. D. R. Constructions,
Prop. Sri K. Dhanjaya Reddy,
12, Basheet Ahmed Road,
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 6, First Street, Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras-17.
(T. Nagar Doc. No. 1382/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17.

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 28/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 477 & 482 Mount Road Nandan situated at Madras-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 3016/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Khivaraj Motors Ltd.,
By its Director
Sri Devaraj Chordia,
623, Anna Salai,
Madras-6.

(Transferor)

- (2) Mr. N. M. Assina
No. 10, 1st Avenue, Indira Nagar,
Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 477 & 482 Mount Road, Nandanam, Madras.
(Madras South Doc. No. 3016/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 30-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 31/Sep.'86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19, Cathedral Garden Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1288/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Akhtar Fathima Begam and Others,
No. 10/12/287/5 Mohor Cottage,
Opp. Police Quarters Building,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sterling Electronics P. Ltd.,
19, Cathedral Garden Road,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 19, Cathedral Garden Road, Madras.
(Madras Central Doc. No. 1288/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 30-4-1987
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 32/Sept.'86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

501, Mount Road, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1166/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
50—126 GI/87

(1) Sri A. J. Jalaludeen,
1/76 Anna Nagar,
Madras-102.

(Transferor)

(2) Sri A. Kothandarama Reddy and another,
22 Yagambal Street, T. Nagar,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site No. 501, Mount Road, Madras.
(Madras Central Doc. No. 1166/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 30-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 34/Sep. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16, Whites Road, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1338/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Sathya Sai Trust (Tamil Nadu),
Resp. Sri G K. Damodar Row,
Moore Street, Madras.

(Transferor)

(2) Sri Mahendarchand & Others
11, Resary Church Road,
Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 16, Whites Road, Madras.
(Madras Central Doc. No. 1338/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kum Kum S. Patel,
12, Jagadmbal Street,
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Amila N. Shah & Others
8, T. P. Road,
Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 35/Sep.'86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 109, No. 8, Thirumalai Pillai Road, R. Nagar Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1590/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and Building at Block No. 109 No. 8, Thirumalai Pillai Road, Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 1590/86)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

.. Ref. No. 36/Scp.'86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 83, G.N. Chetty Road, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1520 & 1521/86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajakumari Jagge,
83, G.N. Chetty Road, T. Nagar,
Madras-17.

(Transferor)

- (2) A. Arunmohi and another,
Ramachandra Puram,
Srivilliputhur,
Kamarajar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No 83, G.N. Chetty Road, Madras-17.

(Thousandlights Doc. No. 1521/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 38/Sep.'86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
636, Mount Road and No. 6, Aziz Mulk 5th Street situated at
Thousandlights, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Thousandlights Doc. No. 497/86 on September 1987
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Sri K. M. Mohideen,
636, Mount Road,
Thousandlights,
Madras.
(Transferor)
- (2) Sri Habeeb Mohamed Siddique and another
41, Muthumani Chetty Street,
Madras-1.
Sr Syed Abdul Huq and another
63, D. Devaraja Mudali Street,
Park Town,
Madras-3.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Land and Building at No. 636 Annasalai and No. 6, Aziz
Mulk 5th Street, Thousandlights Madras.
(Thousandlights Doc. No. 497/86)

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to be following
persons, namely :—

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Razia Nazir & Others
8/32 Delhi Avenue,
Madras-36.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Hassan & Others,
288 Kader Nawakhan Street,
Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 40/Sep.'86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 155, Kodambakkam High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 468/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No 155 Kodambakkam High Road, Madras.
(Thousandlights Doc. No. 468/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 41/Sep.'86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

14, First Street, Dr. Thirumurthy
Nagar, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 472/86 on September, '86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rahmath Aliya &
M/s. Sabiha Trust,
25, Krishnamachari Road,
Madras-34.

(Transferee)

(2) M/s. Zaycem Trust,
4-C Skylark Apartments,
Rutlandgate 5th Street,
Madras-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 14, Second Street, Dr. Thirumurthy Nagar, Madras.
(Thousandlights Doc. No. 472/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 42/Sep.'86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
16, Wallace Garden 1st Street, Nungambakkam Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc No 475, 86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. K. Paramandandi Bai
16, Wallace Garden 1st Street,
Nungambakkam,
Madras.

(Transferor)

(2) Sadhak Hameed Thaika and others,
27, Nageswara Iyer Road,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 16, Wallace Garden 1st Street, Nungambakkam, Madras.

(Thousandlights Doc. No. 475/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri I. K. S. Gani,
176, Periakadai Veedhi,
Coimbatore Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. S. Marwah,
R-841, New Rajendra Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (HIND FLOOR)
31, G. N. CHETTIY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 1st May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 43/Sep. 86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.

R.S. No 2936, 5 Triplicane High Road, situated at Madras-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Triplicane Doc. No. 891/86 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 5, Asuddin Khan Bahadur Street,
Triplicane Madras-5.
(Triplicane Doc. No. 891/86).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

51—126 GI/87

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 005

Date : 1-5-1987

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (11ND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 1st May 1987

Ref. No. 44/Sep.'86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No
2, Kadar Nawazkhan Road, situated at Madras
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Thousandlights Doc. No. 81/87 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Dr. E. Somesekhar,
4-C Tangy Apartment,
34, Victoria Crescent Road, Madras-8.
(Transferor)
- (2) M/s Chaitanya Builders and Leasing (P.) Ltd.,
15, Khadar Nawazkhan Road, Madras-5.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 12, Kadar Nawazkhan Road,
Madras.
(Thousandlights Doc. No. 81/87).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 1-5-1987
Seal :

FORM NO. 1.T.N.S.

(1) A. G. Krishnan & Suraja C. Kurup,
7, Tank Bund Road,
Nungambakkam Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhupati Investment & Finance (P.) Ltd.,
5th Floor Church Gate, Bombay-400 020.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 2/Sep. 86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 15, T S. No. 6 & 7 (part) situated at Velacherri
Village Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Saidapet Doc. No. 1068/86 in September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building Block No. 15, Velacherri village Madras,
Saidapet Doc. No. 1068/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 28-4-87
Seal :

FORM 1115

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

"SIVASAKTHI BUILDING" (HIND FLOOR)

31, G. N. CHELTZY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 22nd April 1987

Ref. No. 18/Sept. '86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

9, Padmanabhan Street, T. Nagar situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1479/86 on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Sri P. C. Gajapathy & Others,
9, Padmanabhan Street,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) Smt. S. Mohana Santhanam,
16, Rangan Street, T. Nagar,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 29, Padmanabhan Street, T. Nagar, Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 1479/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-17

Date : 22-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) B. Rajeswaramma,
14, South West Boag Road,
Madras-17.

(Transferor)

(2) Ajai Bai,
5, Venkatnarayana Road,
T. Nagar Madras 17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (GND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 19/Sep. '86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 10,000/- and bearing No.
14, 15/1 South West Boag Road, T. Nagar situated at
Madras-17(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
T. Nagar Doc. No. 1303 & 1304/86 on September 86for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 14, 15/1, South West Boag Road,
T. Nagar Madras-17.
(T. Nagar Doc. No. 1303 & 1304/86).A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006Date : 28-4-87
Sent :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Dr. G. R. Krishnammah,
32, Unnamalai Ammal Street,
T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. G. Rajakumari,
57, V. S. Mudali Street,
Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (GND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 20 Sep. 86. —Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
32, Unnamalai Ammal Street, situated at T. Nagar Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
T. Nagar Doc. No. 1344/86 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 32, Unnamalai Ammal Street, T.
Nagar Madras-17.
(T. Nagar Doc. No. 1344/86).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 003

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-87
Seal :

FORM I.T.N.S. — — —

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri S. Altaf Ahmed,
315, Lloyds Road, Royapettah Madras-14.
(Transferor)
- (2) V. A. J. Poolbe and Others,
75, Lloyds Road, Madras-14.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (SECOND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 23/Sep-86—Whereas, I,
A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
75, Lloyds Road, Royapettah situated at Madras-14,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Mylapore Doc. No. 1579/86 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 75, Lloyds Road, Royapettah
Madras-14.
(Mylapore Doc. No. 1579/86).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 28-4-87
Seal :

FORM U.T.N.S.— —

(1) Smt. N. Lakashmi Ammal,
7, Girdhana Singh Street,
Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhanumathi Sundaraman,
198 Mayur Road, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (1ST FLOOR)
31, G. N. CHLITY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras, the 22nd April 1987

Ref. No. 25/Sep. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
25, Abhiramapuram III Street, situated at Madras-18
(and more fully described in the 'schedule annexed hereto'),
has been registered under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mylapore Doc. No. 1618/86 on Sep. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties, has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires first.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 25, Abhiramapuram III Street
Madras-18.
(Mylapore Doc No 1618/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :

Date : 22-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Janaki Ammal
8, Thiruveedhi Amman Street,
Ramakrishna Nagar Mylapore Madras.

(Transferor)

(2) Sri Sankar Jaffar & Anothers,
13, Muthu Pandian Avenue,
Sinthome High Road, Mylapore Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR),
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

Ref. No 27/Sep 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
8, Thiruveedhi Amman Street, situated at Ramakrishna Nagar
Madras-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Mylapore Doc. No. 1521/86 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Land and Building at No. 8, Thiruveedhi Amman Street,
Ramakrishna Nagar, Madras-4.
(Mylapore Doc. No. 1521/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

52—126 GI/87

Date : 28-4-87
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, 7, NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 22nd April 1987

Rel. No. 29/Sep. '86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 457 (W) Indira Nagar situated at Tiruvanmiyur
Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras South Doc. No. 3168/86 on Sep. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri P. K. Raman &
Sri K. G. Venkateswaran,
7, First Trust Street,
Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. Sundari Padmanabhan,
No. 29, Radhakrishnan Salai,
Mylapore Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 457 (W) Indira Nagar,
Thiruvanmiyur village Madras.

(Madras South Doc. No. 3168/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras 600 005

Date : 22-4-1987
Seal ;

FORM I T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (IIND FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 28th April 1987

Ref. No. 30/Sep. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No 19 & 20 Thiruvannmiyur Village situated at (14)
Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Madras South Doc. No. 3259/86 on September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Smt. H. Santakumari,
46-14-9, Danavaipota,
Rajahmundry, East Godavari Dt.,
A.P. 533103.

(Transferor)

(2) Sri A. S. Raviprakash,
63, 4th Main Road,
Gandhinagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at No. 140 (Plot No. 19 & 20) Thiruvannmiyur
Madras.
(Madras South Doc. No. 3259/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 28-4-87

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37G/9-86/192.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-545, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Major S. S. Mundi alias Major Swaran Singh
r/o Village Sehora, Tehsil Bilaspur,
District Rampur (UP).
at present S-545, Greater Kailash-II, New Delhi
thru' Attorney S. Harchand Singh. (Transferor)
- (2) Kumari Surjit Kaur d/o S. Gajjan Singh and
Kumari Nimarat Mundi d/o S. Harchand Singh
r/o Sehora Tehsil Bilaspur, Rampur (UP). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. S-545, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 570 sq. yds. covered area 1800 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-87
Seal :

FORM 179B

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/166.—Whereas, I V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-62, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Wajidsons Exports Ltd. thro' its Dir. Sh. Abdul Qadir, S/o Sh. Abdul Wajid, D-8, Kalindi Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) (1) Sh. Bimal Kishore Jain, (2) Mr. Rita Jain, (3) Mrs. Kavita Jain, (4) Mrs. Daizy Jain all r/o 1490, Kucha Seth, Dariba Kalan, Chandni Chowk, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. S-62, Greater Kailash-II, New Delhi-48. Measuring 300 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/190.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-189, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Gabriel Garments (P) Ltd.,
S-14, Greater Kailash-II,
thru its Director Sh. W. N. Sawhney,
S/o R. D. Sawhney, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Jai Narain Gupta,
2985, Kucha Mai Dass Bazar Sita Ram,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat. Portion out of building built on plot No. 189, Block 'S' measuring total area 300 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86.—Whereas,
J. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
S-474, Greater Kailash-II, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi in September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Inderjit Singh thro' General Attorney
Shiv Prasad Mittal,
W-106, Greater Kailash-II,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Ganapati Exports Ltd.,
thro' S. Ghosh,
G-30, Masjid Moth, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

S-474, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/157.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-515, (rear portion of ground floor) Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saroj Chadha w/o Jai Ram Chadha
r/o Kesar Service Station G.T. Road,
Jullundur thro' attorney Ashwani Khurana
(Transferor)
- (2) Mrs. Meenakshi Puri w/o Ashok Puri
r/o 36, Sheikh Sarai, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on ground floor of property No. S-515, measuring 550 sq.yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37G/9-86/159.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-515, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53—126 GI/87

- (1) Smt. Saroj Chadha w/o Sh. Jai Ram Chadha
r/o Kesar Service Station G.T. Road, Jullundur
thru' attorney Ashwini Khurana. (Transferor)
- (2) Chander Prakash Bhatia,
41, Sailesh Linking Road,
Santacruz West Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of ground floor portion of property No. S-515, measuring 550 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-87
Seal .

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/156.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-515 (Rear portion) Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saroj Chadha w/o Jai Ram Chadha
r/o Kesar Service Station G.T. Road, Jullundur
thro' attorney Ashwini Khurara.
(Transferor)
- (2) Mrs. Alka Pathak w/o Sh. Keshav Pathak,
Mr. Keshav Pathak s/o Lt. Col. Mahanand Pathak
(Retd) 14, Sirifort Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on first floor of property No. S-515, measuring 550 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/193.—Whereas,
I, V. K. MANGOTRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.S-515, Greater Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered under the
registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in
the Office of the registering Officer at New Delhi in
September 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Saroj Chadha,
Kesar Service Station G.T. Road, Jullundur,
thru' attorney Ashwini Khurana. (Transferor)
- (2) Shri Madhav Pathak,
14, Sirifort Road, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Front portion on second floor of property No. S-515,
Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-5-87
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/164.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-250, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Rupinder Kaur,
A-202, Defence Colony,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Shakuntala Nayar,
4, Sardar Patel Marg, Cantonment,
Lucknow-226 002. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor unit of property No. S-250, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/134.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-462, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Malabika Roy Chowdhury,
S-462, Greater Kailash-II,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Dinesh Bahl and Mrs. Anu Bahl,
32, Hemjunt, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property S-462, Greater Kailash-II, New Delhi plot area 550 sq. yds. covered area 3250 .38 sq. ft.
Date : 11-5-87

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/160 — Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-464, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Malhan Builders,
E-588, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Bathla,
S-254, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One room measuring 10' x 15' on the first floor and open terrace of the building No. S-464, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/9-86/202.—Whereas,
I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-175, Greater Kailash-II, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi
in September 1986

September 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) (1) Mrs. Krishna Verma W/o late Harbans Lal
Verma r/o 26 Stanford Avenue, Wood Green
London- N-22 (2) Rajiv Verma (3) Sunil Verma
(4) Mrs. Seema Mehta.

(Transferor)

- (2) M/s Kalpana Properties and Finance Pvt. Ltd.,
E-316, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-175, Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 300
sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-5-87
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/129.—

Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-171, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Master Aman Nagrath thro' general attorney Satish Seth, R/o G-1/16, Darya Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Span Estates Pvt. Ltd., K-4, Green part Extn., New Delhi thro' its attorney Shri R. K. Maggaon S/o Shri R. L. Maggaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. S-171, measuring 298 sq. yds., Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Hari Har Lal Seth, R/o
S-315, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

(2) Shri Rajesh Kapoor, R/o
W-112, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/174.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. S-315, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-315, Greater Kailash-II, New Delhi, Block 'S', approx area 1620 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
54—126 GI/87

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/132.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S-89, Greater Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Mohindra Pal Khanna and
Mrs. Neelam Khanna, both R/o
Greater Kailash-II, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) Shri Sanjay Pershad, R/o
51, Friends Colony East, Mathura Road,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Measuring 300 sq. yds., built up comprising of 3 bed
rooms with 2 attached bath rooms, 1 drg-cum-dining room,
one kitchen, one store, drive-way with covered parking, front
lawn and back court-yard on the ground floor, one bed room
on the meza floor having access from the dining-cum-drawing
room through staircase one separate staircase for 1st floor,
one room & an open bath W.C. & terrace on the first floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/128.—
Whereas, I. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S-189, Greater Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in September, 1986
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Gabriel Garments Pvt. Ltd.,
S-14, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Kiran Kumari Jain W/o
late Sital Prasad Jain, R/o
A3/89, Panchsheel Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. S-189, measuring 300 sq. yds.,
Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/161.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 511, Block 'S' Greater Kailash-II situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash Handa, R/o
E-319, Greater Kailash-II,
New Delhi-110 048. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Veena Gupta,
2. Smt. Madhu Gupta, R/o
57, Darya Ganj, New Delhi-110 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 511 in Block 'S' measuring 550 sq. yds. in the residential colony Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.) / R-VII/37G/9-86/165.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot No. S-571, Greater Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
Moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Rakesh Kapur and
M/s. Naraind Kapur (HUF)
thru' Naraind Kapur, R/o
163, Golf Link, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri L. N. Jaggi and
Smt. Neelam Sarna, R/o
Lal Mandi, Srinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-571, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-11

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/206.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sneh Dutt, R/o
S-148, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurpreet Singh, R/o
89, Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of property No. S-148, Greater Kailash, New Delhi. Measuring 306 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII

AGGARWAL HOUSE

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37G/9-86/189.—

Whereas, I. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sneh Dutt W/o
Late Shri A. K. Dutt, R/o
S-148, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raminder Singh S/o
late S. Durlab Singh, R/o
89, Anand Lok,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-148, Greater Kailash-II (First floor), New Delhi,
measuring 306 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII

AGGARWAL HOUSE

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-96/221.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 1004, 13 Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sarvshri Ajit Singh Duggal,
Premjit Singh Duggal and
Inderjit Singh Duggal, R/o
B-15, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Mohanjit Singh, R/o
11, Mathura Road, New Delhi-110014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 1004 measuring 696 sq. ft. on 10th floor in 'Mohan Dev', Building 13, Tolstoy Marg, New Delhi (under construction).

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.) / R-VII/37EE/9-86.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 117, 7 Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—126 GI/87

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16-KG Marg,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Kumari Shweta Ansal,
U/G, Shri Gopal Ansal,
R/o 57-Jor Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 117 in 7 Tolstoy Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-86/211.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 138, No. 5 Bhikaji Cama Place situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th Floor, 15, Barakhamba Road,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 138 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 336 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/9-86/213.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 137B, 5, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th Floor, 15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 137B on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

Area 191 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11h May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/216.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Shop No. 137A, 5 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th floor, 15 Barakhamba Road,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 137A on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

Area 236 sq. ft. approx.

(V. K. MANGOTRA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq.)/R-VII/37EE/9-86/215.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 51,00,000/- and bearing No.Shop No. 137.5 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer
at New Delhi

in September, 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th floor, 15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 137 (1 floor) in No. 5, Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

Area 130 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. _____

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th floor, 15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

New Delhi the 11th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/217.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 136A, 5 Bhikaji Cama Place, situated at New
Delhi,
(and more fully described in the scheduled below),
annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
New Delhi
in September, 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette. -

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 136A on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

Area 118 sq. ft. approx.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th floor, 15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/210.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shoj No. 136 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXIA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 136 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area 163 sq. ft. approx.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11h May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/260.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Shop No. 139, 1st Floor No. 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri J. B. Martin,
A-1/230, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th floor, 15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 139 on 1st floor in No. 5 Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

(V. K. MANGOTRA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11h May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86/287.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. UCF-8, No. 4, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at in October 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
56—126 GI/87

(1) M/s. Rajdhani Builders (Prop. Mohte In. Ltd.),
13-14, floor, Alma Ram House,
1-Tolstoy Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) M/s. Neel International,
Suite B-308, 309, Som Datta Chamber-I,
5, Bhikaji Cama Place,
New Delhi-66.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-8 No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi
Area 352 sq. ft.

(V. K. MANGOTRA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi 1

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86/259.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market valueexceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Flat No. 208, Plot No. 4, Bhikaji Cama Place, situated at
New Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under Section
269AB of the said Act, in the Office of the Competent Author-
ity at

in October 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. Parvati Mamtani,
B-5/131, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Em & Em Associates,
Flat No. 208, Plot No. 4,
Bhikaji Cama Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, Plot No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

(V. K. MANGOTRA)
V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Acquisition Range VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-I.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/224.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 113, first floor at plot No. 4, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Rajdhani Builders,
Prop. Moha Industries Ltd.
Atma Ram House,
1, Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmibia Cement (Bharat) Ltd.
11th & 12th floors, Hansalaya,
15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 113, first floor at plot No. 4, Bhikaji Cama Place New Delhi-66.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/223.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Shop No. Upper Ground-14, at Plot No. 4, situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi-66, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Rajdhani Builders,
Prop. Moha Industries Ltd.
Atma Ram House,
1, Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
11th & 12th floors, Hansalaya,
15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. Upper Ground-14, at plot No. 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/225.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Shop No. 114, first floor, No. 4 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Rajdhani Builders,
Prop. Moha Industries Ltd.
Atma Ram House,
1, Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dalmia Cement (Bharat) Ltd.
11th & 12th floors, Hansalaya,
15, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 114 first floor at plot No. 4 Bhikaji Cama Place,
New Delhi-66.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/234.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. A-210, 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice office sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) M/s. Samyukta Bharat Housing Development Corporation Pvt. Ltd.
553, Joshi Road,
New Delhi-110 005.

(Transferor)

(2) M/s. Madras Cements Ltd.,
Shop 'C' Front Portion,
Sagar Apartments,
6, Tilak Marg,
New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flat No. A-210 in Ansal Chambers-I at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-11.

Date : 11-5-87.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-86/261.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Commercial flats Nos A-206 & A-208 in Ansal Chambers-I at 3 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Samyukta Bharat Housing Development Corporation Pvt. Ltd.
553, Joshi Road,
New Delhi-110 005.

(Transferor)

(2) M/s. Madras Cements Ltd.,
Shop 'C' Front Portion,
Sagar Apartments,
6, Tilak Marg,
New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flats Nos. A-206 & A-208 in Ansal Chambers-I at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi

V. K. MANGOTRA
Competent Authority/
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi-1.

Date : 11-5-87.
Seal:

FORM NO. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/9-85/227.—

Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. S-553, Greater Kailash-II, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Living point Construction Company,
Suite No., Dakshinেশwar, 10, Hailey Road,
New Delhi thro' its proprietor Mr. Uday Singh.
(Transferor)
- (2) Mrs. Niroo Gupta,
309, Prakash Street, Teliwara,
Delhi-6 thro' her general power of
attorney Sh. Ram Kumar Garg.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8 share of land of property No. S-553, Greater Kailash-II, measuring 1001 sq. yds. G.F. Front flat with lawn.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-3

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86/260.—
Whereas, I. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority, under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing
No. S-322 Greater Kailash-II (Second Floor),
situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Compe-
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in October 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
being the Competent Authority under Section 269B of
than fifteen per cent of such apparent consideration and
said exceeds the apparent consideration therefor by more
that the consideration for such transfer as agreed to between
believe that the fair market value of the property as afore-
the parties has not been truly stated in the said instrument
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
of transfer with the object of :—

(1) Mr. Bhushan Kumar Uppal,
D-64, Panchsheel Enclave, New Delhi-17.
(Transferor)

(2) M/s Zar International Pvt. Ltd.
1/171, Dakshin Puri Extn., New Delhi-110062.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Second floor of house No. S-322, Greater Kailash-II,
New Delhi-110 048.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-3

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

57—126 GI/87

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sneh Dutt,
S-148, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gunpreet Singh,
S/o Shri S. Raminder Singh,
r/o 89, Anand Lok,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37EE/10-86.—

Whereas, I. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S-148, Greater Kailash-II,
situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and has been registered with the Compe-
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in September 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

1/3 share of land of property No. S-148, Greater Kailash-
II, New Delhi, IInd floor, Barsati floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi-3

Date : 11-5-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE****G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May 1987

(1) Shri Narotam Singh Narang,
12/8 W.E.A. Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Raj Nath,
D-834, New Friends Colony
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq II/37-EE/9-86/49.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-67 N.D.S.E. Part I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Two and half storeyed House No. A-67 NDSE Part I, New Delhi built on plot of land measuring 25½ sq. yds. Freehold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Capt. Reginald Sawhny,
D-108, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Surendra Kumar Jain &
Smt. Poonam Jain, A-13,
Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. IAC (Acq)|Range-II/37EE/9-86/51.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-3 (Now known as B-5) Maharani Bagh,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in September 1987
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B-3 (now known as B-5) Maharani Bagh, New Delhi.
1150 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II/37EE/9-86/52.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. C-11, Block C (now Numbered B-30) situated at Maharani Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1987, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daljeet Singh and
Smt. Amarjeet Kaur
127 Sector 9B Chandigarh.
(2) Shri Harbans Lal Malhotra,
B-30, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-11, Block C (now numbered B-30), Maharani Bagh, New Delhi measuring 785 sq. yards.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Sudhir Garh, and
Smt. Sunita Garh,
27 Abul Fazal Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Chaman Lal HUF, 204, Sarvapria
Apartments, Sarvapriya Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II/37EE/9-86/54.—

Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2nd Floor in Pratap Bhawan
situated at Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter

THE SCHEDULE

500 sq. ft. space on 2nd Floor in proposed building at
Partap Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II/37EE/9-86/67.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-512 New Friends Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Shanti Devi, A-1/102A UG Flat
Lawrence Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Kumud Jain, B-6, Block B, New Friends
Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 512, Block B, New Friends Colony, New Delhi.
510 sq. yds.

ASHOK KACKER
Acquisition Range-II
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhagwan Das Aggarwal,
140, Sector 36A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Vinod Kumar Bajaj, and Smt. Kamini Bajaj,
E-91, Greater Kailash, Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-II/37EE/10-86/72.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
No. E-9, Masjid Moth,
situated at Residential Scheme, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
in October 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter,

THE SCHEDULE

E-9, Masjid Moth Residential Scheme, New Delhi-
110048—Residential plot measuring 180 sq. mts. Lease-
hold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II 37FF/10-86/73.—

Whereas, J. ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Single Storeyed Building, situated at E-227, East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under Section 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in October 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

58—126 GI/87

- (1) Shyam Sunder Goyal,
63, Khan Market, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ravindra Kumar Singhvi,
Smt. Amila Singhvi, M-29, Gr. Kailash-I,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building, E-227, East of Kailash, New Delhi. plot area 500 sq. yards.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II/37EE/10-86/74.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-91, Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in October 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) R. S. Bhambral and sons, HUF through
Air Cmdre R.S. Bhambral, Karta.
S-124 GKI, New Delhi.
- (2) S. N. Bose and Mrs. Suhita Bose,
17A/31 WEA Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-91, Defence Colony, New Delhi. 325 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Inderjit Mehra, E-20, Kalindi Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Parshad, HUF, D101,
New Friends Colony.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range-II/37EE/1-87/76.—

Whereas, I, ASHOK KACKER,
as the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding1,00,000/- and bearing
E-20, Kalindi Colony, New Delhi
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with
48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962
January 1987,an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
ten per cent of each apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of this said Act,
shall have the same meaning as given in this
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/orProposed transfer property No. E-20, Kalindi Colony,
New Delhi.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/65.—Whereas, I, ASHOK KACKER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement of property No. D-42, situated at N.D.S.E.-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd.,
A-6, Ring Road, New Delhi
(Through Director Bhushan Kumar Uppal).
(Transferor)
- (2) M/s Mayur Finance Ltd.,
B-192, Okhla Industrial Area Phase-I,
New Delhi.
(Through Director M P. Agarwal).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Basement of Property No. D-42, N.D.S.E.-I, New Delhi measuring 1080 sq. ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dated : 15-5-1987
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/66.—Whereas, I,
ASHOK KACKER
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
9-42, N.D.S.E. Part-I, New Delhi
situated at Mezanine floor of property No. D-42, N.D.S.E.,
Part-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi
on Sept. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
Moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Ms Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd.
A-6, Ring Road, N.D.S.E., New Delhi
through its Director Shri Bhushan Kumar
Uppal.

(Transferor)

- (2) M/s Mayur, Finance Ltd.,
B-192, Okhla Industrial Area Phase-I,
New Delhi through its Director
Sh. M. P. Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mazamome floor of property D-42, NDSE-I, New Delhi
admeasuring 1090 sq. ft. Plot area 143 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dated : 15-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/67.—Whereas, I,
ASHOK KACKERbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.D-42, NDSE-I, New Delhi
situated at First Floor of Property No. D-42,
NDSE-I, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi
on Sept. 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd.
A-6, Ring Road, NDSE New Delhi,
through its Director Bhushan Kumar Uppal.
(Transferor)
- (2) M/s. Venkateshwar Hatcheries (P) Ltd.
1797 Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. D-42, N.D.S.E.I, New Delhi
measuring 1315 sq. ft. plot area 143 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant-Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dated : 15-5-1987
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-/III/9-86/71.—Whereas, I,
ASHOK KACKERbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.A-1, Kalindi Colony, New Delhi
situated at Front First Floor Flat with a covered
area of 1845 sq. ft. A-1, Kalindi Colony,
New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi
on Sept. 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Manmohan Kaur,
E-1/139 Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kulmit Khushal Singh
D-1048, New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Front First Floor flat with a covered area of 1845 sq.
ft. in the residential building at A-1, Kalindi Colony, New
Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated : 15-5-1987
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/72.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Ground Floor, A-1, Kalindi Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Smt. Manmohan Kaur,
E-1, 139 Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur Bir,
W/o Shri Jasbir Singh Bir,
D-1025, New Friends Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front Ground Floor Flat in the residential building at A-1, Kalindi Colony, New Delhi with a covered area of 1659 sq. ft. Courtyard area of 74 sq ft and 1830 sq ft of land/Verandah.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi,

Dated : 15-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. No. IAC/Acq-II/SR-III/9-86/73.—Whereas, I, **ASHOK KACKER**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. P-16, N.D.S.E. Part-II, New Delhi, situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

59—126 GI/87

- (1) M/s Elveen Enterprises Pvt. Ltd.
P-16, N.D.S.E.II, New Delhi
through Managing Director Shri K. L. Verma.

(Transferor)

- (2) Sh. Brij Kumar Goel
S/o Late B. R. Goel & Smt. Satya Goel
W/o Sh. B. K. Goel 50B Pocket A-10,
Kalkaji Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. P-16, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi, measuring 200 sq yds,

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Dated : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/9-86/74.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-74, N.D.S.E.-II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Amar Singh Bhalla S/o Rala Ram Bhalla
B-62, NDSE II, New Delhi through Attorney
Sh. Satish Seth. (Transferor)
- (2) Praveen Kumar Walia S/o K. K. Walia
Smt. Rupa Walia W/o P. K. Walia,
M-15, Green Park Ext. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor A-74-A, N.D.S.E. Part-II New Delhi measuring 200 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 15-5-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86/75.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
6 Friends Colony, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on Sept. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. A. N. Wanchoo Smt. Indu Kak
and Smt. Prabha Tikku 6 Friends Colony
(West N. Delhi).

(Transferor)

- (2) Smt. Jaskirat Datwani Shri Ramesh
Datwani 71 Golf Link, New Delhi &
CNA Exports (P) Ltd., B-52, Okhla Indil Area
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 6, Friends Colony (West, New Delhi) in Nathuram
Friends Colony, Mathura Road, N. Delhi.
Area 3396 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86/76.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- No. 7, A/2 Friends Colony, West N. Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nirmla Devi W/o Sh. Lekh Raj Arneja and Ajit, through Attorney Sh. Brahama Arneja N-51, Panchsheel Park, N. Delhi
(Transferor)
- (2) Sh. Niraj Nayan Shrivastava and Mrs. Ritu Shrivastava B5/119 Safdarjung Enclave New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-A/2 Friends Colony, West, New Delhi ad-measuring 470 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated 15-5-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86/78.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-42, N.D.S.E-I, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ajantas Shilpalya Pvt. Ltd., A-6, Ring Road, N.D.S.E-I, New Delhi, through Director B. K. Uppal, (Transferor)
- (2) M/s. Mayur Finance Ltd. B-192 Okhla Indl. Area Phase I, through Director M. P. Agarwal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of property No. D-42, NDSE-I, New Delhi plot area 143 sq yds flat area 1215 sq ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987
Seal:

FORM NO. IT.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq/Range-II/SR-III/9-86/78.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-3, Maharani Bagh, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajkumari Rupindra Kumari,
F-18, Haus Khas, New Delhi. (Transferor)
- (2) Basudeo Kanoria, 2. Mrs. Pushpa
Devi Kanoria 3. Mr. Harsh Vardhan Kanoria
1 Ratendrne Road, N. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-3, Maharani Bagh, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987
Secd:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-II/SR-III/9-86/111.—

Whereas, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-6, Kailash Colony, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s B. R. Towers Limited,
A-18, Kailash Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shyam Sunder Arora,
S/o Late Shri Gobind Ram Arora,
R/o 10/99 Geeta Colony, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/10th undivided share in the plot of land total area 523.6 sq yds at B-6, Kailash Colony, New Delhi Ground floor flat No. 101, comprising of four bed rooms, four bath rooms, one drawing cum Dining, one kitchen front part lawn and common Drive way-covered area 1900 sq ft. alongwith S/quarters.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Dated: 15-5-1987
Seal :

FORM TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-II/SR-III/9-86/112.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. L-27, Kailash Colony, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pandit Bhupinder Singh
S/o Arjan Dass,
L-27, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Time Enterprises,
D-78, Defence Colony,
through its partner
Shri Manjit Singh
S/o Darshan Singh,
C-595, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L-27, Kailash Colony, New Delhi, measuring 199.8/10 sq. yards consisting of two bed rooms, drawing-cum-dining and kitchen and one bathroom.

ASHOK KACKER
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-II/SR-III/9-86/113.—

Whereas, J. ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-502, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

60—126GI/87

- (1) Mrs. Raj Khanna
W/o Late Lt. Col. O. P. Khanna,
C-502, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Purshotam Singh Chadha
S/o . Gurbachan Singh Chadha,
2 Underhill Road Civil Lines,
Delhi-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-502, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq. yds. (appx.).

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-II/SR-III/9-86/114.—
Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-1, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Gen. S. K. Talwar
S/o Shri A. R. Talwar
R/o B-58, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Ratra
W/o Shri Vinod Batra,
FD-91, Tagore Garden,
New Delhi,
Smt. Nishi Sethi
W/o Shri Narender Sethi,
10/20, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-1, Defence Colony, New Delhi measuring 333 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

- (1) 1. Sh. Bitinder Singh Khaneka
2. Smt. Manjorini Khaneka,
B-12, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Rajive Jain,
D-340, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

Ret No. I.A.C.(Acq)/R-II/SR-III/9-86/115.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. D-340, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

D-340, Defence Colony, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-II/SR-III/9-86/116.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-252, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jagjit Kaur
W/o Surjit Singh,
D-252, Defence Colony,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Simmu Samir Associates Pvt. Ltd.,
through Baldev Raj Kapoor,
Director,
6, Tilak Marg,
New Delhi,
Smt. Sushila Sibal
W/o Narender Sibal,
D-342, Defence Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-252, Defence Colony, New Delhi, measuring 325 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Major G. S. Saini
S/o Sh. Mansa Singh,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Essel Properties & Industries
(A Unit of Rama Associates (P) Ltd.)
B-10, Lawrence Road Ind. Area,
New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-H/SR-III/9-86/118.—

Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

No. A-22, Kailash Colony, New Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-22, Kailash Colony, New Delhi-48.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4, 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C (Acq)/R-II/SR-III/9-86/119.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-86, Defence Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Major (Retd) Rajwant Singh Hassanwalia
S/o S. Isher Singh,
B-86, Defence Colony,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Saigal,
47/6, Old Rajinder Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-86, Defence Colony, New Delhi
measuring 325 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s B. R. Towers Limited,
A-18, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Malhotra
W/o H. C. Malhotra,
R/o G-6, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/AR-II/SR-III/9-86/120.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-6, Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground Floor portion comprising of Two Bedrooms Two Bathrooms, one Drawing-cum-Dining, one Kitchen and back Court Yard and First Floor rear portion comprising of Two Bedrooms, Two Bathrooms, Drawing-cum-Dining and One Kitchen and side balconies with the Flats at B-6, Kailash Colony, New Delhi. Total plot Area 523.6 sq. yds. Free hold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-II/SR-III/9-86/121.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 23, Masjid Moth, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) B. K. Paul,
R. K. Paul & others,
through attorney B. K. Paul & others,
C-148, Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Rajinder Saigal
S/o Shri Jit Ram Saigal,
A1/149 Inderpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23, Masjid Moth, New Delhi Measuring 400 sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C (Acq)/R-II/SR-III/9-86/124.—

Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 34, Kailash Apartments, situated at Lala Lajpat Rai Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
61—126GI/87

- (1) Rekha Mohan
W/o Rakesh Mohan
Rocky Villa Mohan Meakin Road, Daliganj,
Lucknow.
(Transferor)
- (2) Mrs. Asha Garg
W/o Ravinder Garg
Kishore House Asand Road,
Panipat,
at present 14 Kailash Apartments,
New Delhi
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, measuring 1730 sq. ft. Kailash Apartments,
Lala Lajpat Rai Road, New Delhi

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 15-5-1987
Seal :

FORM NO. IT.N.S. _____

(1) Amritlal Chemaux Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Akruti, Retiwala Bldg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXR. NO. 226-A,
ACQUISITION RANGE-IC,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th June 1987

Ref. No. AR.II.37EF/M-70/87-88.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
No. 944.25 Square Mtrs of land situate off sitladevi Temple
Rd., Mahim Bombay-16
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 41228 29-10-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of each apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

944.25 square meters of land situated off sitladevi Temple
Road, Mahim Bombay-16 Final No. 397, TP-S-3,
CS-764.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR II/37EE/41228/85-86
dated 29-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) Prakash Sajanlal Choksi

(Transferor)

(2) Yusuf Abdulla Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXR. NO. 226,
ACQUISITION RANGE-IC,
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th June 1987

Ref. No. AR.III.37/W.144/85-86.—Whereas, I.

G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3 on 3rd Fl. & Garage No. 3, "HERMES HOUSE
III", 7/7B Abdul Gaffarkhan Marg, Worli, Bombay
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 10884/17-10-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of, the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/orFlat No. 3 on 3rd floor and Garage No. 3 'HERMES'
House III 7/78 Abdul Gaffar Khan Marg, Worli, Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10884/85-86
dated 17-10-1986.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1987

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. Sarladevi C. Shah & Ors. (Transferor)
 (2) Mr. G. N. Jaisingh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
 R. NO. 226
 AAYAKAR BHAVAN,
 BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR III/37TF/W. 149/85-86.—Whereas, I,

G. P. GUJRATI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, Second Fl, Sea Glimpse Worli Hill Road,, Abdul Gacar Khan Road, Worli, Bombay-18, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10896/27-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 2nd floor, Sea Glimpse, Worli Hill Road, Abdul Gaffar Khan Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.1/37LE/10896/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IC
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mansons Auto International.

(Transferee)

(2) M/s. Kanakdhara Steel Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/W. 147/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Gala at G-4 Neelam Centre Hind Cycle Road, Worli, Bombay-400 018, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10892/27-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala at G-4 Neelam Centre, Hind Cycle Road Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10892/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Bombay

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Cozy Home Builders.

(Transferee)

(2) Shri Mohamed Seed Abdul Majid Khan &
Shri Abdul Majid A. K. Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR.III/37EE/M-54/85-86.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI.being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 11 on 5th Fl. in Bldg. "D" Luna Apartment" Plot
No. 604 & 612, Lady Jamshedji Rd. Mahim, Bombay-400 016.
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 14-8-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 5th floor in Building 'D' Luna Apartment,
Plot No. 604 and 612 Lady Jamshedji Road, Mahim,
Bombay-16.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/39136-A/85-
86 dated 13-10-1986.G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1987

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR. III/37EE/D-57/85-86—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 577 sq. yds. (463.20 sq. mtr.) bearing No. 773 of TPS No. IV Mahim City, C. S. No. 1/347 (Part) at Ash Lane, Gokhale Rd, Dadar, B'bay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|------------------------------------|--------------|
| (1) Shri Ramakant Waman Chavan. | (Transferor) |
| (2) S/Shri Krishna G. Sakhardande. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 577 Sq. yd (463.20 Sq. meter) bearing No. 773 of T.P.S. No. IV Mahim City C.S. No. 1/347 (part) at Ash Lane, Gokhale Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/40473/85-86 dated 24-11-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IC
Bombay

Date : 5.6.1987
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Smt. Makhinidevi Atmaram Marwah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Hasmukh Shantilal Shah,
2. Shri Indrakumar Shantilal Shah,
3. Smt. Shantaben S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,

R. NO. 226

AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1987

Ref. No. AR. III/37EE/S-20/85-86.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 13, Admeasuring about 1300 Sq. ft. (Built up) on
2nd Fl. of Ram Nivas Bldg. No. 1, Plot No. 226, Sion East,
Bombay-400 022,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 10862-A/13-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 13 Admeasuring about 1300 sq. ft. on 2nd
floor of Ram Nivas Bldg. No. 1. Plot No. 226 Sion (East)
Bombay-22.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10862-A/85-
86 dated 13-10-1986.G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :Date : 5-6-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Computronics India,

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Singhal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC,

R. NO. 226

AAYAKAR BHAVAN,

BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III/37FI/W. 148/85-86. —Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
30% Int. in Flat No. 109 (Duplex) on 9th & 10th Flat
Samudra Mahal, Dr. Annie Besant Rd, Bombay-400 018
(as Co-owner),
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 10894/7-10-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

30% interest of flat No. 109 (Duplex) on 9th and 10th
floor at Samudra Mahal, Dr. Annie Besant Road, Worli,
Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10894/85-86
dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
62—126GI/87

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amritlal Bhikabhai Shah
Smt. Chandanben Amritlal Shah. (Transferor)

(2) Smt. Bina, Mehendra Shah
Smt. Neeta Rajendra Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. II/37EE/P-24/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 2.1, Gurudeo Co-operative Hsg. Scty., Ltd. Prabhadevi, Bombay-400 025, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10871/14-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2.1, Gurudeo Co-op. Hsg. Society Ltd. Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10871/85-86 dated 14-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ramesh Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Rustom B. Desai,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/D-34/85-86.—Whereas, I, G. P. GUJRATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Family House, Flat No. K 2 Dadar, 793/794 Parsi Colony, Bombay-400 014, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10895/27-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Family house, Flat No. K 2, Dadar, 793/794 parsi colony, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10985/85-86 dated 27-10-1986.

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IC,
R. NO. 226
AAYAKAR BHAVAN,
BOMBAY-20

Bombay, the 5th June 1986

Ref. No. AR. III/37EE/P-23/85-86.—Whereas, I,
G. P. GUJRATI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat Nos. 401 & 404 together with covered parking space nos.
P-6 & P-7 in the building Nestle-I at Pandurang Budhkar
Marg, B'bay-25,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 10853/13-10-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Scal Investments Ltd.
2. The Bombay Dyeing & Mrg. Co. Ltd.
(Transferee)
- (2) Gujarat Co-op. Mill Marketing Federation Ltd.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 401 and 404 together with covered parking space
nos. P. 6 and P. 7 in the Building Nestle-I at Pandurang
Budhkar Marg, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/10853/85-86
dated 13-10-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. GUJRATI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-6-1987
Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IB,
 BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref No ARIB/37G/22/86-87—Whereas I,
 P. N. BANSAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs.
 1,00,000/- and bearing No.
 As per Schedule hereto
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay
 on 12-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

- (1) 1. Natwarlal Dwarkadas Shroff
 as Manager and Karta of His Hindu Undivided
 Family consisting of himself
 (i) Shri Dilip Kumar Natwarlal Shroff (his son)
 (ii) Smt. Meena Dilipkumar Shroff (wife of Dilip)
 (iii) Km. Vibha Dilipkumar Shroff (Grand daughter)
 (iv) Km. Secma Dilipkumar Shroff (Grand daughter)
 (v) Shri Daushal Dilipkumar Shroff (Grand son)
 the last three being minors represented by Natwarlal
 Dwarkadas Shroff being the Guardian appointed by
 an Order dated 27th day of April, 1981, passed by
 the High Court of Bombay of the First Part resi-
 ding at Son Kamal, Walkeshwar, Bombay-400006.
 2. Shri Bhagwandas Dwarkadas Shroff
 as Manager and Karta of his Hindu Undivided
 Family consisting of himself and
 (i) Suresha Anil Shroff (wife of late Anil)
 (ii) Tushar Anil (minor) grand son)
 (iii) Devand Anil Shroff (Minor) (Grandson)
 (iv) Nitin Bhagwandas Shroff (Son)
 (v) Nita Nitin Shroff (wife of Nitin)
 (vi) Premal Nitin Shroff (minor son of Nitin)
 (vii) Yashita Nitin Shroff (minor daughter of Nitin)
 The said Tushar, the said Devand, the said Premal
 and the said Yashita—i.e parties (ii), (iii), (vi) and
 (vii) parts herein being minors represented by the
 said Bhawandas Dwarkadas Shroff being the guar-
 dian appointed by an Order dated 3rd day of April,

1981, passed by the High Court of Judicature at
 Bombay in Miscellaneous Petition No. 131 of 1981
 of the Second Part residing at 220 Walkeshwar
 Road, Bombay-400006.

3. (a) Shri Madhavdas Dwarkadas Shroff and 3
 (b) Mrs. Kusumben Madhavdas Shroff (Wife of
 Madhavdas) of the Third Part
 Residing at Nirwan, 95/D, Oomer Park, Bhulabhai
 Desai Road, Bombay-400026.

4. (a) Shri Natwarlal Dwarkadas Shroff and 4
 (b) Shri Dilipkumar Natwarlal Shroff
 Being the executor and Trustees of the last Will and
 Testament of late Sonabai Dwarkadas Shroff (the
 mother of the said Natwarlal) of the Fourth Part
 residing at Son Kamal, Walkeshwar, Bombay-
 400006.

5. Shri Dilip Natwarlal Shroff
 of the Fifth Part residing at Son Kamal, Walkesh-
 war, Bombay-400006.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jethalal Ladhuram Maniar,
 2. Shri Ravindra Jethalal Maniar,
 3. Shri Prakash Jethalal Maniar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
 movable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of this said Act,
 shall have the same meaning as given in this
 Chapter.

THE SCHEDULE

On or towards the North—By Sardar Vallabhai Patel Road
 and partly by Vithalbhai Patel Road
 On or towards the South—By the property of Rai Bahadur
 P.B. Joshi, bearing C.S. No. 1352.
 On or towards the East—By Benham Lane, and
 On or towards the West—Partly by the property of Ran-
 choddas Bhavan, bearing C.S. No. 1354 and partly
 by the property of Yeshwant Ramchandra Nayak
 bearing C.S. No. 1355.
 C.S. No. 1353 Girgaum Division Area 2145 sq. mts.

P. N. BANSAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IB
 Bombay

Date : 6-5-1987
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR/IB/37G/19/86-87.—Whereas, I,
P. N. BANSAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule hereto

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as also said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Jivanji Hooscinbhai,
2. Taherbhai Abbasbhai Karimji,
3. Mrs. Zainab Jewanjee Moriswalla and
4. Mrs. Razia Taher Currimji
Trustees of Noorbhai Diwanji Moriswalla Charitable Trust.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Fazelhoosein Hasanji
2. Abidali Safdarali,
3. Zakir Kasamali,
4. Nazarali Ahmedali,
5. Bakirali Ahmedali,
6. Imran Essofally and
7. Sugarabai I. Lokhandwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situated at on the South side of Bhandari Street in the City and Island of Bombay and in the Registration District and Sub District of Bombay City and Suburbs which piece of land has been computed to contain total area of one thousand five hundred and forty one sq. yards or thereabouts equal to 1288.46 sq. metres and which is bounded on the North by Bhandari Street on the East by Narsi Natha Street on the South by the land of Bombay Municipal Corporation laid out as a service passage and on the West by Kazi Syed Street which said piece of land is known as Plot Nos. 15, 16 and 17 of the Mandvi Koliwada Estate of the Bombay Municipal Corporation at which said premises are assessed by the Collector of Land Revenue under New Survey Nos. 2395, 2396, 2397 and 2347 and Cadastral Survey No. 216 of Mandvi Division and are assessed by the Municipality under B Ward No. 1981, 1920, 1251—1255—57, 1921—1925 and 1972—1975, Street Nos. 27—25, 155—163, 428—438.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB
Bombay

Date : 6-5-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JB,
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR.IB/37G/12/86-87/5454.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule hereto (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ravindra Mulraj & Others,
Trustees of Ravindra Mulraj Trust.

(Transferor)

- (2) M/s. Kamal and Company.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First—(being the description of the premises demised by Hussein Elias Rashid Ali Baig and Mr. M. Ishaq as Lessors to the Predecessors of the Assignors as set out in the Indenture of Lease dated 16th day of October, 1947).

All those piece or parcels of vacant Foras Land or ground situated at DeLisle Road now Tulsi Pipe Line Road in the City and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement 13237 sq. yards equivalent to 10895 square metres or thereabouts registered by the Collector of Land Revenue along with other land under New Nos. 11931, 11957 and 11994 New Survey No. 1/2641 and 2/2642 (Part) and Cadastral Survey No. 833 of Lower Parel Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under G Ward Nos. 2521 (2), 2521 (2AA), 2521 (2A) and 2526(2) and Street Nos. 33A-38, 38AA and 33H, and bounded on or towards the East partly by the property of the Lessors and partly Tulsi Pipe Road on or towards the West by the property of R. M. D. Chhabargwala on or towards the South by the property of Haji Mahomed Haji Ahmed and others and on or towards the North by land belonging to the Municipality and Municipal drain.

Secondly—(being the description of the premises leased by the predecessors of the Assignors to the Assignees as set out in the Indenture of Lease dated 8th August, 1950).

All that piece or parcel of vacant Foras Land or ground situated at DeLisle Road New Tulsi Pipe Line Road in the City and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement 8246 sq. yards or thereabouts land and now increased to 11013 sq. yards equivalent to 9064 sq. meters being a portion of a larger piece of land admeasuring 13237 sq. yards or thereabouts and registered by the Collector of Land Revenue along with other land under New Nos. 11931, 11957 and 11994, New Survey No. 1/2641 and 2/2642 (part) and Cadastral Survey No. 833 of Lower Parel Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under G Ward Nos. 251 (2), 2521 (2AA), 2521 (2A) and 2526(2) and Street Nos. 33A, 38A, 38AA and 33H and bounded on or towards the East partly by the property of Bombay Municipality, partly by the property of Hussein Elias and others and partly by Tulsi Pipe Road on or towards the West by the property of R. M. D. Chhabargwala on or towards the South by the property of the said Hussein Elias and others leased to the Assignors and on or towards the North partly by land belonging to the Municipality and Municipal drain and partly by the property of the said Hussein Elias and others leased to the Assignors.

P. N. BANSAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JB
Bombay

Date: 6-5-1987
Seal:

No. F.7/2/87-E.I(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission on 13th December, 1987 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 80th Course and Naval Academy for the 2nd 10+2 (Executive Branch) Course commencing from July, 1988.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 360 (195 for the Army, 39 for Navy, 66 for the Air Force and 60 for the executive branch of Naval Academy).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 9 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy and Naval Academy and (d) guide lines for filling up the application form; are given in Appendices I, II, III and IV respectively.

2. *Centres of Examination*:—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 8(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received, after 13th November 1987 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:—

(a) **NATIONALITY**:—A candidate must be either:—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African

countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) **AGE LIMITS, SEX AND MARITAL STATUS**:—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1969 and not later than 1st January, 1972 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a university, which extract must be certified by the proper authority of the university or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificates. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the results of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted. The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Note 1.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 3.—CANDIDATES MUST UNDERTAKE NOT TO MARRY UNTIL THEY COMPLETE THEIR FULL TRAINING. A CANDIDATE WHO MARRIES SUBSEQUENT TO THE DATE OF HIS APPLICATION THOUGH SUCCESSFUL AT THIS OR ANY SUBSEQUENT EXAMINATION WILL NOT BE SELECTED FOR TRAINING. A CANDIDATE WHO MARRIES DURING TRAINING SHALL BE DISCHARGED AND WILL BE LIABLE TO REFUND ALL EXPENDITURE INCURRED ON HIM BY THE GOVERNMENT.

(c) **EDUCATIONAL QUALIFICATIONS**:—

- (i) *For Army, Navy and Air Force Wings of National Defence Academy*—12th Class pass of the 10+2 pattern of School Education or equivalent conducted by a State Education Board or a University.
- (ii) *For 10+2 Executive Branch Course at Naval Academy*—12th Class pass of the 10+2 pattern of School Education or equivalent with Physics, Chemistry and Mathematics conducted by a State Education Board or a University.

Candidates who are appearing in the 12th Class under the 10+2 pattern of School Education or equivalent examination can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and 10+2 or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP)(a) West Block III, R.K. Puram New Delhi-110066 and for Naval

Academy candidates to Naval Headquarters, R&R Section, 206 'C' Wing, Sena Bhawan, New Delhi-110011 by 3rd July, 1988 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the Institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the 12th Class or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the 12th class or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of the conduct of Board/University Examination delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through central recruitment fee stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE I.—Central Recruitment Fee Stamps (Not Postage Stamps) may be obtained from the Post Office and affixed on the first page of the application form in the space provided for the purpose. The stamps may be got cancelled from the issuing post office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate identification of date and the post office of issue. Postage Stamps will in no case be acceptable in lieu of Central Recruitment Fee Stamps.

NOTE II.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-63 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka

who migrated to India on or after 1-1-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned officers, Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

(a) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and

(b) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE :—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 4(iii) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that students of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

(iv) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the 10+2 or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the 10+2 or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(v) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in December, 1986 or May 1987 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA and Naval Academy Examination December 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1988.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY : A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the application form published in the Newspapers and in the Employment News dated 27th June, 1987 in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Newspapers and in the Employment News dated 27th June, 1987. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the National Defence Academy and Naval Academy Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR NATIONAL DEFENCE ACADEMY and Naval Academy EXAMINATION, DECEMBER, 1987".

(a) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order/Central recruitment Fee Stamps or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).
- (ii) Attendance Sheet (Published in the Newspapers and in the Employment News dated 27th June, 1987 duly filled in on foolscap size papers.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm. approx.) photograph of the candidate—one, pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms x 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only international form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates, should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward it to the Commission.

The applications of Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rastriya Indian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, Student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

NOTE: APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES, AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE, ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS

FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY, THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE ARMY HEADQUARTERS SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH, 1988 :—

1. CERTIFICATE OF AGE.

2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.

3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.

4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR FEE CONCESSION WHERE APPLICABLE.

5. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE REQUIRED BY THE ARMY HEAD QUARTERS TO FURNISH SOME ADDITIONAL INFORMATION. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE ARMY HEADQUARTERS, AG'S BRANCH RTG 6(SP) (a) WEST BLOCK-3, WING-1 RAMAKRISHNA PURAM NEW DELHI-110022 AT THAT TIME. ALL CANDIDATES CALLED FOR INTERVIEW MUST CARRY THEIR ORIGINAL MATRICULATION CERTIFICATES OR EQUIVALENT EXAMINATION CERTIFICATES TO THE SERVICES SELECTION BOARD (SSB). THOSE NOT IN POSSESSION OF THIS CERTIFICATE WILL NOT BE TESTED AT THE SSB. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATES WHO QUALIFY AT THE SSB INTERVIEW SOON AFTER THE INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 6 BELOW.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONG WITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring Impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified

in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them.

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS :

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before 10th August 1987 (the 24th August 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangti Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 10th August 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 10th August 1987.

NOTE :

(i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

(ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION/ ARMY HEADQUARTERS

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :

(i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

(ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

(iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as the Application Registration No. already communicated to the candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

(iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

(v) Candidate should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(vi) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

Important : ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :

1. NAME OF THE EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED).
4. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE

IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS OF THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, AG's BRANCH RTG. 6 (SP) (a), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R.K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done the responsibility of non-receipt of the joining instruction will rest with the candidate.

9. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy Wings of NDA and 10+2 Executive Branch of Naval Academy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy and Naval Academy should secure the minimum qualifying marks separately: (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the Written examination, and the Services Selection Board Tests

in three separate lists—one for the Army and the Navy, the second one for the Air Force and the third for the Course at the Naval Academy. The names of candidates who qualify for all the Services and the Naval Academy will appear in all the three Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order of merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force and the Executive Branch of Naval Academy upto the number of vacancies available from the order of merit list for the Naval Academy subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to all the three merit lists will be considered for selection from all the three Lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other lists.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

10. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy or Naval Academy but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy or Naval Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

11. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K.S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. K. KRISHNAN,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

Appendix

THE SCHEME AND SYLLABUS OF EXAMINATION

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

Important Note

1. Union Public Service Commission in consultation with the Ministry of Defence have introduced recruitment to Executive Branch of the Naval Academy through the 10+2 (Executive Branch) course at the Naval Academy in the scheme of National Defence Academy Examination w.e.f. the N.D.A. Examination to be held in December, 1987. The scheme for admission to the Naval Academy will be the same as in the case of Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy Examination except that a candidate for admission to Naval Academy should have passed the 12th Class of the 10+2 pattern of school education or equivalent examination with Physics, Chemistry and Maths.

2. Union Public Service Commission in consultation with the Ministry of Defence have simplified the previous Scheme of National Defence Academy Examination. The previous Scheme of the National Defence Academy Examination comprised five papers—2 of Mathematics, 2 of General Knowledge and 1 of English, each of two hours duration spread over a period of three days. The new revised Scheme which has been introduced from National Defence Academy Examination, December, 1986 is a simplified one and consists of two papers—(i) Mathematics covering Maths I and II of previous Scheme, and (ii) General Ability Test covering General Knowledge and the English of previous Scheme as per details given below:—

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject	Duration	Max. Marks
Mathematics	3 hours	300
General Ability Test	3 hours	600
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

3. The 'Candidates Information Manual' containing details pertaining to objective type tests including sample questions will be supplied to candidates along with the Admission Certificate.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. The candidates are not permitted to use calculators or Mathematical or logarithmic tables for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside examination hall.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

PAPER-I—MATHEMATICS—Maximum Marks—300

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, integers, Rational and Real number, Fundamental operation—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory, Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Area of figures which can be split up into those figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equation in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians, and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of its parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and their properties including tangents and normals, (ix) loci.

Trigonometry

Sine x , Cosine x ; Tanent x when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$.

Value of Sin x , Cos x and Tan x for $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

PAPER-II—GENERAL ABILITY TEST (Maximum Marks—600)

Part 'A'—ENGLISH (Maximum Marks—200)

The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

Part 'B'—GENERAL KNOWLEDGE (Maximum Marks—400)

The question paper on General Knowledge will broadly cover the subjects; Physics, Chemistry, General Science, Social Studies, Geography, and Current Events.

The syllabus given below is designed to indicate the scope of these subjects included in this paper. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive, and questions of topics of similar nature not specifically mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the subject.

Section 'A' (Physics)

Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refractions. Spherical mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet, Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors, Ohms Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraphs, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

Section 'B' (Chemistry)

Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom, Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

Section 'C' (General Science)

Difference between the living and non-living.

Basis of Life-Cells, Protoplasts and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constitution of food, Balanced Diet.

The Solar System, Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Section 'D' (History, Freedom Movement etc.)

A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State, Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world, Renaissance Exploration and Discovery, War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy. Socialism and Communism, Role of 'India in the Present world.

Section 'E' (Geography)

The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth. Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical, Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, Cyclones and Anticyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate, Major Natural regions of the World.

~~Regional Geography of India~~—Climate, Natural vegetation, Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

Section 'F' (Current Events)

Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including connected with cultural activities and sports

NOTE

Out of maximum marks assigned to part 'B' of this paper questions on Sections 'A', 'B', 'C', 'D', 'E' and 'F' will carry approximately 25%, 15%, 10%, 20%, and 10% weightages respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basis intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

APPENDIX II**GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY AND THE NAVAL ACADEMY**

NOTE :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS.

CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution bodily defects of underweights.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cmt. for Navy and 162.5 cms. for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum accepted heights will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	15-16 years	16-17 years	17-18 years
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.0	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

A+10% (\pm 6Kgs. for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

NOTE 1 :—Height relaxation upto 2.5 cm (5 cm. for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

NOTE 2 :—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

	Minimum	Maximum
Leg Length	99.00	120 cms
Thigh Length	—	64.00 cms.
Sitting Height	81.50	96.00 cms

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch lower angle of the shoulder blades behind X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

FOR AIR FORCE

Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;
 - (i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
 - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape local tenderness, if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only, X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.
- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality of spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force :
 - (i) Granulomatous disease of spine.
 - (ii) Arthritis/spondylosis.
 - (iii) Scoliosis more than 15 degree as measured by Cobb's Method.
 - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
 - (v) Spondylosis/spondylosis.
 - (vi) Herniated nucleus pulposus.
 - (vii) Compression fracture of Vertebra.
 - (viii) Scheurman's Disease.
 - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
 - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (l) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat. Audiometric test will be done for AP. Audiometric loss should not exceed +10db in frequencies between 250 Hz and 4000Hz.
- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.

(n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.

(o) Unoperated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.

(p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

(r) Any disease of skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

(s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6, 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

Vision standard for Naval candidates

Distant vision 6/6 6/9 Correctable to 6/6

Near Vision N-5 each eye

Colour vision CPI by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptries and hypermetropia not more than 1.50 dioptries in the better eye and 2.50 dioptries in the worse eye

Ocular Muscle Balance
Heterophoria with the Moddox Rod test must not exceed

(i) at 6 metres Exophoria 8 prism dioptries
Esophoria 8 prism dioptries
Hyperphoria 1 prism dioptries

(ii) at 33 cm Exophoria 16 prism dioptrie
Esophoria 6 prism dioptrie
Hyperphoria 1 prism dioptrie

for Air Force, the criteria are :—

Distance Vision 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near Vision N-5 each eye

Colour Vision CPI (MLT)

Manifest Hypermetropia must not exceed 2 10

Myopia Nil

Astigmatism + 0.75 D Cyl

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Moddox Rod must not exceed—

(i) at 6 metres Exophoria 6 prism dioptries
Esophoria 6 prism dioptries
hyper/ydephoria 1 prism dioptrie.

(ii) at 33 cms. Exophoria 16 prism dioptrie
Esophoria 6 prism dioptrie
Hyper/Hyperphoria 1 prism dioptrie.

(iii) Binocular Vision Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth.)

(t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will

be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering

(u) Routine ECG and EEG for Air Force Candidates must be within normal limits.

APPENDIX III

(BRIEF PARTICULARS OF THE SERVICES, ETC.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :—

(a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parents or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500 00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75 00 per month	Rs. 375 00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650 00
(c) Incidental Expenditure during 1 Semester	Rs. 150 00
Total	Rs. 1175 00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75 00 per month	Rs. 375 00
(b) For items of clothing and equipment approximately	Rs. 475 00

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

- (1) **PARSHURAM BHAI PATWARDHAN** scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL** Scholarships.—are awarded to two cadets who obtain Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- (3) **KAUR SINGH MEMORIAL** Scholarship.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.
- (4) **ASSAM GOVERNMENT** Scholarship.—Two Scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT** Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.
- (6) **KERALA GOVERNMENT** Scholarships.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) **BIHARI LAL MANDAKINI** Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) **ORISSA GOVERNMENT** Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of

these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

- (9) **WEST BENGAL GOVERNMENT** Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residence of WEST BENGAL :—
 - (a) *Category 1.*—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
 - (b) *Category 2.*—The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) **Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL** Scholarships.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) **HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT** Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents' income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.
- (12) **TAMIL NADU GOVERNMENT** Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) **KARNATAKA GOVERNMENT** Scholarship.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of course from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (Rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School, Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded.
- (14) **ALBERT EKKA** Scholarship.—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/- per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet

can be made to the Commandant National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarship are obtainable from the Commandant, National Defence Academy KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

Training

6. The selected candidates for the three services viz. Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.

7. On passing out from the National defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadet to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

Terms and Conditions of Services

Army Officers

(i) PAY

RANK	PAY SCALE
2nd Lieut to Brigadiers	Rs. 2300-100-3900-150-4200-EB-150-5100
Maj Gen.	Rs. 5900-200-6700
Lieut Gen	Rs. 7300-100-7600
VOACS/Army Commander	Rs. 8000 (Fixed)
Chief of the Army Staff	Rs. 9000 (Fixed)

In addition to pay, Rank pay will also be given as under :—

Capt	Rs. 200
Maj.	Rs. 600
Lt. Col.	Rs. 800
Col.	Rs. 1000
Brig.	Rs. 1200

(ii) Qualification, Pay and Grant

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualification are entitled to lump sum grant of Rs. 2000/-, 3000/-, 5625/- or 7500/- based on the qualification held by them. Flying instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) Allowances

In addition to pay an officer at present receives the following allowances :

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 100/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance.—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.
- (e) Outfit allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 3000/- Renewal outfit allowance Rs. 3000/- after every seven years of effective service.
- (f) Free rations are provided to all officers.
- (g) During last 6 months of training at the respective services institution prior to being Commissioned, the Trainees will get a fixed amount of Rs. 1500/- p.m.

(iv) Posting

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

(v) Promotion

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.

(i) By Time Scale and Minimum Service Limit

- Lt—2 years of Commissioned service
- Captain—6 years of commissioned service
- Major—13 years of commissioned service
- Lt Col. from Major if not promoted by selection—25 years of commissioned service.

(ii) By selection

- Lt Col—16 years of commissioned service
- Col—20 years of commissioned service
- Brigadier—23 years of commissioned service
- Major Gen.—25 years of commissioned service
- Lt Gen.—28 years of commissioned service
- Gen—No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

- Captain—3 years
- Major—6 years

Lt Colonel—6½ years
 Col—8½ years
 Brigadier—12 years
 Maj. General—20 years
 Lt General—25 years.

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales
Acting Sub Lieutenant to Commodore	Rs. 2300/- to 5100/-
Real Admiral	Rs. 5900-200-6700/-
Vice Admiral	Rs. 7300-100-7600/-
VCNS/C-IN-C	Rs. 8000/- (Fixed)
Admiral (Chief of Naval Staff)	Rs. 9000/- (Fixed)

In addition to Pay, Rank pay will also be given as under:—

Lieutenant	Rs. 200/-
Lieutenant Commander	Rs. 600/-
Commander	Rs. 800/-
Captain	Rs. 1000/-
Commodore	Rs. 1200/-

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officer of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 2000/-, 3000/-, 5625/- or 7500/- based on the qualification held by them. Flying Navigator instructor category A & B are authorised to qualification pay of Rs 100/- and 70/- p.m. respectively.

(ii) Allowances

- Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 100/- p.m.
- Expatriation Allowance when serving a shore ex-India or afloat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
- Separation Allowance at the Rate of Rs. 140/- p.m. to married officers serving afloat during the period their ship away from its base port.
- Outfit Allowance (Initial) Rs. 3500/- (Renewal) after 7 years service Rs. 3500/-.
- Technical Pay Rs. 75/- to 350/- p.m.
- Flying Pay (If selected for flying duties) Rs. 1200/- p.m.
- Submarine Pay (if selected for submarine Arm) Rs. 1200/- p.m.
- Free rations are provided to all officers.
- Encashment of unavailed Annual Leave @ of 30 days per year for a maximum of 180 days on superannuation.

(iii) Promotions

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks—

By time Scale

Sub Lt— 1 year

Lt.—3 years (subject to gain forfeiture of seniority).

Lt. Cdr.—8 years seniority as Lt

Car.—24 years commissioned service (if not promoted by selection).

By Selection Cmdr. Executive

Branch—2—8 years of seniority as Lt. Cdr.

Cmdr. Engineering

Branch—2—10 years seniority as Lt. Cdr.

Cmdr. Electrical

Branch—2—10 years seniority as Lt. Cdr.

Capt—4 years seniority as Cdr.

Rear Admiral—No restriction.

Vice Admiral—No restriction.

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales
Pilot Officer to Air Commodore	Rs. 2300/- to 5100/-
Air Vice Marshal	Rs. 5900-200-6700/-
Air Marshal	Rs. 7300-100-7600/-
Air Marshal (VCAS, AOC-in-Cs Command)	Rs. 8000/- (Fixed)
Air Chief Marshal (Chief of Air Staff)	Rs. 9000/- (Fixed)

In addition to Pay, Rank pay will also be given as under:

Flight Lieutenant	Rs. 200/-
Squadron Leader	Rs. 600/-
Wing Commander	Rs. 800/-
Group Captain	Rs. 1000/-
Air Commodore	Rs. 1200/-

Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers Possessing certain prescribed qualification at the rate given below:—

Qualification Pay	Rs. 100 p.m. or Rs. 70/- p.m.
Qualification Grants	Rs. 7500/- Rs. 5625/- Rs. 3000/- Rs. 2000/-

(ii) Allowances

- Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 100/- p.m.
- Expatriation Allowance Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the

Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor serving in the Country where IAF officers are required to move as body of troop.

- (d) Separation Allowance—Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units/Formations located at non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 3000/-. Renewal outfit allowance Rs. 3000/- after every seven years of effective service.
- (f) Flying Pay :—
- (i) Up to GP Capt—Rs. 1200/- p.m.
 - (ii) Above GP Capt—Rs. 900/- p.m.
- (g) Test Pilot Allowance—An additional amount equal to one third of the Flying Pay.
- (h) Free rations are provided to all Officers.
- (j) During last six months of training at the respective service institutions prior to being commissioned the trainees may be paid fixed amount of Rs. 1500/- p.m.

(iii) Promotions

Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks—

By Time Scale

- Wg. Cdr.—1 year commissioned service.
- Flt. Lt.—5 years Commissioned service.
- Sqn Ldr.—11 years commissioned service.
- Wg. Cdr.—On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By Selection

- Wg. Cdr.—16 years reckonable total commissioned service.
- Gp. Cpt.—22 years reckonable total commissioned service.
- Air Cmdr.—24 years reckonable total commissioned service.
- Air Vice-Marshal—26 years reckonable total commissioned service.
- Air Marshal—28 years reckonable total commissioned service.

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limit required for acting promotion of officers.

- Flt. Lt.—2 years
- Sqn. Ldr.—5 years
- Wg. Cdr.—6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.).
- Gp. Captain—8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.).
- Air Cdr.—11½ years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
- Air Vice-Marshal—15 years (After service of 5 years* in the ranks of Wg., Cdr., Gp. Capt and Air Cdr.).
- Air Marshal—23 years.

*Inclusive of broken period.

~~14. Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.~~

15. Leave

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.